



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 2, 1991/ माघ 13, 1912  
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 2, 1991/MAGHA 13, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND  
PENSIONS

आदेश

(Department of Personnel & Training)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1991

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1991

का. आ. 237 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस  
स्थापन अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ  
पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए 29-7-90 को डिब्रुगढ़ में श्री दौलत मिश्र नेगी भा. आ. से. की  
हत्या से संबंधित लाठीचार्ज काण्ड स. 53/90 दिनांक 30-7-  
90 के बाबत भारतीय दंड संहिता (1860 का 45) की धारा  
302 427, 379 और 34 सह पठित आतंकवादी और विध्वंसकारी  
क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की  
धारा 3 और 4 के प्रथम दण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों,  
और उन्ही तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संयोजन के अन्तर्गत में  
किए गए अपराधिक बल प्रयोग हमला या उनसे संयुक्त प्रयत्नों,  
बुद्धिमूर्खों और पक्षपातों के अन्वेषण के लिए, अमम शासन के राजनीतिक  
(ए) विभाग की अधिसूचना सं. 246/13 दिनांक 29-11-90 के  
तहत अमम सरकार को सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के  
सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण अमम राज्य  
पर करती है।

S.O. 237.—In exercise of the powers conferred by sub-  
section (1) Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special  
Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central  
Government with the consent of the Government of Assam  
vide Government of Assam Political (A) Department Noti-  
fication No. PLA 246/90/13 dated 29-11-90 hereby extends  
the powers and jurisdiction of the members of the Delhi  
Special Police Establishment to the whole of the State of  
Assam for investigation of offences punishable under Sections  
302, 427, 379 and 34 of the Indian Penal Code (45 of 1860)  
read with Sections 3 & 4 Terrorists & Disruptive Activities  
(Prevention) Act, 1987 (28 of 1987) Criminal force, assault  
and attempt, abetments and conspiracies in relation to or in  
connection with the said offences committed in the course  
of the same transaction or arising out of the same fact or  
facts in Lahoul PS Case No. 53/90 dated 30-7-90 relating  
to murder of Shri Daulat Singh Negi, IPS at Dibrugarh on  
29-7-90.

[संख्या 228/4/91—ए. डी. डी.-II]

[No. 228/4/91-AVD.III]

## आदेश

का. आ. 238 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के माथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुलिस स्टेशन धनबाद सदर, बिहार के अन्तर्गत रजिस्टर किए गए मामला सं. 0003/91 दिनांक 03-1-91 के बाबत भारतीय दंड संहिता (1860 का 45) की धारा 396, 307, 326 और 412 शस्त्र अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की धारा 25 (1) (बी) 26 और 27 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 (1908 का 6) की धारा 4 और धारा 5 के अधीन वण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों, और उन्ही तथ्यों से उत्पन्न होने वाले घने ही संश्लेषण के अनुक्रम में किए गए किन्ही अन्य अपराधों, के संबंध में या उनसे संलग्न प्रत्यक्ष, दुष्प्रेरणों और पक्षधरों के अन्वेषण के लिए, बिहार शासन के गृह (पुलिस) विभाग के ज्ञापन सं. 423 एच (पी), पटना दिनांक 11-1-91 के तहत बिहार सरकार की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण बिहार राज्य पर करती है।

[संख्या 228/3/91—ए. सी. डी.-II]

ए. सी. शर्मा, अधीक्षक सचिव

## ORDER

S.O. 238.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946) the Central Government with the consent of the Government of Bihar vide Government of Bihar, Home (Police) Department Memo No. 423/H(P), Patna dated 11-1-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Bihar for the investigation of the offences punishable under Sections 396, 307, 326 and 412 of the Indian Penal Code (45 of 1860), Sections 25(1) (B), 26 & 27 Arms Act, 1959 (54 of 1959) and Sections 4 & 5 of the Explosives Substances Act, 1908 (6 of 1908) and any other offences, attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences committed in the course of the same transaction or arising out of the same fact or facts in case No. 0003/91 dated 3-1-91 registered with P. S. Dhanbad Sadar, Bihar.

[No. 228/3/91 AVDII]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1990

आय-कर

का. आ. 239 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दिल्ली सोसायटी फॉर दि वेल्फेयर आफ् मैनटलली रिटार्डेड, बिस्मटन, नई दिल्ली," के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8790/फा. सं. 197/36/89—आ. कर (नि.-1)]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th December, 1990

## (INCOME-TAX)

S.O. 239.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Delhi Society for the Welfare of Mentally Retarded

Children, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1988-89 and 1989-90.

[No. 8790/F. No. 197/36/89-JT(A.I)]

आय-कर

का. आ. 240 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "वि इंडियन सेक्शन दि थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8789/फा. सं. 197/273/87—आ. कर (नि.-1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

## (Income-Tax)

S.O. 240.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Indian Section, The Theosophical Society, Varanasi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8789/F. No. 197/273/87 JT(A.I)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का. आ. 241 :—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा असम सरकार के सहमति तथा आन्ध्रप्रदेश-निर्वाण निदेशालय में पुलिस अधीक्षक तथा उसके ऊपर के ओहदे के सभी अधिकारियों को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 8794/फा. सं. 225/64/90—आ. कर. नि. II]

अर्चना रंजन, सचिव,

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 26th December, 1990

## Income-Tax)

S.S. 241.—In pursuance of such clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby specifies all the officers of and above the rank of Superintendent of Police in the Vigilance & Anti Corruption Directorate of Government of Assam, for the purpose of the said sub-clause.

[No. 8794/F. No. 225/64/90-JTA.II]

ARCHANA RANJAN, Secy.

Central Board of Direct Taxes.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1990

प्रधान स्थापन

का. आ. 242 :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (कार्यवाह संश्लेषण अधिनियम) अधिनियम, 1964 के नियम 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सदस्य ए. सी. स्वामीनाथन को 31 दिसम्बर, 1990 के पूर्वाह्न

से उनकी सेवा नियुक्त की तारीख अर्थात् 31-7-1991 तक केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करनी है।

[फा. नं. ए-19011/1/88-प्रशा. I]  
अति. के. जिनदल, निदेशक (प्रशा.)

New Delhi, the 31st December, 1990  
HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.O. 242.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Central Board of Direct Taxes (Regulation of Transaction of Business) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri A. V. Swaminathan, Member, Central Board of Direct Taxes, as Chairman, Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of the 31st December, 1990 till the date of his superannuation i.e. 31-7-1991.

[F. No. A-19011/4/88-Ad.1]  
R. K. JINDAL, Director (Admn.)

आदेश  
नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991  
स्टाम्प

फा. आ. 243 :- भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो आवास तथा शहरी विकास निगम लि., नई दिल्ली द्वारा जारी केवल तीस करोड़ रुपये के "11.5% ऋण-पत्र-201063 श्रृंखला" के रूप में वर्णित ऋण-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी है।

[सं. 1/91-स्टाम्प-फा. सं. 33/66/90-बिक्री कर]

## ORDER

New Delhi, the 16th January, 1991

## STAMPS

S.O. 243.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "11.5% Debentures-2010 XXXI Series" of the value of rupees thirty crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 1/91-Stamps-F. No. 33/66/90-ST]

आदेश

स्टाम्प

फा.आ. 244 :- भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो आवास तथा शहरी विकास निगम लि., नई दिल्ली द्वारा जारी केवल चालीस करोड़ रुपये के "11.5 प्रतिशत ऋण पत्र-201037 श्रृंखला" के रूप में वर्णित ऋण पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं. 2/91-स्टाम्प-फा. सं. 33/88/90-बिक्री कर]  
आत्मा राम, अवर सचिव

## ORDER

## STAMPS

S.O. 244 —In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "11.5% debentures—2010 XXXVI Series" of the value of rupees forty crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 2/91-Stamps-F. No. 33/88/90-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1991

फा. आ. 245 :- बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा के 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध भारत जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि., भारत (गुजरात राज्य) इस अधिनियम के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1993 तक लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. G-1-91-एसी]

प्रवीण कुमार तेजयान, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

## BANKING DIVISION

New Delhi, the 15th January, 1991

S.O. 245 —In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Bharuch District Central Co-operative Bank Ltd., Bharuch (Gujarat State) from the date of publication of this notification in the official Gazette to 30 June 1993.

[F. No. 6(1)/91-AC]

P. K. TEJYAN, Under Secy.

फा. आ. 246 :- राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 9 के उपखण्ड (2) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (ब) के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री संकरत श्रीनिवासन, विशेष सहायक इंडियन ओवरसीज बैंक, चेम्बर शाखा, बम्बई को दिनांक 15 जनवरी, 1991 से 14 जनवरी, 1994 तक अवकाश जब तक वे इंडियन ओवरसीज बैंक के एक कर्मचारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इनमें से जो भी पहले हो, इंडियन ओवरसीज बैंक के निदेशक मण्डल में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 15/7/88—आई. आर.]

सतपाल भाटिया, अवर सचिव

S.O. 246.—In pursuance of sub-clause (b) of clause 3 read with sub-clause (2) of clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Sankaran Srinivasan, Special Assistant, Indian Overseas Bank, Chembur Branch, Bombay as a Director on the Board of Directors of Indian Overseas Bank with effect from 15th January, 1991 to 14th January 1994 or until he ceases to be an employee of the Indian Overseas Bank, whichever is earlier.

[No. F. 15/7/88-IR]

S. P. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991

का. भा. 247.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) का धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की विफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख की उपधारा 9) के उपबन्ध, जहाँ तक उनका संबंध अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए, बैंक द्वारा चार महीने से अधिक की अवधि के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने की सलाही से है, रत्नाकर बैंक लि. पर दिनांक 16 दिसम्बर, 1990 से 15 मार्च, 1991 तक या नए अध्यक्ष के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो पहले हो, लागू नहीं होगा।

[सं. 15/13/90—बी ओ III (ii)]

New Delhi, the 16th January, 1991

S.O. 247.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declared that the provisions of sub-section (9) of Section 10B of the said Act shall not to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months, apply to the Ratnakar Bank Limited from 16th December, 1990 to 15th March, 1991 or till the new Chairman takes charge, whichever is earlier.

[No. 15/13/90-B.O.III(ii)]

का. भा. 248.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की विफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख की उपधारा (1) और (2) के उपबन्ध रत्नाकर बैंक लि. पर दिनांक 16 दिसम्बर, 1990 से 15 मार्च, 1991 तक की तीन महीने की अवधि तक अथवा नए अध्यक्ष के कार्यभार संभालने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होगा।

[सं. 15/13/90—बी. ओ. III (1)]

प्राण नाथ, अवर सचिव

S.O. 248.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) and (2) of Section 10B of the said Act shall not apply to the Ratnakar Bank Limited for a period of three months from 16th December, 1990 to 15th March, 1991 or till the new Chairman takes charge, whichever is earlier.

[No. 15/13/90-B.O.III(i)]

PRAN NATH, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1991

का. भा. 249.—आयकर अधिनियम, 1948 (1948 का 15) का धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा भारतीय औद्योगिक वित्त निगम द्वारा जारी की जाने वाली तीस वार्षिक संपदा की आयुक्त, प्रत्येक वर्ष पर प्रत्येक वर्ष द्वारा जारी की जाने वाली वार्षिक संपदा की आयुक्त पर 6 प्रतिशत निर्धारित करती है।

[फाइल संख्या 6(3)/श्री. वि. 1/89]

एच. एस. कुमार, निदेशक  
(आई. एफ.)

New Delhi, the 22nd January, 1991

S.O. 249.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government hereby fixes the minimum rate of annual dividend guaranteed by the Central Government on the additional share capital of rupees thirty crores to be issued by the Industrial Finance Corporation of India, at 6 per cent.

[F. No. 6(3) I.F.I./89]

H. S. KUMAR, Director (I.F.)

(मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय)

कलकत्ता 1 नवम्बर, 1990

7/90-91

का. भा. 250.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप धारा (1) और (2) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली की अधिनियम जारी फा. सं. 279/121/89-आई.टी.जे. एम.ओ. नं. 777 (ई) 8748 दिनांक 11-10-1990 और इस संबंध में मुझे प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस बारे में पूर्व अधिसूचनाओं की अधिग्रहण करने हुए, ऐसे अधिग्रहण के पूर्व किए गए कार्यों अथवा करने के लिए छोड़ दिए गए कार्यों को छोड़कर, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के (ग) में (ग) तक, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (ग) में (ई) तक, और धनकर अधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (ए) के खंड (ग) से (ई) तक, कम्पनी (लाभ) अधिनियम, 1984 (1984 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1), व्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) धनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 22 की उपधारा (1) और संपदा शुल्क, 1953 की धारा 62 में वर्णित श्रेणियों के अनुसार स्तर 3 में विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों/निर्धारण अधिकारियों द्वारा आयकर या धनकर या वानकर या अनिकर या व्याजकर या व्ययकर या संपदा शुल्क देने वाले असंतुष्ट निर्धारितियों के संबंध में संलग्न अनुसूची के स्तर 2 में उल्लिखित आयकर आयुक्त (अपील) अपना कार्य करेंगे।

2. जहाँ एक आयकर सफल, वहाँ अथवा विवेक रेंज अथवा उनके अंश इस अधिसूचना के अनुसार एक रेंज से दूसरे रेंज में स्थानान्तरण हो गये हों इस अधिसूचना के जारी होने के पक्ष पहले आयकर आयुक्त (अपील) के समीप उन आयकर वार्ड/सर्वेक्षण रेंज अथवा उनके अंश में हुई निर्धारण संबंधी अपील लम्बित हो तो उस अधिसूचना के प्रभावकारी होने की तिथि से वे आयकर आयुक्त (अपील) कार्य करेंगे अतः अधिनियम उक्त वार्ड/सर्वेक्षण रेंज अथवा उनके अंश स्थानान्तरित किए गए हैं।



3 यह अध्यावृत्त तारीख 12-11-1990 से लागू है।

1

2

3

7. आयकर आयुक्त (अपील) क्षेत्राधिकार संस्था का परन्तम्, मुख्यतया सहित

1 2 3

1 आयकर आयुक्त (अपील)-1, कलकत्ता।

निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वे, सर्वे व बाडों को सभाल रहे हैं :

- (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-7 कलकत्ता।
- (ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-ब्रक्सफोर्ड, जलपाईगुड़ी।
- (ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-7, कलकत्ता।

2 आयकर आयुक्त (अपील)-3, कलकत्ता।

निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वे, सर्वे व बाडों को सभाल रहे हैं :

- (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-6, कलकत्ता।
- (ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-21, कलकत्ता।
- (ग) आयकर आयुक्त, रेंज-10, कलकत्ता।
- (घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-2, कलकत्ता।
- (ङ) सभी निर्धारण अधिकारी जो कि आयकर निर्देशक (आयकर ड्यूटी), कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

3 आयकर आयुक्त (अपील)-6, कलकत्ता।

निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वे, सर्वे व बाडों को सभाल रहे हैं :

- (क) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-1 कलकत्ता।
- (ख) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-2, कलकत्ता।
- (ग) आयकर उपायुक्त, रेंज-11, कलकत्ता।
- (घ) आयकर उपायुक्त, रेंज-12 कलकत्ता।

4 आयकर आयुक्त (अपील)-7, कलकत्ता।

निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वे, सर्वे व बाडों को सभाल रहे हैं :

- (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-1, कलकत्ता।

5. आयकर आयुक्त (अपील)-10, कलकत्ता।

निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वे, सर्वे व बाडों को सभाल रहे हैं।

- (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-15, कलकत्ता।
- (ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-20, कलकत्ता।
- (ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-2, कलकत्ता।
- (घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-10, कलकत्ता।
- (ङ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-12, कलकत्ता।

[गं. सा.आ. मुख्य/गोजना/30/90-91]

(Office of the Chief Commissioner of Income-Tax)

No.2/90-91

Calcutta, the 1st November, 1990

S.O. 250 :- In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8748 in F.No. 79/121/89-IT/S.O. No. 777(F) dated 11-10-1990 and all other powers enabling me in this behalf and, in supersession of all earlier Notifications made in this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, hereby direct that the Commissioners of Income Tax (Appeals) specified in column 2 of the Schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Surtax or Interest Tax or Expenditure Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, clauses (a) to (e) of sub-section (1A) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (c) of sub-section (1A) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1958 (18 of 1958), sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984), sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section (1) of Section 22 of the Expenditure Tax Act, 1987 (35 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.

2. Where an Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioners of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.

3. This notification takes effect from 12-11-1990.

1 2 3

## SCHEDULE OF JURISDICTION OF COMMISSIONER OF INCOME TAX (APPEALS) FUNCTIONING UNDER CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX CALCUTTA

Sl. Designation of No. Commissioner of Income Tax (Appeals) with Headquarters.	Jurisdiction
1	2
1. Commissioner of Income Tax (Appeals)-I, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:— (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-7, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-Jalpaiguri, Jalpaiguri. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-7, Calcutta.
2. Commissioner of Income Tax (Appeals)-III, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:— (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-6-, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-21, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-10, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-11, Calcutta. (e) All assessing officers under the Administrative Control of the Director of Income Tax (Income Tax Exemption), Calcutta.
3. Commissioner of Income Tax (Appeals)-VI, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:— (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-I, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-2, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-11, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-13, Calcutta.

4. Commissioner of Income Tax (Appeals) VII, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:— (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-I, Calcutta.
5. Commissioner of Income Tax (Appeals)-X, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:— (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-15, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-20, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-8, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-10, Calcutta. (e) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-12, Calcutta.

[No. AC/HQ/Planning/30/90-91]

कलकत्ता, 8 नवम्बर, 1990

सं. 6/90-91

का. आ. 251.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 120 की उपधारा (1) और (2) के द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना सं. 8694/का. सं. 187/6/39-आई.टा.ए.-1/एस. ओ. स. 548 (ई) दिनांक 9-7-1990 और इसकी और मुझे प्रदान करने वाला अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुख्य आयकर प्रावृक्त, कलकत्ता एतद्द्वारा—

(क) निदेश देता हूँ कि संलग्न अधिसूची के स्तम्भ 2 में वर्णित आयकर आयुक्त अपने क्षेत्रों का पालन ऐसे, क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों या आय, आय वर्गों या ऐसे सभी मामलों या मामलों के वर्गों के विषय में, स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त और इसके बाद, उन शक्तियों का प्रयोग, स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज एवं उनके अध्यात्मस्थ निर्धारण अधिकारियों द्वारा करेंगे।

(ख) निदेश देता हूँ कि उक्त आयकर उपायुक्त अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग ऐसे क्षेत्रों, व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या आय या आय के वर्गों और ऐसे सभी मामलों के वर्गों के विषय में जारी रखेंगे जिसे वे या अपने अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा, इस अधिसूचना के लागू होने के पूर्व अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर रहे थे और जो इस अधिसूचना द्वारा विशेष रूप से किसी दूसरे आयकर आयुक्तों के सुपुर्द नहों किये गये हों।

(ग) आयकर आयुक्तों को प्राधिकृत करता हूँ कि वे अपने अधीन सभी या कोई आयकर प्राधिकारियों को लिखित आदेश दें कि ऐसे प्रादेशिक क्षेत्रों या ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामलों या मामलों के वर्गों तथा एक रेंज से दूसरे रेंज

या एक निर्धारण अधिकारी से दूसरे अधिकारी के पाम स्थानांतरित मामलों के संबंध में इन आदेशों के विनिर्दिष्ट के अनुसार शक्तियों का प्रयोग एवं कार्य करेंगे।

मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता के अधिसूचना सं. 6/90-91 दिनांक 8-11-1990 की अनुसूची

क्रम	आयकर आयुक्त के प्रभाग संख्या	आयकर उपायुक्त जिले पर आयकर आयुक्त अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करेंगे
1	2	3
1.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता	(1) उपायुक्त विशेष रेंज-1, कलकत्ता (2) उपायुक्त विशेष रेंज-7, कलकत्ता (3) उपायुक्त विशेष रेंज-11, कलकत्ता (4) उपायुक्त रेंज-1, कलकत्ता (5) उपायुक्त जलपाईगुरी रेंज, जलपाईगुरी
2.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-2, कलकत्ता	(1) उपायुक्त विशेष रेंज-2, कलकत्ता (2) उपायुक्त विशेष रेंज-10, कलकत्ता (3) उपायुक्त विशेष रेंज-12, कलकत्ता (4) उपायुक्त रेंज-7, कलकत्ता (5) उपायुक्त अर्जन रेंज-1, कलकत्ता (6) उपायुक्त अर्जन रेंज-11, कलकत्ता
3.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-7, कलकत्ता	(1) उपायुक्त रेंज-6, कलकत्ता (2) उपायुक्त रेंज-11, कलकत्ता (3) उपायुक्त रेंज-20, कलकत्ता (4) उपायुक्त रेंज-21, कलकत्ता
4.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-8, कलकत्ता	(1) उपायुक्त रेंज-10, कलकत्ता (2) उपायुक्त रेंज-15, कलकत्ता (3) उपायुक्त विशेष रेंज-8, कलकत्ता (9) उपायुक्त रेंज-13, कलकत्ता

[सं. स.प्रा. मुख्या/योजना 90-91]

Calcutta, the 8th November, 1990

No. 6/90-91

S.O. 251.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) and (2) of Section 120 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) and the powers conferred by Notification No. 8694 in F. No. 187/6/89-ITA.I/S.O. No. 548(E) dated 9-7-1990 by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income-Tax, Calcutta, hereby:—

- (a) direct that the Commissioner of Income-Tax specified in column 2 of the Schedule annexed hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of which the Deputy Commissioners of Income-Tax specified in column 3 and which powers shall be hereafter exercised by the Deputy Commissioners of Income-Tax and Deputy Commissioners of Income-Tax, special Range specified in column 3 and their subordinate assessing officers ;
- (b) direct that the said Commissioner of Income-Tax shall continue to exercise jurisdiction over such areas, persons or classes of persons, incomes or

classes of incomes and cases or classes of cases over which they or their subordinate officers exercised jurisdiction prior to coming into force of this Notification, and which have not been specifically assigned to any other Commissioners of Income Tax, by this Notification ;

- (c) authorised the said Commissioners of Income-Tax to issue orders in writing for the exercise of the powers and performance of the functions by all or any of the Income-Tax authorities who are subordinate to them in respect of such territorial areas or of such persons or classes of persons or of incomes or classes of incomes of such cases or classes of cases as may be specified by them in such orders, including an order transferring the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes cases or classes of cases from one Range to another Range or from one assessing officer to another assessing officer.

SCHEDULE OF NOTIFICATION NO. 6/90/91 OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX, CALCUTTA DATED 8-11-1990.

Sl. No.	Commissioner of Income Tax's Charge.	Deputy Commissioner of Income Tax over which the Commissioner of Income-tax will exercise jurisdiction.
1	2	3
1.	Commissioner of Income-Tax, West Bengal-I, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-I, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Special Range-7, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Special Range-11, Calcutta. (iv) Deputy Commissioner, Range-1, Calcutta. (v) Deputy Commissioner, Jalpaiguri Range, Jalpaiguri.
2.	Commissioner of Income-Tax, West Bengal-II, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-2, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Special Range-10, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Special Range-12, Calcutta. (iv) Deputy Commissioner, Range-7, Calcutta. (v) Deputy Commissioner, Acquisition Range-I, Calcutta. (vi) Deputy Commissioner, Acquisition Range-II, Calcutta.
3.	Commissioner of Income-Tax, West Bengal-VII, Calcutta	(i) Deputy Commissioner, Range-6, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Range-11, Calcutta.

1	2	3
		(iii) Deputy Commissioner, Range-20, Calcutta.
		(iv) Deputy Commissioner, Range-21, Calcutta.
4. Commissioner of Income-Tax, West Bengal-VIII, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Range-10, Calcutta.	
	(ii) Deputy Commissioner, Range-15, Calcutta.	
	(iii) Deputy Commissioner, Special Range-8, Calcutta.	
	(iv) Deputy Commissioner, Range-13, Calcutta.	

[F. No. AC/HQ/Planning/90-91/10]

कलकत्ता, 3 दिसम्बर, 1990

सं. 10/90-91

का.आ. 252—आयकर अधिनियम, 1961, की धारा 120 का उपधारा (1) और (2) के अधीन प्रवृत्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुये, मैं मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता एतद्द्वारा निदेश देता हूँ कि क. व.स. अधिकारी-31, कलकत्ता व 24 परगना जो आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-11, कलकत्ता एवं आयकर आयुक्त, रेंज-20, कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं, अधिसूचना सं. 4/89-90 दिनांक 19-5-1989 (ज्ञान सं. आ.प्र./मु.आ./क/366/89-90/3670-4169 दिनांक 24-5-89 द्वारा परिष्कृत) के अनुसार उन्हें प्रदान क्षेत्राधिकार के अनुरूप, उन निर्धारितियों के लिए क्षेत्राधिकार का प्रयोग करेंगे जो अभी आयकर गृह-निदेशक (छूट) और आयकर निदेशक (छूट) के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत आयकर सहायक निदेशकों और आयकर अधिकारियों के क्षेत्राधिकार के अधीन हैं या होंगे।

2. यह अधिसूचना 10-12-1990 से लागू है।

[सह्या.स.आ.मु.आ. योजना/89-90/366]

डॉ. एन. आर. शिवस्वामी, मुख्य आयकर आयुक्त,

Calcutta, the 3rd December, 1990

No. 10/90-91

S.O. 252.—In exercise of the powers conferred under sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961, I, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, hereby direct that the Tax Recovery Officer-XXVI, Calcutta and 24-Parganas who is under the administrative control of the Commissioner of Income Tax, West Bengal-

मुख्य आयकर आयुक्त-III

कलकत्ता के अधीन कार्यरत

आयकर आयुक्त (अपील) की अनुसूची

क.सं. मुख्य आयुक्त, आयकर आयुक्त (अपील) के पदनाम	निर्देशित अधिकारी	उ.आ. रेंज	आ.आ. के प्रसार
1	2 (ए)	4 (बी)	5 (सी)
1. आयकर आयुक्त (अपील)-8, कलकत्ता	(क) सहायक आयुक्तों जो अनुसंधान सचिव 5(1) और उसके आगे के प्रसार में कार्यरत होंगे।	उपस्थित रेंज-6 कलकत्ता	प.ब.-6, कलकत्ता

and the Deputy Commissioner of Income Tax Range-20, Calcutta, shall, in addition to the jurisdiction already vested on him vide Notification No. 4/89-90 dated 19th May, 1989 (circulated through Memo No. ITO HQ/Tech/366/89-90/3670-4169 dated 24-5-89), exercise jurisdiction also in respect of the assesses who are or who would come under the jurisdiction of Assistant Directors of Income Tax and Income Tax Officers who are now under the administrative control of Director General of Income Tax (Exemption) and Director of Income Tax (Exemption).

2. This Notification takes effect from 10-12-1990.

[No. AC/HQ/Planning/89-90/366]

Dr. N. R. SIVASWAMY, Chief Commissioner of Income Tax

कलकत्ता, 5 दिसम्बर, 1990

सं. 4/90-91

का.आ. 253—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना सं. 8784 फा. सं. 279/12/89 आई टी जे एन.ओ.सं. 777 (ई) दिनांक 11-10-90 और इसकी और प्रदान करने वाली अन्य गतिविधियों का प्रयोग करने हुए, और इस बारे में पूर्ण अधिसूचनाओं को अधिकरण करने हुए, अथवा करने के लिये छोड़ दिये गये को छोड़कर मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-III कलकत्ता एतद्द्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (ए) में (एच) तक, धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (1ए) के खण्ड (ए) में (ई) तक, दानकर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (1ए) के खण्ड (ए) में (ई) तक, कम्पनी (लाभ) अधिनियम, 1984 (1984 का 7) की धारा 11 का उपधारा (1), सूद कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 22 की उपधारा (1) और व्यय कर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 22 की उपधारा (1) और सम्पदा शुल्क अधिनियम, 1953 की धारा 62 में वर्णित आदेशों के अनुसार स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों/निर्धारण अधिकारियों द्वारा आयकर या धनकर या दानकर या अतिकर या सूदकर या व्यय कर देने वाले असंगत निर्धारितियों के संबंध में, संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में उल्लिखित आयकर आयुक्त (अपील) अपना कार्य करेंगे।

2 जहाँ एक आयकर सचिव, वार्ड या विशेष रेंज या उनके अंश, इस अधिसूचना के अनुसार एक रेंज से दूसरे रेंज में स्थानांतरण हो गये हों, इस अधिसूचना के जारी होने के शीघ्र पहले आ.आ. (अपील) के समीप उन आयकर वार्ड, सचिव विशेष रेंज अथवा उनके अंश में हुई निर्धारण संवर्धी अपील गतिविधियों और अधिसूचना के प्रभावशाली होने का विश्वास उन आयकर वार्ड, सचिव विशेष रेंज अथवा उनके अंश स्थानांतरित किये गये हैं।

3 यह अधिसूचना दिनांक 12-11-1990 से लागू होगी।

1	2	3(ए)	3(बी)	3(सी)
		(ख) आयकर अधिकारियों जो वार्ड सं 5(1) से 5(3) तक संभाले हुए हैं।	उपायुक्त रैंज-5 कलकत्ता	प. बं.-6 कलकत्ता
		(ग) आयकर उपायुक्त विशेष रैंज-18 कलकत्ता	उ.आ.वि रैंज-14 कलकत्ता	प. बं.-11 कलकत्ता
2. आयकर आयुक्त		(क) सहायक आयुक्तों जो अनुसंधान सर्कल 4(1) और उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उ.आ. रैंज-4 कलकत्ता	प. बं.-5 कलकत्ता
		(ख) सहायक आयुक्तों जो अनुसंधान सर्कल-4(1) तथा उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(ग) आयकर अधिकारियों, जो वार्ड 4(1) तथा उसके भागों के वार्ड संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(घ) उपायुक्त विशेष रैंज-5, कलकत्ता	उ.आ. विशेष रैंज-5, कलकत्ता	-वही-
		(ङ) सहायक आयुक्तों जो अनुसंधान सर्कल 18(1) और उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उ.आ., रैंज-18 कलकत्ता	प. बं.-8 कलकत्ता
		(च) सहायक आयुक्त, जो सर्कल 18(2) और उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(छ) आयकर अधिकारियों, जो वार्ड 18(1) तथा उसके भागों के वार्ड संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(ज) सहायक आयुक्त, जो अनुसंधान सर्कल-1 आसनसोल तथा उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उ.आ. आसनसोल रैंज	प. बं.-II कलकत्ता
		(झ) सहायक आयुक्त जो सर्कल-1, आसनसोल तथा उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उ.आ. आसनसोल रैंज	प. बं.-II कलकत्ता
		(ञ) आयकर अधिकारियों जो, दुर्गापुर, आसनसोल, बर्दमान, मुरी, बांकुरा तथा पुरुलिया के वार्ड संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
3. आयकर आयुक्त (अपील)-12, कलकत्ता		(क) सभी सहायक आयुक्तों, जो सर्कल 5(1) और उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उपायुक्त रैंज-5, कलकत्ता	प. बं.-6 कलकत्ता
		(ख) सभी आयकर अधिकारियों जो वार्डस 5(14) और उसके भागों के वार्डस संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(ग) आयकर अधिकारियों, जो वार्ड 19(1) तथा उसके भागों, और आयकर अधिकारियों जो हुगली तथा मिदनापुर के सभी वार्डस संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(घ) उपायुक्त विशेष रैंज-6	उपायुक्त विशेष रैंज-6, कलकत्ता	प. बं.-6 कलकत्ता
4. आयकर आयुक्त (अपील)-13, कलकत्ता		(क) सहायक आयुक्तों जो अनुसंधान सर्कल-9(1) एवं उसके भागों के सर्कल संभाले हुए हैं।	उपायुक्त रैंज-9 कलकत्ता	प. बं.-5 कलकत्ता
		(ख) सहायक आयुक्तों, जो कलकत्ता सर्कल 9(1) और उसके भागों के सर्कल संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(ग) आयकर अधिकारियों जो वार्ड 9(1) तथा उसके भागों के वार्ड संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-
		(घ) सहायक आयुक्तों, जो अनुसंधान सर्कल 19(1) तथा उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	उपायुक्त रैंज-19 कलकत्ता	प. बं.-II, कलकत्ता
		(ङ) सहायक आयुक्तों जो सर्कल 19(1) और उसके भागों के प्रभार संभाले हुए हैं।	-वही-	-वही-

[सं. ए. सं. मुख्य/योगभा/30/90-81]

Calcutta, the 5th November, 1990.

No. 4/90-91

S.O. 253:—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8748 in F. No. 279/121/89-ITJ/S.O. No. 777(E) dated 11-10-1990 and all other powers enabling me in this behalf and, insupersession of all earlier Notifications made in this behalf, except in respect of things done or to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, hereby direct that the Commissioners of Income-tax (Appeals) specified in column 2 of the Schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Wealth Tax or Gift Tax or Sur-tax or Interest Tax or Expenditure Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, clauses (a) to (e) of sub-section (1A) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (e) of sub-section (1A) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1968 (18 of 1958), sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984), sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section (1) of Section 22 of the Expenditure Tax Act, 1987 (35 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.

2. Where an Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income-Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioners of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.

3. This notification takes effect from 12-11-1990.

**SCHEDULE OF JURISDICTION OF COMMISSIONERS OF INCOME-TAX (APPEALS)  
FUNCTIONING UNDER THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
-III, CALCUTTA.**

Sl. No.	Designation Commissioner of Income Tax (Appeals) with Headquarters.	Jurisdiction		
		Assessing Officer	D.C. Range.	CIT's Charge
(1)	(2)	(3a)	(3b)	(3c)
1. Commissioner of Income-Tax (Appeal)-VIII, Calcutta.	(a)	Asstt. Commissioners holding Inv. Circles 5(1) and onwards.	Dy. Commissioners, Range-5, Cal.	WB-VI, Cal.
	(b)	Income-Tax Officers holding Wards 5(1) to 5(13)	-do-	-do-
	(c)	Dy. Commissioner Spl. Range-18, Cal.	Dy. Commissioner Spl. R-18, Cal	WB-XI, Cal.
2. Commissioner of Income-Tax (Appeals)-IX, Calcutta.	(a)	Asstt. Commissioners holding Inv. Circles 4(1) & onwards.	Dy. Commissioner Range-4,	WB-4V, Cal.
	(b)	Asstt. Commissioners holding Circles 4(1) and onwards.	-do-	-do-

(1)	(2)	(3a)	(3b)	(3c)
		(c) Income Tax Officers holding Wards 4(1) and onwards.	Dy. Commissioner Spl. R-18. Cal	WB-4V Cal.
		(d) Dy. Commissioner Spl. Range-5, Cal.	Dy. Commissioner Spl. R-5, Cal.	-do-
		(e) Asstt. Commissioner holding Inv. Circle 18(1) and onwards.	Dy. Commissioner Range 18, Cal.	WB-VI, Cal.
		(f) Asstt. Commissioner holding Circles 18(2) and onwards.	-do-	-do-
		(g) Income-Tax Officers holding Wards 18(1) and onwards.	-do-	-do-
		(h) Asstt. Commissioner holding Inv. Circles-1 Asansol and onwards.	Dy. Commissioner, Asansol Range.	WB-XI, Cal.
		(i) Asstt. Commissioner holding Circle-1, Asansol Range, and onward.	Dy. Commissioner Asansol Range.	WB-XI, Cal.
		(j) Income-Tax Officers holding all Wards of Durgapur, Asansol, Burdwan, Suri, Bankura and Purulia.	-do-	-do-
3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XII, Calcutta.	(a)	All Asstt. Commissioners holding Circles 5(1) and onwards.	Dy. Commr. Range-5, Cal.	WB-VI, Cal.
	(b)	All Income-tax Officers holding Wards 5(14) and onwards.	-do-	-do-
4. Commissioners of Income-tax (Appeals)-XIII. Calcutta.	(a)	Asstt. Commissioners holding Inv. Circles 9(1) & onwards.	Dy. Commr. Range-9, Cal.	WB-V, Cal.
	(b)	Asstt. Commissioners holding Coy. Circles 9(1) & onwards.	-do-	-do-
	(c)	Income-tax Officers holding Wards 9(1) and onwards	-do-	-do-
	(d)	Asstt. Commissioners holding Inv. Circles 19(1) & onwards.	Dy. Commissioner. Range-19. Cal.	WB-XI, Cal.

1	2	3(a)	3(b)	3(c)
	(e)	Asstt. Commissioners holding Circles 19(1) and onwards.	Dy. Commissioner Range-19. Cal.	WB-XI, Cal
	(f)	Income-tax Officers holding Wards 19(1) and onwards and Income tax Officer holding al Wards of Hooghly and Midnapur.	-do-	-do-
	(g)	Dy. Commissioner, Spl. Range-6.	Dy. Commr. Special Range-6, Cal.	WB-VI, Cal.

[No. A.C./HQ/Planning/30/90-91]

कलकत्ता, 7 नवम्बर, 1990

सं. 5-90-91.

का.घा. 254 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 3) की धारा 130 की उपधारा (1) और (2) के द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना सं. 8694 फा. सं. 187/6/89-आई.टी.ए.-1 एस.पी. सं. 548(ई) दिनांक 9-7-90 और इसकी और से मुझे प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मेरा आदेश सं. 501/फा.सं. 2ई/4/90-91 दिनांक 5-11-90 के आगे मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-III एतद्वारा (क) निदेश देता हूँ कि संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में वर्णित आयकर आयुक्त अपने कृत्यों का पालन ऐसे क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों या आय या आय बर्गों के विषय में, स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त और इसके बाव उन शक्तियों का प्रयोग, स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त, तक आयकर उपायुक्त विशेष रेंज- एवं उनके अधीनस्थ निर्धारण अधिकारियों द्वारा करेंगे।

(ख) निवेश देता हूँ कि उक्त आयकर आयुक्त अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग ऐसे क्षेत्रों, व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या आय या आय के बर्गों और ऐसे सभी मामलों या मामलों के बर्गों के विषय में करेंगे जिसे वे या अपने अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा, इस अधिसूचना के लागू होने के पूर्व अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर रहे थे, और जो इस अधिसूचना द्वारा विशेष रूप से किसी दूसरे आयकर आयुक्तों के सुपुर्ब नहीं किये गये हैं।

उक्त आयकर आयुक्तों को प्राधिकृत करता हूँ कि वे अपने अधीन सभी या कोई आयकर प्राधिकारियों को लिखित आदेश दें कि ऐसे प्रादेशिक क्षेत्रों या ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या ऐसी आय या आय के बर्गों या ऐसे मामलों या मामलों के बर्गों तथा एक रेंज से दूसरे रेंज या एक निर्धारण अधिकारी से दूसरे निर्धारण अधिकारी के यहाँ स्थायीतः मामलों के संवेध में इन आदेशों के विनिश्चित के अनुसार शक्तियों का प्रयोग और कार्य करें।

मुख्य आयकर आयुक्त-III, कल. के अधिसूचना संख्या 5/90-91 दिनांक 7-11-90 की अनुसूची

क्रम संख्या	आयकर आयुक्त के प्रकार	आयकर उपायुक्त, जिन पर आयकर आयुक्त अपने क्षेत्राधिकार के प्रयोग करेंगे
1	2	3
1.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-5, कलकत्ता	(1) आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-5, कलकत्ता (2) आयकर उपायुक्त, रेंज-4 कलकत्ता (3) आयकर उपायुक्त रेंज-9, कलकत्ता
2.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-6, कलकत्ता	(1) आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-6, कलकत्ता (2) आयकर उपायुक्त, रेंज-5, कलकत्ता (3) आयकर उपायुक्त, रेंज-18 कलकत्ता
3.	आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-11, कलकत्ता	(1) आयकर उपायुक्त, रेंज-19 कलकत्ता (2) आयकर उपायुक्त, आसनसोल, रेंज, आसनसोल (3) आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-18, कलकत्ता

[सं. स. घा./मुख्य/योजना 90-91/10]



Calcutta, the 7th November, 1990  
No. 5/90-91

S.O. 254.—In exercise of the powers conferred under sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (42 of 1961) and the powers conferred by Notification No. 8694 in F. No. 187/6/89 ITO.I/S.O. No. 548(E) dated 9-7-1990 by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, all other powers enabling me in this behalf, and in continuation to my Order No. 501/in F. No. 2E/4/90-91 dated 5-11-1990, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta hereby—

- direct that the Commissioners of Income-Tax specified in column 2 of the Schedule annexed hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of which the Deputy Commissioner of Income-Tax specified in column 3 and which powers shall be hereafter exercised by the Deputy Commissioners of Income-Tax and Deputy Commissioners of Income-Tax, special Range specified in column 3 and their subordinate assessing officers ;
- direct that the said Commissioners of Income-Tax shall continue to exercise jurisdiction over such areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases over which they or their subordinate officers exercised jurisdiction prior to coming into force of this Notification, and which have not been specifically assigned to any other Commissioners of Income-Tax, by this Notification ;
- authorised the said Commissioners of Income-Tax to issue orders in writing for the exercise of the powers and performance of the functions by all or any of the Income-Tax authorities who are subordinate to them in respect of such territorial areas or of such persons or classes of persons or of incomes or classes of incomes of such cases or classes of cases as may be specified by them in such orders, including an order transferring the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes, cases or classes of cases from one Range to another Range or from one assessing officer to another assessing officer.

**SCHEDULE TO NOTIFICATION NO. 5/90-91 OF THE  
CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX, III, CAL.  
DATED 7-11-1990.**

Sl. No.	Commissioner of Income Tax's Charge.	Deputy Commissioner of Income Tax over which the Commissioner of Income Tax will exercise jurisdiction
1	2	3
1.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-V, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-5, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Range-4, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Range-9, Calcutta.
2.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-VI, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-6, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Range-5, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Range-18, Calcutta.
3.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-XI, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Range-19, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Asansol Range, Asansol. (iii) Deputy Commissioner, Special Range-18, Calcutta.

[No. AC/HQ/Planning/90-91/10]

कलकत्ता, 20 नवम्बर, 1990

सं. 9/90-91.

का.भा. 255—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना सं. 8694, का. सं. 187/6/89 आई.टी.ए. 1, एस.ओ. सं. 548 (ई) दिनांक 9-7-90 और इस दिशा में मुझे अमता प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग एवं गत सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-III, कलकत्ता एतद्वारा—

निदेश देता हूँ कि संलग्न अनुसूची के स्तम्भ में वर्णित आयकर उपायुक्त, आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन एक निर्धारण अधिकारी के सभी कृत्यों का पालन स्तम्भ 3 में वर्णित ऐसे क्षेत्र या व्यक्तियों के समूहों, या आय या भाव के क्षेत्रों या ऐसे सभी मामलों या मामलों के वर्गों के विषय में करेंगे।

क्रम आयकर प्राधिकारी के पद संख्या क्षेत्र या भाव भावि के संबंध में क्षेत्राधिकार जिस पर, प्राधिकारी को निर्धारण अधिकारी का कार्य सौंपा गया है।

1	2	3
1.	आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-6	निम्नलिखित आयकर उपायुक्त कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले ऐसे सभी निर्धारणीय जो वित्तीय वर्ष, पहली अप्रैल को लाभ/हानि 5 लाख या अधिक रु. का अनिर्णीत दिखाया हो।
2.	आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-18, कलकत्ता	आयकर उपायुक्त रेंज-18 का.भा. के अधीन आयकर उपायुक्त रेंज-5 प.बं. 6 कलकत्ता आयकर उपायुक्त रेंज-17 का.भा. के अधीन आयकर उपायुक्त रेंज-17 प. बं. 10, कलकत्ता निम्नलिखित आयकर उपायुक्त कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले ऐसे सभी निर्धारणीय जो वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल को लाभ / हानि 5 लाख या अधिक रु. का अनिर्णीत दिखाया हो। आयकर उपायुक्त रेंज-19 आ. आ. के अधीन आयकर उपायुक्त आसन सोल रेंज प. बं. 11, कलकत्ता

टिप्पणी: उपरोक्त अनुसूची से संबंधित विवरणी निम्नलिखित है:—

- जहाँ निर्धारण वित्तीय वर्ष के पहली अप्रैल को केवल एक निर्धारण वर्ष का निर्धारण अनिर्णीत हो, उक्त निर्धारण वर्ष के विवरण।
- जहाँ निर्धारण वित्तीय वर्ष के पहली अप्रैल को एक निर्धारण वर्ष में अधिक निर्धारण अनिर्णीत हो, और अनिर्णीत निर्धारण वर्ष के विवरणी जहाँ कुल आय/हानि सबसे अधिक दिखाया गया हो।
- जहाँ निर्धारण वित्तीय वर्ष के पहली अप्रैल को कोई निर्धारण अनिर्णीत न हो, न्यूनतम निर्धारण वर्ष के विवरणी, जिसके लिए निर्धारण किया गया हो।

यह अधिसूचना दिनांक 01-12-1990 से लागू होगी।

[प.स. अ/मुख्य/योजना/90-91/10]  
वी.के. सिन्हा, मुख्य आयकर आयुक्त

Calcutta, the 20th November 1990

No 9/90-91

S.O. 55 : In exercise of the powers conferred by Clause (b) of sub-section (4) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of the powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi vide its Notification No 8694, F. No 187/6/89-ITA I S O No 548 (E) dated 09-07-1990 and all powers enabling me in this behalf and in supersession of earlier orders, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta hereby direct that the Deputy Commissioners of Income Tax, specified in column 2 shall exercise all the powers and perform all the functions of an assessing officer Under the I T Act, 1961 in respect of the area or classes of persons, or income or classes of income or cases or classes of cases, specified in column 3 of the schedule below

Sl No	Designation of the Income Tax Authority	Jurisdiction over the areas or income etc over which the authority is assigned the function of an assessing officer
1	2	3
1	Deputy Commissioner of Income Tax, Spl Range-6	All the assesseees which fall within the jurisdiction of the following Deputy Commissioners of Income-Tax, Calcutta, where the returns of the income pending as on 1st April of the financial year, shows income/loss of Rs. 5 lakhs and above. Dy. Commissioner of I.T. Range-18. Under CIT, Dy. Commissioner of I.T. Range-5. WB. VI. Cal Dy. Commissioner of I.T. Range-14. Under CIT, Dy. Commissioner of I.T. Range-17. WB. X, Cal
2	Deputy Commissioner of Income Tax, Spl. Range-18, Calcutta	All the assesseees which fall within the jurisdiction of the following Deputy Commissioners of Income-tax, Calcutta where the returns of income pending as on 1st April of the financial year shows income/loss of Rs. 5 lakhs and above Dy. Commissioner of I.T. Range-19 Under CIT, Dy. Commissioner of I.T. Asansol Range WB. XI, Cal.

NOTE: I. The return referred to the above schedule is

- Where the assessment of only one assessment year is pending as on 1st April of the financial year, the return of the said assessment year.
- Where the assessments of more than one assessment year are pending as on 1st April of the financial year, the return showing the highest total income/loss among the returns of the pending assessment years.
- Where no assessment is pending as on 1st April of the financial year, the return of the latest assessment year for which assessment has been made

This Notification comes into effect from 01-12-1990.

[No AC/HQ/Planning/90-91/10]

V K. SINHA, Chief Commissioner

कलकत्ता, 5 नवम्बर, 1990

संख्या 3/90-91.

कां. प्र. 256 — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप-धारा (1) और (2) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली के अधीन जारी का सं. 279/121/89-आई टी जे एस ओ नं. 777 (ई) अधिसूचना संख्या 8748 दिनांक 11-10-1990 और इस संबंध में मुझे प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस बात में पूर्ण अधिसूचनाओं का अधिनियम करते हुए, ऐसे अधिनियम के पूर्व किए गए कार्यों प्रथम करने के लिए छोड़ दिए गए कार्यों का छोड़कर, मुख्य आयकर आयुक्त-II कलकत्ता एतद्वारा निर्देश देता है कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के (ए) से (एच) तक, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (ए) से (ई) तक, और धनकर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (1 ए) के खण्ड (ए) से (ई) तक, कम्पनी (लाभ) धितकर अधिनियम, 1984 (1984 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) ब्याजकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1), व्ययकर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 22 की उपधारा (1) और सम्पदा शुल्क, 1953 की धारा 62 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट आयकर अधिकारियों निर्धारण अधिकारियों द्वारा आयकर या धनकर या धनकर या धितकर या ब्याज कर या व्यय कर या सम्पदा शुल्क देने वाले अनंतुष्ट निर्धारितियों के संबंध में सलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में उल्लिखित आयकर आयुक्त (अपील) अपना कार्य करेंगे।

2 जहाँ एक आयकर सर्कल, वार्ड प्रथम विशेष रेंज प्रथम उनके अंग इस अधिसूचना के अनुसार एक रेंज से दूसरे रेंज में स्थानांतरण हो गये हो, इस अधिसूचना के जारी होने के शीघ्र पहले आयकर आयुक्त (अपील) के समीप उन आयकर वार्ड सर्कल स्पेशल रेंज प्रथम उनके अंग में हुई निर्धारण संबंधी अपील लम्बित हो तो इस अधिसूचना के प्रभावशाली होने की तिथि से वे आयकर आयुक्त (अपील) कार्य करेंगे जिनके अधीन उक्त वार्ड सर्कल स्पेशल रेंज प्रथम उनके अंग स्थानांतरित किए गए हैं।

3. यह अधिसूचना तारीख 12-11-1990 में लागू है।

क्रम	आयकर आयुक्त (अपील)	क्षेत्राधिकार
संख्या	का पदनाम, मुख्यालय सहित	
1	2	3
1	आयकर आयुक्त (अपील)-II कलकत्ता	निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल व वार्ड संभाल रहे हैं (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-2, कलकत्ता (ख) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-4, कलकत्ता (ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-रेंज-14, कलकत्ता
2	आयकर आयुक्त (अपील)-4 कलकत्ता	निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल व वार्ड संभाल रहे हैं। (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-3 कलकत्ता (ख) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-15 कलकत्ता

1	2	3
	(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-17 कलकत्ता	
3. आयकर आयुक्त (अपील)-5, कलकत्ता	निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनु- संधान सर्कल, सर्कल व वाडों को संभाल रहे हैं:	
	(क) आयकर उपायुक्त, रेंज-8, कलकत्ता।	
	(ख) आयकर उपायुक्त स्पेशल रेंज-3, कलकत्ता।	
	(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल-12, कलकत्ता।	
	(घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-16, कलकत्ता।	
4. आयकर आयुक्त (अपील)-11 कलकत्ता	निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल व वाडों को संभाल रहे हैं:	
	(क) आयकर उपायुक्त, रेंज-12, कलकत्ता।	
5. आयकर आयुक्त (अपील)-15, कलकत्ता	निम्नलिखित के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल व वाडों को संभाल रहे हैं	
	(क) आयकर उपायुक्त, रेंज-14, कलकत्ता।	
	(ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-16, कलकत्ता।	
	(ग) आयकर उपायुक्त, रेंज-17, कलकत्ता।	
	(घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-9, कलकत्ता।	

[सं. स. प्रा. सूचिया./योजना/30/90-91]  
के के बोर, मुख्य आयकर आयुक्त  
Calcutta, 5th November, 1990  
No. 3/90-91

S.O. 56 :- In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8748 in F.N. 279/121/89-ITJ/S.O. No. 777(E) dated 11-10-1990 and all other powers enabling me in this behalf and, in supersession of all earlier Notifications made in this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I the Chief Commissioner of Income Tax-II, Cal. hereby direct that the Commissioners of Income Tax (Appeals) specified in column 2 of the Schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Sur-tax or Interest Tax or Expenditure Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/ Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) of subsection (2) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, clauses (a) to (e) of sub-section (1A) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (e) of sub-section (1A) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1958 (18 of 1958), sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984),

sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section (1) of Section 22 of the Expenditure Tax Act, 1987 (35 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.

2. Where an Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioners of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.

3. This notification takes effect from 12-11-1990.

Schedule of Jurisdiction of Commissioners of Income Tax (Appeals) Functioning under the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta.

Sl. No.	Designation of Commissioner of Income Tax (Appeals) with Headquarters.	Jurisdiction
1	2	3
1.	Commissioner of Income Tax, (Appeal)-II, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under: (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-2, Calcutta (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-4, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-14, Calcutta
2.	Commissioner of Income Tax (Appeal)-IV, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under: (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-3, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-15, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-17, Calcutta.
3.	Commissioner of Income Tax (Appeal)-V, Calcutta	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under: (a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-8, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-3, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-13, Calcutta

1	2	3
		(d) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-16, Calcutta.
4. Commissioner of Income Tax (Appeal)-XI, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under.	(a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-12, Calcutta.
5. Commissioner of Income Tax (Appeals)-XIV, Calcutta	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards, functioning under:-	(a) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-14, Calcutta.
		(b) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-16) Calcutta.
		(c) Deputy Commissioner of Income Tax, Range-17, Calcutta.
		(d) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-9, Calcutta.

[No. AC/HQ/Planning/30/90-91]

K. K. Veer, Chief Commissioner of Income Tax

कलकत्ता, 8 नवम्बर, 1991

सं 7/90-91

का आ 257—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) के द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन आती अधिसूचना सं 8694 का सं 187/6/89 आई टी. ए. 1/एस ओ में 5+8(ई) दिनांक 9-7-90 और इसकी और में मुझे प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त—II कलकत्ता एलव्हा—

(क) निदेश देता हूँ कि संपन्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में वर्णित आयकर आयुक्त अपने कार्यों का पालन ऐसे क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों या आय या आय के वर्गों, ऐसे सभी मामलों या मामलों के वर्गों के विषय में, स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त और उसके बाद उन शक्तियों का प्रयोग स्तम्भ 3 में वर्णित आयकर उपायुक्त तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज एवं उनके अधिनस्थ निर्धारण अधिकारियों द्वारा करेंगे।

(ख) निदेश देता हूँ कि उक्त आयकर उपायुक्त अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग ऐसे क्षेत्रों व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या आय या आय के वर्गों और ऐसे सभी मामलों के वर्गों के विषय में जारी रखेंगे जिसे वे या अपने अधिनस्थ अधिकारियों द्वारा, इस अधिसूचना के लागू होने के पूर्व अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर रहे थे। और जो इस अधिसूचना द्वारा विशेष रूप से किसी दूसरे आयकर आयुक्तों के सुपुर्दे नहीं दिये गये हो।

(ग) आयकर आयुक्तों की प्राधिकृत करना हूँ कि वे अपने अधीन सभी या कोई आयकर प्राधिकारियों को लिखित आदेश दे कि ऐसे प्रादेशिक क्षेत्रों या ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों या ऐसे आय या आय के वर्गों या ऐसे मामलों या मामलों के वर्गों तथा एक रेंज से दूसरे रेंज या एक निर्धारण अधिकारी से दूसरे निर्धारण अधिकारी के पास स्थानांतरित मामलों के संबंध में इन प्रादेशों के विनिर्दिष्ट अनुसार शक्तियों का प्रयोग एवं कार्य करेंगे।

मुख्य आयकर आयुक्त—II कल, के अधिसूचना सं 7/90-91 दिनांक 8.11.90 की अनुसूची

तथा आयकर आयुक्त के प्रसार आयकर उपायुक्त, जिन पर आयकर आयुक्त स अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करेंगे

1	2	3
1 आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल—3, कलकत्ता	(1) उपायुक्त विशेष रेंज—3, कलकत्ता ।	(2) उपायुक्त विशेष रेंज—13, कलकत्ता ।
	(3) उपायुक्त विशेष, रेंज—16, कलकत्ता ।	(4) उपायुक्त विशेष रेंज—2, कलकत्ता ।
2 आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल—4, कलकत्ता	(1) उपायुक्त विशेष रेंज—4, कलकत्ता ।	(2) उपायुक्त विशेष रेंज—14, कलकत्ता ।
	(3) उपायुक्त विशेष रेंज—15, कलकत्ता ।	(4) उपायुक्त विशेष रेंज—17, कलकत्ता ।
	(5) उपायुक्त, रेंज—3, कलकत्ता	(6) उपायुक्त, रेंज—12, कलकत्ता
3 आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल 9, कलकत्ता	(1) उपायुक्त विशेष रेंज—9, कलकत्ता	(2) उपायुक्त रेंज—8, कलकत्ता
	(3) उपायुक्त रेंज—16, कलकत्ता	
4 आयकर आयुक्त पश्चिम बंगाल 10, कलकत्ता	(1) उपायुक्त रेंज—14, कलकत्ता	(2) उपायुक्त रेंज—1, कलकत्ता

[सं सं आ/सुक्रवा/योजना/90-91-10]

के के. वीर, मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता

Calcutta, the 8th November, 1990

No. 7 90 91

S.O. 257.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), and the powers conferred by Notification No. 8694 in F. No 187/6/89-ITA.I/S.O. No. 548(E) dated 9-7-1990 by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, hereby—

(a) direct that the Commissioner of Income-Tax specified in column 2 of the Schedule annexed hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of which the Deputy Commissioners of Income-Tax specified in column 3 and which powers shall be hereafter exercised by the Deputy Commissioners of Income-Tax and Deputy Commissioners of Income-Tax, special Range specified in column 3 and their subordinate assessing officers ;

(b) direct that the said Commissioner of Income-Tax shall continue to exercise jurisdiction over such areas, persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases over which they or their subordinate officers exercised jurisdiction prior to coming into force of

this Notification, and which have not been specifically assigned to any other Commissioners of Income-Tax, by this Notification;

- (c) authorised the said Commissioners of Income-Tax to issue orders in writing for the exercise of the powers and performance of the functions, by all or any of the Income Tax authorities who are subordinate to them in respect of such territorial areas or of such persons or classes of persons or of incomes or classes of incomes of such cases or classes of cases as may be specified by them in such orders, including an order transferring the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of incomes cases or classes of cases from one Range to another Range or from one assessing officer to another assessing officer.

Schedule of Notification No. 7/9-91 of the Chief

Commissioner of Income Tax-II Calcutta

dated 8-11-1970.

Sl. No.	Commissioner of Income Tax's Charge	Deputy Commissioner of Income Tax over which the Commissioner of Income Tax will exercise jurisdiction.
1	2	3
1.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-III, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-3, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Special Range-13, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Special Range-16, Calcutta. (iv) Deputy Commissioner, Range-2, Calcutta.
2.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IV, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-4, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Special Range-14, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Special Range-15, Calcutta. (iv) Deputy Commissioner, Special Range-17, Calcutta. (v) Deputy Commissioner, Range-3, Calcutta. (vi) Deputy Commissioner, Range-12, Calcutta.
3.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-IX, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Special Range-9, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Range-8, Calcutta. (iii) Deputy Commissioner, Range-16, Calcutta.
4.	Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta.	(i) Deputy Commissioner, Range-14, Calcutta. (ii) Deputy Commissioner, Range-17, Calcutta.

कलकत्ता, 16 नवम्बर, 1990

संख्या 8/90-91

का. प्रा. 258—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) का धारा 120 का उपधारा (1) और (2) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली ने अधीन तार, का. म. 279/121/89—आई. टी. जे. एम. ओ. न. 777(ई) अधिसूचना संख्या 8748 दिनांक 11/10/90 और इस संबंध में मुझे प्रदान कृत शक्तों, श्रेय जतिमों का प्रयोग करते हुए और इस बारे में पूर्ण अधिसूचनाओं का अधिग्रहण करने हुए, ऐसे अधिग्रहण के पूर्व किए गए कार्य अधिकांश करने के लिए छोड़ दिए गए कार्य को छोड़कर, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त-II, कलकत्ता एन.ए. द्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 का उपधारा (2) के (ग) से एक तक धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 23 का उपधारा ए में इस तक और धनकर अधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (1ए) के खण्ड (ग) में (ई) तक, कम्पनी (लाभ) अधिनियम अधिनियम 1948 (1948 का 71) की धारा 11 की उपधारा (1), आयकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1), व्ययकर अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 22 की उपधारा (1) और सम्पदा शुल्क, 1953 की धारा 62 में वर्णित आदेशों के अनुसार स्वयं 3 में विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारियों/निर्वाहण अधिकारियों द्वारा आयकर या धनकर या धनकर या अधिनियम या आय कर या व्ययकर या सम्पदा शुल्क देने वाले असंगत निर्धारणियों के संबंध में संलग्न अनुसूची के मन्त्र 2 में उल्लिखित आयकर आयुक्त (अपील) व्यवस्था कार्य करेंगे।

2. जहाँ एक आयकर संकल्प, बार्ड अथवा विशेष रेंज अथवा इनके अंग इस अधिसूचना के अनुसार एक रेंज से दूसरे रेंज में स्थानांतरण हो गये हों। इस अधिसूचना के जारी होने के शीघ्र पहले आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष उन आयकर बार्ड/मर्कल/स्पेशल रेंज अथवा उनके अंग से जुड़े निर्धारण संबंधी अपील लम्बित हों तो इस अधिसूचना के प्रभावशाली होगा का तिथि से वे आयकर आयुक्त (अपील) कार्य करेंगे जिनके अधीन उक्त बार्ड/मर्कल/स्पेशल रेंज अथवा उनके अंग स्थानांतरित किए गए हैं।

3. यह अधिसूचना तारीख 19-11-1990 से लागू है।

मुख्य आयकर आयुक्त—II, कलकत्ता के अधीन कार्यरत आयकर आयुक्त (अपील) के क्षेत्राधिकार की अनुसूची।

क्रम	आयकर आयुक्त (अपील)	क्षेत्राधिकार
सं.	का पदनाम, मुख्यालय संकेत	
1	2	3
1	आयकर आयुक्त (अपील)—2 आयकर आयुक्त, रेंज—2, कलकत्ता के मुख्यालय	अपील कार्यरत सभी निर्वाहण अधिकारों, जो कि अनुसंधान मर्कल, मर्कल और बार्डों को संभावित रहे।
2	आयकर आयुक्त (अपील)—1, आयकर आयुक्त रेंज—12, कलकत्ता	के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारों जो कि अनुसंधान मर्कल, मर्कल और बार्डों को संभावित रहे हैं।
3	आयकर आयुक्त (अपील) 3, कलकत्ता	(क) आयकर आयुक्त, रेंज—8, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारों जो कि अनुसंधान मर्कल, मर्कल और बार्डों को संभावित रहे हैं।

[No. AC/HQ/Planning/90-91/10]  
K K. VEER, CHIEF COMMISSIONER

Calcutta, the 16th November, 1990

No. S/90-91

(ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-16, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वेक्षण, सर्वेक्षण और वाहनों को संभाल रहे हैं।

(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-9, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-9, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

4 आयकर उपायुक्त (अपील)-II, (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-3, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वेक्षण, सर्वेक्षण और वाहनों को संभाल रहे हैं।

(ख) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-4, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-4, कलकत्ता के अधीनस्थ निम्नलिखित अधिकारी।

(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-14, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-14, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

(घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-15, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-15, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

(ङ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-17, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-17, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

5 आयकर उपायुक्त (अपील)-14, (क) आयकर उपायुक्त, रेंज-14, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वेक्षण, सर्वेक्षण और वाहनों को संभाल रहे हैं।

(ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-17, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्वेक्षण, सर्वेक्षण और वाहनों को संभाल रहे हैं।

(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-3, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-3, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

(घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-13, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-13, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

(ङ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-16, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-16, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।

[मं. स. आ/मुख्य/गोजना/30/90-91]  
के. के. ओर. मुख्य आयकर उपायुक्त

S.O.—258:—In partial modification of my earlier order No. 3/90-91 dated 5-11-1990 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8748 in F.No. 279/121/89-ITJ/S.O.No. 777(E) dated 11-10-90 and all other powers enabling me in this behalf and, in supersession of all earlier Notifications made in this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, hereby direct that the Commissioners of Income Tax (Appeals) specified in column 2 of the schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income Tax or Wealth Tax or Gift Tax or Sur-Tax or Interest Tax or Expenditure Tax or Estate Duty by the Income Tax Authorities/Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, clauses (a) to (o) of sub-section (1A) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957), clauses (a) to (o) of sub-section (1A) of Section 22 of the Gift Tax Act, 1958 (18 of 1958), sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984), sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section (1) of Section 22 of the Expenditure Tax Act, 1987 (35 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.

2. Where an Income Tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another, appeals arising out of the assessments made in this Income Tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date from which this Notification takes effect, before the Commissioner of Income Tax (Appeals) from whose charge that Income Tax (Ward/Circle/Special Range or part thereof) is transferred shall, from the date from which this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income Tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.

3. This Notification takes effect from 19-11-1990.

Schedule of Jurisdiction of Commissioners of Income Tax (Appeals) Functioning under the Chief Commissioner of Income Tax-II Calcutta

Sl. No.	Designation of Commissioner of Income Tax (Appeals) with Headquarters.	Jurisdiction
1	2	3
1.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-II, Calcutta.	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-2, Calcutta.
2.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-IV, Calcutta	All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-12, Calcutta.

3. Commissioner of Income Tax (Appeals)-V, Calcutta.	(a) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-8, Calcutta;	(b) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-17, Calcutta;
	(b) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-16, Calcutta.	(c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-3, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-3, Calcutta.
	(c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-9, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-9, Calcutta	(d) Deputy Commissioner of Income Tax Special Range-13, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-13, Calcutta;
4. Commissioner of Income Tax (Appeals)-XI Calcutta.	(a) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-3, Calcutta	(e) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-16, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-16, Calcutta.
	(b) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-4, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-4, Calcutta;	
	(c) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-14, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-14, Calcutta;	
	(d) Deputy Commissioner of Income Tax Spl. Range-15, Calcutta. and all assessing officers subordinate to Dy. Commissioner of Income Tax, Spl. Range-15, Calcutta;	
	(e) Deputy Commissioner of Income Tax Spl. Range-17, Cal. and all assessing officers subordinate to Dy. Commissioner of Income Tax, Spl. Range-17, Calcutta.	
5. Commissioner of Income Tax (Appeals)-XIV Calcutta.	(a) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-14, Calcutta;	

[No. AC/HQ/Planning/30/90-91]

K.K. VEER, Chief Commissioner of Income Tax

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(महानिदेशक (आयकर छूट) का कार्यालय)

बलरामा 1 दिनांक, 1990

घाटघर

का. मा. 259--सर्वसाधारण की सूचना के लिए एन.ए. द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन का, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतृय/एक/दी) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति में आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी छाप, आम्नियो एंड वेनदरियो के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

माराथे रिसर्च फाउन्डेशन,

माने भवन,

श्री गोविन्दराज जी, माराथे रोड,

मिराज-416 110, जिन्ना संसर्ग (एम. एम.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन का अनुमानित की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समिति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 300/फा. स. ई. जं. /एम. 81/कल. /35/(1) (ii) 90-आ. कर. (छूट)]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## [OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF INCOME-TAX (EXEMPTIONS)]

Calcutta, the 3rd December, 1990

## (INCOME-TAX)

S.O. 259.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Marathe Research Foundation,  
Mane Building,  
Shri Govindraoji Marathe Road,  
Miraj-416410, Distt. Sangli (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Direc-

tor General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 300/F No. DG M-81/Cal/35(1)(ii) 90-IT(I)]

(आयकर)

न. आ. 260-नियन्त्रण की सूचना के लिए एन. आ. यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (तीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महसूति में आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" प्रजा के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखा की एक प्रति अपनी आय, धनियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

माराथे रिसर्च फाउन्डेशन, माने भवन,

श्री गोविन्दराज जी, माराथे रोड,

मिराज-416 110, जिन्ना संसर्ग (एम. एम.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन का अनुमानित की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समिति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुचित किया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 4 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 300/फा. स. ई. जं. /एम 81/कल. /35/(1) (ii) 90-आ. कर. (छूट)]



## (INCOME-TAX)

S.O. 260.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Environmental Protection Research Foundation,  
"Arundhati" Near M.S.E.B.,  
Vishrambag, Sangli-416415 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 301 F. No. DG/M-70/CRI/35(1)(ii)/90-IT(F)]

कलकत्ता, 4 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का. धा 261.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एन.डू.द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों की एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यवस्थापिका एवं इनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

निम्बकर कृषि व सस्य संस्थान,  
फाल्तान-415523, जिला सातारा,  
महाराष्ट्र (भारत)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन का समारोप के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का नाम प्रतियोगिता में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[सं. 301/का. स. डी.जी./एम.-16/कल./15(I)(ii)/90-आ.कर (छूट)]

Calcutta, the 4th December, 1990

## (INCOME-TAX)

S.O. 261.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Nimbkar Agricultural Research Institute,  
Phaltan-415523, Distt. Satara,  
Maharashtra, (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Direc-

tor General of Income-tax (Exemptions), Calcutta Through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 302/F. No. DG/M-16/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का. आ. 262—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एमद्वारा यह अधि-  
सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 35 (वैतीय/एफ/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के  
लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से  
आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात्  
महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग  
के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक  
अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक  
वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की  
31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग  
औद्योगिक भवन, न्यू मेहरंगली रोड, नई दिल्ली-110016 को  
भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों  
की एक प्रति अपनी व्यवस्थापियों एवं वेतनधारियों के विवरण  
सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव  
वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर  
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता  
है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सर हर्किसण्डास नुरोतमदास दाय मडिकल रिसर्च सोसायटी,  
राजा राम मोहन राय रोड  
बम्बई-400 001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि  
के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की  
समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक  
(छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम  
से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में  
प्रावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों  
में, जहाँ अनुमोदन आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर  
अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो,  
संगठन अनुमोदन आवेदन करने के पश्चात् यथाशीघ्र  
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की  
अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां  
सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत  
करनी हैं।

[सं. 303/फा. न. डी. जे. एम. 25/कन./35(1)(ii)-90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 262.—It is hereby notified for general information  
that the organisation mentioned below has been approved by  
the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax  
Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Ex-  
emptions) in concurrence with the Secretary, Department of  
Scientific and Industrial Research for the purposes of clause  
(ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of  
the Income-tax Act, 1961 under the category "Association"  
subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain a separate account of  
the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific  
research activities to the Secretary, Department of  
Scientific and Industrial Research, Technology  
Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016  
for every financial year by 31st May of each year;  
and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-  
tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Sci-  
entific and Industrial Research and (c) Commissioner  
of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions)  
having jurisdiction over the organisation by the  
30th June each year a copy of its audited annual  
accounts showing its income and expenditure, and  
its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sir Harkisondas Nurrotamdas Medical Research Society,  
Raja Ram Mohan Roy Road,  
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990  
to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate)  
for further extension of the approval, to the Direc-  
tor General of Income-tax (Exemptions), Calcutta  
through the Commissioner of Income-tax/the Direc-  
tor of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction  
over the organisation, three months before the expiry  
of the approval. In exceptional cases where the  
order granting approval is received after the expiry  
of the period of three months aforesaid or shortly  
before the expiry of the said period, the organisation  
may make an application for extension of approval  
as soon as possible after the receipt of the order of  
approval. Six copies of the application for extension  
of approval should be sent directly to the Secretary,  
Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 303/F. No. DG/M-25/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का. आ. 263—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एमद्वारा यह अधि-  
सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 35 (वैतीय/एफ/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के  
लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से,  
आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात्  
महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग  
के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक  
अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक  
वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की  
31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग,  
औद्योगिक भवन, न्यू मेहरंगली रोड, नई दिल्ली-110016 को  
भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों  
की एक प्रति अपनी व्यवस्थापियों एवं वेतनधारियों के विवरण

मार्फत, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) मानव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

द. आन्ड्र. होल्स फॅमिली मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,  
मेट पण्ड्रस रोड, बान्द्रा  
बम्बई-400 050

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी संगठन का अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूत्राव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में दिए गए आवेदन-पत्र की 4 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[नं. 304/फा. ग. ड. जे. /एम-93/कल/35(1)(ii)-90-आ. कर (छूट)]

#### (INCOME-TAX)

S.O. 263.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 of every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Bandra Holy Family Medical Research Society,  
St. Andrew's Road, Bandra,  
Bombay-400050.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the

order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 304/F. No. DG/M-93/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1990

का. आ. 264—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वैज्ञानिक/ए.ए.डी.) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यालयों की एक वार्षिक खिचरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, केन्द्र-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी वय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

हॉ. आन्ड्र. जोसाव दोर्जा मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन  
मलर्जीय नगर, गोण्डाल रोड,  
रायकोट-360004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूत्राव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में दिए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[नं. 305/फा. सं. डी. जे. /जी. 30/कल/35(i)(ii)/90-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 7th December, 1990

#### (INCOME-TAX)

S.O. 264.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax

Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Harilal Jechand Doshi Medical  
Research Foundation,  
Malaviva Nagar, Gondal Road,  
Rajkot-360004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 305/F. No. DG/G-26/Cal/35(1)(ii)'90-IT(E)]

(आयकर)

का.आ.265.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (तीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहायता में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31, मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आयियों एवं वेतनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेटर फॉर रियल इन डेवपमेंट रिसर्च फाउंडेशन,  
न्यू मेहरौली रोड, 19A, मध्या मार्ग,  
चण्डीगढ़-160019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सक्षम दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 306/क. स. ई. जी./पो.-2/कल. 35(1)(iii)/90-मा वर (छूट)]

#### (INCOME-TAX)

S.O. 265.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Research in Rural & Industrial  
Development, 2-A, Sector,  
19A, Madhya Marg,  
Chandigarh-160019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval

as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 306/F. No. DG/P-2/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

(आयकर)

का प्रा 236 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों, एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ मैग्नेटो बायोलॉजी,  
9, Jagannath Road,  
Nungambakkam,  
मद्रास-600034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवस्था उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 307/फ. सं. ई. जे. /ट. एन-19/कल./35(1)(ii)-90-आ. कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 266.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Madras Institute of Magnetobiology,  
9, Jagannath Road,  
Nungambakkam,  
Madras-600034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 307/F. No. DG/TN-19/Cal/35(1)(ii)/90 IT(E)]

कलकत्ता, 11 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का.प्रा 267 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एस. एन. बोस नेशनल सेंटर फॉर बैसिक साइंसेस,  
बी-बी-17, सैक्टर 1, साल्ट लेक सिटी,  
कलकत्ता-700064

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

कलकत्ता, 12 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करने के लिये सूझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 308/का.सं.डी.जी./प.ब.-28/कल/35(1)(ii)/90-आय कर (छूट)]

Calcutta, the 11th December, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 267.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

S. N. Bose National Centre for Basic Sciences,  
DB-17, Sector-I,  
Salt Lake City,  
Calcutta-700064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 308/F. No. DG/WB-28/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

का.आ. : 268—संबन्धाधारण की सूचना के लिये एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (तीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31, मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली, रोड़, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-स्थाय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त द्वारा निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विज्ञानिक केन्द्र का न सिमर्च सोसाइटी,  
13, मुकेशगंज, इलाहाबाद (यू.पी.)  
पिन-211009

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सूझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 308/फ. नं. डी. जे. /27/1/कल/35(1)(ii)/90-आ.कर (छूट)]

Calcutta, the 12th December, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 268.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Viklang Kendra Rural Research Society,  
13, Lukerganj, Allahabad, (U.P.).  
Pin-211001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 309/F. No. DG/UP-1/Cal./35(1)(ii)[89-II(E)]

(कलकत्ता, 14 दिसम्बर, 1990)

#### आयकर

का.घा. 269:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (वैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लघु वार्षिक वार्षिक लेखों का एक प्रति अपनी-व्यय, आस्ति, एवं दायित्वों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

सोसाइटी फॉर हेल्थ एलाइड रिसर्च एण्ड एड्युकेशन,  
इण्डिया (शेअर इण्डिया)  
1-7-293, एम. जी. रोड,  
सिकंदराबाद-500003

यह अधिसूचना दिनांक 13-9-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 310/फा. स. रं. ज. / ए. प. -11/कल./35/(1)(ii)/90-आ. 47 (छूट)]

Calcutta, the 14th December, 1990

#### (INCOME-TAX)

S.O. 269.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return to its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Society for Health Allied Research  
and Education India, (Share India),  
1-7-293, M. G. Road,  
Secunderabad-500003.

This Notification is effective for the period from 13-9-1990 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 310/F. No. DG/AP-11/Cal/35(1)(ii)[90-IT(E)]

आयकर

का.घा. 344.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन कैंसर सोसाइटी, सोलापुर,  
8389/2-बी, रेलवे लाइन्स,  
सोलापुर-413001 (एम. एस.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 311/फा. ग. डा. जी./एम-9/कल/35(1)(ii) 89-आ.कर (छूट)]

(INCOME-TAX)

S.O. 344.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society, Solapur,  
8389/2-B, Railway Lines,  
Solapur-413001 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 311/F. No. DG/M-9/Cal./35(1)(ii) 89-IT(E)]

कलकत्ता, 17 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का.घा. 345.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डॉ इन्स्टिट्यूट ऑफ रोड ट्रान्सपोर्ट,  
तारामण्डी,

मद्रास-600113

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।



टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[सं. 312/फ.स. डी.जी./ट.एन-1/कल./35 (1) (ii), 89-आ.कर  
(छूट)]

Calcutta, the 17th December, 1990

#### (INCOME TAX)

S.O. 345.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (1) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAMI OF THE ORGANISATION

The Institute of Road Transport,  
Taramani,  
Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1993.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 312/F, No. DG/TN-1/Cal./35(1)(ii)/89-IT(E)]

#### (आयकर)

का.आ. 345—सर्वसाधारण को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधि-सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

द बालन्टिंग इन्स्टीट्यूट,  
आदिद्वार,  
मद्रास-600113

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 4 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[सं. 312/फ.सं. डी.जी./ट.एन-1/कल./35(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

#### (INCOME TAX)

S.O. 346.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (i) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016

for every financial year by 31st May of each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Voluntary Health Services,

Adyar,

Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1992.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 313/F. No. DG/TN-17/Cal/35(4)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 347—सर्वसाधारण को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रजन लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों की एक वार्षिक विवरण प्रत्येक त्रिमासिक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेंट्रल फॉर ग्रंथ मंडलन रटॉडम,

अक्कुलम थुरुविल्लल पी.ओ., पोस्ट बॉक्स नं. 7250,

ट्रिवेन्द्रम-695031 (केरल)

यह अधिसूचना दिनांक 1-9-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक

(छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में भेजेगा करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष भाषण में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशक्ति अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 314/फ. सं. डी. ज/के-8/कल/35 (1) (ii)/89-आ.कर (छूट)]

#### (INCOME TAX)

S.O. 347.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions.

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Earth Science Studies,

Akkulam Thuruvalkal P.O.

Post Box No. 7250,

Trivandrum-695031 (Kerala).

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax, the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 314/F. No. DG/K-8/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

का.आ. 348—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयुक्त आयुक्त आयुक्त निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

एअरनोटिकल डेवलपमेंट एजेंसी,  
ए. डी. ए. मुख्यालय भवन,  
पो. बी. नं. 1718,  
बैंगलूर-560017

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयुक्त आयुक्त/आयुक्त निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयुक्त महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 315/फा. सं. डी जी/के टी-33/कन/35(1)(ii)/90/आयुक्त (छूट)]

## (INCOME TAX)

S.O. 348.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (i) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Aeronautical Development Agency,  
ADA Headquarters Building,  
P.B. No. 1718,  
Bangalore-560017.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 315/F. No. DG/KT-33/Cal/35(1)(ii)/90 IT(E)]

## (अ.य.कर)

का.आ. 319—सर्वसाधारण का सूचना के लिए ए.य.कर। यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयुक्त अधिनियम 1961 की धारा 35 (वैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयुक्त नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयुक्त छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर विश्वविद्यालय प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयुक्त छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयुक्त आयुक्त आयुक्त निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

बैंगलोर विश्वविद्यालय,  
संगलांगोली-574199  
कनटिक

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयुक्त आयुक्त/आयुक्त निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयुक्त महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त

करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 316/फ. सं. डी. जी. के. टी.-25/कल. 35(1)(ii) 80-आ. कर. (छूट)]

#### (INCOME TAX)

S.O. 349.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions) (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Mangalore University,  
Mangalagangothri-574199,  
Karnataka.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 316/F. No. DG/KT-25/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का.आ. 350—परिपाकरण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वैतनिक/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक वित्तिय प्रयोग वित्तिय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग औद्योगिक भवन, नए मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-पराक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, धार्मिकों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, का प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एफ. आई. ए. एम. सी. आई. ओ.-मेडिकल एडिशन सेंटर,  
सेट नाम एक्स कांवेज,  
गुडगांव ईस्ट,  
बम्बई-400068

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयुक्त निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 317/फ. सं. डी. जी. एम.-11/कल. 35(1)(iii)/89-आ. कर. (छूट)]

Calcutta, the 18th December, 1990

#### (INCOME TAX)

S.O. 350.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions) (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

F.I.A.M.C. Bio-Medical Ethics Centre,

St. Plus X College,  
Goregaon East,  
Bombay-400068.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 317/F. No. DG/M-11/Cal.35(1)(ii)|89-IT(E)]

कलकत्ता, 19 दिसम्बर, 1990

(आय कर)

का.प्र. 351.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एम्ब्रूरा अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरिस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षी वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने धन्य, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ब्रीच कैंडी मेडिकल रिसर्च सेन्टर,  
60, भुलाभाई देसाई रोड,  
बम्बई-400026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए भुक्त व विज्ञा जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथम उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो,

संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् धन्य शब्द अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियों सहित, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग प्रस्तुत करना है।

[सं. 318/का सं. डी.जी./एम-5/कल/35(1)(i)/89-आ.कर(छूट)]

Calcutta, the 19th December, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 351.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) one/two of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Breach Candy Medical Research Centre,  
60, Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-400026.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 318/F. No. DG/M-5/Cal/35(1)(i)|89-IT(E)]

(आय कर)

का.प्र. 352.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एम्ब्रूरा अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरिस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संस्थान' प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की

31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान व प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी ध्वज, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

द रिसेच सोसाइटी फार द केयर ट्रीटमेंट एण्ड ट्रेनिंग आफ चिल्ड्रन इन नीड आफ स्पेशल केयर,  
सेवरी हिल, सेवरी रोड,  
बम्बई-400033

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन की अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए गुमाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना हैं।

[सं. 319/फ.सं. डी. जी./एम-73/कल./35(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

#### (INCOME TAX)

S.O. 352.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five, one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhavan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society for the care Treatment and Training of Children in need of special care,  
Sewri Hill, Sewri Road,  
Bombay-400033.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 319/F. No. DG/M-73/Cal/35(1)(ii)/89-TT(E)]

(आय कर)

का. भा. 353.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीम/एक/दो) की उपधारा (1) के क्लॉज (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वार्षिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी ध्वज, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कस्तूरबा हेल्थ सोसाइटी,  
(सूचित : महाराष्ट्र शांती इन्स्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस),  
पो.आ. मेवादास,  
बरघा-442102

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन की अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए गुमाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के तीन पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना हैं।

[सं. 320/फ.सं. डी. जी./एम-73/कल./35(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

## (INCOME-TAX)

S.G. 353.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure, and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Kasturba Health Society,  
(Unit : Mahatma Gandhi Institute  
of Medical Sciences).  
P.O. Sevagram,  
Wardha-442102.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 320/F, No. DG/M-31/Cal/35(1)(ii)/89-JT(E)]

कलकत्ता, 20 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का. प्रा. 354.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महसूनि से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी भर्षल महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" प्रकार के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निम्नांकित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपनी व्यवस्थापिकाओं एवं वेदाधिकारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भगवान महावीर मेडिकल रिसर्च सेंटर,  
10-1-1 महावीर मार्ग,  
हैदराबाद-500004 (आ. प्र.)

यह अधिवृत्तना दिनांक 13-9-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करने के लिए सूचित दिया जाता है। विषय सामग्री में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति अवधि अवधि अवधि की समाप्ति के एक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आदेशन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[स. 321/का. स.सी. जा.ए.पी.-4/कल/35(1)(ii)/89-आ.कर.(छूट)]

Calcutta, the 20th December, 1990

## (INCOME TAX)

S.O. 354.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific research ?
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax, (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Bhagwan Mahavir Medical Research Centre,  
10-1-1, Mahavir Marg,  
Hyderabad-500004 (A.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

## NOTE :

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General

of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 321/F. No. DG/AP-4/Cal.]35(1)(ii)89-IT(E)]

कलकत्ता, 21 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का. प्रा. 355.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैजीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रत्येक लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महेरोली रोड, मई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड साइंटिफिक रिसर्च ट्रस्ट,  
अकादमी हाउस, 12, मारवादी स्ट्रीट,  
पद्मिनी नगर  
पॉन्डिचेरी-605012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1990 तक का अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूचना दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रेषण उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र

अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[सं. 322/फा. सं. जी जी/पॉन्ड 2/कल/35(1)(ii)/89-ग्रामकर (छूट)]

Calcutta, the 21st December, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 355.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Institute of Applied  
Scientific Research Trust,  
Academy House, 12, Marvadi Street,  
Padmini Nagar,  
Pondicherry-605012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

#### NOTE :

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 322/F. No. DG/Pon-2/Cal.]35(1)(ii)89-IT(E)]



(आय कर)

का. भा. 356.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भ्रमण लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण, सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कानवस्ट जैन मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,  
8/10, निकदवारी लेन,  
केण्डेवाडी,  
बम्बई-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[स. 323/का.सं.बी.जी./एम-30/कन/35(1)(ii)-89-आ.कर (छूट)]

(INCOME TAX)

S.O. 356.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific

research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Conwest Jain Medical Research Society,  
8/10, Nikadwari Lane,  
Kendewadi,  
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE:

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 323]F. No. DG/M-30/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 24 फरवरी, 1990

(आय कर)

का. भा. 357.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भ्रमण लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ माइनर्स हेल्थ,  
मार्केट बी पी एम एम अस्पताल,  
पी.ओ. चम्पियन रीफ्स,  
कोलार गोल्ड फ़िल्ड्स-563117  
कर्नाटक

यह अधिसूचना दिनांक 14-5-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन पत्र का 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 324/फ. सं. डी. जी. के. टी.-28/कल./35(1)(ii)/90-आ.कर. (छूट)]

Calcutta, the 24th December, 1990  
(INCOME TAX)

S.O. 357.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Miners' Health,  
C/o BGML Hospital,  
P.O. Champion Reefs,  
Kolar Gold Fields-563117,  
Karnataka.

This Notification is effective for the period from 14-5-1990 to 31-3-1992.

## NOTE:

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemp-

tions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 324/F. No. DG/KT-28/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

(आय कर)

नं. मा. 358—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों की एक वार्षिक विवरण। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण, सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ माइनर्स हेल्थ रिसर्च,  
होमो भा.मा रोड,  
कम्बई-400005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नं. 325/फ. सं. डी. जी. के. टी.-28/कल./35(1)(ii)/90-आ.कर. (छूट)]

## (INCOME TAX)

S.O. 358.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Tata Institute of Fundamental Research,  
Homi Bhabha Road,  
Bombay-400005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

## NOTE :

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 325/F. No. DG/M-106/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

## (आय कर)

का.भा. 359.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (तीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर अधिनियम, 1961 के नियम 8 के अधीन विहित अधिकारी प्रेषित महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रयोग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली, रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निम्नलिखित शर्तों के लिये एक प्रति अपनी-अपनी, धारियों एवं वेतनधारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

विवेकानन्द मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,

विद्यानगर,

लातूर-413512 (एम.एस.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सूचना दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदनपत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 325/का. सं. डी. जी./एम-15/कल/35(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

## (INCOME TAX)

S.O. 359.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

Vivekanand Medical Research Society,

Vidya Nagar,

Latur-413512 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

## NOTE :

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General

of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 326/F. No. DG/M-15/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 26 दिसम्बर, 1990

(आयकर)

का.भा. 360.--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वै.स/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-भूमि, अस्तित्वों, एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अनम साइंटिफिक एण्ड टेक्नोलॉजिकल अप्लाइड रिसर्च फाउन्डेशन,  
वरियास 8-2-696, रोड नं. 12, बान्जरा हिल्स,  
हैदराबाद-500034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :--संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् अवाधीन अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 327/का. सं. डी. जी./ए. पी.-6/कल./35(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

Calcutta, the 26th December, 1990

(INCOME TAX)

S.O. 360.--It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Anam Scientific & Technological Applied Research  
Foundation, Darius 8-2-696, Road No. 12,  
Banjara Hills, Hyderabad-500034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE :

The Organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 327/F. No. DG/AP-6/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

(आयकर)

का.भा. 361.--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वै.स/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग,

**NOTE :**

संयुक्त वं नाम

अरक्षित मेडियात रिस्चं फा:उन्हेषान्त,

1, श्रीमन् नगर,

मधुराई 625020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभाव है।

[No. 328/F No. DG/TN-14 'C<sub>8</sub>]/35(1)(ii) '82-IT(E)]

I CHAKRABORTY, Dy Director (I.T. Exemptions)

टिप्पणी :- संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर मूढानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करने के लिये रुक द दिया जाता है। विगोप मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधाय उक्त अवधि का समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, वाठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथा छ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किंग ऑफ आर्देन्त-पत्र की ७ प्रतियां मन्त्रि, वैधानिक और औद्योगिक अनुमोदन विभाग का प्रस्तुत करना है।

वाणिज्य मंत्रालय

( पति विभाग )

नई दिल्ली 14 जनवरी, 1991

का. आ. 362 :—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अन्वय में पूर्ति विभाग के निम्नलिखित कार्यालयों के जिनके कर्मचारीरक्ष के हिन्दी का कार्यमापक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करती है :—

[स. 328/का. रा. हो. जं./छा. एन-14/कस/35(1)(ii)/89-आ कर (छट)]  
जो सशस्त्री, उपनिदेशक-आयकर (छट)

## INCOME TAX

S.O. 361.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

## NAME OF THE ORGANISATION

**Aravind Medical Research Foundation,  
1, Anna Nagar,  
Madurai-625020.**

132 GI/91-6

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Supply)

**New Delhi, the 14th January, 1991**

S.O. 362.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of department of Supply, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

1. National Test House (W R ), Bombay
2. National Test House (N R ), Ghaziabad.

[No E-11012 /1 /89-Hindi]

S. C. MALHOTRA, Director

वस्त्र भंडालाग

नई दिल्ली, 21 जमवरी, 1991

का. प्रा. 363 -- केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय शीमा बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित राज्य सभा सदस्यों के सेवा निवृत्त होने पर, राज्य सभा ने, केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (२) के लब्ध (ग) के अनुसूचण में राज्य सभा के निम्नलिखित दो सदस्यों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार तीन वर्ष

की प्रवधि के लिए कार्य करने हेतु 9 जनवरी, 1991 को विधिवत निर्वाचित किया है।

1. श्री प्रगदा कोटैया
2. श्री जी. विजय मोहन रेड्डी।

[फा. म. 25012(11)/89-रेखाम]

परमेश्वरन अय्यर, उपसचिव

### MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 21st January, 1991

S.O. 363.—The Central Government hereby notify that the Members of Rajya Sabha nominated as members of Central Silk Board having retired, the Rajya Sabha has, in pursuance of clause (c) of sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1943 (61 of 1948), duly elected the following two Members of Rajya Sabha, on 9th January, 1991 to serve as members of the Central Silk Board for a period of three years subject to the provisions of Act :—

1. Shri Pragada Kotaiah.
2. Shri G. Vijaya Mohan Reddy.

[T. No. 25012/11/88-Silk]

PARAMESWARAN IYER, Dy. Secy.

### पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1991

का. प्रा. 364 :—तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की उपधारा 3 की उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार तत्काल प्रभाव से और दो वर्ष से अनधिक प्रवधि के लिए, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग के सचिव श्री अशोक चन्द्रा को एतद्वारा तेल उद्योग विकास बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है।

[मं. जी.-35012/5/89—विस्त-II]

### MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

(Deptt. of Petroleum & Natural Gas)

New Delhi, the 9th January, 1991

S.O. 364.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints, with immediate effect and for a period not exceeding two years, Shri Ashok Chandra, Secretary, Department of Petroleum & Natural Gas, New Delhi, as a Member of the Oil Industry Development Board.

[No. G-35012/5/89-Fin. II]

का. प्रा. 365 :—तेल उद्योग (विकास) अधिनियम 1974 (1974 का 47) की धारा 3 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तत्काल प्रभावी तारीख से अगले आवेश होने तक के लिए तेल उद्योग विकास बोर्ड में श्री एम. एस. गुप्तादस्वामी के स्थान पर श्री सत्यप्रकाश मालवीय, पेट्रोलियम और रसायन मंत्री को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[मं.जी. 35012/5/89-विम - II]

राजीव शर्मा, निदेशक (वित्त)

S.O. 365.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints, with immediate effect and until further orders, Shri

Satya Prakash Malaviya, Minister of Petroleum and Chemicals, as the Chairman of Oil Industry Development Board, vide Shri M. S. Gurupadaswamy.

[No. G-35012/5/89-Fin. II]

RAJIB SHARMA, Director (Fin.)

### नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1991

का. प्रा. 366 :—पवानहंस लिमिटेड के आपन और संस्था अधिनियम के अनुच्छेद 38(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, तत्काल प्रभावी रूप से, 3 वर्ष की प्रवधि के लिए निम्नलिखित सदस्यों सहित पवानहंस लिमिटेड के निदेशक मंडल का पुनर्गठन करते करते है :—

- |  |                  |
|--|------------------|
| (1) नागर विमानन महानिदेशक और पदेन अपर सचिव, नागर विमानन मंत्रालय, (श्री एम. आर. शिवरामन)   | अंशकालिक अध्यक्ष |
| (2) सदस्य (तकनीकी सेवाएं) तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग (श्री एम. के. मांगलिक)  | निदेशक           |
| (3) संयुक्त सचिव और वित्त मलाहकार, नागर विमानन मंत्रालय (श्री एस. कृष्णमूर्ति)   | निदेशक           |
| (4) संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय (श्री पी. के. बनर्जी)   | निदेशक           |
| (5) प्रचालन निदेशक (परिवहन और तटवर्ती) वायु सेना मुख्यालय, (ग्रुप कैप्टेन ए. के. गोयल, कार्यकारी प्रचालन निदेशक) परिवहन और तटवर्ती | निदेशक           |
| (6) प्रबन्ध निदेशक, पवान हंस लिमिटेड, (एयर कमांडर सी. एम. मिश्रा)  | निदेशक           |

[संख्या एथी-13015/81/89-ए.सी. (वीएल)]

नसीब सिंह, अपर सचिव

### MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th January, 1991

S.O. 366.—In exercise of the powers conferred by Article 38(a) of the Memorandum and Articles of Association of the Pawan Hans Limited, the President is pleased to reconstitute with immediate effect the Board of Directors of Pawan Hans Limited for a period of three years with the following members:—

- |  |                    |
|--|--------------------|
| 1. Director General of Civil Aviation & ex officio, Addl Secy. Ministry of Civil Aviation (Sh. M. R. Sivaraman)                            | Part-time Chairman |
| 2. Member (Technical Services), ONGC. (Shri S. K. Manglik).  | —Director          |
| 3. Joint Secretary & Financial Adviser, Ministry of Civil Aviation. (Shri S. Krishna Moorthy).   | —Director.         |
| 4. Joint Secretary, Ministry of Civil Aviation, (Sh. P. K. Banerji).   | —Director.         |
| 5. Director of Operations (Transport & Maritime), Air Hq., (Gp. Capt. A. K. Goel, Officiating Director of operations-Transport & Maritime) | —Director          |
| 6. Managing Director, Pawan Hans Ltd., (A/Cdr. C. M. Singla).  | —Director          |

[F. No. Av. 13015/81/88-AC (VL)]

NASIB SINGH, Under Secy.

## खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1990

367 का.मा. 367 : --भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्न प्रमाणन नुसार लक्ष्यों के निम्न अनुसूची में दिए गए हैं उनका अवधि समाप्त हो गई है :

## अनुसूची

लाइसेंस सं. सी एम/एन	लाइसेंसधारी का नाम	IS : सं	समाप्ति की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
जनवरी 1989 के दौरान प्राप्त लाइसेंस			
0265036	ईमार्श्व पैरी इंडिया लि, टाशीपल्ली	633 : 1975	1988-03-31
0523537	डाब्रोस इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लि, कलकत्ता	1970 (भाग 1) : 1982	1986-05-31
0758059	इंडस्ट्रियल केबल्स (इ) केबल्स लि, जीब	1785 (भाग 1) : 1983	1988-02-29
0793162	भारत पेट्रोलियम इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लि. कं०, बिस्ली	561 : 1978	1988-11-30
0794164	उरसुल बेयरी, बीकानेर	1165 : 1986	1987-08-31
0923553	ईस्टन स्टील एंड एलॉय कं, गुवाहाटी	1977 : 1975	1986-12-31
0919883	एस एम. पी. प्रा. लि., रोहा	3284 : 1965	1988-07-15
1002009	फरीदाबाद गैस गेजेट्स प्रा. लि., फरीदाबाद	4248 : 1984	1988-10-31
1062431	जाध सिंह ग्रामसे एंड संस, जालंधर	9020 : 1979	1987-03-31
1162031	रामा रोलिंग मिल्स, कलकत्ता	1786 : 1985	1988-02-29
1162132	-वही-	226 : 1975	1988-02-29
1215329	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स लि०, पतनचेरु	3431 : 1982	1987-07-31
1219539	जिन्टर केबल्स लि, फरीदाबाद	694 : 1977	1984-07-31
1255412	भोपारिल ग्लास इंडस्ट्रीज, फरीदाबाद	57 : 1965	1987-12-15
1354040	बंगाल हैमर इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि, हावड़ा	226 : 1975	1986-12-15
1371545	शेखरटून्स एंड सेक्शनस लि, गाजियाबाद	3601 : 1984	1987-02-15
1379157	एम्पो वेस्टोसाइड्स, इटारसी	8960 : 1978	1988-02-29
1469865	कास्मो कैम प्रा. लि., पांडिचेरी	7884 : 1978	1988-10-31
1478765	संगमेश्वर कॉफी एस्टेट एंड इंडस्ट्रीज लि., कोसूर	2834 : 1986	1988-11-30
1479565	लिकीताशा इंडिया (प्रा.) लि, फरीदाबाद	2980 : 1979	1987 11 30
1480247	टीफिट (इंडिया), हावड़ा	10 (भाग 4) : 1976	1987 11-30
1520132	बस्ती प्रोसेसर्स इंडस्ट्रीज, बस्ती	458 : 1971	1987-02-28
1520536	फरीदाबाद कंक्रिट प्रोडक्ट्स, फरीदाबाद	-वही-	1988-02-29
1529554	फिसाइड्स इंडिया (प्रा.) लि., मद्रास	8028 : 1976	1988-03-31
1529655	-वही-	9356 : 1980	-वही-
1541847	लाइट इन्जीनियरिंग एन्टरप्राइजेज, कानपुर	10325 : 1982	-वही-
1544247	गोपाल टिन एंड मैकेनिकल, बक्स गाजियाबाद	-वही-	-वही-
1544651	बीएसो, मंडल, नोएडा	-वही-	-वही-
1545451	समवाल टिन इंडस्ट्रीज, कानपुर	-वही-	-वही-
1547556	लैम्प्स एंड लाइटिंग लि., अलवर	418 : 1978	1988-04-15
1570046	अनिल रॉ-रोलिंग मिल्स (प्रा.) लि., बंगलौर	2879 : 1975	1988-05-31
1571654	लिमो प्लास्टिक प्रा. लि., कलकत्ता	10840 : 1986	1988-05-15
1580049	भारत सीमेंट प्रा. लि., जिला गुलबर्गा	269 : 1976	1988-06-30
1581455	नाइ"गुजा प्लास्टिक, नई दिल्ली	1084 : 1986	1987-06-30
1584562	चैतन्य फूड्स प्राइवेट्स, मैसूर	1011 : 1981	1988-07-15
1601334	ग्रहण पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, मद्रास	10212 (भाग 1) : 1986	1988-09-15
1614141	इंडियन पैकेजिंग कारपोरेशन, कलकत्ता	-वही-	1988-10-31
1635452	ग्रामनथ कैमीकल इंडस्ट्रीज, जयपुर	1001 : 1982	1987-12-31
1659668	फोर्बेन एक्सेल्टस प्राइवेट्स, ग्रहमदाबाद	9627 : 1980	1988-02-29

(1)	(2)	(3)	(4)
1669370	अनिल रो-रोलिंग मिल (प्रा.) लि., बंगलौर	7887 1975	1988-03-15
1671052	उमिया एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बिसनगर	9020 1979	1988-03-31
1671658	एन. डी. एन्टरप्राइजेज, बम्बई	11246 1985	1988-03-31
1714852	अतुल इंडस्ट्रीज, हरिद्वार	10325 1982	1988-07-15
1721445	अल आकाश एन्टरप्राइजेज, साहिबाबाद	3601 1984	1988-08-15
1730648	मजदा फूड एंड ब्रिक्स प्रा. लि., नवासारी	8346 1975	1988-09-15
1735759	प्रीमियर मिल्स लि., उधमालपेट	834 1975	1988-09-30
1737965	सुरिन्दर कुमार हरीश कुमार एंड सन, दिल्ली	10325 1982	1988-09-30
1742756	श्री सोना सजिकस काटन, राजापलायम	863 1969	1988-10-15
1742958	थिरुवल्लुवार टेन्डलूम, राजापलायम	—वही—	—वही—
फरवरी 1989 के दौरान आस्थगित साइसेंस			
0075839	बीसीआर लि., फरीदाबाद	1551 1976	1988-07-31
0109426	बिन्नी स्टील रोलिंग मिल्स लि., जिरुखिरापली	226 1975	1988-12-15
0146331	ग्रेन्डले इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया), दिल्ली	1596 1977	1988-05-15
0252835	बसोआर लि., फरीदाबाद	3450 1976	1988-07-31
0285098	अनमबेनोर कं (मारपेरोज) प्रा. लि., असम	10 (भाग 2) 1976	1988-12-31
0373039	सदन केबल्स एंड इजी. वर्क्स, मेवीलिवकारा	398 (भाग 1) 1976	1988-03-31
0384953	प्रीमियर इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	326 1978	1988-09-30
0430325	असम वूड प्राइवेट्स (प्रा.) लि., असम	10 (भाग 2) 1970	1988-06-30
0464951	हिन्दू वायर इंडस्ट्रीज लि., कलकत्ता	398 (भाग 2) 1976	1988-10-15
0517441	डेल्टा केबल्स लि., नई दिल्ली	5950 1984	1987-09-15
0502440	गो पोल्डार एंड संस, पुण्या	10 (भाग 2) 1976	1988-11-15
0575051	विजय लक्ष्मी इंजेक्टीसाइड्स एंड पेटेंट साइड्स प्रा. लि., इयकोटा	2567 1978	1988-12-31
0579361	विजय लूमनरीज, कलकत्ता	2148 1981	1989-01-15
0581046	डेल्टा केबल्स लि., नई दिल्ली	2465 1969	1988-01-15
0670247	गोस्टेनर (इंडिया) लि., कलकत्ता	5086 1981	1989-01-31
0765157	इंडिया यूनाइटेड मिल्स, बम्बई	7085 1973	1988-07-31
0817645	स्टैंडर्ड मेटल थायर (प्रा.) लि., नई दिल्ली	1554 (भाग 1) 1976	1987-11-15
0827355	विनिवा प्रोडक्ट्स, कुम्भाकोनम	3959 1978	1988-13-31
0817058	बंगाल इस्पात उद्योग, कलकत्ता	1786 1985	1988-03-31
0865969	बी. सी. आर लि., फरीदाबाद	4174 1977	1988-04-30
1008526	मूनि मैच वर्क्स, शिवकाशी	2653 1980	1987-11-30
1062835	शिव शंकर रोलिंग मिल्स, भागलपुर	1977 1975	1988-01-15
1143227	जे. जी. ग्लास लि., पुणे	1397 1971	1988-12-31
1155337	आर. एस. हाई मेटल मैथु कं, फरीदाबाद	398 (भाग 1) 1976	1988-01-15
1158141	सधोमम मैच इंडस्ट्रीज, शिवकाशी	2653 1980	1987-07-15
1193345	लक्ष्मणपाल नेशनल लि., बडोदरा	9128 1979	1988-06-15
1204829	र. पी. स्टेट सॉमेट कारपोरेशन लि., मिर्जापुर	1489 1976	1988-06-30
1212733	सदन इंजेक्टीसाइड्स एंड फिटिंग्स, मद्रास	564 1978	1988-09-15
1261841	जायसवाल स्टील रोलिंग मिल्स, असम	326 1975	1988-03-15
1268047	टेस्टी प्रोडक्ट्स, संवर	8806 1978	1989-01-31
1286352	जायसवाल स्टील रोलिंग मिल्स, असम	1786 1985	1988-03-15
1340110	रीगल पेन्ट्स, इंदौर	133 1975	1988-09-15
1345645	ओमिगा केबल्स लि., मद्रास	5950 1971	1987-09-30
1359757	इंजीनियर्स एंड फैब्रिकेटर्स, बंगलौर	1786 1985	1988-01-15



(1)	(2)	(3)	(4)
1394154	कापट्स मैन मेन्टर, कानपुर	IS : 1989 (भाग 1) : IS : 1978	1988-03-31
1362847	अर्चना मेटल प्रा. लि., बहादुरगढ़	IS : 319 : 1974	1986-01-15
1369861	गुपर वेल्ड लि., राउरकेला	IS : 814 (भाग 1) : IS : 1974	1988-01-31
1383956	हेन्डी प्रा. इन्डस्ट्रिज, बम्बई	IS : 1233 : 1973	1988-05-29
1398863	विमान उद्योग, जयपुर	IS : 694 : 1977	1987-03-31
1409764	देवीदयाल रोलिंग एंड रिफिनिंग प्रा. लि., ठाणे	IS : 1786 : 1985	1988-12-15
1478664	हार्दयाणा मेटल एंड रि-रोलिंग मिल्स लि., नागपुर	IS : 1977 : 1975	1988-11-30
1485055	गुपरवेल्ड लि., राउरकेला	IS : 814 (भाग 2) : IS : 1974	1986-12-15
1498064	एलोरा स्टील्स लि., श्रीगंगाधर	IS : 1977 : 1975	1988-01-15
1543245	उपा टिन कं. राहोला	IS : 10345 : 1982	1988-03-31
1545552	नवभारत टिन वर्क्स, विजयनगर	IS : 916 : 1975	1988-01-15
1559360	विजय कुमार एंड ब्रास, ठाणे	IS : 226 : 1975	1988-05-15
1565861	वेस्टन इंडिया प्लाईवुड लि., केन्नोर	IS : 2202 (भाग 1) : IS : 1983	1988-05-31
1571351	प्रानथ इंडस्ट्रीज, देहरादून	IS : 2261 : 1975	1988-06-15
1576566	बाबू टिन फैक्टरी, जूनागढ़	IS : 10325 : 1982	1988-06-30
1578466	फिलाइड्स इंडिया, मद्रास	IS : 6177 : 1981	--वही--
1578667	फिलाइड्स इंडिया (प्रा.) लि., मद्रास	IS : 8074 : 1983	--वही--
1580352	हिन्द धातु इंडस्ट्रीज, मलगा	IS : 398 (भाग 1) : IS : 1976	1988-07-15
1580453	--वही--	IS : 398 (भाग 2) : IS : 1976	1988-07-15
1584461	फिलाइड्स इंडिया (प्रा.) लि., मद्रास	IS : 8499 : 1978	1988-07-15
1588063	टिन मेन्चु. कं. आफ इंडिया, गाजियाबाद	IS : 10330 : 1982	1987-07-31
1597470	एक प्लास्टिक्स प्रा. लि., ठाणे	IS : 10840 : 1986	1988-08-15
1109249	कंमोनिटेटेड विल्डर्स एंड डबलपर्स (प्रा.) लि., 24 परगना (प. बं.)	IS : 2589 : 1982	1987-09-30
1632244	देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरी प्रा. लि., ठाणे	IS : 226 : 1975	1988-12-15
1033540	कोल्हापुर स्टील लि., कोल्हापुर	IS : 6914 : 1978	1987-12-31
1640344	श्री गंगा मशीनरी कार्पोरेशन प्रा. लि., मद्रास	IS : 1977 : 1975	1989-01-15
1653959	भारत गंग. मेटल्स प्रा. लि., जयपुर	IS : 2665 : 1964	1989-01-31
1657361	भारत गंग. स्टील कार्पोरेशन, भारता	IS : 1977 : 1975	1988-02-15
1679573	मल्हाइट एंड एलाइड कैमिकल्स, राजगढ़	IS : 248 : 1978	1988-04-15
मार्च, 1989 के दौरान प्रात्यक्षित लाइसेंस			
0143274	दि नेशनल इन्सुलेटेड कंक्स कं. आफ इंडिया लि., कलकत्ता	IS : 1596 : 1977	1988-11-15
0146937	बी. सी. प्रार, लि., फरीदाबाद	IS : 1333 : 1975	1988-07-31
217126	ग्रामम मेटल वर्क्स, कलकत्ता	IS : 10 (भाग 4) : 1986	1988-06-15
0243430	वेधिन इंडिया लि., मद्रास	IS : 4985 : 1981	1988-04-30
0297352	भद्रवाल इस्पात प्रा. लि., बम्बई	IS : 226 : 1975	1988-07-15
0355643	भारत कंक्रिटर्स लि., बंगलौर	IS : 398 (भाग 2) : 1976	1987-09-30
0415029	प्रार. एम. हाई मेटल मेन्चु. कं., फरीदाबाद	--वही--	1987-01-15
0452843	कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज लि., बम्बई	IS : 226 : 1975	1988-08-31
0595764	चैम्पियन इंजीनियरिंग, गोरेगंव बम्बई	IS : 2834 : 1981	1988-10-15
0597869	एलोरा स्टील लिमिटेड, औरंगाबाद	IS : 6914 : 1978	1988-12-31
0608141	इंडियन ह्यूम पाइप कं. लि., कलकत्ता	IS : 458 : 1971	1988-05-15
0673345	गोयल स्टील इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS : 226 : 1975	1988-04-15
0689672	हिन्दुस्तान स्प्रिंग एंड वीविंग मिल्स लि., भोर	IS : 1739 : 1978	1988-03-31
0715213	भारत पुनवर्ग इजिंग मिल्स प्रा. लि., बम्बई	IS : 8291 : 1976	1988-01-31
0735552	विकास इंडस्ट्रीज, राजकोट	IS : 10001 : 1981	1988-11-30
0774562	दि स्टील मैरल वायर (प्रा.) लि., नई दिल्ली	IS : 694 : 1977	1987-05-15

(1)	(2)	(3)	(4)
0776485	गिरी टेम्, लिरपुर	IS : 4964 1980	1988-05-31
0921347	इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड, लखनऊ	IS : 814 (भाग 1) 1974	1988-12-15
0929868	अप्रवाल इस्पात इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS : 1786 1935	1988-07-15
0980868	हेलेक्स इजी इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली	IS : 7538 1975	1988-07-15
1008627	स्वामी मैच वर्क्स, गिबकावा	IS : 2653 1980	1988-11-30
1018226	डेकोरलास इंडस्ट्रीज, भानुद	IS : 1223 1982	1988-12-15
1045029	जी भार स्टील्स एंड एंजॉयज लि, बंगलौर	IS : 226 1975	1988-01-15
1113321	मदन कंठ एंड हजा वर्क्स इंडस्ट्रियल एंस्टेट, डा. पं. अलीकल, कोशीन	IS : 398 (भाग 2) 1976	1988-08-31
1119839	यूनोइटेड टेक्नालाजीस (प्रा.) लि., फरीदाबाद	IS : 4246 1984	1988-09-30
1158747	नेशनल स्टील रोलिंग मिल्स, मुजफ्फरनगर,	IS : 226 1975	1989-02-15
1185245	इंसेकटीलाइड्स एंड एलाइड केमिकल्स, मद्रास	IS : 8960 1978	1988-04-30
1210319	वि इंडस्ट्रियल गैसेज लि, लखनऊ	IS : 814 (भाग 2) 1974	1988-12-15
1226135	इंसेकटीलाइड्स एंड एलाइड केमिकल्स, मद्रास	IS : 1507 1977	1988-08-15
1226839	एलारा स्टील लि, श्रीरंगाबाद	IS : 8051 1976	1988-06-31
1227437	-वही-	IS : 3431 1975	-वही-
1250321	यू. पी. लैमीनेट्स प्रा लि, कानपुर	IS : 7406 (भाग 2) 1986	1987-11-30
1257648	एल्फा इजीनियर्स प्रा लि, राजकोट	IS : 325 1978	1988-12-31
1259347	एलोरा स्टील लि, श्रीरंगाबाद	IS : 6915 1973	-वही-
1261134	-वही-	IS : 226 1975	-वही-
1301433	गोयल स्टील इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS : 1786 1985	1988-04-15
1312630	निर्वाला इंडिया (प्रा.) लि, फरीदाबाद	IS : 5117 1969	1988-05-31
1313430	एडमायर एलाइड्स प्रा लि, नई दिल्ली	IS : 998 1979	1986-5-31
1324031	काइफिय इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	IS : 9079 1979	1987-07-15
1338648	किजिन किंग इंडस्ट्रीज, रतलाम	IS : 4246 1984	1988-08-31
1340950	सर्वाप इजी. के., नई दिल्ली	IS : 9079 1979	1986-10-15
1355345	शक्ति सामेट क. (प्रा.) लि, राजकोट	IS : 269 1976	1987-12-15
1356145	हिन्दुस्तान मिनरल्स प्राइवेट्स ल. प्रा. लि., बम्बई	IS : 562 1978	1988-12-31
1375452	ए. आर. सी. सीमेट लिमिटेड, देहरादून	IS : 1489 1976	1987-02-15
1386558	पिक्स ट्रांसमिशन प्रा लि, नागपुर	IS : 2494 1974	1987-03-15
1397159	नवभारत लिंक वेन मैनु. प्रा लि, धनबाद	IS : 7587 (भाग 4) 1975	1987-05-15
1400829	लिमूति बेलमैश (प्रा.) लि, नई दिल्ली	IS : 4948 1974	1986-03-31
1422031	नवभारत लिंक वेन मैनु. प्रा लि, धनबाद	IS : 3945 1967	1987-05-15
1423437	उमाप्रयाग वाय्वस मैनु. प्रा लि, हावड़ा	IS : 909 1975	1988-06-15
1435646	यथवत कार्बिड, कोरहापुर	IS : 4246 1984	1988-07-15
1440437	कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज, बम्बई	IS : 1786 1985	1988-08-31
1478563	प्रभु स्टील इंडस्ट्रीज, नागपुर	IS : 1977 1975	1988-11-30
1484356	नेशनल जूट मैनु. कारपोरेशन लि, हावड़ा	IS : 2828 (भाग 2) 1971	1988-12-15
1489871	श्री बीको केम कारपोरेशन, कोयम्बतूर	IS : 250 1964	1987-12-31
1515745	सेडी इजी वर्क्स, दिल्ली	IS : 1341 1981	1987-02-28
1529857	श्री हनुमान स्टील रोलिंग मिल्स क. लि, कलकत्ता	IS : 226 1975	1988-03-31
1531137	-वही-	IS : 226 1975	-वही-
1533040	प्रोमियर इंडस्ट्रीज, कोयम्बतूर	IS : 6595 1980	-वही-
1535852	मारुति टिन फैक्टरी, जामनगर	IS : 10325 1982	1988-03-15
1551850	श्री इमहूर एंजॉय स्टील लि, इंदौर	IS : 1977 1975	1988-03-30
1568059	टाइटन स्प्रिन्स लि, तुमकूर	IS : 1135 1984	1987-05-31
1574660	अप्रवाल इस्पात प्रा. लि, बम्बई	IS : 1977 1975	1988-08-30
1580453	हिन्दु वायर इंडस्ट्रीज, सतारा	IS : 398 (भाग 2) 1976	1988-07-15

(1)	(2)	(3)	(4)
1609855	स्टीमिंग रि-रोलिंग मिल; ठाणे	IS : 226 : 1975	1988-10-15
1611539	विजय टेन फैक्टरी, जुनागढ़	IS : 10325 : 1982	-वही-
1613644	वेस्टन इंडिया केमिकल्स, बलसाड	IS : 8249 : 1976	1987-10-31
1624245	गोधन दाम राठी स्टील्स प्रा. लि., दिल्ली	IS : 7452 : 1982	1987-11-15
1635957	कुमार इंडस्ट्रीज, आगरा	IS : 10325 : 1982	1987-12-31
1635957	मनासा इंजी. वर्क्स, राजकोट	IS : 10001 : 1981	1989-01-31
1646760	प्रकाश टिन फैक्टरी, जामनगर	IS : 10325 : 1982	-वही-
1648966	ए. स. एम. डीजल्स, राजकोट	IS : 10001 : 1981	-वही-
1659971	एमीक प्राइमरी केमिकल सर्वि. क., त्रिवी	IS : 852 : 1969	1988-02-28
1672559	प्रभात स्टील लि., कोटा	IS : 6914 : 1978	1988-03-31
1672660	-वही-	IS : 6915 : 1978	-वही-
1690561	परफेक्ट स्टोनवेयर प्राइवेट्स, मडवल	IS : 651 : 1980	1988-05-15

[स. के प्र. वि/13:14]

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 27th December, 1990

S.O 367.—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired :

## SCHEDULE

Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
1	2	3	4
LICENCES LAPSED DURING JAN. 1989			
CM/L-0265036	EID Parry (India) Ltd. Tadepalli	IS 633 : 1975	1988-03-31
CM/L-0523537	Dabros Industrial Corporation Ltd., Calcutta.	IS : 1970 (Part 1): 1982	1988-05-31
CM/L-0758059	Industrial Cables (I) Ltd., Jind	IS 1785 (Part I) : 1983	1988-02-29
CM/L-0793162	Bharat Pesticides Mfg. Co., Delhi	IS 561 : 1978	1988-11-30
CM/L-0794164	Urmul Daiary, Bikaner.	IS : 1165 : 1986	1987-08-31
CM/L-0923553	Eastern Steel & Alloys Co., Guwahati	IS 1977 : 1975	1986-12-31
CM/L 0979883	S.M.P. Pvt. Ltd., Roha.	IS 3284 : 1965	1988-07-15

1	2	3	4
CM/L-1002009	Faridabad Gas Gadgets Pvt. Ltd., Faridabad.	IS 4246 : 1984	1988-01-31
CM/I -1062431	Jodh Singh Shembey & Sons, Jalandhar.	IS 9020 : 1979	1987-03-31
CM/L-1162031	Rama Rolling Mills, Calcutta.	IS 1786 : 1985	1988-02-29
CM/L-1163132	—do—	IS 226 : 1975	1988-02-29
CM/L-1215329	Partap Steel Rolling Mills Ltd., Patancheru.	IS 3431 : 1982	1987-07-31
CM/L-1219539	Victor Cables Ltd., Faridabad.	IS 694 : 1977	1984-07-31
CM/L-1255442	Opasil Glass Industries, Firozabad.	IS 57 : 1965	1987-12-15
CM/L-1354040	Bengal Hammer Industries (P) Ltd., Howrah.	IS 226 : 1975	1986-12-15
CM/L-1371545	Sekhar Tubes & Sections Ltd., Ghaziabad.	IS : 3601 : 1984	1987-02-15
CM/L-1379157	Agro Pesticides, Itarsi	IS 8960 : 1978	1988-02-29
CM/L-1469865	Cosmo Chem Pvt. Ltd., Pondicherry	IS 7884 : 1978	1988-10-31
CM/L-1478765	Sangameshwar Coffee Estate & Industries Ltd., Bosur	IS 2834 : 1986	1988-11-30
CM/L-1479565	Niky Tasha India (P) Ltd., Faridabad.	IS 2980 : 1979	1987-11-30
CM/L-1480247	Teafit (India), Howrah.	IS 10 (Part 4) : 1976	1987-11-30
CM/L-1520132	Basti Presters Industries, Basti.	IS 458 : 1971	1987-02-28
CM/L-1520536	Faizabad Concrete Products, Faizabad	—do—	1988-02-29
CM/L-1529554	Ficides India (P) Ltd., Madras.	IS 8028 : 1976	1988-03-31
CM/L-1529655	—do—	IS 9356 : 1980	—do—
CM/L-1541847	Light Engg. Enterprises, Kanpur.	IS : 10325 : 1982	—do—
CM/L-1544247	Gopal Tin & Mechanical Works, Ghaziabad.	—do—	—do—
CM/L-1544651	BAC Metals NOIDA	—do—	—do—
CM/L-1545451	Aggarwal Tins Industries, Kanpur.	—do—	—do—
CM/L-1547556	Lamps & Lighting Ltd., Alwar.	IS 418 : 1978	1988-04-15
CM/L-1570046	Anil Re-rolling Mills (P) Ltd., Bangalore.	IS 2879 : 1975	1988-05-31
CM/L-1571654	Leo Plastic Pvt. Ltd., Calcutta.	IS 10840 : 1986	1988-05-15
CM/L-1580049	Bhagya Cements Pvt. Ltd., Dist Gulbarga.	IS 269 : 1976	1988-06-30
CM/L-1581455	Sai Puja Plastics, New Delhi.	IS 1084 : 1986	1987-06-30

1	2	3	4
CM/L-1584562	Chantanya Food Products, Mysore.	IS 1011 : 1981	1988-07-15
CM/L-1601334	Aruna Packaging Industries, Madras.	IS 10212 (Part 1) : 1986	1988-09-15
CM/L-1614141	Indian Packaging Corporation, Calcutta	—do—	1988-10-31
CM/L-1635452	Anand Chemical Industries, Jaipur.	IS 1061 : 1982	1987-12-31
CM/L-1659668	Flowel Asbestos Products, Ahmadabad.	IS 9627 : 1980	1988-02-29
CM/L-1669570	Anil Re-rolling Mills (P) Ltd., Bangalore.	IS 7887 : 1975	1988-03-15
CM/L-1671052	Umiya Agro Industries Pvt. Ltd., Visnagar.	IS 9020 : 1979	1988-03-31
CM/L-1671658	S.D. Enterprises, Bombay	IS 11246 : 1985	1988-03-31
CM/L-1714852	Atul Industries, Haryana	IS 10325 : 1982	1988-07-15
CM/L-1721445	Jal Akash Enterprises, Sahibabad.	IS 3601 : 1984	1988-08-15
CM/L-1730648	Mazda Food & Drinks Pvt. Ltd., Navasari.	IS 5346 : 1975	1988-09-15
CM/L-1735759	Premier Mills Ltd., Udamalpet	IS 834 : 1975	1988-09-30
CM/L-1737965	Surinder Kumar Harish Kumar & Sons, Delhi.	IS 10325 : 1982	1988-09-30
CM/L-1742756	Sri Meena Surgical Cotton, Rajapalayam.	IS 863 : 1969	1988-10-15
CM/L-1742958	Thiruvalluvar Handlooms, Rajapalayam.	—do—	—do—

## LICENCES LAPSED DURING FEB 1989

CM/L-0075839	BCR Ltd., Faridabad.	IS 1551 : 1976	1988-07-31
CM/L-0109426	Trichy Steel Rolling Mills Ltd., Tiruchirapalli	IS 226 : 1975	1988-12-15
CM/L-0146331	Grandlay Electricals (India), Delhi.	IS 1596 : 1977	1988-05-15
CM/L-0252835	BCR Ltd., Faridabad.	IS 3450 : 1976	1988-07-31
CM/L-0285648	Assam Veneer Co (Margherita) Pvt. Ltd., Assam.	IS 10 (Part 2) : 1976	1988-12-31
CM/L-0373039	Southern Cables & Engg. Works, Mavelikkara.	IS 398 (Part I) : 1976	1988-03-31
CM/L-0384953	Premier Industries, Coimbatore.	IS 325 : 1978	1988-09-30
CM/L-0420325	Assam Wood Products (P) Ltd., Assam	IS 10 (Part 2) : 1970	1988-06-30
CM/L-0464951	Hind Wire Industries Ltd., Calcutta.	IS 398 (Part 2) : 1976	1988-10-15

1	2	3	4
CM/L-0517441	Delton Cables Ltd., New Delhi.	IS 5950 : 1984	1987-09-15
CM/L-0562446	Go. Poddar & Sons, Purnea	IS 10 (Part 2) : 1976	1988-11-15
CM/L-0575051	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Ltd., Ethakota.	IS 2567 : 1987	1988-12-31
CM/L-0579261	Vijay Luminaries, Calcutta.	IS : 2148 : 1981	1989-01-15
CM/L-0581046	Delton Cables Ltd., New Delhi.	IS 2465 : 1969	1988-01-15
CM/L-0670247	Gestetnor (India) Ltd., Calcutta.	IS 5086 : 1981	1989-01-31
CM/L-0765157	India United Mills, Bombay	IS : 7085 : 1973	1988-03-31
CM/L-0812645	Standard Metal Wires (P) Ltd., New Delhi.	IS 1554 (Part I) : 1976	1987-11-15
CM/L-0827355	Viniba Products, Kumbakonam	IS 3959 : 1978	1988-12-31
CM/L-0847058	Bengal Ispat Udyog, Calcutta.	IS 1786 : 1985	1988-03-31
CM/L-0865969	BCR Ltd., Faridabad.	IS 4174 : 1977	1988-04-30
CM/L-1008256	Murthy Match Works, Sivakasi	IS 2653 : 1980	1987-11-30
CM/L-1062835	Shiv Shanker Rolling Mills, Bhagalpur.	IS 1977 : 1975	1988-01-15
CM/L-1142227	J.G. Glass Ltd., Pune	IS 1392 : 1971	1988-12-31
CM/L-1155337	R.S. Hard Metal Mfg. Co., Faridabad.	IS 398 (Part I) : 1976	1986-01-15
CM/L-1158141	Santhosam Match Industries, Sivakasi	IS 2653 : 1980	1987-02-15
CM/L-1193345	Lakhanpal National Ltd., Vadodara	IS 9128 : 1979	1986-06-15
CM/L-1204829	U.P. State Cement Corporation Ltd., Mirzapur.	IS 1489 : 1976	1988-06-30
CM/L-1232733	Southern Insecticides & Fertilizers, Madras.	IS 562 : 1978	1988-09-15
CM/L-1261841	Jaiswal Steel Rolling Mills, Assam.	IS 226 : 1975	1988-03-15
CM/L-1268047	Testee Products, Mandar	IS 8806 : 1978	1989-01-31
CM/L-1286352	Jaiswal Steel Rolling Mills, Assam	IS 1786 : 1985	1988-03-15
CM/L-1340130	Regal Paints, Indore.	IS 133 : 1975	1988-09-15
CM/L-1345645	Omega Cables Ltd., Madras.	IS 5950 : 1971	1987-09-30
CM/L-1359757	Engineers & Fabricators, Bangalore.	IS 1786 : 1985	1988-01-15
CM/L-1394153	Craftsmen Centre, Kanpur.	IS 1989 (Part I) : 1978	1988-03-31
CM/L-1362847	Archana Metals Pvt. Ltd., Bahadurgarh.	IS 319 : 1974	1986-01-15
CM/L-1369861	Superweld Ltd., Rourkela	IS 814 (Part I) : 1974	1988-01-31

1	2	3	4
CM/L-1383956	Handy Products, Bombay	IS 1222 : 1973	1988-02-29
CM/L-1398868	Vidyut Udyog, Jaipur	IS 694 : 1977	1987-03-31
CM/L-1469764	Devidayal Rolling & Refineries Pvt. Ltd., Thane.	IS 1786 : 1985	1988-12-15
CM/L-1478664	Hayiyana Metal & Re-Rolling Mills Ltd., Nagpur.	IS 1977 : 1975	1988-11-30
CM/L-1485055	Superweld Ltd., Rourkela.	IS 814 (Part 2) : 1974	1986-12-15
CM/L-1498064	Ellora Steels Ltd., Aurangabad.	IS 1977 : 1975	1988-01-15
CM/L-1543245	Usha Tin Co., Rohtas	IS 10325 : 1982	1988-03-15
CM/L-1545552	Navabharat Tin Works, Quilon.	IS 916 : 1975	1988-01-15
CM/L-1559260	Vijay Kumar & Bros. Thane	IS 226 : 1975	1988-05-15
CM/L-1565861	Western India Plywoods Ltd., Coimbanore.	IS 2202 (Part I) : 1983	1988-05-31
CM/L-1571351	Anand Industries, Dehra Dun	IS 2261 : 1975	1988-06-15
CM/L-1576866	Babu Tin Factory, Junagadh.	IS 10325 : 1982	1988-06-30
CM/L-1578466	Ficides India, Madras	IS 6177 : 1981	—do—
CM/L-1578567	Ficides India (P) Ltd., Madras.	IS 8074 : 1983	—do—
CM/L-1580352	Hind Wire Industries, Satara.	IS 398 (Part 1) : 1976	1988-07-15
CM/L-1580453	—do—	IS 398 (Part 2) : 1976	1988-07-15
CM/L-1584461	Ficides India (P) Ltd., Madras.	IS 8499 : 1978	1988-07-15
CM/L-1588065	Tin Mfg. Co. of India, Ghaziabad.	IS : 10339 : 1982	1987-07-31
CM/L-1597470	Ace Plastics Pvt. Ltd., Thane.	IS 10840 : 1986	1988-08-15
CM/L-1609249	Consolidated Builders & Developers (P) Ltd., 24 Parganas (W.B.).	IS 2580 : 1982	1987-09-30
CM/L-1632244	Devidayal Rolling & Refineries Pvt. Ltd., Thane.	IS 226 : 1975	1988-12-15
CM/L-1633549	Kolhapur Steel Ltd., Kolhapur.	IS 6914 : 1978	1987-12-31
CM/L-1640344	Sri Rama Machinery Corporation Pvt. Ltd., Madras.	IS : 1977 : 1975	1989-01-15
CM/L-1653959	R.S. Metals Pvt. Ltd., Jaipur.	IS 2665 : 1964	1989-01-31
CM/L-1657361	Agra Steel Corporation, Agra.	IS 1977 : 1975	1988-02-15
CM/L-1679573	Sulphite & Allied Chemicals, Rajgarh.	IS 248 : 1978	1988-04-15

1	2	3	4
LICENCES LAPSED during March 1989			
CM/L-0143224	The National Insulated Cables Co. of India Ltd., Calcutta.	IS 1596 : 1977	1988-11-15
CM/L-0146937	BCR Ltd., Faridabad.	IS 1333 : 1975	1988-07-31
CM/L-0217126	Assam Metal Works, Calcutta.	IS 10 (Part 4) : 1976	1988-06-15
CM/L-0243430	Wavin India Ltd., Madras.	IS 4985 : 1981	1988-04-30
CM/L-0297352	Agarwal Ispat Pvt. Ltd., Bombay.	IS 226 : 1975	1988-07-15
CM/L-0355643	Bharat Conductors Ltd., Bangalore.	IS 398 (Part 2) : 1976	1987-09-30
CM/L-0415029	R.S. Hard Metal Mfg. Co., Faridabad.	—do—	1987-01-15
CM/L-0452843	Krishna Steel Industries Ltd., Bombay.	IS 226 : 1975	1988-08-31
CM/L-0595764	Champion Engineering, Goregaon, Bombay.	IS 2834 : 1981	1988-01-15
CM/L-0597869	Ellora Steel Limited, Aurangabad.	IS 6914 : 1978	1988-12-31
CM/L-0608141	Indian Hume Pipe Co. Ltd., Rajpura.	IS 458 : 1971	1988-05-15
CM/L-0673345	Goel Steel Industries, Calcutta.	IS 226 : 1975	1988-04-15
CM/L-0689672	Hindustan Spinning & Wvg. Mills Ltd., Bhor	IS 1739 : 1978	1988-03-31
CM/L-0715243	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Bombay	IS 8291 : 1976	1988-01-31
CM/L-0735552	Vikas Industries, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1988-11-30
CM/L-0774562	The Standard Metal Wires (P) Ltd., New Delhi.	IS 694 : 1977	1987-05-15
CM/L-0776465	Giri Tex, Tirupur	IS 4964 : 1980	1988-05-31
CM/L-0921347	Industrial Gases Limited, Lucknow.	IS 814 (Part 1) : 1974	1988-12-15
CM/L-0929868	Agarwal Ispat Industries, Bombay	IS 1786 : 1985	1988-07-15
CM/L-0980868	Hallex Engg. Industries, New Delhi.	IS 7538 : 1975	1986-07-15
CM/L-1008627	Swamy Match Works, Sivakasi	IS 2653 : 1980	1988-11-30
CM/L-1018226	Decoglass Industries, Anand	IS 1223 : 1982	1988-12-15
CM/L-1045029	G.R. Steels & Alloys (P) Ltd., Bangalore.	IS 226 : 1975	1988-03-15
CM/L-1113321	Southern Cables & Engg. Works, Industrial Estate, P.O. Chulikal, Cochin.	IS 398 (Part 2) : 1976	1988-08-31



1	2	3	4
CM/L-1119838	United Technologies (P) Ltd., Faridabad.	IS 4246 : 1984	1988-09-30
CM/L-1159747	National Steel Rolling Mills, Muzaffarnagar.	IS 226 : 1975	1989-02-15
CM/L-1185245	Insecticides & Allied Chemicals, Madras.	IS 8960 : 1978	1988-04-30
CM/L-1210819	Fhe Industrial Gases Ltd., Lucknow.	IS 814 (Part 2) : 1974	1988-12-15
CM/L-1226435	Insecticides & Allied Chemicals, Madras.	IS 1507 : 1977	1988-08-15
CM/L-1226839	Ellora Steel Limited, Aurangabad.	IS 8051 : 1976	1988-08-31
CM/L-1227437	—do—	IS 3431 : 1975	—do—
CM/L-1250321	U.P. Luminators Pvt. Ltd., Kanpur.	IS 7406 (Part 2) : 1986	1987-11-30
CM/L-1257648	Alfa Engineers, Rajkot.	IS 325 : 1978	1988-12-31
CM/L-1258347	Ellora Steel Limited, Aurangabad.	IS 6915 : 1978	-do-
CM/L-1261134	—do—	IS 226 : 1975	—do—
CM/L-1301423	Goel Steel Industries, Calcutta.	IS 1786 : 1985	1988-04-15
CM/L-1312630	Niky Tasha India (P) Ltd., Faridabad.	IS 5117 : 1969	1988-05-31
CM/L-1343430	Admire Appliances Pvt. Ltd., New Delhi.	IS 996 : 1979	1986-05-31
CM/L-1324031	Viking Industries, Coimbatore.	IS 9079 : 1979	1987-07-15
CM/L-1338648	Kitchen King Industries, Ratlam	IS 4246 : 1984	1988-08-31
CM/L-1346950	Sundip Engg. Co., New Delhi.	IS 9079 : 1979	1986-10-15
CM/L-1355345	Shakti Cement Co. (P) Ltd., Rajkot.	IS 269 : 1976	1987-12-15
CM/L-1356145	Hindustan Minerals Products Co. Pvt. Ltd., Bombay.	IS 562 : 1978	1988-12-31
CM/L-1375452	A.R.C. Cement Limited, Dehra Dun	IS 1489 : 1976	1987-02-15
CM/L-1386558	Pix Transmission Pvt. Ltd., Nagpur.	IS 2494 : 1974	1987-03-15
CM/L-1397159	Nav Bharat Link Chain Mfg. Pvt. Ltd., Dhanbad.	IS 7587 (Part 4) : 1975	1987-05-15
CM/L-1400829	Trimurti Welmesh (P) Ltd., New Delhi.	IS 4948 : 1974	1986-03-31
CM/L-1422031	Nav Bharat Link Chain Pvt. Ltd., Dhanbad.	IS 3935 : 1967	1987-05-15
CM/L-1423437	Upadhyaya Valvet Mft. Pvt. Ltd., Howrah.	IS 909 : 1974	1988-06-15
CM/L-1435646	Yashwant Castings, Kolhapur.	IS 4246 : 1984	1988-07-15

1	2	3	4
CM/L-1440437	Krishna Steel Industries, Bombay.	IS 1786 : 1985	1988-08-31
CM/L-1478563	Prabhu Steel Industries, Nagpur.	IS 1977 : 1975	1988-11-30
CM/L-1484356	National Jute Mfg. Corporation Ltd., Howrah.	IS 2818 (Part 2) : 1971	1988-12-15
CM/L-1489871	Shri Veeco Chem corporation, Coimbatore	IS 250 : 1964	1987-12-31
CM/L-1515745	Sethi Engg Works, Delhi	IS 1341 : 1981	1987-02-27
CM/L-1529857	Shree Hanuman Steel Rolling Mills Co. Ltd., Calcutta.	IS 226 : 1975	1988-03-31
CM/L-1531137	Shree Hanuman Steel Rolling Mills Co. Ltd., Calcutta.	IS 226 : 1975	do
CM/L-1533040	Premier Industries, Coimbatore.	IS 6595 : 1980	do
CM/L-1535852	Maruti Tin Factory, Jamnagar.	IS 10325 : 1982	1988-03-15
CM/L-1551850	Shri Ishar Alloy Steels Ltd., Indore.	IS 1977 : 1975	1988-03-30
CM/L-1568059	Titan Springs Ltd., Tumkur.	IS 1135 : 1984	1987-05-31
CM/L-1574660	Agarwal Ispat Pvt Ltd., Bombay.	IS 1977 : 1975	1988-06-30
CM/L-1580453	Hind Wire Industries, Satara.	IS 398 (Part 2) : 1976	1988-07-15
CM/L-1609855	Sterling Re-rolling Mills, Thane.	IS 226 : 1975	1988-10-15
CM/L-1611539	Vijay Tin Factory, Junagarh	IS 10325 : 1982	do
CM/L-1613644	Western India Chemicals, Valsad.	IS 8249 : 1976	1987-10-31
CM/L-1624245	Gordhan Das Rath Steel Pvt. Ltd., Delhi.	IS 7452 : 1982	1987-11-15
CM/L-1635957	Kumar Industries, Agia	IS 10325 : 1982	1987-12-31
CM/L-1635957	Panama Engg. Works, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-01-31
CM/L-1646760	Prakash Tin Factory, Jamnagar.	IS 10325 : 1982	do
CM/L-1648966	S.M. Diesels, Rajkot.	IS 10001 : 1981	do
CM/L-1659971	Mc Adams Chemicals Mfg. Co., Trichy.	IS 852 : 1969	1988-02-28
CM/L-1672559	Prabhat Steels Ltd., Kota	IS 6914 : 1978	1988-03-31
CM/L-1672660	do	IS 6915 : 1978	do
CM/L-1690561	Perfect Stoneware Products, Medchal	IS 651 : 1980	1988-05-15

का प्रा. 359 :—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1938 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुद्रा लाइसेंसों के निरक्षण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं उनकी अवधि समाप्त हो गई है :

## अनुसूची

लाइसेंसधारी एम एल (1)	लाइसेंसधारी का नाम (2)	IS. नं० (3)	समाप्ति की तिथि (4)
अप्रैल, 1989 के दौरान आम्पगिन लाइसेंस			
0021311	एनईबुड मैनुफैक्चर्स को-ऑप सोसाइटी लि, कलकत्ता	IS 10 (भाग 2) 1976	1988-08-31
0402626	बंगलौर वायर रॉड मिल, बंगलौर	IS 1786: 1985	1988-12-31
0776667	पांजी फेल्ड्स, छहता	IS 2339: 1963	1988-05-31
0778570	दिवाकर इंजीनियर्स लि., दिल्ली	IS 1239 (भाग 1): 1979	-वही-
0778974	आमवाल इलेक्ट्रिकल्स, फरीदाबाद	IS 9079: 1979	1986-06-15
0911344	हरिमंगा एंजिनीयर्स स्टील लि., नागपुर	IS 6914: 1978	1988-11-15
1093947	फैरी फूड प्राइवेट्स, हैदराबाद	IS 1011: 1991	1988-07-15
1109335	लेख पाणी वेनोर एंड सौ मिल्स, अमम	IS 10 (भाग 2) 1976	1988-08-15
1165340	आर. एनईबुड प्राइवेट्स, कलकत्ता	-वही-	1988-02-29
1165441	ऐरोमिक्स कौमोक्ल एंड कोटिम्स प्रा. लि., नई दिल्ली	IS 5410: 1969	1989-02-28
1181742	श्रीराम इंडस्ट्रीज, गुवाहाटी	IS 226: 1975	1987-04-30
1216129	सुरेखा कोटेड ट्यूब्स एंड शीट्स, फरीदाबाद	IS 1978: 1971	1987-07-31
1237238	बिंदुमन प्राइवेट्स (इंडिया), कलकत्ता	IS 1838 (भाग 1) 1983	1988-09-30
1257345	राज सिनिडसे एंड कंटेनर्स प्रा. लि., मधुग	IS 3198: 1982	1986-11-30
1272139	दिवाकर इंजीनियर्स लि., दिल्ली	IS 7138: 1973	1988-01-31
1272947	लोहार्क स्टील इंडस्ट्रीज लि., बंगलौर	IS 7887: 1975	1988-02-15
1300219	छा इंडस्ट्रीज, लि., शिवपुरी	IS 9020: 1979	1988-03-31
1350133	पूर्वांचल स्पन पाइप, वाराणसी	IS 458: 1971	1986-11-30
1358351	मयम इंजीनियरिंग वर्क्स, नई दिल्ली	IS 9079: 1979	1986-12-31
1381653	रॉक स्टील कारपोरेशन, बम्बई	IS 1838 (भाग 1) 1983	1989-02-28
1396561	श्रीमल रबर इंडस्ट्रीज लि., बंगलौर	IS 9168: 1979	1988-04-31
1397058	एबीए इंजीनियरिंग वर्क्स, बंगलौर	IS 9301: 1982	-वही-
1404635	श्री शिवधाम स्टील प्रा. लि., कलकत्ता	IS 1786: 1985	1986-04-15
1405132	-वही-	IS 226: 1975	-वही-
1461748	के.एल सोल्स एंड आयरन लि., कलकत्ता	IS 10633: 1983	1988-09-30
1467255	ए.ए.सी. कैमाकल सेक्टरटरीज जयपुर	IS 4956: 1977	1988-10-31
1480550	इस्टर्न स्मेल्टिंग एंड रोलिंग मिल्स, बम्बई	IS 21: 1975	1987-11-30
1481451	धूम दावरी इंडस्ट्रीज प्रा. लि., गाजियाबाद	IS 226: 1975	1988-11-30
1482857	मीना इंडस्ट्रीज, सोपल	IS 9020: 1979	1986-11-30
1483157	इस्टर्न स्मेल्टिंग एंड रोलिंग मिल्स बम्बई	IS 1660 (भाग 1) 1967	1987-11-30
1488465	रुचि रसायन, रानीक्षल, बलमोड	IS 1307: 1982	1988-12-31
1493963	राजेश स्टील इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., नागपुर	IS 1977: 1975	1989-10-15
1521639	एम.पी. आयरन एंड स्टील वर्कस प्रा. लि., भिलाई	-वही-	1988-02-29
1522843	पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, बडोदा	IS 2879: 1975	1988-03-15
1525243	गोल सोमेट्स, गुलबर्गा	IS 269: 1976	-वही-
1533444	भारत ट्यूब एंड टिन प्रिन्टर्स, हैदराबाद	IS 10325: 1982	-वही-
1544530	श्रीमियर टिन इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली	-वही-	1988-03-31
1548760	विनीय मैंगन वर्क्स, जालंधर	IS 778: 1984	1988-04-15
1559864	कालेनवेरी इंजी. एंटरप्राइजेज (प्रा.) लि., अमरकुलम	IS 814 (भाग 1) 1974	1988-05-15
1558463	-वही-	IS 814 (भाग 2) 1979	1988-05-31

(1)	(2)	(3)	(4)
1541051	शनुपम प्राइवेट्स प्रा. लि. , नई दिल्ली	IS 10339 1982	1987-06-30
1583450	पाटनियर टिन प्राइवेट्स, हिमाचल	IS 10325 1982	1988-07-15
1593361	प्लास्टिक एंड मेटल प्रा. लि. , नई दिल्ली	IS 10840 1986	1988-07-31
1601138	प्यामिडास फाउण्डेशन एंड इंजीनियर्स' पुणे	IS 781 1977	1988-09-15
1620035	एल्पा स्टील इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	IS 10339 1982	1988-10-31
1621441	नेवी पैस्टीमाइड्स, मद्रास	IS 561 1978	1988-11-15
1643249	श्री शंकर सीमेंट वर्क्स प्रा. लि. , गुजरात	IS 269 1976	1988-01-15
1654355	एमपी कार्बन प्रा. लि. , मछीदीप	IS 1551 1976	1989-02-15
1658363	एमपी कार्बन प्रा. लि. , मछीदीप	IS 3450 1976	1989-02-28
1675969	कल्पना मेटल प्रा. लि. , उदयपुर	IS 863 1969	1988-04-15
1701338	जे एम्. कार्पोरेशन घकोला	IS 10325 1982	1988-06-15
1725857	स्टेगमार्ट इंडिया रिरोलर्स, चन्द्रपुर	IS 226 1975	1988-09-01
1728560	श्री राम प्राइवेट्स राजपल्लायम	IS 863 1969	1988-08-31
1751763	भित्तानी बनस्पति इंडस्ट्रीज, लि. हरियाणा	IS 11352 1985	1988-11-15
1762563	श्री एन्टल कंटेनर्स, बम्बई	IS 10339 1982	1988-11-30
मई 1989 के दौरान प्राप्त किए गए आवेदन			
0194342	एम. जी. माहनी एंड क. (दिल्ली) प्रा. लि. हैदराबाद	IS 1221 1971	1989-03-31
0286145	प्रकाश इंजी. कं. , कोयम्बरूर	IS 6595 1980	1988-01-15
0297554	माइलरेक्स केवल क. लि. , बम्बई	IS 694 1977	1988-08-31
0299053	माइलरेक्स केवल क. लि. बम्बई	IS 1554 (भाग 1) 1976	-वर्ही-
0637451	सजंन इक फेक्ट्री विश्रामपेट, बेलगोर	IS 1221 1971	-वर्ही-
0681056	निमान स्प्रिंग्स प्रा. लि. , जबलपुर	IS 1135 1984	1987-03-15
0726955	शिवानिक गुप्ता केमिकल, मोहाली	IS 561 1978	1988-10-15
0808654	एम. के. मिल्स, निरगुर	IS 1964 1980	1988-10-31
0832550	मदरसन, गाजियाबाद	IS 694 1977	1989-03-15
0851762	रोनाल्ड आर्मस्ट्रोंग, बम्बई	IS 4246 1985	1986-04-15
0863763	जल आकाश एंटरप्राइजेज, माहिबाबाद	IS 1161 1979	1988-04-15
911415	हरियाणा एल्युमिनियम स्टील लि. , भागपुर	IS 6915 1978	1988-11-15
0936360	स्टीलपार्ट्स इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, राजकोट	IS 10001 1981	1989-02-15
0971160	स्टेडर्स मेटल वर्क्स (प्रा.) लि. , नई दिल्ली	IS 199 (भाग 2) 1976	1985-05-31
1065538	गुप्ता केमिकल प्रा. लि. जयपुर	IS 562 1978	1989-04-30
1075945	उवा कंटेनर एंड एलाइड इंडस्ट्रीज, विशीरगढ़	IS 398 (भाग 1) 1976	1989-03-15
1157343	बटवो इजी अगरेल मैनु. दिल्ली	IS 2465 1969	1987-02-15
1186247	परामाउन्ट केवल कारपोरेशन दिल्ली	IS 1551 (भाग 1) 1976	1986-05-15
1186348	-वर्ही-	IS 694 1977	-वर्ही-
1202522	भारत प्लास्टिक्स, बेलगाम	IS 9537 (भाग 2) IS 1981	1988-07-15
1213729	गोवरन पेन्ट्स, समुतगर	IS 427 1965	1988-07-31
1257547	इस्टैम्प इलेक्ट्रिकल्स प्रोडक्ट्स, बम्बई	IS 2148 1981	1986-12-31
1297256	उत्कल पेस्टीसाइड्स एंड केमिकल्स, गजाम	IS 1307 1982	1987-03-31
1299361	गणेश आयल इन्डस., राजकोट	IS 10001 1981	1989-03-31
1311729	स्टील फ़ाउण्डेशन नेलिंग टेक्सस, पानीपत	SI 10577 1982	1988-05-31
1335844	मार्श इंजीनियर्स, पुणे	IS 2148 1981	1986-12-31
1416348	मीलमैक प्रा. लि. बम्बई	IS 2148 1981	1987-03-31
1466051	स्कार्दिन इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया), फरीदाबाद	IS 9859 1981	1986-10-15
1474757	नेशनल स्टील रोलिंग मिल्स, मुजफ्फरनगर	IS 1979 1975	1988-11-15
1487261	विजया कूट एंड इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS 2818 (भाग 2) 1971	1988-12-15

(1)	(2)	(3)	(4)
1519450	श्री कृष्ण कं., कलकत्ता	IS 2580: 1982	1989-02-28
1527146	एम.जी. साहनी एंड कं., हैदराबाद	IS 220: 1972	1989-03-15
1555252	सोरोथ इंडी. प्रा. लि., राजकोट	IS 10001: 1981	1989-04-30
1580958	मैटल बाक्स इंडिया लि., फरीदाबाद	IS 10339: 1982	1986-06-30
1514343	पैक्वेल इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., मद्रास	IS 10212 (भाग 1) 1986	1988-10-31
1619656	नवभारत स्टील रोलिंग मिल्स, बम्बई	IS 226: 1975	1988-10-31
1626956	केरल सोल्स एंड ड्रायल्स, कालीकट	IS 285: 1974	1989-11-30
जून 1989 के दौरान आस्थापित लाइसेंस			
005111	जयपुर टिम्बर एंड बेनीर मिल्स प्रा. लि., दिल्ली	IS 10 (भाग 2): 1976	1989-01-31
0049334	सी एम सी इंडिया, ग्रहमदाबाद	IS 55: 1970	1989-01-15
0116625	स्वास्तिक मैटल वर्क्स, जगाधरी	IS 410: 1977	1988-05-15
0132320	एस टी पी लि., धनबाद	IS 1834: 1961	1988-12-31
0182537	बैकटेयर एंडो केमीकल्स एंड मिनेरल्स लि., मद्रास	IS 565: 1984	1989-04-15
0339847	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स लि., मद्रास	IS 1977: 1975	1988-05-15
0385450	कुमार ड्रायर एंड स्टील, गुवाहाटी	IS 1977: 1975	1988-09-15
0496762	ग्रेप निटिंग मिल्स, लिण्पुर	IS 4964: 1980	1988-03-31
0516641	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स लि., छहर्ता (पंजाब)	IS 2879: 1975	1988-05-15
0523335	एग्रोएक्स पेस्टीसाइड्स, विदिना	IS 561: 1978	1988-09-15
0685967	बिहार् इंक कं., पटना	IS 4174: 1974	1987-08-15
0700932	कैरो कंक्रिट कं. आफ इंडिया (स्टील), हुबली	IS 1786: 1985	1988-05-31
0737152	शेखर ड्रायर वर्क्स प्रा. लि., कलकत्ता	IS 1239 (भाग 1): 1979	1988-01-15
0737758	माइक्रोस इंडिया, कलकत्ता	IS 8268 (भाग 1): 1986	1987-11-30
0745353	शेखर ड्रायर वर्क्स प्रा. लि., कलकत्ता	IS 1161: 1979	1988-01-15
0863056	एलेम्बिक ग्लाम इंडस्ट्रीज, बहीदरा	IS 1392: 1971	1989-04-15
0893368	रोहित केबल्स प्रा. लि., परवाना	IS 694: 1977	1988-09-15
0908759	भारत एग्री, गंभी	IS 859: 1986	1988-11-15
0936441	पाइलियर इंडस्ट्रीज, राजकोट	IS 10001: 1981	1989-05-15
0938061	एड्डी पाउड्री प्रा. लि., कलकत्ता	IS 2906: 1984	1988-06-30
0965460	वी.डी. खेतान एंड कं., कलकत्ता	IS 5277: 1978	1989-04-30
0994172	भारत इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, गुवाहाटी	IS 4654: 1974	1985-09-15
1036935	कनटिका बंडलटर्स प्रा. लि., बेनगाल	IS 398 (भाग 1): 1976	1987-12-31
1077646	गुरुलिया स्टील लि., कलकत्ता	IS 6914: 1978	1988-05-31
1137537	पालीपीक इंडस्ट्रीज, हरियाणा	IS 4985: 1981	1987-12-15
1150630	धारा सिंह भ्रमर सिंह, ग्रहमदाबाद	IS 9020: 1979	1989-01-31
1152230	प्राइमर केबल कं. लि., भंगामाले (केरल)	IS 2465: 1969	1989-13-31
1152836	स्टैंडर्ड मैटल ड्रायर्स (प्रा.) लि., नई दिल्ली	IS 398 (भाग 1): 1976	1986-05-31
1177145	सेनसेन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लुधियाना	IS 868: 1956	1988-04-15
1182037	मैथीकान इंडस्ट्रीज, कृष्णगरि (अमिलनाडु)	IS 3317: 1983	1989-04-30
1185851	बी.एल. इंडस्ट्रीज, जयपुर	IS 561: 1978	1989-05-15
1273444	एस.पी. केबल्स प्रा. लि., रायपुर	IS 694: 1977	1987-02-15
1326641	निधान इंडस्ट्रीज, रामपुरा फुल (पंजाब)	IS 9020: 1979	1988-07-71
1312639	निरूपति इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS 7401: 1974	1987-07-30
1350739	प्रियदर्शिनी केबल इंडस्ट्रीज, दिल्ली	IS 9857: 1981	1986-11-30
1351741	किमिड्यु इंडिया लि., मद्रास	IS 4323: 1980	1988-11-30
1355740	भार. भार. थिन्कल, बम्बई	IS 4760: 1981	1987-01-31
1357551	इनाल्सा प्रा. लि., नई दिल्ली	IS 4246: 1984	1988-12-31
1376154	सेनसेन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, लुधियाना	IS 1221: 1971	1988-02-28
1385657	केवीए फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि., मंडीदीप (म.प्र.)	IS 1011: 1981	1989-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
1396763	ट्रिगेनिया मेटल गैट स्टैल इंडस्ट्रीज, नागिन	IS : 1786 : 1985	1989-03-31
1396864	—वही—	IS : 1977 : 1975	1989-03-31
1408542	जैमिनी स्टैल इन्व्हेस्ट्मन्ट्स लि., बंगलौर	IS : 3601 : 1976	1989-04-15
1426645	रीयल इजिनियरिंग एन्टरप्राइजेज, राजकाट	IS : 10001 : 1981	1989-06-15
1450036	सुपर जिलेन्द्र पाइप्स, मलरकोटवा (गंजाब)	IS : 158 : 1971	1989-09-15
1448958	एक्सेसो सीमेन्ट लि., कोटपुतली (राजस्थान)	IS : 269 : 1976	1988-08-31
1465958	एक्सेसो कार्बोनिड इंडस्ट्रीज, माहिबाबाब (उ.प्र.)	IS : 10312 (भाग 1) : 1976	1988-10-15
1483758	बैलसेन इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लुधियाना	IS : 1257 : 1981	1987-11-30
1513146	बंगाल पीकर्स, मि. गौरी	IS : 10 (भाग 2) : 1976	1989-02-15
1516646	विबरोय पेन्टस इंडस्ट्रीज, जोरहाट	IS : 3339 : 1963	1987-02-28
1532442	मिलन टिन थर्मल, बम्बई	IS : 10325 : 1982	1989-03-31
1555549	एम.पी.जी.सी. मेटल इंडस्ट्रीज, विरधुनगर	IS : 10325 : 1982	1989-03-15
1554452	जी.के. इन्व्हेस्ट्मन्ट्स लि., हावड़ा	IS : 1149 : 1982	1988-04-30
1554856	के.डी. वायर एंड वायर प्रोडक्ट्स, कानपुर	IS : 432 (भाग 2) : 1982	—वही—
1565053	श्रीवान्ना इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	IS : 10325 : 1982	1988-05-15
1571199	हिन्दुस्तान मेटल बाकन, बम्बई	—वही—	—वही—
1580557	श्रीनिवास टिन इंडस्ट्रीज, परवाना, नई दिल्ली	IS : 10339 : 1975	1987-06-30
1581758	रोहित केबल्स प्रा. लि., परवाना	IS : 1554 (भाग 1) : 1976	1988-07-15
1594262	पारबाई प्लास्टिक्स, नई दिल्ली	IS : 10840 : 1986	1988-07-31
1597369	विपुल एन्टरप्राइजेज, बम्बई	—वही—	1988-08-15
1597573	टाथल एन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली	—वही—	1987-08-15
1599171	रफ फेल्ड (इंडिया), कलकत्ता	IS : 1322 : 1982	1988-08-31
1616347	पार्लामर प्रोडक्ट्स इंडिया, कलकत्ता	IS : 937 : 1981	1987-10-31
1624649	आई पी आई स्टील लि., धनबाद	IS : 6914 : 1978	1987-11-15
1624750	—वही—	IS : 6915 : 1978	—वही—
1625853	टिन बाकन इंडस्ट्रीज, मंडीदीप (म.प्र.)	IS : 10325 : 1982	1987-11-30
1629457	ए.पी.जे. कार्बोनिड्स, चापररा, जिला जालंधर	IS : 1739 : 1975	—वही—
1648562	ट्रिभुनिया एन्वायरन्स प्रा. लि., अफलेखर	IS : 10840 : 1986	1989-01-31
1650549	बांदा प्रा. सी. मो. स्पत पाइप बांदा	IS : 458 : 1971	1989-01-31
1658666	हमन्त स्टील रोनिंग मिस्स, जलगांव	IS : 226 : 1975	1989-02-28
1659870	स्टैडर्ड इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	IS : 916 : 1975	1988-02-28
1660959	निका स्टील लि. (मिदाराथा गुलाब लि.), कलकत्ता	IS : 6914 : 1978	1989-02-28
1661655	मुखैया फाउन्ड्री, कोयम्बतूर	IS : 6595 : 1980	1988-03-15
1665663	सी.आई. लेबोरेट्रीज, कलकत्ता	IS : 4199 : 1974	1989-03-15
1674462	जैमिनी इंडस्ट्रीज एंड इन्व्हेस्ट्मन्ट्स लि., मम्बलपुर	IS : 7074 : 1979	1988-03-31
1715349	सी.आई. लेबोरेट्रीज, कलकत्ता	IS : 715 : 1970	1988-07-15
1715354	निकोशशा इंडिया प्रा. लि., फरीदाबाद	IS : 8749 : 1978	1988-06-30
1719559	गुला प्राइवेट्स, आगरा	IS : 369 : 1976	1988-07-31

S.O. 368.—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired :

## SCHEDULE

Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
(1)	(2)	(3)	(4)
Licences lapsed during April 1989			
CM/L-0021311	Plywood Manufacturers Co-op, Society Ltd., Calcutta.	IS 10 (Part 2) : 1976	1988-08-31
CM/L-0402626	Bangalore Wire Rod Mill, Bangalore.	IS 1786 : 1985	1988-12-31
CM/L-0776667	Polly Paints, Chheharta	IS 2339 : 1963	1988-05-31
CM/L-0778570	Diwakar Engineers Ltd., Delhi.	IS 1239 : (Part I) : 1979	—do—
CM/L-0778974	Oswal Electricals, Faridabad.	IS 9079 : 1979	1986-06-15
CM/L-0911344	Hariganga Alloys & Steel Ltd., Nagpur.	IS 6914 : 1978	1988-11-15
CM/L-1093947	Ferry Food Products, Hyderabad.	IS 1011 : 1981	1988-07-15
CM/L-1109835	Lekhapani Veneer & Saw Mills, Assam.	IS 10 (Part 2) : 1976	1988-08-15
CM/L-1165340	R. Plywood Products, Calcutta.	—do—	1988-02-29
CM/L-1165441	Aeromix Chemicals & Coatings Pvt. Ltd., New Delhi.	IS 5410 : 1969	1989-02-28
CM/L-1181742	Sreeram Industries, Guwahati.	IS 226 : 1975	1987-04-30
CM/L-1216129	Surekha Coated Tubes & Sheets, Faridabad.	IS 1978 : 1971	1987-07-31
CM/L-1237238	Bitumen Products (India), Calcutta.	IS 1838 (Part 1) : 1983	1988-09-30
CM/L-1257345	Raj Cylinders & Containers Pvt. Ltd., Mathura.	IS 3196 : 1982	1986-11-30
CM/L-1272139	Diwakar Engineers Ltd., Delhi.	IS 7138 : 1973	1988-01-31
CM/L-1292947	Loharu Steel Industries Ltd., Bangalore.	IS 7887 : 1975	1988-02-15
CM/L-1300219	Jha Industries, Distt. Shikpuri.	IS 9020 : 1979	1988-03-31
CM/L-1350133	Purvanchal Spun Pipe, Varanasi.	IS 458 : 1971	1986-11-30
CM/L-1358351	Sangam Engineering Works, New Delhi.	IS 9070 : 1979	1986-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)
CM/L-1383653	Saif Steel Corporation, Bombay.	IS 1838 (Part I) : 1983	1989-02-28
CM/L-1396561	Bremels Rubber Industries Ltd., Bangalore.	IS 9168 : 1979	1988-03-31
CM/L-1397058	Achieve Engineerig Works, Bangalore.	IS 9301 : 1982	—do—
CM/L-1404635	Shree Shivdham Steel Pvt Ltd., Calcutta.	IS 1786 : 1985	1986-04-15
CM/L-1405132	—do—	IS 226 : 1975	—do—
CM/L-1461748	Kerala Soaps & Oils Ltd., Calicut.	IS 10633 : 1983	1988-09-30
CM/L-1467255	Aravoli Chemical Laboratories, Jaipur.	IS 4956 : 1977	1988-10-31
CM/L-1480550	Eastern Smelting and Rolling Mills, Bombay	IS 21 : 1975	1987-11-30
CM/L-1481451	Dhoom Dadri Steel Industries (P) Ltd., Ghaziabad.	IS 226 : 1975	1988-11-30
CM/L-1482857	Sona Industries, Bhopal	IS 9020 : 1979	1986-11-30
CM/L-1483657	Eastern Smelting & Rolling Mills, Bombay.	IS 1660 (Part I) : 1967	1987-11-30
CM/L-1488465	Krjshi Rasayan, Ranital, Balasore.	IS 1307 : 1982	1988-12-31
CM/L-1493963	Rajesh Steel Industries (P) Ltd., Nagpur.	IS 1977 : 1975	1989-10-15
CM/L-1521639	M.P. Iron & Steel Works Pvt. Ltd., Bhilai.	—do—	1988-02-29
CM/L-1522843	Punjab Steel Rolling Mills, Vadodara.	IS 2879 : 1975	1988-03-15
CM/L-1525243	Gohel Cements, Gulabarga.	IS 269 : 1976	—do—
CM/L-1533444	Bharat Tubes & Tinprinters, Hyderabad.	IS 10325 : 1982	—do—
CM/L-1544550	Premier Tin Industries, New Delhi.	—do—	1988-03-31
CM/L-1548760	Vinod Metal Works, Jalandhar.	IS 778 : 1984	1988-04-15
CM/L-1559664	Colencherry Engg. Enterprises (P) Ltd., Ernakulam.	IS 814 (Part 1) : 1974	1988-05-15
CM/L-1568463	—do—	IS 814 (Part 2) : 1974	1988-05-31
CM/L-1581051	Anupam Products Pvt. Ltd., New Delhi.	IS 10339 : 1982	1987-06-30
CM/L-1583459	Pioneer Tin Products, Hissar.	IS 10325 : 1982	1988-07-15
CM/L-1593361	Plastics & Metals Pvt. Ltd., New Delhi.	IS 10840 : 1986	1988-07-31
CM/L-1604138	Qualicast Founders & Engineers, Pune.	IS 781 : 1977	1988-09-15



1	2	3	4
CM/L-1620035	Alpa Steel Industries, Hyderabad.	IS 10339 : 1982	1988-10-31
CM/L-1621441	Devi Pesticides, Madurai.	IS 561 : 1978	1988-11-15
CM/L-1643249	Shree Shanker Cement Works Pvt. Ltd., Gulbarga	IS 269 : 1976	1988-01-15
CM/L-1654355	Empee Carbons Pvt. Ltd. Mandideep.	IS 1551 : 1976	1989-02-15
CM/L-1658363	Empee Carbons Pvt. Ltd. Mandideep.	IS 3450 : 1976	1989-02-15
CM/L-1675969	Kalpana Metals Pvt. Ltd. Udaipur.	IS 863 : 1969	1988-04-15
CM/L-1701338	J.S. Corporation, Akola	IS 10235 : 1982	1988-06-15
CM/L-1725857	Storgart India Re-rollers, Chandrapur.	IS 226 : 1975	1988-09-01
CM/L-1728560	Sri Ram Products, Rajapalayam.	IS 863 : 1969	1988-08-31
CM/L-1754763	Bhiwani Vanaspati Industries Ltd. Haryana.	IS 11352 : 1985	1988-11-15
CM/L-1762863	Oriental Containers, Bomboy	IS 10339 : 1982	1988-11-30
CM/L-0194342	M.G. Shahni & Co. (Delhi) Pvt. Ltd. Hyderabad.	IS 1221 : 1971	1989-03-31
CM/L-0286145	Prakash Engg. Co, Coimbatore.	IS 6595 : 1980	1988-01-15
CM/L-0297554	Sylrex Cable Co. Ltd, Bombay	IS 694 : 1977	1988-08-31
CM/L-0299053	Sylrex Cable Co. Ltd, Bombay.	IS 1554 (Part 1) : 1976	—do—
CM/L-0637451	Surgeon Ink Factory, Virudhampet, Vellore.	IS 1221 : 1971	—do—
CM/L-0684056	Nissan Springs Pvt. Ltd. Jabalpur.	IS 1135 : 1984	1987-03-15
CM/L-0726955	Shivalik Agro Chemical, Mohali.	IS 561 : 1978	1988-10-15
CM/L-0808654	S.K. Mills, Tirupur.	IS 4964 : 1980	1988-10-31
CM/L-0832550	Motherson, Ghaziabad.	IS 694 : 1977	1989-03-15
CM/L-0854762	Ronald Armstrong, Bombay	IS 4264 : 1985	1986-04-15
CM/L-0863763	Jal Akash Enterprises, Shahibabad.	IS 1161 : 1979	1988-04-15
CM/L-0911445	Hariganga Alloys Steels Ltd., Nagpur.	IS 6915 : 1978	1988-11-15
CM/L-0956360	Stilparts Industrial Corporation, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-02-15
CM/L-0971160	Standard Metal Works (P) Ltd., New Delhi.	IS 398 (Part 2) : 1976	1986-05-31

1	2	3	4
CM/L-1065538	Gupta Chemical Pvt. Ltd., Jaipur.	IS 562 : 1978	1989-04-30
CM/L-1075945	Usha Conductor & Allied Industries, Chittorgarh.	IS 398 (Part I) : 1976	1989-03-15
CM/L-1157543	Batbro Engg. General Mfrs., Delhi.	IS 2465 : 1969	1987-02-15
CM/L-1186247	Paramount Cable Corporation, Delhi.	IS 1554 (Part 1) : 1976	1986-05-15
CM/L-1186348	—do—	IS : 694-1977	—do—
CM/L-1202522	Bharat Plastics, Belgaum.	IS 9537 (Part 2) : 1981	1988-07-15
CM/L-1213729	Sovern Paints, Amritsar.	IS 427 : 1965	1988-07-31
CM/L-1257547	Isatemp Electricals Products, Bombay	IS 2148 : 1981	1986-12-31
CM/L-1297256	Utkal Pesticides & Chemicals, Ganjam.	IS 1307 : 1982	1987-03-31
CM/L-1299361	Ganesh Oil Engines, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-03-31
CM/L-1311729	Steel Krafts Lancing Tubes, Panipat.	IS 10577 : 1982	1988-05-31
CM/L-1335844	Marsh Engineers, Pune.	IS 2148 : 1981	1986-12-31
CM/L-1446348	Cielmac Pvt. Ltd., Bombay	IS 2148 : 1981	1987-08-31
CM/L-1466051	Skytone Electricals (India), Faridabad.	IS 9859 : 1981	1986-10-15
CM/L-1474757	National Steel Rolling Mills, Muzaffarnagar.	IS 1979 : 1975	1988-11-15
CM/L-1487261	Birla Jute & Industries Ltd., Calcutta.	IS 2818 (Part 2) : 1971	1988-12-15
CM/L-1519450	Shree Krishan Co., Calcutta.	IS 2580 : 1982	1989-02-28
CM/L-1527146	M.G. Shahani & Co., Hyderabad.	IS 220 : 1972	1989-03-15
CM/L-1555252	Soroth Engg. Pvt. Ltd., Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-04-30
CM/L-1580958	Metal Box India Ltd., Faridabad.	IS 10339 : 1982	1986-06-30
CM/L-1614343	Packwell Industries (P) Ltd., Madras.	IS 10212 (Part 1) : 1986	1988-10-31
CM/L-1619656	Nav Bharat Steel Rolling Mills, Bombay	IS 226 : 1975	1988-10-31
CM/L-1626956	Kerala Soaps & Oils Ltd., Calicut.	IS 285 : 1974	1989-11-30
CM/L-0005111	Jaypore Timber & Veneer Mills Pvt. Ltd., Dibrugarh.	IS 10 (Part 2) : 1976	1989-01-31
CM/L-0049334	CMC India, Ahmadabad.	IS 55 : 1970	1989-01-15

1	2	3	4
CM/L-0116625	Swastik Metal Works, Jagadhari.	IS 410 : 1977	1988-05-15
CM/L-0132320	STP Ltd., Dhanbad.	IS 1834 : 1961	1988-12-31
CM/L-0182537	Venkateswara Agro Chemicals and Mineral Ltd., Madras.	IS 565 : 1984	1989-04-15
CM/L-0339847	Pratap Steel Rolling Mills Ltd., Madras.	IS 1977 : 1975	1988-05-15
CM/L-0385450	Kumar Iron & Steel Co., Guwahati.	IS 1977 : 1975	1988-09-15
CM/L-0496762	Shape Knitting Mills, Tirupur.	IS 4964 : 1980	1988-01-31
CM/L-0516641	Pratap Steel Rolling Mills Ltd., Chheharta (Punjab)	IS 2879 : 1975	1988-05-15
CM/L-0523335	Agroaid's Pesticides, Vidisha.	IS 561 : 1978	1988-09-15
CM/L-0685967	Bihar Ink Co., Patna.	IS 4174 : 1974	1987-08-15
CM/L-0700932	Ferro Concrete Co. of India (Steel), Hubli.	IS 1786 : 1985	1988-05-31
CM/L-0737152	Sekhar Iron Works Pvt. Ltd., Calcutta.	IS 1239 (Part 1) : 1977	1988-01-15
CM/L-0737758	Microbes India, Calcutta.	IS 8268 (Part 1) : 1986	1987-11-30
CM/L-0745353	Sekhar Iron Works Pvt. Ltd., Calcutta.	IS 1161 : 1979	1988-01-15
CM/L-0863056	Alembic Glass Industries, Vadodara.	IS 1392 : 1971	1989-04-15
CM/L-0893368	Rohit Cables Pvt. Ltd., Parwanoo.	IS 694 : 1977	1988-09-15
CM/L-0908759	Bharat Agrico., Ranchi.	IS 1759 : 1986	1988-11-15
CM/L-0936441	Pioneer Industries, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-05-15
CM/L-0938061	Eddy Foundary Pvt. Ltd., Calcutta.	IS 2906 : 1984	1988-06-30
CM/L-0965468	B.D. Khaitan & Co., Calcutta.	IS 5277 : 1978	1989-04-30
CM/L-0994172	Bharat Industrial Corporation, Guwahati.	IS 4654 : 1974	1985-09-15
CM/L-1036935	Karnataka Conductor Pvt. Ltd., Belgaum.	IS 378 (Part 1) : 1976	1987-12-31
CM/L-1077646	Purulia Steel Ltd., Calcutta.	IS 6914 : 1978	1988-05-31
CM/L-1137537	Polypack Industries, Haryana.	IS 4985 : 1981	1987-12-15
CM/L-1150630	Pyara Singh Amar Singh, Ahmedgarh.	IS 9020 : 1977	1989-01-31
CM/L-1152230	Primer Cable Co. Ltd., Angamally (Kerala)	IS 2465 : 1969	1988-12-31

1	2	3	4
CM/L-1152836	Standard Metal Wires (P) Ltd., New Delhi.	IS 398 (Part 1) : 1976	1986-05-31
CM/L-1177145	Welman Industrial Corporation, Ludhiana.	IS 868 : 1956	1988-04-15
CM/L-1182037	Medicon Industries, Krishnagiri (Tamil Nadu).	IS 3317 : 1983	1989-04-30
CM/L-1185851	B.L. Industries, Jaipur	IS 561 : 1978	1989-05-15
CM/L-1273444	M.P. Cables Pvt. Ltd., Raipur.	IS 694 : 1977	1987-02-15
CM/L-1326641	Nidhan Industries Rampura Phool (Punjab).	IS 9020 : 1979	1988-07-31
CM/L-1342639	Tirupati Industries, Calcutta.	IS 7401 : 1974	1987-09-30
CM/L-1350739	Priyadarshni Cable Industries, Delhi.	IS 9857 : 1981	1986-11-30
CM/L-1351741	Ficides India Ltd., Madras.	IS 4323 : 1980	1988-11-30
CM/L-1355749	R.R. Windals, Bombay.	IS 4760 : 1981	1987-01-31
CM/L-1357551	Inalsa Pvt. Ltd., New Delhi.	IS 4246 : 1984	1988-12-31
CM/L-1376454	Welman Industrial Corporation, Ludhiana.	IS 1221 : 1971	1988-02-28
CM/L-1385657	Kayvees Food Products Pvt. Ltd., Mandidep (M.P.).	IS 1011 : 1981	1989-02-28
CM/L-1396763	Tigrania Metal & Steel Industries, Nasik.	IS 1786 : 1985	1989-03-31
CM/L-1396864	—do—	IS 1977 : 1975	—do—
CM/L-1408542	Gemini Steel Tubes Ltd., Bangalore.	IS 3601 : 1966	1989-04-15
CM/L-1426645	Regal Engineering Enterprises, Rajkot.	IS 10001 : 1981	1989-06-15
CM/L-1450036	Super Jatindra Pipes, Malerkotla (Punjab)	IS 458 : 1971	1988-09-15
CM/L-1448958	Swadeshi Cement Ltd., Kotputli (Rajasthan)	IS 269 : 1976	1988-08-31
CM/L-1465958	Everest Corrugating Industries, Sahibabad (U.P.).	IS 10212 (Part 1) : 1976	1988-10-15
CM/L-1483758	Welman Industrial Corporation, Ludhiana.	IS 2257 : 1981	1987-11-30
CM/L-1513236	Bengal Packers, Siliguri	IS 10 (Part 2) : 1976	1989-02-15
CM/L-1516646	Vibgyor Paints Industries, Jorhat.	IS 2339 : 1963	1987-02-28
CM/L-1532442	Milan Tin Works, Bombay.	IS 10325 : 1982	1989-03-31
CM/L-1535549	SPGC Metal Industries, Virudhunagar.	—do—	1989-03-15
CM/L-1554452	G.K.W. Ltd., Howrah.	IS 1149 : 1982	1988-04-30
CM/L-1554856	K.D. Wire & Wire Products, Kanpur.	IS 432 (Part 2) : 1982	—do—
CM/L-1565053	Srikant Industries Hyderabad.	IS 10325 : 1982	1988-05-15

1	2	3	4
CM/L-1571199	Hindustan Metal Box, Bombay.	IS 10325 : 1882	1988-95-15
CM/L-1580557	Sriniwas Tin Industries, New Delhi.	IS 10339 : 1975	1987-06-30
CM/L-1581758	Rohit Cables Pvt. Ltd., Parwanoo	IS 1554 (Part 1) : 1976	1988-07-15
CM/L-1594262	Parbai Plastic, New Delhi.	IS 10840 : 1986	1988-07-31
CM/L-1597369	Vipul Enterprises, Bombay	-do-	1988-08-15
CM/L-1597571	Toyal Enterprises, New Delhi.	-do-	1987 08-15
CM/L-1599171	Roof Felt (India), Calcutta.	IS 1332 : 1982	1988-08-31
CM/L-1616347	Polymer Products India, Calcutta.	IS 937 : 1981	1987-10-31
CM/L-1624649	I.P.I. Steel Ltd., Dhanbad.	IS 6914 : 1978	1987-11-15
CM/L-1624750	-do-	IS 6915 : 1978	1987-11-15
CM/L-1625853	Tin Box Industries, Mandideep (M.P.).	IS 10325 : 1982	1987-11-30
CM/L-1629457	A P J Castings, Chachrari, Distt. Jalandhar.	IS 1729 : 1975	-do-
CM/L-1648562	Khinaria Plastics Pvt. Ltd., Ankleshwar.	IS 10840 : 1986	1989-01-31
CM/L-1650549	Banda RCC Spun Pipe, Banda.	IS 458 : 1971	1988-01-31
CM/L-1658666	Hemant Steel Rolling Mills, Jalgaon.	IS 226 : 1975	1989-02-28
CM/L-1659870	Standards Industries, Hyderabad.	IS 916 : 1975	1988-02-28
CM/L-1660959	Nipha Steel Ltd. (Sidhartha Alloy Ltd.), Calcutta.	IS 6914 : 1978	1989-02-28
CM/L-1661655	Subbiah Foundry, Coimbatore.	IS 6595 : 1980	1988-03-15
CM/L-1665663	C.I. Laboratories, Calcutta.	IS 4199 : 1974	1989-03-15
CM/L-1674462	Chemical Industries and Equipment Co., Sambalpur.	IS 2074 : 1979	1988-03-3
CM/L-1715349	C.I. Laboratories, Calcutta.	IS 245 : 1970	1988-07-15
CM/L-1715854	Niky Tasha India (P) Ltd., Faridabad.	IS 8749 : 1978	1988-06-30
CM/L-1719559	Gupta Products, Agra	IS 269 : 1976	1988-07-31

[No. CMD / 13 : 14]

का अ. 369 -- भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन सूत्र लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है

## अनुसूची

लाइसेंस सं. सी एम एल	लाइसेंसधारी का नाम	IS : सं.	अवधि समाप्ति की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
जुलाई, 1990 के दौरान आयोजित लाइसेंस			
0003612	मै. इंसुलेटिड केबल कं. आफ इंडिया लि., कलकत्ता	IS : 398 (भाग I) . 1976	1988-11-15

(1)	(2)	(3)	(4)
0042420	अनाम इलेक्ट्रिकल मैन्यू कं, कडिया	IS : 398 (भाग I) 1976	1980-01-15
0422733	भोपाळिया स्पोर्ट्स, जालधर	IS : 415-1963	1987-01-18
0435540	शिवामाना स्टील दुयुस्स लि, बगलौर	IS : 1239 (भाग I) 1979	1980-04-30
0470542	आरिगन्ट पेपर मिल्स, अमाली	IS : 1848-1977	1988-09-30
0530430	एसी ऐड्स पेन्टीसाइड्स, विविणा	IS : 564-1984	1988-09-15
0656051	कास्टिंग (इंडिया) इड, जमशेदपुर	IS : 226-1975	1988-12-15
0667053	नव कर्नाटक स्टील लि, बैलरी	IS : 6915-1978	1988-12-15
0678869	मैमणजीर एरोमैटिक (प्रा) लि, मद्रास	IS : 3228-1965	1989-01-28
0701237	केसोट इड, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-05-31
0701838	श्री केसोट इड, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-05-31
0736857	हालीजा रोलिंग मिल्स, हालीजा	IS : 1977-1975	1989-01-28
0761149	एस एस केमिकल्स, अमृतसर	IS : 8249-1976	1985-01-15
0835455	पेरियार प्लाईवुड्स, एनकुलम	IS : 10 (भाग II) 1976	1989-01-31
0871863	गुरुमानक मार्बेल्स इड कं, जालधर	IS : 1879-1975	1988-06-15
0909458	श्री. नाईलेण्ड रबड़ मिल्स, सोनीपत	IS : 1370-1976	1987-10-31
0986476	श्री पाइन केमिकल्स लि., जम्मू शवी	IS : 533-1969	1987-08-15
1045431	मोदी बाथर प्रोडक्ट्स, मंडी गोबिन्दगढ़	IS : 716-1975	1987-03-15
1067845	भगत हजीनियर्स वक्स, मोगा (पं.)	IS : 9010-1979	1989-04-15
1127231	ग्राइल इलेक्ट्रिकल्स (इ) दिल्ली	IS : 398 (भाग II) 1976	1985-10-31
1160431	मार्डन मैच फैक्ट्री, शिवकाशी	IS : 2653-1980	1988-02-15
1165845	बजाज पेन्ट्स इड, मैनीसाल	IS : 133-1975	1988-02-28
1181944	दावरी आयल हजीनियर्स, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-06-30
1190137	नव कर्नाटक स्टील लि, बैलरी	IS : 226-1975	1988-05-31
1195753	अनत प्लास्मा प्रा लि., दिल्ली	IS : 694-1977	1988-06-15
1210824	श्री लक्ष्मी इड (इंडिया), बम्बई	IS : 5346-1975	1988-07-31
1250028	उष्मी केमिकल्स प्रा लि., पंजाब	IS : 8249-1976	1986-11-30
1257951	कास्टिंग कारपोरेशन (इंडिया) प्रा लि., हावड़ा	IS : 7181-1974	1987-12-31
1294351	हिमालय रबड़ प्रोडक्ट्स, कलकत्ता	IS : 7494-1974	1988-01-31
1303225	मोन् हजीनियर्स बगलौर	IS : 4250-1980	1989-04-15
1318642	एवरलाइट इंडस्ट्रीज कारपोरेशन, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-06-30
1872648	नव कर्नाटक स्टील लि, बैलरी	IS : 1786-1985	1988-02-16
1374955	पारसी वक्स, हावड़ा	IS : 780-1984	1989-01-28
1426443	जय हंजी. इड, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-06-15
1426544	अजित हंजी. वक्स, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-06-15
1448150	कामरूप स्टील इंडस्ट्रीज प्रा लि., कलकत्ता	IS : 804-1967	1987-08-31
1468358	मेगाफर इड दिल्ली	IS : 694-1977	1988-10-31
1493458	-बही-	IS : 1554 (भाग I) 1976	1988-12-31
1505742	श्री गीरीपुर कं. लि., कलकत्ता	IS : 2818 (भाग VI) 1977	1988-02-15
1534244	शारधरा इंजन मैन्यू, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-03-31
1539153	श्री भारत हंजी. वक्स, राजकोट	IS : 10001-1981	1989-04-15
1542748	केन इंडिया, कलकत्ता	IS : 10325-1987	1988-01-31
1556961	कैपिस्टर स्पिलस्ट प्रा लि, बडौदा	SS : 2834-1981	1989-04-30
1557155	मैटल बाक्स लि, कलकत्ता	IS : 10339-1987	1988-04-15
1569364	सुखैया फा उन्नी, कोयम्बरूर	IS : 9079-1979	1988-05-31
1581859	श्री सदन इलेक्ट्रो मैग प्रा लि, एलेप्पी	IS : 4800 (भाग V) 1968	1988-07-15

(1)	(2)	(3)	(4)
1506970	उपा. फीड्स एंड एनर्सीलेरीज प्रा. लि., जमशेदपुर	IS 9182 (भाग II) 1979	1988-07-31
1601051	बंगाल सिलिन्डर एंड बटनेस (प्रा.) लि., कलकत्ता	IS 3190-1982	1988-09-15
1606344	श्री बालाजी टिन कनेक्शन इंड., बरवाहा (म.प्र.)	IS 10375-1982	1988-09-30
1609550	बबलस फेब्रि इंड., कलकत्ता	IS 10325-1983	1987-09-30
1609554	इकोनोमिक पैकेजिंग कार्पो. लि., देवास	IS 10212 (भाग I) 1986	1988-09-15
1624040	रामकृष्ण इस्पात लि., तलोजा	IS 226-1975	1988-11-15
1625015	एसोसिएटेड प्रोफिट क. (इ.) गलबस्ता	IS 2645-1975	1988-11-15
1682562	मै सी आई लेबोरेटरीज, कलकत्ता	IS 149-1979	1989-04-30
1778272	इतर्जी इक्विपमेंट (प्रा.) लि., जयपुर	IS 722 (भाग II)-1989	1989-01-31
1706748	इंटेरोपोसीसीरोन (प्रा.) लि., 24 पराना	IS 10908-1984	1988-06-30
1783770	ट्राइडेंट ट्रेडिंग कार्पोरेशन, कलकत्ता	IS 10212 (भाग I) 1982	1989-01-31
1794674	कलकत्ता पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, कलकत्ता	IS 10375-1982	1989-02-15
1797377	स्वामि बंधीकल एंड पेस्टीसिड्स रोहतास	IS 633-1985	1989-02-15
1948574	दि इंडियन स्टील एंड वायर प्रोड. टस लि., जमशेदपुर	IS 1785 (भाग II) 1983	1989-03-15
अगस्त 1990 के दौरान आरक्षित लाइसेंस			
0215526	रमन गो. मिडल, बमुना नगर	IS 10 (भाग III)-1974	1988-10-15
0389319	स्टार स्टील (प्रा.) लि., बड़ौदा	IS 226-1975	1985-11-15
0409034	स्टार स्टील (प्रा.) लि., बड़ौदा	IS 1786-1979	1985-11-15
0478154	सिथेटिक प्लाईवुड इंड. प्रा. लि., दिनाज्वापट्टनम	IS 1186-1971	1988-10-31
0499563	सिन्सोनी स्टील इंडस्ट्रियस लि., बगलोर	IS 1161-1979	1988-12-15
0565755	विजय इंड. कारबो, राजकोट	IS 10001-1981	1989-02-28
0681151	प्रमो इंड. प्रा. लि. एंड एंजिनीयरिंग, राजकोट	IS 10001-1981	1989-06-15
0735653	वीपक इंड. गिरीकेट, राजकोट	IS 10001-1981	1989-05-31
0735754	भवानी इंड. घनम राजकोट	IS 10001-1981	1989-05-31
0737066	संघारा इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, राजकोट	IS 10001-1981	1989-07-31
0890784	परफेक्ट मैनुफैक्चरिंग, राजकोट	IS 10001-1981	1989-06-30
0930159	एक्सेल इंड. बक्स, राजकोट	IS 10001-1981	1989-06-15
0945462	हीरेन स्माल स्केल इंड., कलकत्ता	IS 1989 (भाग I) 1978	1984-02-28
0962765	पापुनर इंजन मैनु. राजकोट	IS 10001-1981	1989-04-30
1005015	रावर मैनुफैक्चरिंग, राजकोट	IS 10001-1981	1989-05-15
1131525	कनेरिया इंड. बक्स, राजकोट	IS 10001-1981	1989-05-31
1197656	भारत इंजन मैनु. राजकोट	IS 10001-1981	1989-06-15
1198154	प्रकाश केमिकल बक्स, कलकत्ता	IS 2974-1976	1989-06-15
1225334	महाराष्ट्र यूरेन लि., बम्बई	IS 1161-1979	1988-08-15
1225433	-बहु-	IS 1239-(भाग I) 1979	1988-08-15
1265744	जैमको प्रेसिंग इंडिया बिल्ली	IS 4246-1984	1989-01-15
1267718	वेस्टन इंडिया मशीनरी कं., राजकोट	IS 10001-1981	1989-01-31
1381625	भारत एंड्रो इंडस्ट्रीज, राजकोट	IS 10001-1981	1989-07-15
1331028	मै उत्तम फाउंड्रीज एंड इस्पात (प्रा.) लि., भम्बाला गहर	IS 1729-1979	1988-08-15
1368657	प्रोमियर इंड., राजकोट	IS 10001-1981	1989-01-31
1401837	कालिकेय इंड. एंटरप्राइजेज, कोयम्बटूर	IS 6595-	1988-04-15
1421938	महाराष्ट्र ट्यूब्स लि., बम्बई	IS 3601-1984	1988-08-15
1140134	कृषि केमिकल्स बक्स, राजकोट	IS 561-1978	1987-08-15
1465140	वि. स्टेन्डर्स एंडो इंडियन राजकोट	IS 10001-1981	1989-04-15
1501431	कालिकेय इंड., एंटरप्राइजेज, राजकोट	IS 9079-1979	1988-01-31
1531116	कपूर ग्यांगरी स्टोर, राजकोट	IS 10001-1981	1989-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
1561853	सत्य इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, बाराक	IS 1729-1979	1988-05-15
1564455	श्री कृष्ण टिन फॅक्ट्री, जूनागढ़	IS 10325-1982	1989-05-15
1572757	प्रयोग (इंडिया) लि., कलकत्ता	IS 10840-1986	1987-06-15
1576462	भूपेन्द्र टिन फॅक्ट्री लुधियाना	IS 10325-1982	1989-06-30
1643552	मै शिवालिक पाइप इजो. (प्रा) लि., जिला रोपड़	IS 458-1971	1989-01-22
1685467	इम्पीरियल मिस्र इज. मशीन मैन्यु. क. बम्बई	IS 1610-1981	1988-01-30
1689980	सी आई लेबोरेट्रीज, कलकत्ता	IS 2080-1980	1989-05-15
1756565	भारत उद्योग हाथड़ा (प. ब.)	IS 10109-1981	1988-11-30
1810442	सत्य एंड कारपा, बाराक	IS 7181-1974	1989-03-31

[सं. के प्र. वि. / 13 14]

S.O. 369—In pursuance of Sub-regulation(6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
1	2	3	4
LICENCES EXPIRED DURING JULY 1989			
0003612	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Calcutta.	IS : 398 (Pt-I)-1976	Expired after 1988-11-15
0042420	M/s Anam Electrical Mfg Co., Kadiyam	IS : 398 (Pt-I)-1976	1989-01-15
0422733	M/s Baporia Sports Jalandhar	IS : 415-1963	1987-02-28
0435540	M/s Shivman Steel tubes Ltd. Bangalore	IS : 1239 (Pt-I)-1979	1989-04-30
0470542	M/s Orient Paper Mills, Amlai	IS : 1848-1977	1988-09-30
0520430	M/s Agroaids Pesticides Vidhisha	IS : 564-1984	1988-09-15
0656051	M/s Casting (India) Inco., Jamshedpur	IS : 226-1975	1988-12-15
0657053	M/s Nava Karnataka Steels Ltd. Bellary	IS : 6915-1978	1988-12-15
0678869	M/s Maschmeijer Aromatics (P) Ltd., Madras.	IS : 3228-1965	1989-02-28
0701232	M/s Keshod Inds., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-31
0701838	M/s Shree Vyankoteshwara Industries, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-31
0736851	M/s Talaja Rolling Mills, Talaja	IS : 1977-1975	1989-02-28
0761149	M/s S.S. Chemicals, Amritsar	IS : 8249-1976	1988-03-15



1	2	3	4
0835455	M/s Periyar Plywoods, Ernakulam	IS : 10 (Pt-II)-1976	Expired after 1989-01-31
0871863	M/s Guru Nanak Mercantile Co. Jalandhar	IS : 1879-1975	1988-06-15
0909458	M/s Northland Rubber Mills, Sonapat	IS : 1370-1976	1987-10-31
0786476	M/s Pine Chemicals Ltd., Jammu Tawi	IS : 533-1969	1987-08-15
1045431	M/s Modi Wire Products, Mandi, Gobindgarh	IS : 226-1975	1987-03-15
1067845	M/s Bhagat Engg. Works, Monga (Pb.)	IS : 9020-1979	1989-04-15
1127231	M/s Grandlay Electricals (India), Delhi.	IS : 398 (Pt-II)-1976	1984-10-31
1160431	M/s Modern Match Factory Sivakasi	IS : 2653-1980	1988-02-15
1165845	M/s Bajaj Paints Inds., Nainital	IS : 133-1975	1988-02-28
1181944	M/s Dawri Oil Engineers, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-30
1190137	M/s Nava Karnataka Steel Ltd., Ballary	IS : 226-1975	1988-05-31
1195753	M/s Anant Plasma Pvt. Ltd., Delhi.	IS : 694-1977	1988-06-15
1210824	M/s Shree Laxmi Inds., (India), Bombay	IS : 5346-1975	1988-07-31
1250028	M/s Omy Chemicals(P) Ltd., Punjab	IS : 8249-1976	1986-11-30
1257951	M/s Casting Corporation (India. Pvt. Ltd., Howrah	IS : 7181-1974	1987-12-31
1294351	M/s Himalaya Rubber Products, Calcutta	IS : 2494-1974	1988-03-31
1303225	M/s Meenu Engincers, Bangalore	IS : 4250-1980	1989-04-15
1318642	M/s Everlike Indl. Corpn., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-30
1372648	M/s Nova Karnataka Steels Ltd., Bellary	IS : 1786-1985	1988-02-16
1374955	M/s Parvi Brothers, Howrah	IS : 780-1984	1989-02-28
1426443	M/s Jai Bharat Engg. Inds., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-15
1426544	M/s Ajit Engg. Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-15
1448150	M/s Kamrup Steel Inds., Pvt. Ltd., Calcutta.	IS : 804-1967	1987-08-31
1468358	M/s Meryfur Inds . Delhi.	IS : 694-1977	1988-10-31
1493458	-do-	IS : 1554 (Pt-I)-1976	1988-12-31
1505742	Ms/ The Gourepore Co. Ltd., Calcutta.	IS : 2818 (Pt-VI)-1977	1988-02-15

1	2	3	4
1534244	M/s Sardhara Engine Mfrs., Rajkot	IS : 10001-1981	Expred after 1989-03-31
1539153	M/s New Bharat Engg. Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-04-15
1542748	M/s Kan India, Calcutta	IS : 10325-1982	1988-03-31
1556961	M/s Capacitor Specialist Pvt. Ltd., Baroda	IS : 2834-1981	1989-04-30
1557155	M/s Metal Box India Ltd., Calcutta	IS : 10339-1982	1988-04-15
1569364	M/s Subbiah Foundry, Coimbatore	IS : 9079-1979	1988-05-31
1581859	M/s Southern Electromag Pvt. Ltd., Alleppey	IS : 4800 (Pt-V)-1968	1988-07-15
1586970	M/s Usha Feeds & Ancillarics Pvt. Ltd., Jamshedpur	IS : 9182 (Pt-III)-1979	1988-07-31
1601031	M/s Bengal Cylinders & Containers (P) Ltd., Calcutta	IS : 3196-1982	1988-09-15
1606344	M/s Shree Balaji Tin Container Inds., Barwaha—(M.P)	IS : 10325-1982	1988-09-30
1608350	M/s Vatsal Metfab Inds., Calcutta.	IS : 10325-1982	1987-09-30
1609552	M/s Economic Packaging Corpn., Dewas	IS : 10212 (Pt-I)-1986	1988-09-15
1624346	M/s Ramkishan Ispat Ltd., Taloja	IS : 226-1975	1988-11-15
1625045	M/s Associated Water Proofing Co. (India), Calcutta.	IS : 2645-1975	1988-11-15
1682562	M/s C.I. Laboratories, Calcutta	IS : 249-1979	1989-04-30
1778212	Energy Equipmnt(P) Ltd., Jaipur	IS : 722(Pt-II)-1989	1989-01-31
1706348	M/s Duropolyrone (P) Ltd., 24-Parganas	IS : 10908-1984	1988-06-30
1783770	M/s Trident Trading Corpn., Calcutta.	IS : 10212(Pt-I)-1982	1989-01-31
1794674	M/s Calcutta Packaging Inds., Calcutta.	IS : 10325-1982	1989-02-15
1797377	M/s Swastik Chemicals & Pesticides, Rohtak	IS : 633-1985	1989-02-28
1948574	The Indian Steel & Wire Products Ltd., Jamshedpur	IS : 1785 (Pt-II)-1983	1989-03-15
LICENCES EXPIRED DURING AGUST 1989			
0215526	M/s Raman Saw Mills, Yaumna Nagar	IS : 10(Pt-III)-1974	1988-01-15
0368349	M/s Star Steel (P) Ltd., Baroda	IS : 226-1975	1985-11-15
0409034	M/s Star Steel (P) Ltd., Baroda	IS : 1786-1979	1985-11-15

1	2	3	4
			Expired after
0478154	M/s Synthetic Polywood Inds. Pvt. Ltd., Visakhapatnam	IS : 1186-1971	1988-10-31
0489563	M/s Shivmoni Steel Tubes Ltd., Bangalore	IS : 1161-1979	1988-12-15
0565755	M/s Vijay Indl. Corpn., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-02-28
0681151	M/s Ashok Engg. & Foundry Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-15
0735653	M/s Deepak Engg. Syndicate, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-31
0735754	M/s Mavani Engg. Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-31
0787066	M/s Sardhara Industrial Corporation, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-07-31
0899784	M/s Perfect Manufacturing, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-30
0936259	M/s Everest Engg. Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-15
0945462	M/s Hiran Small Scale Inds., Calcutta.	IS : 1989 (Pt-I)-1978	1984-02-28
0962765	M/s Popular Engine Mfrs., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-04-30
1005015	M/s Sagar Manufacturer, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-15
1131525	M/s Kaneria Engg. Works, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-05-31
1197656	M/s Bharat Engine Mfrs., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-06-15
1198153	M/s Prakash Chemical Works, Calcutta	IS : 2924-1976	1989-06-15
1225332	M/s Maharashtra Tubes Ltd., Bombay	IS : 1161-1979	1988-08-15
1225433	-do-	IS : 1239 (Pt-I)-1979	1988-08-15
1265344	M/s Gemco Pressings India, Delhi	IS : 4246-1984	1989-01-15
1267348	M/s Western India Machinery Co., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-01-31
1301625	M/s Bharat Agro Industries, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-07-15
1331028	M/s Uttam Foundaries and Ispat (P) Ltd., Ambala City	IS : 1729-1979	1988-08-15
1368657	M/s Premier Inds., Rajkot	IS : 10001-1981	1989-01-31
1404837	M/s Karthikeya Engg. Enterprises, Coimbatore	IS : 6595—	1988-04-15
1421938	M/s Maharashtra Tubes Ltd., Bombay	IS : 3601-1984	1988-08-15
1440134	M/s Krlshi Chemicals Works, Rajkot	IS : 561-1978	1987-08-15

1	2	3	4
1465150	M/s The Standard Agro Engineers, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-04-15
1501431	M/s Karthieya Engg. Enterprises, Coimbatore.	IS : 9079-1979	1988-01-31
1534446	M/s Kapur Machinery Store, Rajkot	IS : 10001-1981	1989-03-31
1561853	M/s Satya Industrial Corp., Agra	IS : 1729-1979	1988-05-15
1564455	M/s Shree Krishna Tin Factory, Junagarh	IS : 10325-1982	1989-05-15
1572757	M/s Parveen (INDIA) Ltd., Calcutta.	IS : 10840-1986	1987-06-15
1576462	M/s Bhupindra Tin Factory Ludhiana.	IS : 10325-1982	1989-06-30
1643552	M/s Shivalik Pipe Engg. (P) Ltd., Distt. Ropar	IS : 458-1971	Expired after 1989-01-31
1685467	M/s Imperial Sewing Machines Mfg. Co., Bombay	IS : 1610-1981	1988-04-30
1689980	M/s C.I. Laboratories, Culcutta.	IS : 2080-1980	1989-05-15
1756565	M/s Bharat Udyog, Howrah (West Bengal)	IS : 10109-1981	1988-11-30
1810242	M/s Satya Indl. Corp., Agra.	IS : 7181-1974	1989-03-31

[F.No. CMD/13 : 14]

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1991

का.आ. 370 :- भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एनर्दे-  
द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:-

## अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस संख्या	लाभू होने की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अन्तर्गत वस्तु/प्रक्रम और सम्बन्ध भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सीएम/एन-2054134	1989-12-16	कपूर एंड कंपनी, 43, मांडव्य अन्तारकाली, दिल्ली-1100511	तांबा मिश्र धातु के क्लवां फेंसी पिलर टॉपी IS : 8934-1978
2.	सीएम/एन-2054235	--वही--	--वही--	तांबा मिश्र धातु के क्लवां फेंसी टॉपी स्टैंड, कोणीय वाल्व। IS :-- 8931-1978
3.	सीएम/एन-2054336	1989-12-16	चेयपार्क कंपनी, प्रा. लि., बी-195, फेज 2, नोएडा, जि. गाजियाबाद	फैरो-नीलो टैनेट फाउन्टेन पेन की स्याही (0 1 लीटर) IS-- 220-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4 सीएम/एल-2054437	1989-12-16	नीता इंडस्ट्रीज, 48, एम.एन. राय रोड, कलकत्ता-100038	कर्ण वामानी (ब्रैब जानन द्वारा नियोजित) 125 किग्रा से अधिक दरवाजे । IS:- 6315-1986	
5. सीएम/एल-2054538	--वही--	वंसत इंजीनियरिंग इंडस्ट्रियल एस्टेट, अरुंधती नगर, सिपुरा, (पश्चिम)	मारोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम आलक IS:- 398-(भाग-2) 1976	
6. सीएम/एल-2054639	--वही--	बैजनाथ अग्ररफी लाल, धी-33, फैज-3, फोकल पार्क, एस.एम. एम.ए.एस. नगर मोहाली, जि. रोपड़	सामान्य रूप से सह/इक और पुलिन (टरपुलिन) IS:- 2089-1977	
7. सीएम/एल-2054740	--वही--	सोनल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, सी-1/बी प्लाट सं. 158, बीआईडीसी एस्टेट, धाधोडिया, जि. बड़ोदा	अप्लास्टिककृत पीबीसी पाइप IS:- 4985-1981 पीबीसी पाइप	
8. सीएम/एल-2054841	--वही--	गर्गया रिनर्ष इस्ट्रुमेंट्स, सी-12 साइज 4, अपट्टन एस्टेट, इंडस्ट्रियल एरिया, साहिबाबाद-201010	सर्वो मोटर प्रचालित लाइन बोल्टेज संशोधक। IS:- 9815-1981	
9. सीएम/एल-2054942	--वही--	माहेष्बरी इंजीनियर्स (प्रा.) लि., प्लाट सं. 107 (सी), सेक्टर बी, संवर रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर-452003	स्विंग बैंक टाइप रिफ्लेक्स (न लौटने वाला) वाल्व IS:- 5312(भाग-1)-1984	
10. सीएम/एल-2055035	--वही--	क्लासिक पॉलीमर्स प्रा.लि., मेक्टर जि. प्रकाशम	अप्लास्टिककृत पाइप, श्रेणी 2 और 3, साइज 63 से 160 मिमी तक IS:- 4985-1981	
11. सीएम/एल-2054136	--वही--	नवयुग इलैक्ट्रो एम्प्लाईसेज, 17 इंडस्ट्रियल इक्वप कालोनी, होशियारपुर	तापस्थायी बिजली की इस्तरिया 230 वो 750 वा डलवा इस्पात आधार सहित। IS:- 366-1985	
12. सीएम/एल-2055237	--वही--	एस्को मेटल वर्क्स, एम-194, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	तांबा मिश्रधातु के गेट वाल्व, उच्चवर्धित बैंक वाला बूझी कटे मिरे वाले श्रेणी 1 साइज 15 मिमी से 50 मिमी तक IS:- 778-1984	
13. सीएम/एल-2055338	--वही--	डेल्टन केबल्स लि., गोलपुरा गांव के सामने, धारहेडा, जिला महेन्द्रगढ़	11000 वो तक कार्यकारी बोल्टता के लिए तांबा चालक सहित खोल रहित पीबीसी रोधित केबल IS: 694-1977	
14. सीएम/एल-2055439	--वही--	अंजन पेन्ट इंडस्ट्रीज, आई-65, सेक्टर 9, नोएडा, जि. गाजियाबाद	वाष्पित रंग का सीमेंट रोगन। IS- 6410-1969	
15. सीएम/एल-2055540	--वही--	के.प्रार.वी. एंजेंसीज, 3 एफ, मिल रोड, गोबीचैट्टीपलायम, जि. पेरियार-638476	कुसकुट आहार। IS:- 1374-1979	
16. सीएम/एल-2055641	--वही--	--वही--	मिश्रित पशु आहार टाइप 1 और टाइप 2 IS:- 2052-1979	
17. सीएम/एल-2055742	--वही--	ईस्ट इंडिया (मद्रास) प्रा.लि., 605, थिरुवोट्टियर, हाई रोड, टोन्डीघारपट्ट, मद्रास-600081	उर्ध्वरक्त पैकिंग के पटसन के कट्टे टरपुलिन का घागा 380 ग्राम/मी. 2 IS:- 7406(भाग 2)-1986	
18. सीएम/एल-2055843	--वही--	पिबको लि., डा. बी.सी. रॉय एबेन्यू, दुर्गापुर (प. बंगाल)	आम्रस खनिज ऊन IS - 8183-1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
19. सीएम/एल-2055944	1989-12-16	सुदर्शन एन्टरप्राइजेज, चिगरीगट्टा रोड, कलकत्ता-700015	3.3 किबो तक की कार्यवाही बोटला के लिए रबड़ की चट्टाई IS:5424-1969	
20. सीएम/एल-2056037	--वही--	--वही--	एक रूप गठन वाला रबड़ चट्टाई कलमरूप कपड़ा टाइप 1 किस्म 1 प्रेड बी IS:5915-1970	
21. सीएम/एल-2056138	--वही--	--वही--	रबड़ के प तले वाले, कैनवास के जूते IS:3736-1986	
22. सीएम/एल-2056239	--वही--	श्रेयादी सीमेंट लि., भा-वेदाष्टी, जगन्नाथपेट मंडल जि. कृष्णा	मल्कोट प्रतिगोधी सीमेंट IS:-12330-1988	
23. सीएम/एल-2056340	--वही--	चिटावलभाट्ट जूट मिल्स, चिटावलभाट्ट, जि. विशाखापट्टनम-531162	पटसन टरगुलिन धागा 380 ग्राम/मी <sup>2</sup> 68×39 किस्म IS:-7407(भाग 3)-1980	
24. सीएम/एल-2056441	--वही--	असल इंडिया लि., पो.बा. नं. 120, प्लाट नं. 4, एमआईसी एरिया, ठाणे बेलापुर रोड ठाणे-400601	संरचना इस्पात की वेल्डिंग के लिए धातु धर्म- वेल्डिंग के आधारित इलेक्ट्रोड IS :-814(भाग 1)-1974	
25. सीएम/एल-2056542	--वही--	गुजरात एंथ्रो इंडस्ट्रीज कार्पो. लि., (वेस्टीमाइज यूनिट), आईटीआई के पास नैशनल हाइवे नं. 8 बी, गोंडल, जि. राजकोट	कार्बॉरिल 50% इन्सुप्री IS :-7123-1973	
26. सीएम/एल-2056643	--वही--	हिना एक्सपोर्ट कारपोरेशन, लिंक रोड, परीदाबाव-121002	खिजाव चूर्ण IS :-10350-1982	
27. सीएम/एल-2056744	--वही--	ईमब इंडिया, लि., प्लाट नं. 4, एमआईसी इंडस्ट्रियल एरिया, ठाणे बेलापुर रोड, जि. ठाणे-400601	संरचना इस्पात की वेल्डिंग के लिए धातु धर्म- वेल्डिंग के आधारित इलेक्ट्रोड ग्रुप 1 व 2 माइज 2.5×3.15 IS :-814(भाग 2)-1974	
28. सीएम/एल-2056845	--वही--	करम चंद थापर एंड ब्रदर्स लि., यूनिट एचईसी (रेडियो एंड स्विच गीयर डिबीजन) थापर नगर, निरणाचंदी, धनबाद-828205	पयुज संयोजन यूनिट IS :-4064(भाग 1)-1978	
29. सीएम/एल-2056946	--वही--	अनुपम उद्योग, ईस्ट एरोड्रोम सेवो रोड, भागलपुर-813210	जिनोपरि प्रेषण वाहनों के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम चालक IS :-398(भाग 2)-1976	
30. सीएम/एल-2057039	--वही--	बाजोरिया एंड क., प्लाट सं. 30-5 एंड सी-10, लार्ज इंडस्ट्रियल एस्टेट, बरारी, भागलपुर-812003	--वही--	
31. सीएम/एल-2057140	--वही--	शक्ति मेटल वर्क्स, एस-254, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर-144004	तांबा मिश्र धातु के डबलों बिब टॉटी 15 मिमी, स्टॉप बाल्व 15 मिमी IS :-781-1984	
32. सीएम/एल-2057241	--वही--	राको इन्टरप्राइजेज, वी भकबर पुरा, पो.ओ. ब्रह्मदगढ़, जि. संगरूर-148021	भारसीसी पाइप श्रेणी एनपी 2 माइज 150 मिमी से 300 मिमी तक IS:-458-1971	
33. सीएम/एल-2057342	--वही--	एनन सर्विसेज (प्रोडक्शन एंड एजेंसीज) प्रा. लि., 24-25, गणेश इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन.एच. सं. 8, बालिब तल पर, बसाई, जिला ठाणे	जर्नीय फिल्म : बनाने वाले शाग टाइप 3 IS :-4989(भाग 2)-1984	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
34. सीएम/एन-2037143	1989-12-16	जे बी नैन पाइप, प्लॉट सं. डी/53/5, एडिशन न एनआईडीसी एरिया, जालना-431201	ग्राफोमी पाइप साइज 300 मिमी, 450 मिमी, 600 मिमी, 800 मिमी, 900 मिमी, 1000 मिमी, धीर 1200 मिमी श्रेणी एनपी 2 IS :- 458-1971	
35. सीएम/एन-2057544	--वही	अग्रवाल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, दूसरा मील, संवक रोड (पावर हाउस रोड) सिलीगुड़ी	बाप की पेट्री के लिए प्लाईवुड के बने IS :- 10(भाग 2)-1976	
36. सीएम/एन-2057645	--वही--	शक्ति प्लाईवुड वर्क्स, ग्राम बिलिवा, मेटटूगलायम, रोड, कोयम्बतूर- 641019	--वही--	
37. सीएम/एन-2057746	--वही--	भागलपुर फाउंड्री प्रा. लि., डी-9/10, बड़ा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बरगरी, भागलपुर-812003	ढक्कां लोहे के सीधे स्पिगट और सॉफिट मिट्टी पाइप 100 मिमी तक IS -1729-1979	
38. सीएम/एन-2057847	--वही--	दि एनोमिएटेड सीमेंट कंपनीज लि., चंडा सीमेंट वर्क्स, डॉ. सीमेंट नगर, जि. चंद्रपुर	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट, IS :122669-1987	
39. सीएम/एन-2057948	--वही--	ए. गो. वर्क्स, ए-62 बागरी इंडस्ट्रियल एस्टेट, रोड नं. 22, टाणे-400604	बनस्पति और धी के लिए 15 किमा के शीफोर कनस्तर IS :- 10325-1989	
40. सीएम/एन-2058041	--वही--	लार्सन एंड ट्यूबा लि., एवारपुर सीमेंट वर्क्स, भवारपुर, टी.के. रजुरा, जि. चंद्रपुर 422917	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS :- 12269-1987	
41. सीएम/एन-2058142	--वही--	--वही--	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS :- 8112-1976	
42. सीएम/एन-2058243	--वही--	सीराफ्ट सीमेंट एंड कैमीकल इंडस्ट्रीज लि., रेलवे स्टेशन के पास, रानाबाय, भि. जूनागढ़-360560	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS :- 8112-1976	
43. सीएम/एन-2059344	--वही--	जीवन इन्टरनेशनल, बी-4, इंडस्ट्रियल डेवलप, कालोनी, जालंधर	ऑरकनोजर (द्रव चालन द्वारा नियंत्रित) यूनी- वर्मेल् टाइप साइज 2, पवनाम 2 IS-3564-1976	
44. सीएम/एन-2058445	--वही--	भाईरा इंडस्ट्रीज, 4, ए.प.यू. इंडस्ट्रियल एस्टेट, बोंगा, जि. दोधमगढ़- 427200	पीबीपी रोपित केबल, 1100 बी. तक IS :- 694-1977	
45. सीएम/एन-2058546	--वही--	भारती मिटरलगा (एग्रो कैमीकल डिबिजन) 15/7, मयुरा रोड, फरीदाबाद-121002	साइपरमेथ्रोन 10%ईसी IS : 12016-1967	
46. सीएम/एन-2058647	--वही--	--वही--	फेनबेलरेट ईसी IS :- 11997-1987	
47. सी.एम/एन-2058748	--वही--	मार्कफीड एग्रो कैमीकल्स, 7-8 बी, इंडस्ट्रियल एस्टेट, एम.ए.एस. नगर, मोहाली (जि. रोपड़)	वा.एन.मॉ.डब्ल्यू.डी.पी 6.5% गामा IS : 562-1978	
48. सी.एम/एन-2058849	--वही--	मौनटरो इंडस्ट्रीज लि, ग्राम टोआन्सा, लहसील बलछोड़, जि. होशियारपुर	बूटा क्लोर जे IS : 9362-1980	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
49. सी एम/एल-2058950	1989-12-16	भोला नाथ इंडस्ट्रीज, ई. एस. खमानो स्कूल के सामने, श्री. टी. सैकशन, उल्हास नगर-421002	तेल बाब स्टोष के बर्नर, आवाज कर ने वाले टाइप IS: 8808—1986	
50. सी एम/एल-2059043	—वही—	एन्वेड इंडस्ट्रीज, 203, सोमा उद्योग इंडस्ट्रीज एस्टेट, पारसी पंचायत रोड, धोलख नगर दास रोड के सामने, धंधेरी पूर्व, बम्बई-400069	मोसम और निम्न ताप पर बाहर प्रयोग के लिए केबलों को छोड़कर, तांबा और एल्युमीनियम की बहुकोट वाली खोलदार पी वी सी रोधित केबल IS: 694—1977	
51. सी एम/एल-2059144	—वही—	—वही—	1100 वो. तांबा और एल्युमीनियम वासकों सहित पी वी सी रोधित बिना खोलदार हेवी इयूटी केबल IS: 1554 (भाग 1)—1976	
52. सी एम/एल—2059245	—वही—	दि एसोसिएटेड सीमेंट कं. लि., चंदा सीमेंट वर्क्स, डा. सीमेंट नगर, जि. चणपुर 442502	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS: 8112—1976	
53. सी एम/एल-2059346	—वही—	क्लाइमेक्स पॉलीमर प्रा. लि., 5-ए नवाब दिलावर जंग रोड, कोसीपुर, कलकत्ता-700002	वेप जल आपूर्ति के लिए एच बी पी ई पाइप वर्ग 4 माइज 110 मिमी तक IS: 4984—1987	
54. सी एम/एल-2059447	—वही—	स्टैंडर्ड सीमेंट कं. ई-637, बासनी सेक्ण्ड मकधर इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS: 269—1976	
55. सी एम/एल-2059548	—वही—	साबू मिनरल्स, एच-26, एल एम एन मकधर इंडस्ट्रियल एरिया, 2 फेज, बासनी, जोधपुर	शोध जमाने वाला सीमेंट IS: 8041—1978	
56. सी एम/एल-2059649	—वही—	बामर लारी एंड कं. लि., 32, सत्तमगाड़ गांव, मनाली, मद्रास-600068	बड़े, बंध मुह वाले ड्रम ग्रेड बी टाइप । IS: 1783 (भाग 2)—1988	
57. सी एम/एल-2059750	—वही—	मंजु इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 12 किमी, पोलाभी रोड, मुलुमाचामपट्टी पोस्ट, कोयम्बतूर 641021	3.7 किवा घेट टाइप निमज्जय पम्प हेतु मोटर श्रेणी बी IS: 9283—1979	
58. सी एम/एल-2059851	—वही—	ज्यूपिटर पम्प, 30 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	कृषि कार्यों हेतु ताजे, ठंडे और साफ पानी के लिए क्षैतिज प्रपकेन्द्री पम्प, 75×65 मिमी और 65×50 मिमी IS: 6595—1980	
59. सी एम/एल-2059952	—वही—	कर्नाटक इंसुलेशन इंडस्ट्रीज एंड फंजीलाइड, 27/बी, 2 फेज, पीनया इंडस्ट्रियल एरिया, बंगलौर-560058	कार्बोरेजिम 50% डब्ल्यू बी पी IS: 8446—1977	
60. सी एम/एल-2060028	—वही—	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, बैकटरायापुरम, तनुकु, जि. पश्चिमी गोदावरी 534215	विक्तालफॉस 25%ई सी IS: 8028—1987	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
61. सी एम/एल-2060129	1989-12-16	यूनोवसेल केबल मैनुफैक्चरिंग कं., रेलवे माल रोड के सामान, फरीदाबाद-121001	1100 बो तक बोल्स्टा का कार्यकारिता हेतु पी बी सी रोधित ह्वी इयूटी केबल IS: 1554 (भाग 1)—1976	
62. सी एम/एल-2060230	-वही-	-वही-	बाहरी और अल्प ताप अवस्थाओं को छोड़कर 1100 बो. तक के पी बी सी रोधित केबल IS: 694—1977	
63. सी एम/एल-2060331	-वही-	गृ. एम. इजी. प्रा. लि. बी-3, एम आर्डी डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, मीरा, जि. ठाणे-401104	संभरण टाइप, पाना गर्म करने के ताँदर 15 लि., 15 लि, 3 किवा, 25 लि. 2 किवा, 250 श्रेणी 2 टंकी द्वारा भरे जाने वाले उपस्कर IS: 2082—1985	
64. सी एम/एल-2060432	-वही-	स्वास्तिक पाइप इंडस्ट्राल, ए-25, एम आर्डी डी सी, लोतारा	अल्पावधिकृत पी बी सी पाइप्स श्रेणी 2, साइज 63 मिमी से 110 मिमी तक, सादा सिरे वाले पाइप IS: 4985—1981	
65. सी एम/एल-2060533	-वही-	कोकण पैस्टीफाइड्स, ए-4, एम आर्डी डी सी, महेश जि. रायगढ़	प्रॉक्सिमाटोन मिथाइल, 25% ई सी IS: 8259—1976	
66. सी एम/एल-2060634	-वही-	एकदंत पाइप्स, ग्राम सिकरोरी, डा. घ. काकोरी, हरखोई रोड, लखनऊ	घार सी सी पाइप्स एन पी 2—1200 मिमी तक, एन पी 3—1200 मिमी तक और एन पी 4— 800 मिमी से 1800 मिमी तक IS: 458—1971	
67. सी एम/एल-2060735	-वही-	पूजा मशीन प्रा. लि., फोकल पाइप, प्रा. एड डा. हरवल, तहसील पठानकोट (पंजाब)	घरेलू प्रयोजनों के लिए सिलार्ड मशीन, हस्त और पर-चालित IS: 1610—1981	
68. सी एम/एल-2060836	-वही-	मछली इंजीनियरिंग कर्प्स, 16-ए, लाइट इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर-342003	माफ, ठंडे, ताप पानी के लिए निमज्ज्य पम्प मेंट, मॉडल एम के सी/29 बी/5 और एम के सी 29 बी/6 IS: 8034—1976	
69. सी एम/एल-2060937	-वही-	रोज इंजन मैनुफैक्चरर्स, 1—साधवा प्लाट, राजकोट-360004	कृषि प्रयोजन के लिए ड्राजल इंजन (20 किवा तक) IS: 11170—1985	
70. सी एम/एल-2061030	-वही-	हिन्दुस्तान इलेक्ट्रीसाल्स लि., डा. रसावनी, जि. रायगढ़-410207	म्यूटा क्लोर ई सी IS: 9356—1980	
71. सी एम/एल-2061131	-वही-	दि इंडियन कम्यूनिक्शन केबल कं., सी-16, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, नई दिल्ली-110064	1100 बो तक क लिए पी बी सी रोधित (ह्वी इयूटी) केबल IS: 1554 (भाग 1)—1976	
72. सी एम/एल-2061232	1990-01-01	टाप गिरिजेण्ड मैनुफैक्चरिंग कं., प्रॉमोवट चेम्बर एनक्सी 317 से 21, डा. डा. एन. रोड, मम्बई	विशेष प्रयोजनों के लिए सिरिज (ट्यूबर क्यूबित सिरिज) IS: 3237— (भाग 2)—1985	
73. सी एम/एल-2061333	-वही-	नवयुग ग्रॉप साधन प्रा. लि., सर्वे न. 45, बाड़ा मिथंभी रोड, ग्राम नारे धामा बडेकावाड़ी, भलवाडा, जि. ठाणे	हस्त चालित बिलोडक टाइप छिड़काव यंत्र IS: 1971—1982	
74. सी एम/एल-2061434	-वही-	नेशनल पेस्टसाइड्स एंड केमिकल्स, सी-8, एम आर्डी डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, धनरावली-444606	एन्डोसल्फान ईसी, 35% IS: 4323—1980	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
75. सी एम/एन-2061535	1990-01-01	नेशनल आर्गेनिक कौमीकल इंडस्ट्रीज लि., ए-1 लोटे परशुराम इंडस्ट्रियल एरिया, मालुगा खंड, जि. रत्नगिरि-415722	साक्षरमैत्री 10% ई सी IS: 12010--1987	
76. सी एम/एन-2061636	-वही-	महेश राजा इंडस्ट्रीज, 17, अवाराम पलायम रोड, गणपति, कोयम्बतूर-641006	साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए निवृत्त पम्प IS: 8034--1976	
77. सी एम/एन-2061737	-वही-	पेटानैयर पाइपस ट्रा. लि., डी-23, रेवाड़, लाहल इंडस्ट्रियल एरिया, पेज 1, नई दिल्ली-110064	यांत्रिक और सामान्य प्रयोजन के लिए, ई और डब्ल्यू इस्पात की नलियां साइज 60.3 मिमी. था. व्या. ग्रेड इन्चू टी 160 IS: 3601--1984	
78. सी एम/एन-2061838	-वही-	केदार हाम एप्लाइज, पी-2 श्री निवास पुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली	द्रवों के साथ प्रयुक्त बरतू चूल्हे IS: 4246--1984	
79. सी एम/एन-2061939	-वही-	मधु दिन कंटेनर्स, मादत पुर डा. मोआवाड़ा, मालूक आईडर, जिला साबरकांटा-383430	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 किमा के बीकर कनस्टर IS: 10235--1989	
80. सी एम/एन-2062040	-वही-	नरमदा एन्फोर्समिन्स एन्समूज लि., 95/ए, भटोच पावेज पालेज रोड, भोलद, जिला भाडुव-392001	मिश्राई के लिए एक्सट्रूड्ड एथुमिनियम मिश्रधातु की नलियां IS: 7092 (भाग 2)--1987	
81. सी एम/एन-2062133	-वही-	अय इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज, यूनिट नं. 24, नूतन कौमीकल कंपाउंड, वालभट रोड, गौरगांव (पू.), बम्बई-400062	फलश टाइप स्विच एसी प्रेरण परिपथ के स्विचों को छोड़कर 250 वो, 5 और 15 एम्प IS: 3854--1966	
82. सी एम/एन-2062234	-वही-	मालावार सीमेंट्स लि. वनयार डैम, डा. पालघाट, पालघाट 678621	पोर्टलैंड पीजोलाना सीमेंट IS: 1489--1976	
83. सी एम/एन-2062335	-वही-	गुरु इन्फुमेन्स एंड इंडस्ट्रीज 211/1, कुरुम पलायम, इडंगरार्ड रोड, कोयम्बतूर-641022	कृषि प्रयोजनों हेतु साफ, ठंडे पानी के लिए मोटोमैट पम्प IS: 9079--1979	
84. सी एम/एन-2062436	-वही-	सावनपल निवृत्त स्टील रीरोलिंग  जो. टी. र. (ड) गोविंदगढ़	कंकट प्रयोजन के लिए उच्च सामर्थ्य के निवृत्त 8 मिमी से 16 मिमी तक IS: 1786--1985	
85. सी एम/एन-2062537	-वही-	नार्थ ग्रिकाट सिरेमिक्स, ए. धनशायन गांव, बालाघेट उत्तरा ग्रिकाट जि. -632513	खनन द्वारा गेज चूड़े स्टील ग्रेडर प एप मिमी और 150 मिमी व्यास ग्रेड ए और ए. IS: 651--1980	
86. सी एम/एन-2062638	-वही-	कृष्णा सिरेमिक्स लि., इ. ग. गुरु, जिला पाला, डा. बीबी नगर 508126	विट्रिफाई सेनेट्स साधन IS: 2566 (भाग 1 से 15)--1974	
87. सी एम/एन-2062739	-वही-	ओयलोन केबल्स (प्रा.) लि., 1-115, सागर रोड, बेरामल गुडा गांव, जि. रंगारी 500963	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एसी एन ग्रा IS: 398 (भाग 2)--1976	
88. सी एम/एन-2062840	-वही-	धनलक्ष्मी इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 14, बी. के. इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर 302013	इमारती लकड़ी के बरतू लगे शटर IS: 1003 (भाग 1)--1977	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
89. सी एम/एल-2062941	1990-01-01	स्मरण कमिशन (प्रा.) लि., वाटर मार्ग रोड मेन वाग, लखनऊ	जितडेन वन IS : 9370-1990	
90. सी एम/एल-2063031	-वही-	जीन म्यूज कं. लि., 21 निर्मा मेरु रोड, गजियाबाद 201002	मल, मीन वन वन वन वन वन वन 150 एम. ए. ए. IS : 2559-1981	
91. सी एम/एल-2063135	-वही-	कलिवन केवल (प्रा.) लि., ई 94, सैक्टर 6 नोएडा 201301	1100 वन वन के लिए पॉ. वार्मा रोधित केवल IS : 691-1977	
92. सी एम/एल-2063236	-वही-	केवल वागपोरेण ऑफ इंडिया लि., दस्तापाडा रोड, बोरोबर्मा (पूर्वी) बम्बई 400066	1100 वन वन की जालिकाएँ वन वन पानी वन रोधित पानी की के खोलदार वन वन केवल IS : 7098 (भाग 1)-1977	
93. सी एम/एल-2063337	-वही-	न्यू मेटल वर्क्स, एस 8, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	वन वन वन मिश्र वन की स्क् वन टोटी और स्टीप वन IS : 781-1984	
94. सी एम/एल-2063438	-वही-	महाराजा इजी. एंड इंडस्ट्रीज (पंजाब) लि., ए-29, फेज, 8, इंडस्ट्रियल एस्टेट, मोहावी	वन वन के लिए वन वन वन वन वन IS : 8737 (भाग 2)-1978	
95. सी एम/एल-2063539	-वही-	फड स्पेसिटीज लि., ननजन वन इंडस्ट्रियल एरिया, ननजन पुर, जिला मंसूर 571301	धूलतण्डित कार्पी वन IS : 2791-1983	
96. सी एम/एल-2063640	-वही-	मेट्रोपोल इंडिया प्रा. लि., 262, फेज 3, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली-110020	अभिमान वन वन वन वन वन IS : 6047-1970	
97. सी एम/एल-2063741	-वही-	प्रार. डी. पावर लाइन्स (प्रा.) लि., ए-28, नागायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1 नई दिल्ली-110028	पौधे वन रोधित केवल 1100 वन तक IS : 694-1977	
98. सी एम/एल-2063842	-वही-	स्टापवन एप्पाइमेज (प्रा.) लि., बी-6, इंडस्ट्रियल एस्टेट, राजाजी नगर, बंगलौर-560044	अग्नि वन के वन वन वन वन वन IS : 4308-1982	
99. सी एम/एल-2063943	-वही-	क्वामिटी टिन प्राइवेट्स, सीकरी कलां, जी.टी. रोड, मोदी नगर	वन वन और वन वन के वन 15 वन के वोकोर वन IS : 10325-1989	
100. सी एम/एल-2064036	-वही-	डी. के. स्टील इंडस्ट्रीज, तहसील भैरवही, डा. मुक्तगिरि, जिला बलुल (म.प्र.)	-वही-	
101. सी एम/एल-2064137	-वही-	एच.पी. एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लि., प्लाट सं. 8, सैक्टर 5, परवानू (हि.प्र.)	व्यूटाकलोर ई सी IS : 9356-1980	
102. सी एम/एल-2064238	-वही-	प्रीमियर इंडस्ट्रीज, 670 लिबी रोड, मिगमाल्लूर, कोयम्बटूर-641005	वृषि प्रयोजन के वन वन, वन, ताजे पानी के वन वन वन वन वन वन 7.5 मिमी × 65 मिमी, 1440 वन IS : 6595-1980	
103. सी एम/एल-2064339	-वही-	एस सी सीमेंट्स (प्रा.) लि., डा. कल्यानपुर, ग्राम उदयपुर, जिला धनबाद (बिहार)	पोर्टलैंड वन वन सीमेंट IS : 455-1976	
104. सी एम/एल-2064440	-वही-	टाप मिनिज मैनुफैक्चरिंग कं., प्राइमेट वन एनवैसी 317 से 21, डा. डी.एन. रोड, बम्बई	विशेष प्रयोजन के वन मिनिज (बी सी जी) IS : 3237 (भाग 3)-1985	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
105. सी एम/एल-2064541	1990-01-01	सटनागर सीमेंट क. (प्रा.) लि., ए-17, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, बेड़दोर, दिल्ली-जयपुर, हाऊस, अलवर	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS : 269-1976	
106. सी एम/एल-2064642	-वही-	फेलफोन गल्फ मिरेमिक्स लि., प्लॉट नं. 223-226 मल्लू इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर	विट्रिफ़ास सैनेट्री साधन IS : 2556	
107. सी एम/एल-2064743	-वही-	गुडईयर इंडिया लि., मथुरा रोड, बल्लभगढ़-121004	यात्री कार के टायर-विकर्ण ब्लार्ड IS : 10914(भाग 3)-1985	
108. सी एम/एल-2064844	-वही-	सैट्रोपोल इंडिया प्रा. लि., 262, फेज 3, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली-110020	ब्लार्ड का साबुन IS : 285-1971	
109. सी एम/एल-2064945	-वही-	कृष्णा आयर्न फाउंड्री, एस-1, विंकिंग मैटीरियल काम्प्लेक्स, बाई पाम, इंडस्ट्रियल एरिया मथुरा,	जल गैस और मल जल के लिये बाब पाइप हेतु इलवा खोहे की फिटिंग IS : 1538(भाग 1 से 23)	
110. सी एम/एल-2065038	-वही-	उजाला लैम्प्स एंड इलेक्ट्रिकल्स, 89, तीसरा मेन रोड, इंडस्ट्रियल टाउन, राजाजी नगर, बंगलौर-560044	जी एल एस बल्ब 25 वा से 100 वा तक, 250 वा IS : 418-1978	
111. सी एम/एल-2065139	-वही-	मेहता इलेक्ट्रिक एंड जनरल इंडस्ट्रीज, फ़ैक्ट्स कालोनी इंडस्ट्रियल एस्टेट, गली नं. 2, जी.टी. रोड, शाहदारा, दिल्ली-110032	तीन पिन साकेट आउटलेट 5 ए और 15 ए, 250 वा, ऐसी फ्लग टाइप IS : 1293-1967	
112. सी एम/एल-2065240	-वही-	प्रदीप सैल्स कारपोरेशन, 423-सी, ईश्वर पुरी, ओरियन सिनेमा, के पाम, मेरठ शहर	कृषि के लिये साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिये क्षैतिज प्रपकेट्री पम्प IS : 6595-1980	
113. सी एम/एल-2065341	-वही-	अंजमन पेंट इंडस्ट्रीज, 1-65, सैक्टर 9, नोएडा, जिला गाजियाबाद	प्रान्तरिक फिनिशिंग के लिये संश्लिष्ट इनेमल सफेद को छोड़कर सभी शेड IS : 133-1975	
114. सी एम/एल-2065442	-वही-	सरताज इंडस्ट्रीज, हाउस नं. 158, खसरा नं. 910/466, गांव हैदरपुर, दिल्ली-110042	खिड़की के चौखटे के प्रयोग हेतु पुट्टी IS : 419-1967	
115. सी एम/एल-2065543	-वही-	बल्स फार्मा प्रा. लि., ग्राम सपरोड, जी.टी. रोड, फगवाड़ा जिला कपूरथला-144403	पूरक पशु आहार हेतु खनिज मिश्रण टाइप 1 केबल IS : 1664-1987	
116. सी एम/एल-2065644	-वही-	निम्हारी इंडिया (प्रा.) लि., ई-6, रोड नं. 1, बी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013	संरचना इस्पात के धातु आर्क वेलडिंग के लिये आधारित इलेक्ट्रोड 6.3 मिमी तक IS : 814(भाग 1)-1964	
117. सी एम/एल-2065745	-वही-	-वही-	संरचना इस्पात के धातु आर्क वेलडिंग के लिये आधारित इलेक्ट्रोड 2.5 × 3.15 मिमी IS : 814(भाग 2)-1974	
118. सी एम/एल-2065846	-वही-	एस.एस. ट्रेडर्स, 62-बी, नरेश पार्क एक्सटेंशन II (गुलाबी मन्दिर के समीप) नागलोई, दिल्ली-110041	चायछल रंग के सीसट रोगन IS : 410-1969	
119. सी एम/एल-2065947	-वही-	केपरी पेंट्स, रोड नं. 2, एम पी लून काम्प्लेक्स, 1-सेक्टर इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल-462023	बाह्य फिनिश के लिये संश्लिष्ट इनेमल IS : 2932-1974	
120. सी एम/एल-2066040	1990-01-01	आक्सफोर्ड रबड़ प्रा. लि., सी-62, बाम्बासंद्रा इंडस्ट्रियल एस्टेट, होमुर रोड, बंगलौर-562158	रबड़ केनवेयर और उत्पादक पट्टा चौड़ाई 1200 मिमी तक, ग्रेड ड एन 17 IS : 1891(भाग 1)-1978	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
121. सी.एम./एल-2066141	1990-01-01	नवीन इञ्जिनियरिंग वर्क 494, खैर नगर, मेरठ	कृषि हेतु साफ, ठंडे और ताजे पानी हेतु बैलिय अपकेंद्रो पम्प 100×100 मिमी IS : 6595-1980	
122. सी.एम./एल-2066242	-वही-	मनोहर लाल (प्रा.) लि., (भारत उद्योग की एक यूनिट), मानवेज लोक, 28 किमी मेरठ रोड, बुझाई, डा. मुरादनगर, जिला गाजियाबाद	केबल के कवचन के लिये मृदु इस्पात के तार, पतिया और टेप IS : 3975-1979	
123. सी.एम./एल-2066343	-वही-	इंडो टैक इलेक्ट्रिक कं., मं. 31, यस्पताल रोड, मैदापेट, मद्रास-600015	ट्रांसफार्मर्स 100 मिमी एम्प, 11 कि.वी./433 बो.क IS : 11800 (भाग 1)-1981	
124. सी.एम./एल-2066444	-वही-	सनपेस प्रायरेन एंड स्टील कं., डा. भंडारा रोड, जिला भंडारा-441905	कंपीट प्रबलन हेतु उच्च गामय्य के विकृत सरिये और तार 8 मिमी से 25 मिमी तक IS : 1786-1985	
125. सी.एम./एल-2066545	-वही-	मेहता इलेक्ट्रिक एंड जनरल इंडस्ट्रीज, यू.पी. नं. 2, फ्रीम कॉलोनी इंडस्ट्रियल, एस्टेट, जी.टी. रोड, गान्धारा, दिल्ली-110032	घरेलू और ऐसे ही प्रयोजन के लिये स्विच 5 एम्प और 15 एम्प, 250 बो. ए.सी. क्लस टाइप IS : 3854-1966	
126. सी.एम./एल-2066646	-वही-	मिल्माना वाटर प्रा. लि., 12, मनन इंडस्ट्रियल एरिया, डा. निलामा-396230	शिरोपरि प्रेषण के लिये एल्युमिनियम के लटकार चालक IS : 398 (भाग 1)-1976	
127. सी.एम./एल-2066747	-वही-	-वही-	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिये जस्ता-कृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम चालक IS : 398 (भाग 2)-1976	
128. सी.एम./एल-2066848	-वही-	गोल्डन इंडिया टाइल्स कं. प्रा. लि., 124, इंडस्ट्रियल एरिया, पञ्जीगढ़-160002	भामास्य प्रयोजन हेतु फर्श बिछाने की सीमेंट कंक्रीट की टाइल IS : 1237-1980	
129. सी.एम./एल-2066949	-वही-	मर्ला वेन्ट एंड डर प्रोडक्ट्स, 72-ए, सैक्टर सी सोवर रोड, इंडस्ट्रियल एस्टेट, इबौर	इनेमल बास् (क) अन्तर्लेपन (ख) फिनिशिंग IS : 2933-1973	
130. सी.एम./एल-2067042	-वही-	घर्सेवा प्रोपर्टी एंड एलायज (प्रा.) लि., 27-4, बागापानी रोड, हौमुर, घर्सेपुरी-655126	ईसी ब्रेड, एल्युमिनियम छड़, सतत डलाई और वेल्डन द्वारा उद्गमित IS : 5484-1978	
131. सी.एम./एल-2067143	-वही-	केपरी रेन्स शेड नं. 3, एम.पी. नून काम्प्लेक्स, 1 सैक्टर, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दगढ़	बाह्य फिनिशिंग के लिये इनेमल सफेद आभा IS : 2933-1975	

[मं. के.पू. नि. 13: 11]

New Delhi, the 9th January, 1991

S.O.370.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1933, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following Schedule.

## SCHEDULE

List of Licences granted during the month (Dec. 1989)

Sl. No.	CM/L No.	Name & Address of Licensee	IS : No./ Part Sec. Product	Operative from
1	2	3	4	5
1.	2054134	Kapoor & Co. 43, South Anarkali Delhi-110051.	IS : 8934—1978 Cast Copper Alloy, Fancy Pillar TAP	1989-12-16

1	2	3	4	5	6
2.	2054235	Kapoor & Co. 43, South Anarkali, Delhi-110051	IS : 8931—1978	Cast Copper Alloy, Fancy BIB Tap Stop, Angle Valve.	Operative from 1989-12-16
3.	2054336	Chelpark Co. Pvt. Ltd. B-195, Phase II Noida. Distt. Ghaziabad.	IS : 220—1972	Ferro-Gallo Tannate Fountain Pen Ink (0.1 % Iron)	—do—
4.	2054437	Nita Industries 48, S.N. Roy Road, Calcutta-700038	IS : 6315—1986	Floor Springs (Hydrauli- cally Regulated) Heavy Doors not more than 215 Kg.	—do—
5.	2054538	Basant Engineering Indl. Estate, Arundhati Nagar, Agartala, Tripura (West).	IS : 398 (Pt II)—76	Aluminium Conductors Galvanized Steel Rein- forced for Overhead, Transmission.	—do—
6.	2054539	Baij Nath Asharfi Lal B-33, Phase III Focal Point SAS Nagar, Mohali, Distt. Ropar.	IS : 2089—1977	Common Proofed Canvas/Duck and Paulins (Tarpaulins)	—do—
7.	2054740	Sonal Plastic Industries C 1/8 Plot No. 158 GIDC Estate Waghodia Distt. Baroda.	IS : 4985—1981	UPVC Pipes	—do—
8.	2054841	Gargya Research Instru- ments C-12, Site IV Uptron Estate, Industrial Area, Sahibabad-201010	IS : 9815—1981	Servo Motor Operated Line Voltage Corrector.	1989-12-16
9.	2054942	Maheshwari Engineers (P) Ltd. Plot No. 107 (C), Sector B Sanwer Road, Industrial Area, Indore-452003.	IS : 5312(Pt. I)—1984	Swing Check Type Reflux (Non Return) Valves	—do—
10.	2055035	Classic Polymers Pvt. Ltd., Martur Prakasam Distt.	IS : 4985—1981	UPVC Pipes, Class 2 and 3 size 63 mm upto and Including 160 mm	—do—
11	2055136	Navyug Electro Applian- ces 17, Industrial Dev. Colony, Hoshiyar Pur.	IS : 366—1985	Thermostatic Electric Iron 230 V 750 W with Cast Iron Base.	—do—

1	2	3	4	5	6
12.	2055237	ELCO Metal Works S-194, Indl. Area, Jalandhar.	IS : 778—1984	Copper Alloy Gate Valves Vertical Check Valves Screened Ends Class 1 Size 15 MM upto and Including 50 mm.	Operative from 1989-12-16
13.	2055338	Delton Cables Ltd., Opposite Village Malpura Dharuhera Distt. Mahendra Garh- 122106	IS : 694—1977	PVC Insulated Cables Unsheathed with copper Conductor for Working Voltages upto and including 1100 V.	—do—
14.	2055439	Anjman Paint Industries 1-65, Sector 9 Noida Distt. Ghaziabad.	IS : 6410—1969	Cement Paint Colour as Required.	—do—
15.	2055540	KR.V. Agencies 3 F, Mill Road, Gobichettipalayam Distt. Periyar—638476	IS : 1374—1979	Poultry Feeds	—do—
16.	2055641	K.R.V. Agencies 3-F, Mill Road, Gobichettipalayam Distt. Periyar-638476	IS : 2052—1979	Compounded Feeds for Cattles Type 1 and Type 2	1989-12-16
17.	2055742	East India Industries (Madras) Pvt. Ltd. 605, Thiruvottiyur High Road Tondiarpet Madras-600081	IS : 7406(Pt. II)—86	Laminated Jute Base for Packing Fertilizers Tarpulin Fabric 384 G/M SQ.	—do—
18.	2055843	Ribco Ltd. Dr. B.C. Roy Avenue Durgapur (West Bengal)	IS : 8183—1976	Bonded Mineral Wool Group 1 To 4	—do—
19.	2055944	Sudarshan Enterprises 2, Chingrighata Lane Calcutta-700015.	IS : 5424—1969	Rubber Mats for Electrica L. Purposes for working Voltages 3.3 KV.	—do—
20.	2056037	Sudarshan Enterprises 2, Chingrighata Lane Calcutta-700015	IS : 5915—1970	Single Texture Rubberized Waterproof Fabrics Type I Quality 1 Grade B	—do—
21.	2056138	Sudarshan Enterprises 2, Chingrighata Lane, Calcutta-700015	IS : 3736—1986	Canvas Shoes, Rubber Sole	—do—
22.	2056239	Hemadri Cements Ltd. Venadri Village Jaggaihpot Mandal Krishna Distt.	IS : 12330—1988	Sulphate Resisting Portland Cement	—do—

1	2	3	4	5	6
23. 2056340	Chittavalsah Jute Mills Chitavalsah Distt. Vishakhapatnam- 531162	IS : 7407 (Pt. III)—80	Jute Tarpaulin Fabric, 380G/MSQ, 68 x 39 Variety	—do—	
24. 2056441	Esad India Ltd. P.B. No. 120 Plot No. 4 MIDC Area, Thane Belapur Road Thane-400601	IS : 814 (Pt. I)—74	Covered Electrodes for Metal ARC welding of Structural Steel, Group 1 & 2 Sizes upto and Including 5 MM.	1989-12-16	
25. 2056542	Gurajat Agro Inds. Corpn. LTD. D. (Pesticides Unit) Near ITI National Highway No. 8 B Gondal Distt. Distt. Rajkot	IS : 7123—1973	Carbaryl 50% WP	—do—	
26. 2056643	Henna Export Cor- poration, Link Road, Faridabad-121002	IS : 10350—1982	Powder Hair Dyes	—do—	
27. 2056744	Esab India Ltd. Plot No. 4 MIDC Indl. Area, Thane Belapur Road Distt. Thane-400601.	IS : 814(Pt. II)—74	Covered Electrodes for Metal Arc Welding of Structural Steel Group 1 & 2 Size 2.5 x 3.15	—do—	
28. 2056845	Karam Chand Thapar & Bros. Ltd. Unit HGEC (Radio & Switch Gear Division) Thapar Nagar, Nirsha Chatti Dhanbad--828205	IS : 4064(Pt. I)—1978	Fuse Combination Units	—do—	
29. 2056946	Anupam Udyog East Aerodrome Sabour Road Bhagalpur-813210	IS : 398(Pt. II)—76	Aluminium Conductors Galvanized Steels Reinfor- ced for Overhead Transmission Purposes.	—do—	
30. 2057039	Bajoria & Co. Plot No. D-5, & C-10 Large Indl. Estate, Estate, Barari Bhagalpur-812003	—do—	Aluminium Conductors Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission Purposes	—do—	
31. 2057140	Shanti Metal Works S-254 Indl. Area Jalandhar-144004	IS : 781—1984	Cast Copper Alloy BIB Taps size 15 MM Stop Valve 15 mm	—do—	
32. 2057241	RAACO Enterprises V. Akbar Pura P.O. Ahmedgarh Distt. Sangrur 148021	IS : 458—1971	RCC Pipes Class NP 2 Size 150 mm to 300 mm	1989-12-16	



1	2	3	4	5	6
33.2057342	Avon Services (Production and agencies) Pvt. Ltd. 24-25, Ganesh Indl. Estate N.H. No. 8 At Valiv Tal Vasai Distt. Thane.	IS : 4989 (Pt. II)—84	Aqueous film forming Foam type 3	1989-12-16	
34.2057443	J.B. Spun Pipes Plot No. D/53/3 additional MIDC Area Jalna 431201	IS : 458—1971	RCC Pipes size 300 mm, 450mm, 600mm, 800mm, 900mm, 1000mm, and 1200mm Glass NP 2	-do-	
35.2057544	Agarwala Plywood Industries, Second Mile Sevoke Road (Power House Road) Siliguri	IS : 10 (Pt. II)—1876	Tea-Chest Plywood Pannels	-do-	
36.2057645	Sakthi Plywood Works Bilichi Village Mettupalayam Road Coimbatore 641019	-do-	Tea-Chest Plywood Pannels	-do-	
37.2057746	Bhagalpur Foundry Pvt. Ltd. D-9/10, Large Indl. Estate Barari Bhagalpur 812003	IS : 1729—1979	Straight Cast Iron Spigot and Socket Soil Pipes upto 100mm	-co-	
38.2057847	The Associated Cement Companies Ltd. Chanda Cement Works P.O. Cement Nagar Distt. Chandrapur	IS : 12269—1987	53 Grade Ordinary Portland Cement	-do-	
39.2057948	Aey Gee Brothers A-62, Wagle Indl. Estate Road No. 22 Thane 400604	IS : 10325—1989	15 Kg. Square tins for Vanaspati and Edible Oils	-do-	
40.2058041	Larsen & Toubro Ltd. Awarpur Cement Works Awarpur T.K. Rajura Distt. Chandrapur-442917	IS : 12269—1987	53 Grade Ordinary Portland Cement	-do-	
41.2058142	Larsen & Toubro Ltd. Awarpur Cement Works Awarpur P.K. Rajura Distt. Chandrapur—442917	IS : 8112—1976	43 Grade Ordinary Portland Cement	-do-	
42.2058243	Saurashtra Cement & Chemical Inds. Ltd. Near Railway Station Ranavav Distt. Junagarh 360560	-do-	43 Grade Ordinary Portland Cement	-do-	
43.2058344	Jiwan International B-4, Indl. Dev. Colony Jalandhar	IS : 3564—1976	Door Closures (Hydraulically Regulated) Universal Type Size 2, Designation 2	-do-	

1	2	3	4
44.2058445	Bhadora Industries, 4, S.U. Indl. Estate Dhonga Distt. Tikamgarh-472001	IS : 694—1977	PVC Insulated Cables, 1989-12-16 upto & including 1100 V
45.2058546	Artee Minerals (Agro Chemical Division) 15/7, Mathura Road Faridabad 121002	IS : 12016—1987	Cypermethrin 10% EC -do-
46. 2058647	Artee Minerals (Agro Chemical Division) 15/7 Mathura Road Faridabad-121002	IS : 11997—1987	Fenvalerate EC -do-
47.2058748	—Marked Agro Chemicals 7-8B, Indl. Estate Sas Nagar (Mohali) (Distt. Ropar)	IS : 562—1978	BHC WDP 6.5% Gamma -do-
48. 2058849	Montari Industries Ltd. Village Toansa Teh. Balachaur Distt. Hoshiarpur	IS : 9362—1980	Butachlor Granules —do—
49. 2058950	Bholla Nath Industries Opp. E.S. Khemani School O.T. Section U'has Nagar-421002	IS : 8808—1986	Burner for Oil Pressure Stoves Roarer type -do-
50. 2059043	A-Grade Industries 203 Sona Udyog Estate Parsi Panchayat Road Opp. Old Nagar Das Road Andheri (E) Bombay 400069	IS : 694—1977	PVC Insulated Cables Multicore Sheathed Copper and Aluminium & Excluding Cables for Weather & Low Temperature outdoor use -do-
51. 2059144	A-Grade Industries 203, Sona Udyog Estate Parsi Panchayat Road Opp. Old Nagardas Road Andheri East Bombay 400069	IS : 1554 (Pt. 1)—1976	PVC Insulated unsheathed Heavy Duty Cables with Copper & Aluminium Conductors 1100 Volts -dc-
52. 2059245	The Associated Cement Co. Ltd. Chandra Cement Works P.O. Cement Nagar Distt. Chandrapur 442502	IS : 8112—1976	Ordinary Portland Cement 43 Grade -do-
53. 2059346	Climax Polymers Pvt. Ltd. 5-A, Nawab Dilawar Jung Road Cossipore Calcutta 700002	IS : 4984—1987	HDPE Pipes for Potable Water Supplies Class 4 Size upto and including 110 mm --do-
54. 2059447	Standard Cement Co. E-637, Basni Second Marudhar Indl. Area Jodhpur	IS : 269—1976	Ordinary Portland Cement -do-
55. 2059548	Saboo Minerals H-26, LMN Marudhar Indl. Area II Phase Basni, Jodhpur.	IS : 8041—1978	Rapid Hardening Portland Cement -do-

1	2	3	4
56. 2059649	Balmer Lawrie & Co. Ltd. 32, Sattangadu Village, Manali Madras-600068	IS : 1783(Pt. II)-88 Drums Large Fixed Ends Grade B Type :	1989-12-16
57. 2059750	Manju Electrical Industries 12, Km, Pollachi Road Mulumachampatti Post Coimbatore-641021	IS : 9283—1979 Motors for Submersible Pumps 3.7 Kw wet Type Category B	—do—
58. 2059851	Jupiter Pumps 30, Najafgarh Road New Delhi.	IS : 6595—1980 Horizontal Dentrifugal Pumps for Clear cold, Fresh water for Agri- cultural Purposes 75 x 65 MM and 65 x 50 MM	—do—
59. 2059952	Karnataka Insecticides & Fungicides 27/B, II Phase Reenya Indl. Area Bangalore-560058	IS : 8446—1977 Carbendazim 50% WD	—do—
60. 2060028	Jayalaxmi Fertilizers Venkatarayapuram Januku Distt. West Godavari- 534215	IS : 8028—1987 Quinalphos 25% EC	—do—
61. 2060129	Universal Cable Manu- facturing Co. Opposite Railway Goods Shed, Faridabad-121001	IS : 1554(Pt. I)-76 PVC Insulated (Heavy Duty) Electric Cables for Working Voltages upto and including 1100 Volts.	—do—
62. 2060230	Universal Cable Mfg. Co. Opp. Railway Goods Shed Faridabad-121001	IS : 694—1977 PVC Insulated Cables, upto and Including 1100 Volts Excluding Cables for Outdoor and Low Temperature Condition.	—do—
63. 2060331	U.M. Engg. Pvt. Ltd. B-3, MIDC Indl. Area Western Express Highway Mira, Distt. Thane-401104	IS : 2082—1985 Storage Type Electric Water Heater 15 L, 3 Kw, 25 L, 2 KW- 250 V, Class II Appliance Cistern Fed.	—do—
64. 2060432	Swastik Pipe Industries A-25, MIDC Lohara	IS : 4985—1981 Unplasticized PVC Pipes Class 2, Sizes 63mm upto and including 110mm, plain ended pipes	-d o -
65. 2060533	Konkan Pesticides A-4, MIDC Mahad Distt. Raigadh	IS : 8259—1976 Oxydemeton Methyl 20% EC	-do-

1	2	3	4
66. 2060634	Ekdant Pipes, Village Sikrori, P.O. Kakori, Hardoi Road, Lucknow	IS : 458—1971	RCC Spun Pipes NP2-upto 1989-12-16 & including 1200mm, NP3-upto & including 1200mm and NP4-800mm upto and including 1800 mm
67. 2060735	Pooja Machines Pvt. Ltd., Focal Point V. & P.O. Haryal, Teh. Pathankot (Punjab)	IS : 1610—1981	Sewing Machines for House -do- Hold purposes, Hand and Foot-operated
68. 2060836	Laxmi Engineering Works 16-A, Light Indl. Area Jodhpur 342003	IS : 8034—1976	Submersible Pump set for -do- Clear, Cold Fresh Water, Models, MKC/29B/5 and MKC/29B/6
69. 2060937	Rose Engine Manufacturers, I-Madvi Plot, Rajkot-360004	IS : 11170—1985	Diesel Engines used for -do- Agricultural purposes (upto 20 KW)
70. 2051030	Hindustan Insecticides Ltd., P. O. Rasayani, Distt. Raigad-410207	IS : 9356—1980	Butachlor EC -do-
71. 2061131	The Indian Communication Cable Co., C-46, Mayapuri Indl. Area., Phase II, New Delhi-110064	IS : 1554 (Pt. I)—76	PVC Insulated (Heavy Duty) -do- Cables upto and including 1100 Volts
72. 2061232	Top Syringes Mfg. Co., Prospect Chamber Annexe 317 to 21, Dr. D.N. Road, Bombay	IS : 3237 (Pt.II)— 1985	Special purposes Syringes 1990-01-0-1 (Tuber Culine Syringe)
73. 2061333	Navyug Krishi Sadhan Pvt. Ltd., Survey No. 45 on Wada Bhiwandi Road., Village Nare Via Dandekar- wadi, Talwada, Distt. Thane	IS : 1971-1982	Hand Operated Stirrup -do- Type Sprayer
74. 2061430	National Pesticides & Chemicals, C-8, MIDE Incl. Area, Amrawati -444606	IS : 4323-1980	Endosulfan EC, 35% -do-
75. 2061535	National Auraganic Chemi- cal Inds. Ltd., A-1, Lote Parashuram Indl. Area, Taluka Khed, Distt. Ratnagiri 415722	IS : 12016-1987	Cypermethrin 10% EC -do-
76 2061636	Soundara Raj Industries, 17, Awaram Palyam Road, Ganapati, Coimbatore-641006	IS : 8034-1976	Submersible pumpset for -do- Clear, Cold, Fresh Water

1	2	3	4	5
77. 2061737	Metalex Pipes Pvt. Ltd. B-23, Rewadi Line Indl. Area, Phase I, New Delhi-110064	IS : 3601-1984	ERW Steel Tubes for Mechanical and General Engg. Purposes Sizes upto & including 60.3 MM OD Grade WT-160	1990-01-01
78. 2061838	Care Home Appliances P-2, Shri Niwasपुरी Extn., New Delhi.	IS : 4246-1984	Domestic Stoves for Use with LPG	-do-
79. 2061939	Madhu Tin Containers Sadatपुरा, Post Sadawada, Taluka Indar, Dist. Sabarkantha-383430	IS : 10325-1989	15 KG Square Tins for Vanaspati and Edible Oils	-do-
80. 2062032	Narmada Alluminium Extrusion Ltd., 95/A, Bharuch Palej Road, Opp. Railway C Cabin Bholav, Distt. Bharuch-392001	IS : 7092 (Pt.II)— 1987	Extruded Aluminium Alloy Tubes for Irrigation 75 MM NB Only	-do-
81. 2062133	Jay Electric Industries. Unit. No. 24, Nutan Chemical Compound, Valbhat Road, Goregaon (E), Bombay-400062	IS : 3854-1966	Flush Type Switches AC Excluding Switches for Inductive Circuits, 250 V 5 & 15 A	-do-
82. 2062234	Malabar Cements Ltd., Walayar Dam, P.O. Palghat, Distt. Palghat-678624	IS : 1489-1976	Portland Pozzolana Cement	-do-
83. 2062335	Suku Equipments & Inds., 211/1, Kurudam Palayam, Edigarai Road, Coimbatore 641022	IS : 9079-1979	Monoset Pumps for Clear, Cold water for Agriculture Purposes	-do-
84. 2062436	Sawnmal Shibumal Steel Rerolling Mills, G. T. Road, Mandi Govindagarh	IS : 1786-1985	High Strength Steel Deformed Bars for Concrete Reinforcement 8 MM upto and Including 16 MM	-do-
85. 2062537	North Arcot Ceramics A Mmanthagal Village Walajapet, North Arcot Distt. 632513	IS : 651-1980	Salt Glazed Stoneware Pipes 100 MM and 150 MM Dia Grade A and AA	-dc-
86. 2062638	Krishna Ceramics Ltd., Krishna Puram, Brahman Palli, P.O. Bibi Nagar-508126	IS : 2556 (Pt.I to XV)	Vitreous Sanitary Appliances	-dc-
87. 2062739	Oslin Cables (P) Ltd. 1-115, Sagar Road, Bairamal Guda Village, Distt. Rangareddy-500963	IS : 398 (Pt.II)-76	ACSR Conductors for Overhead Transmission	-do-

1	2	3	4	5
88. 2062840	Dhan Laxmi Industries Plot No. F-808 Road No. 14 C.K. Indl. Area Jaipur 302013	IS : 1003(Pt.I)-1977	Timber Panelled Door Shutters	1990-01-01
89. 2062941	Swarup Chemicals (P)Ltd., Water Works Road, Aish Bagh Lucknow	IS : 9370-1980	Lindane Granules	-do-
90. 2063034	Jain Tube Co. Ltd. 21 KM Meerut Road, Ghaziabad 201002	IS : 3589-1981	EW Steel Pipes for Water Gas and Sewage 150 NB Size	-do-
91. 2063135	Kelvin Cable (P) Ltd. E-94, Sector 6 Noida 201301	IS : 694-1977	PVC Insulated Cables Upto and Including 1100 V	-do-
92. 2063236	Cable Corporation of India Ltd. Dattapada Road, Borivli (East) Bombay 400066	IS : 7098(Pt.I)-1977	Cross Linked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Multicore Cables 1100 V	-do-
93. 2063337	New Metal Works S-5, Indl. Area Jalandhar	IS : 781-1984	Cast Copper Alloy Screw Down BIB Taps and Stop Valves	-do-
94. 2063438	Maharaja Engg. & Invest- ments (Punjab) Ltd. 4-29, Phase VIII Indl. Estate Mohali	IS : 8737(Pt.II)-1978	LPG Valves self Closing	-do-
95. 2063539	Food Specialities Ltd., Nanjan Gud Industrial Area Nanjangud, Dist. Mysore 571301	IS : 2791-1983	Soluble Coffee Powder	-do-
96. 2063640	Metropol India Pvt. Ltd. 262, Phase III Okhla Indl. Estate New Delhi 110020	IS : 6047-1970	Scoring Powder Type II Only	-do-
97. 2063741	R.D. Power Lines (P) Ltd. A-28, Naraina Indl. Area Phase I New Delhi 110028	IS : 694-1977	PVC Insulated Cables Upto and Including 1100 V	-do-
98. 2063842	Stopburn Appliances (P) Ltd B-6, Indl. Estate Rajaji Nagar Bangalore 560044	IS : 1308-1982	Dry Powder for Fire Fighting Ordinary Type	-do-
99. 2063943	Quality Tin Products Sikri Kalan G.T. Road Modinagar	IS : 10325-1989	15 KG Square Tin for Vanasapati and Edible Oils	-do-

1	2	3	4	5
100. 2064036	D.K. Steel Industries Teh. Bhainsdehi Post Muktagiri Distt. Betul (MP)	IS : 10325-1989	15 KG Square Tins for Vanaspatti and Edible Oils	1990-01-01
101. 2064177	H.P. Agro Industries Corporation Ltd., Plot No. 8 Sector V Parwando (HP)	IS : 9356-1980	Butachlor EC	-do-
102. 2064238	Premier Industries 670 Trichy Road Singanallur Coimbatore 641005	IS : 6595-1980	Horizontal Centrifugal Pumps For Clear, Cold, Fresh water for Agriculture Purpose 75 MM × 65N MM, 1440 RPM	-do-
103. 2064339	Esdec Cements (P) Ltd., Post Kalyanpur Village Udaipur, Distt. Dhanbad (Bihar)	IS : 455-1976	Portland Slag Cement	-do-
104. 2064440	Top Syringes Manufactur- ing Co. Prospect. Chamber Annexe 317 to 21, Dr. D.N. Road Bombay	IS : 3237 (Pt. III)— 1985	Special Purpose Syringes (BCG)	-do-
105. 2064541	Bhatnagar Cement Co. (P) Ltd. A-17, RIICO Indl. Area Behror Delhi-Jaipur Highway Alwar	IS : 269—1976	Ordinary Portland Cement	-do-
106. 2064642	Falcon Gulf Ceramics Ltd. Plot No. 223-226 Matsya Indl. Area Alwar.	IS : 2556	Vitreous Sanitary Applian- ces (Vitreous China)	-do-
107. 2064743	Goodyear India Ltd. Mathura Road Ballabgarh 1021004	IS : 10914 (Pt. 3)-85	Passengers Car Tyres, Diagonal Ply	-do-
108. 2064844	Metropol India Pvt. Ltd. 262, Phase III Okhla Indl. Estate New Delhi-110020	IS : 285—1971	Laundry Soap Type 1	-do-
109. 2064945	Shri Krishna Iron Foundry S-1, Building Material Complex Bye pass, Industrial Area Mathura	IS : 1538 (Pt. 1 to XXIII)	Cast Iron Fittings for Pressure Pipes for water Gas and Sewage	-do-
110. 2065038	Ujala Lamps & Electricals 89, 3rd Main Road Indl. Town Rajaji Nagar Bangalore 560044	IS : 418—1978	GLS Lamps 25W to and including 100W, 250V,	-do-

1	2	3	4	5
111. 2065139	Mehta Electric & General Industries Friends Colony Indl. Estate Gali No. 2 G.T. Road, Shahdara, Delhi-110032.	IS : 1293—1967	Three Pin Socket Outlets 5A and 15A, 250V, AC Flush Type	1990-01-01
112. 2065140	Pradeep Sales Corpn. 423-C, Ishwar Puri near Odeon Cinema Meerut City	IS : 6595—1980	Horizontal Centrifugal Pumps for Clear, Cold Fresh Water for Agriculture	-do-
113. 2065341	Anjman Paint Industries 1-65, Sector IX Noida Distt. Ghaziabad	IS : 133—1975	Enamel Interior Finishing Synthetic All Shades excluding white	-do-
114. 2065442	Sartaj Industries House No. 158, Khasra No. 910/466 Village Hyder Pur Delhi-110042	IS : 419—1967	Putty for use on Window Frames	-do-
115. 2065543	Vets Farma Pvt. Ltd. Village Saprod G.T. Road Phagwara Distt. Kapurthala-144403	IS : 1664—1987	Mineral Mixtures for Supplementing Cattle Fields Type 1 only	-do-
116. 2065644	Tiruhari (India) (P) Ltd. E-6, Road No. 1 V.K.I. Area Jaipur-302013	IS : 814 (Pt. 1)—1974	Covered Electrodes for Metal Arc welding of structural steel upto and including 6.3 mm	-do-
117. 2065745	Tiruhari India Pvt. Ltd. E-6, Road No. 1 VKI Area, Jaipur-302013	IS : 814 (Pt. 2)—1974	Covered Electrodes for Metal Arc welding for structural steels 2.5 × 3.15 mm	-do-
118. 2065846	S.S. Traders 62-B, Naresh Park Extension (Near Gulabi Mandir) Najafgarh Road, Nangloi Delhi-110041	IS : 5410—1960	Cement Paint Colour as required	-do-
119. 2065947	Capri Paints Shed No. 3 MP Lun Complex 1-Sector Indl. Area, Govind Pura Bhopal-462023	IS : 2932—1974	Enamel, Synthetic, Exterior, Finishing Nos 17 and 28 only	-do-
120. 2066040	Oxford Rubber Pvt. Ltd. C-62, Bommasandra Indl. Estate Hosur Road Bangalore-562158	IS : 1891 (Pt. 1)—1978	Rubber conveyor and Elevator Belting width upto and including 1200mm, Grade N 17	1990-01-01
121. 2066141	Naveen Engineering Works 494, Khair Nagar Meerut	IS : 6595—1980	Horizontal Centrifugal Pumps for clear cold and fresh water for Agriculture 100 × 100 mm	-do-



1	2	3	4	5
122. 2066242	Manohar Lal (P) Ltd. (Unit Bharat Udyog) Manvendra Lok 28 km Meerut Road Duhai, P.O. Muradnagar Distt. Ghaziabad	IS : 3975—1979	Mild Steel Wires, Strips & Tapes for Armouring of Cables	1990-01-01
123. 2066343	Indo Tech Electric Co. No. 31, Hospital Road Saidapet Madras-600015	IS : 11800 (Pt. I)— 1981	Transformers upto and including 100 KVA 11KV/433V	-do-
124. 2066444	Sunflag Iron & Steel Co. P.O. Bhandara Road Distt. Bhandara-441905	IS : 1786—1985	High Strength Deformed Bars and Wires for Concrete Reinforcement 8 mm upto and including 25 mm	-do-
125. 2066545	Mehta Electric & General Industries Gali No. 2, Friends Colony Industrial Estate G.T. Road, Shahdara Delhi-110032	IS : 3854—1966	Switches for Domestic and Similar Purposes 5A and 15A 250V AC Flush Type	-do-
126. 2066646	Silvassa Wire Pvt. Ltd. 12, Masat Indl. Area P.O. Silvassa-396230	IS : 398 (Pt. I)—1976	Aluminium Stranded conductors for overhead transmission	-do-
127. 2066747	Silvassa Wire Pvt. Ltd. 12, Masat Industrial Area P.O. Silvassa-396230	IS : 398 (Pt. II)—76	Aluminium Conductors Galvanized Steel Reinfor- ced for overhead trans- mission purposes	-do-
128. 2066848	Golden India Tiles Co. Pvt. Ltd. 124, Indi. Area, Chandigarh-160002	IS : 1237—1980	Cement Concrete Flooring Tiles for General Purpose	-do-
129. 2066949	Sunny Paint & Tar Products 72-A, Sector C Banver Road Industrial Estate Indore	IS : 2933—1973	Enamel, Exterior (A) Undercoating (B) Finishing Shade-White Colour Category No.1	-do-
130. 2067042	Dharmadeep Properzi & Alloys (P) Ltd. 27/4, Begapally Road Hosur Dharmapuri-4635126	IS : 5484—1978	EO Grade Aluminium Rod produced by continuous casting and rolling Grade 2	-do-
131. 2067143	Capri Paints Shed No. 3 M.P. Lun Complex 1 Sector Industrial Area Govindpura	IS : 2933—1975	Enamel, Exterior, Finishing Shade White	-do-

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1991

का आ 171 —भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एवम् द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं।

## अनुसूची

क्र.सं. लाइसेंस संख्या	तागु होने की अजति	लाइसेंसगरी का नाम और पता	लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु प्रकार और सब भारतीय मानक
1 सीएम/एल-2079352	90-02-16	के.जी. वी. एलाय कंडक्टर्स प्लांट 31 एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया हिना रोड, तागपुर-440028	जिरोपरि प्रेयण हेतु जम्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्यूमि- नियम चालक IS : 00398-76
2 सीएम/एल-2079453	90-02-16	एम.के.पेट्रोप्राइवेट्स प्रा. लि., गाय सोफटाहरफली, तहसील पलवल, जि. फरीदाबाद	जनसह हेतु विटमिन के नमूने टाइप 3 डेड I IS : 01322-82
3 सीएम/एल-2079554	90-02-16	बी.एम.पपसु प्रा. लि., बसाई रोड, गुडगांव	निमजनीय पपसैट IS : 8034-76
4 सीएम/एल-2079655	90-02-16	दीपक प्लास्मिक इंडस्ट्रीज 8 जीआईडीसी गोदाम, जीआईडीसी डाकघर के सामने भेड़याना (गुजरात)	250 बो, 5 एम्प और 15 एम्प प्लाग IS : 01293-67 थ्री फ्लश माउन्टिंग बिना शटर वाले शूट फाउण्टेन
5 सीएम/एल-2079756	90-02-16	रेनवेबिली लैबोरेट्री क्यूरोडिआ डिवीजन, इंडस्ट्रियल एरिया 3, देवास 455001 (म.प्र.)	स्वतःआमजीवक आक्साइड प्लस्टर IS : 04717-80
6 सीएम/एल-2079857	90-02-16	पी.एम.जी. इंडस्ट्रियल इस्टीमेट पेजामेडू, कोयम्पटूर	निमजनीय पपसैट हेतु मोटर, बैट टाइप IS : 09283-79 संचरक बी
7 सीएम/एल-2079958	90-02-16	हरियाणा एग्रो फटीलाइजर्स एंड फैक्ट्रीज, जी.टी. रोड, शाहाबाद मारवाडा 132 135 (हरियाणा)	गूटाफर ईला का मुनिशन IS : 08356-80
8 सीएम/एल-2080034	90-02-16	गत इजीनियरिंग क मांडल टाउन कार्मिक के पाम जी. टी. रोड, अम्बाला छावनी	कृषि प्रयोजन हेतु साफ ठंडे ताजे पानों के लिए अफकेन्डी पम्प IS : 0695-80
9 सीएम/एल-2080135	90-02-16	पुथराज साहू छल्लपति सीमेंट उत्पन्न सहकारी संस्था लि. गेट नं. 113 बगार-तरफ बड़गांव तापुका हटकानागरी जिला कोल्हापुर 436112 (महाराष्ट्र)	मादाराण पोर्टलैंड सीमेंट IS : 00269-76
10 सीएम/एल-2080236	90-02-16	सुभाष इंडस्ट्रियल कार्पाइजेशन 46-बी, माली पंच थोडा रमोट, लिट्टु हावड़ा	गैस कार्टिज टाइप का शुष्क पूर्ण सुवाह्य IS : 02171-85 अग्नि शामक
11 सीएम/एल-2080337	90-02-16	आर.एम. इंडस्ट्रीज 203, इंडस्ट्रियल एस्टेट मोफसी 416416 (महाराष्ट्र)	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे ताजे पानों के लिए मोनोमैट पम्प IS : 09079-79
12 सीएम/एल-2080438	90-02-16	बैर कमशियल एंटरप्राइजेज लि., रामनगर गा. डा. रामनगर रामनगर (आसाम)	संरचना इस्पात (विक गुणता) समूह IS : 00226-75 2 संवर्ग
13 सीएम/एल-2080539	90-02-16	दिव्य बायर इंडस्ट्रीज लि. एन. कोरें रोड, मुखर 24 परगना	ए.सी.एस. आर. चालको हेतु जम्तीकृत इस्पात IS : 00398 फोड भाग 2-76

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
11 सीएम/एन-2080810	90-02-16	गोपस केवला (एन) एन जि भुवूर नारायण भुवूर रोड अम्बाला	पीएलसी रोहित विनोदी के फलक (हैथी इट्टी) (भाग -1)-76	IS 1554
5 सीएम/एन-2080741	90-02-16	वेनटेक्स एड विनोद गियर क यो-65 गेट न 3 भायणा इंडस्ट्रियल एरिया फेज 2 नई दिल्ली-28	छोटा परिणत विनोद गियर-2	IS 08829-78
16 सीएम/एन-2080842	90-02-16	एक्यूट मोटर इंडस्ट्रीज ए-125, डीपीए थोक अलखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज 2 नई दिल्ली-110020	डेटा क्लर हेतु एम सेट उठाव उखाव 1 तक	IS 11951 87
17 सीएम/एन-2080943	90-02-16	टिनेनिका इंडस्ट्रियल एड व वैटिकम प्रा लि 1-ए सामीपुर दिल्ली-110042	1100 यो लोक फायरफोरो बोल्डता हेतु डेन- स्लेमर रोहित केवला	IS 09968 (भाग 01)-81
18 सीएम/एन-2081036	90-02-16	एम डी ए डायन एड इंडस्ट्रियल लि दिल्ली रोड एनो जमशेदपुर	ता नगाया अलखला मो ग योविक थोक यो	IS 01834-84
19 सीएम/एन-2081137	90-02-16	ज सी केवला इंडस्ट्रियल एरिया मेनीपुरी रायपुर (म प्र )	टोम एडुमिनियम चालको हेतु पोथमी रोहित केवला	IS 00694-77
20 सीएम/एन-2081238	90-02-15	टेनरो यान एड केवला	डाय एडुमिनियम चालको हेतु पीवी भी रोहित केवला	IS 00694-77
21 सीएम/एन-2081339	90-02-16	नीता कान इंडस्ट्रीज फाट न 67 एम आर्डी डीपी इंडस्ट्रियल एरिया दामध-402116	कालतार खाद्य रंग मिश्रण	IS: 05346-75
22 सीएम/एन-2081440	90-02-16	राम प्रकाश इंडस्ट्रीज 1/69, वेगो स्टोड, रामपुराण गाजडम पल यम बाराबन्कुर-641031	निमज्जय पम्प सेट के लिए तीन फेजी मोटर बैट टाइप सार्ज यो	IS 09283-79
23 सीएम/एन-2081541	90-02-16	देव हजीनियरी 59-वी बाउमारा रोड बैङ्गेरी पायसम बोयसमयनूर-611029	हार्ड प्रयोजनो के हेतु साफ, उडे ताजे पानी के लिए निमज्जय पम्पसेट	IS 08031-89
24 सीएम/एन-2081642	90-02-16	स्टैंडन 659 गायसम रोड फिलोडी पायसम बोयसमयनूर-641020	हार्ड प्रयोजनो के लिए साफ उडे, ताजे पानी हेतु निमज्जय पम्पसेट	IS 08034-76
25 सीएम/एन-2081743	90-02-16	एम्बाला फार्मासी 163 इंडस्ट्रियल एरिया पाटिल नगर, एन एन-113003	पेयजल आपूर्ति हेतु अप्टामिटिक पीवीभी गायस ये स 2 साइज 110 मिमी तक	IS 04958-91
26 सीएम/एन-2081844	90-02-16	प्रार्थी उडिया पट्टा रमासि 911 स्टोन-फिलो-जयपुर रोड गा। जालीवाग शि मोहरमण्ड (हार्मियाणा)	विड योवन हेतु उडिया को छोड़कर दूरीकृत निरापद कोय	IS 02553-71
27 सीएम/एन-2081945	90-02-16	एशियन इंडस्ट्रीज फाट न 1, गायसम पीलन शिहारा फि धार (म प्र )	हार्ड प्रयोजनो हेतु साफ उडे ताजे पानी के लिए निमज्जय पम्प सेट	IS 08034-76

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. सीएम/एल-2082038	90-02-16	स्टील प्राॅप्रीटी आफ इंडिया लि. दुर्गा पुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर-713203	अतम्प वेल्डन हेतु तप्त वेल्डित कार्बन इस्पात पत्तियां	IS : 11513-85	
29. सीएम/एल-2082139	90-02-16	कामरूप इंजीनियरिंग कं. 1/4208, फेज 4, जीआईडीसी, बेतवा, ग्रामवाबाद-382445	कृषि प्रयोजनों के लिए साफ, ठंडे ताजे पानी के लिए निमज्जय पम्पसेट	IS : 08034-89	
30. सीएम/एल-2082240	90-03-01	जीव मिलक एंड स्लाइड स्पेशलिटीज लि., फोकल प्वाइंट, कोटाकपूरा जि. फरीदकोट (पंजाब)	ममखनिया बूछ पाउडर	IS : 01165-86	
31. सीएम/एल-2082341	90-03-01	जैन मेटल वर्क्स एच-20, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	जी. एस गेट बाल्व, उर्ध्वधर बैंक बाल्व, श्रेणी 1 साइज 15मिमी से 50मिमी तक	IS : 00778-84	
32. सीएम/एल-2082442	90-03-01	श्रीम सुखान इंडस्ट्रीज, 11 और 12 साठे रोड, रामकृष्णपुरम, गणपति, कोयम्बतूर-641006	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे ताजे पानी के लिए मोनोसैट पम्प	IS : 09079-79	
33. सीएम/एल-2082543	90-03-01	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज 11-डी ग्राइवेट इंडस्ट्रियल एस्टेट, कुसुमी, कोयम्बतूर-641021	जैट अयकेन्ट्री पम्प	IS : 12225-87	
34. सीएम/एल-2082644	90-03-01	प्रविल स्टील इंडस्ट्रीज, राजकमल वैटो पम्प के पास, गोंडल रोड, कठारिया, पो. भा. नं. 594, राजकोट-360002	निमज्जय पम्प सेट	IS : 08034-89	
35. सीएम/एल-2082745	90-03-31	पैपीलॉन प्रोस्टेड फंक्शेंट प्रॉडक्ट्स एंड टाइल्स वर्क्स, डी-38, एमआईडीसी घाबाव, मासिक-422010	प्रबलन मशीन और रहित फंक्शेंट पाइप	IS : 00458-71	
36. सीएम/एल-2082848	90-03-01	ह्रिय वायर इंडस्ट्रीज, एकफोर्ड रोड, मुकबर, 24 परगना	केबल कवचन हेतु जस्तीकृत इस्पात के तार	IS : 03975-88	
37. सीएम/एल-2082947	90-03-01	गुजरान अम्बुजी सीमेंट्स लि., अम्बुजी नगर, डा बडनगर बाया कोडीनगर जि-अमरेली-362720	बिनाई सीमेन्ट	IS : 03466-67	
38. सीएम/एल-2083040	90-03-01	भारत पेस्टीसाइड्स मैगु क ई-17 डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल कापलेक्स नागलोई, दिल्ली-110041	डाइकोरोबॉम ईसी 76%	IS : 05277-79	
39. सीएम/एल-2083141	90-03-01	नेशनल फार्मकैमीकल्स, बी-16, इंडस्ट्रियल एरिया, मिकमवाबाव (उ.प्र.)	मोनोकोटो पॉम एसएल 36%	IS : 08074-83	
40. सीएम/एल-2083242	90-03-01	कोनमलैटेक्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि प्लांट नं. 1, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कोनम नागरकोइल-629004	शाल्यक्रिया के लिए रबर के दस्ताने	IS : 04148-67	
41. सीएम/एल-2083343	90-03-01	फीज एमो इंडस्ट्रीज, जी-2 यूनिट, एसआईडीसी ओ इंडस्ट्रियल एस्टेट, सेलम-636004	एंड्रोसल्फान	IS : 04323-80	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42. सीएम/एल-2083444	90-03-01	फीज एप्रो इंडस्ट्रीज जी-2 यूनिट एमआईडीसी ओ इंडस्ट्रियल एस्टेट, सेलम-636004	विनोदनाथन एम	IS : 08028-87	
43. सीएम/एल-2083545	90-03-01	नर्मदा एप्रो इंडस्ट्रीज डागला रोड, अवाहर सोमावटी के सामने, विसनगर (गुजरात)	पावर थ्रेशर हेतु सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं	IS : 09020-79	
44. सीएम/एल-2083646	90-03-01	नागपाल इलेक्ट्रिक एंड रेडियो कं सी-108, नारायणा इंडस्ट्रियल एस्टेट फेज 1, नई दिल्ली-110028	बिजली के विकिरण 1.0 किवा	IS : 00369-83	
45. सीएम/एल-2083747	90-03-01	नागपाल इलेक्ट्रिक एंड रेडियो कं., सी-108 नारायणा इंडस्ट्रियल एस्टेट फेज 1, नई दिल्ली-110028	गर्म पानी करने के लिए बिजली के निम्नज्य हीटर 1.0 किवा केबल	IS : 00368-83	
46. सीएम/एल-2083848	90-03-01	स्वास्तिनक मैटल इंडस्ट्रीज, 49/14/1, समयपुर, दिल्ली-110042	वनस्पति पैकिंग हेतु 15 किवा के चौकोर कनस्टर	IS : 10325-89	
47. सीएम/एल-2083949	90-03-01	नार्दन स्टील एंड जनरल मिल्स 98 ब्लाक बी-2 बि मोहन कॉम्पार्टेड इंडस्ट्रियल एस्टेट लि. मथुरा रोड, वदरपुर नई दिल्ली-110044	कंक्रीट प्रबलन हेतु एचएसडी सरिये	IS : 01786-85	
48. सीएम/एल-2084042	09-03-01	वेल्थर्थ इन्सुलेटेड केबल कं नं. 22 इंडस्ट्रियल एरिया यायाडी, मंगलौर-575008	1100 ओ तक कार्यकारी वोल्टता हेतु पीवीसी रोहित केबल	IS : 00694-77	
49. सीएम/एल-2084143	90-03-01	श्री दावा जी कृषियंत्र उद्योग भवानी साता रोड, गीशासा के सामने खंडवा (म. प्र.)	पावर थ्रेशर की सुरक्षा अपेक्षाएं	IS : 09020-79	
50. सीएम/एल-2084244	90-03-01	भट्टेन्द्रा इंजी. वर्क्स, 6/433 पीएम पलायम रोड कोयम्बतूर-641045	साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए निम्नज्य पम्पसेट	IS : 08034-76	
51. सीएम/एल-2084345	90-03-01	शुक्ति पाइप कारपोरेशन ग्राम जेड-7ए, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली	कंक्रीट पाइप श्रेणी एन पी साइज 150 से 450 मिमी	IS : 00458-71	
52. सीएम/एल-2084446	90-03-01	प्रो. वेंसिप सीमेंट्स लि. इंडस्ट्रियल एरिया, पन्ना-820119	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS : 00269-76	
53. सीएम/एल-2084547	90-03-01	वेक्स पोल इंडस्ट्रीज लि. हजारी बागरोड, बुट्टी, गोपी-835217	जीवाणुनाशक काला द्रव श्रेणी ए ग्रेड 3 ए केबल	IS : 01061-82	
54. सीएम/एल-2084648	90-03-01	दत्ता केबल्स प्रा लि. कोनडावरा इंडस्ट्रियल एरिया दा. गोविन्दपुर, धनबाद (बिहार)	खानों में प्रयोग हेतु नम्य ट्रेलिंग केबल	IS : 00691-84	
55. सीएम/एल-2084749	90-03-01	शासीमार इलेक्ट्रानिक इंडस्ट्रीज पार्सी मंथपुर, कैलाश रोड, बालसाड (गुजरात)	घरेलू और ऐसी ही प्रयोगों के लिए स्विच	IS : 03854-68	
56. सीएम/एल-2084850	90-03-01	डाइमंड केबल्स 5/12, बीआईडीसी गोरवा रोड, बडोदा-390016	एल्युमिनियम मिश्रधातु के लड़दार बालक (भाग 4)-79	IS : 00398	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
57. सीएम/एल-2084951	90-03-01	अग्रवाल स्टील रीरोलर्स इंडस्ट्रियल एस्टेट उर्ला, रायपुर (म.प्र.)	कंटीट प्रबलन हेतु उच्च सामर्थ्य इस्पात के विकृत सरिए	IS : 01786-85	
58. सीएम/एल-2085044	90-03-01	जिमविक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 58(ए), कैप्टेन इंडस्ट्रियल एरिया मधेना ह्रासी, जि. शिमोगा-577222	गहराई में पानी निकालने वाले हैडपम्प	IS : 093014-84	
59. सीएम/एल-2085145	90-03-01	गुरुजीत इंडस्ट्रीज वी-7 फोकल प्वाइंट खन्ना-141401	मिश्रित पशु आहार टाइप 2 केवल	IS : 02052-79	
60. सीएम/एल-2085246	90-03-01	श्री जगेश्वर टिन इंडस्ट्रीज हाई वे रोड कानोरोर, ताल्लुक पालनपुर जि. बलानकोडा	दूध पाउडर हेतु 18 लिटर के के चौकोर टिन	IS : 00916-75	
61. सीएम/एल-2085347	90-03-01	काफु स्टील मिल्स या. तदेसरा, जि. राजनंद गांव (म.प्र.)	संरचना इस्पात (मानककिस्म)	IS : 00226-75	
62. सीएम/एल-2085448	90-03-01	ऊषा फिल्टर्स प्रा. लि 35 तक्षगिला कापोनी गड़ रोड, मेरठ 250004	डीजल इंजनों के लिए 2 स्टेजी एक लिटर के ईंधन फिल्टर	IS : 03169-65	
63. सीएम/एल-2085549	90-03-01	ग्रामेस इंजीनियर्स वर्क्स नं. 14 मुबमचट्टी रोड, घामवान गुड्डा बंगलौर 560004	पानी गर्म करने के बिजली के निमज्जय मीटर 1 और 2 किवा केवल	IS : 00368-83	
64. सीएम/एल-2085650	90-03-01	ग्रामेस इंजीनियर्स वर्क्स नं. 14 मुबमचट्टी रोड, घामवान गुड्डा बंगलौर 560004	खनिज भरे खोलदार तापन ऐलिमेंट	IS : 04159-83	
65. सीएम/एल-2085751	90-03-01	कान्टीनेन्टल पम्प एंड मोटर लि. जी.टी. रोड मोहन नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे और ताजे पानी हेतु निमज्जय पम्प	IS : 8034-76	
66. सीएम/एल-2085852	90-03-01	मिहल स्टील इंडस्ट्री 797, 798 बाबागुड्डा रोड, शमरपेट गेडलकल ताल्लुक, रंगारेड्डी जिला (आ.प्र.)	संरचना प्रयोजन हेतु ईंधन इन्सुलेशन नालियां	IS : 01161-79	
67. सीएम/एल-2085952	90-03-01	मिहल स्टील इंडस्ट्री 797, 798 बाबागुड्डा रोड, शमरपेट गेडलकल ताल्लुक, रंगारेड्डी जिला (आ.प्र.)	एम एम नलियां ईंधन इन्सुलेशन (भाग 1)-79	IS : 1259	
68. सीएम/एल-2086046	90-03-01	सैन्चुरी पम्प प्रा. लि, प्लॉट नं. 18 और 1 सर्वे नं. 201/2, ठोकट्टा मिकन्दराबाद-500003	कृषि प्रयोजना के लिए साफ, ठंडे, ताजे पानी हेतु निमज्जय पम्प	IS : 08034-76	
69. सीएम/एल-2086147	90-03-01	स्टील प्राथमिकी आफ इंडिया लि, चौकोरी स्टील	अनपन वेल्डन हेतु तप्य वेल्डन कार्बन इस्पात की पलियां	IS : 11513-85	
70. सीएम/एल-2086248	90-03-01	कृषि रसायन नेशनल हाइवे नं. 5 पर, डा. रानीताल जिला, बालमाड 756111	कोबोराइल इन्सुलेशन	IS : 07121-73	
71. सीएम/एल-2086349	90-03-01	कृषि रसायन नेशनल हाइवे नं. 5 पर डा. रानीताल जि. बालमाड 756111	ब्यूटाकनोर ईंधन	IS : 09356-80	

(1)	(2)	(3)	(4)
72. सीएम/एल-2086450	90-03-01	प्रकाश आभरन काउन्ट्री उद्योग नगर, बुलडाउन मयुरा	स्प्रिग्ट प्रोर, सॉकेट मिरे लगे कुलवा इम्यात मूवा पाठप IS 01729-79
73. सीएम/एल-6551	90-03-01	माथेयरी इजीनियर्स प्रा. लि. प्लॉट नं. 107 (सी) सेक्टर बी, सीवर रोड इंडस्ट्रियल एरिया इन्दौर (म.प्र.)	कृषि प्रयोजनों हेतु साफ, ठोके, ताजे पानी के लिए मोनोसेट पम्प IS : 09079-79
74. सीएम/एल-2086652	90-03-01	फार्मर इंडस्ट्री बिल्डी रोड, दिवान रबड इंडस्ट्री के पास रिठानी, मेरठ 250003	कृषि प्रयोजनों हेतु साफ, ठोके, ताजे पानी के लिए शैतिज अपकेंद्री पम्प IS 06595-80
75. सीएम/एल-2086753	90-03-01	हिमालय केबल प्रा. लि., या असोला डा. फतेहपुर बेरी नई दिल्ली-110030	तांबा वायुको सहित पीवीसी रोहित केबल IS : 00694-77
76. सीएम/एल-2086854	90-03-01	काम्पटीनेन्टल केबल इंडस्ट्रीज बी-244, घोखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज नई दिल्ली-110020	पीवीसी रोहित हैवी ड्यूटी बिजली केबल IS: 01554 (भाग 2)-76
77. सीएम/एल-2086955	90-03-01	एशिया एप्लाइमेज टी एस नं. 73 पहली मंजिल विशाल आनगर, इकाइ, बनारस मद्रास-600097	आद्य मिश्र 230 वो. 500वां 30 मिन्ट रेटिंग श्रेणी ई रोशन IS : 04250-80
78. सीएम/एल-7048	90-03-01	फारीका केबल एंड कंडक्टर्स ए-1/171 जीईडीसी इंडस्ट्रियल एन्टेड अकलेश्वर	एसीआरएस चासक IS : 00398 (भाग 4)-79
79. सीएम/एल-2087149	90-03-01	कैपीटल पावर सिस्टम्स प्रा. लि., बी-40 सेक्टर 4 नौएडा-201301	एसी बिजली के मीटर एक फेज सम्पूर्ण धारा बाट घंटा मीटर श्रेणी 2

[सं. के. प्र. वि 13/11]

S.O. 371.—The pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following Schedule :—

## SCHEDULE

## List of Licences Granted During February, 1990

Sl. No.	CM/L-No.	Operative date	Name & Address of the Party	Article/process	IS : No./Part
1.	CM/L-2079352	90-02-16	K.J.V. Alloy Conductors Plot No. 31 MIDC Indl. Area Hingna Road Nagpur-440 028	Aluminium conductors, Galvanized steel reinforced for overhead transmission purpose.	IS : 00398 (Pt 02)-76
2.	CM/L-2079453	90-02-16	M.K. Petro Products Pvt. Ltd., Village Softaharfali Tehsil Palwal Distt. Faridabad	Bitumen felts for water proofing Type 3 Grade 1	IS : 01322-82
3.	CM/L-2079554	90-02-16	B.S. Pumps Pvt. Ltd., Basai Road, Gurgaon	Submerisble pumpsets	IS : 08034-76

1	2	3	4	5	6
4.	CM/L- 2079655	90-02-16	Dipak Plastic Industries 8 GIDC Godown Opp. GIDC Post Office Mehsana (Gujarat)	250 V 5 A and 15 A plugs and flush mounting non shuttered socket outlets	IS : 01293-6
5.	CM/L-2079756	90-02-16	Ranbaxy Laboratories Ltd., Curadia Division Indl. Area-3 A.B. Road. Dewas-455001 (M.P.)	Zinc oxide self adhesive plaster	IS : 04717-80
6.	CM/L-2079857	90-02-16	P.S.G. Indl. Institutes Peelamedu, Coimbatore	Motors for submersible pumpsets West type Category B	IS : 09283-79
7.	CM/L-2079958	90-02-16	Haryana Agro Fertilizer and Chemicals G.T. Road, Shahbad Markanda-132135 (Punjab)	Butachlor EC 50 % formulation	IS : 09356-80
8.	CM/L-2080034	90-02-16	Sant Engineering Co. Near Model Town Crossing G.T. Road, Ambala City	Centrifugal Pumps for clear, cold, fresh water for Agricultural purposes	IS : 06595-80
9.	CML-/2080135	90-02-16	Yuvraj Shah Chhatrapati Cement-Utpadak Sahkari Sanstha Ltd., Gat No. 113, Vathar-Tarf-Vadgaon Taluka Hatkanangale Distt. Kolhapur-416112 (Maharashtra)	Ordinary Portland Cement	IS : 00269-76
10.	CM/L-2080236	90-02-16	Sumit Industrial Corpn. 46-B, Mali Panch Ghora Street Liluah Howrah	Dry powder portable fire extinguisher of gas cartridge type	IS : 02171-85
11.	CM/L-2080337	90-02-16	R.M. Industries 203, Indl. Estate Sangli-416416 (Maharashtra)	Monoset pumps for clear cold, fresh water for Agricultural purposes	IS : 09079-79
12.	CM/L-2080438	90-02-16	Baid Commercial Enterprise Ltd., Ram Nagar V.P.O. Ram Nagar Ramnagar (Assam)	Structural Steels (Standard Quality) Group 2 Category	IS : 00226-75
13.	CM/L-2080539	90-02-16	Hind Wire Industries Ltd., Ekford Road Sukehar 24 Parganas	Galvanized steel core wires for ACSR Conductors	IS : 00398 (Pt 02)-76
14.	CM/L-2080640	90-02-16	Apex Cables (P) Ltd. Village Mandoour Narayan Garh Road Ambala	PVC Insulated Electric Cables (Heavy Duty)	IS : 01554 (Pt 01)-76
15.	CM/L--2080741	90-02-16	Bentex Control & Switchgear Co. B-65, Gate No. 3 Narayana Indl. Area Ph.-II, New Delhi-28.	Miniature Circuit Breakers Category M-9	IS : 08828-78



1	2	3	4	5	6
16. CM/L-2080842	90-02-16	Accurate Motor Industries A-125, DDA Shed Okhla Indl. Area Phase-II New Delhi-110020	Pumpsets for desert Coolers Lifting height upto 1 m	IS : 11951-87	
17. CM/L-2080943	90-02-16	Tigrania Electronics & Elect- ricals Pvt. Ltd. 1-A, Samaipur Delhi-110042	Elastomer Insulated cables for working voltas ES upto and including 1100 Volts	IS : 09968 (Pt 01) 81	
18. CM/L-2081036	90-02-16	S.T.P. Development & Construction Ltd., Dimna Road, Mango Jamshedpur	Hot applied sealing Compound Grade B	IS : 01834-84	
19. CM/L-2081137	90-02-16	J.B. Cables Indl. Area Bhanpuri Raipur (M.P.)	PVC Insulated Cables with solid Aluminium Conductors	IS : 00694-77	
20. CM/L-2081238	90-02-16	Techno wire Cables Bhanpuri Chunabhatti Raipur (M.P.)	PVC Insulated cables with solid Aluminium Conductors	IS : 00694-77	
21. CM/L-2081339	90-02-16	Neelikon Dyestuffs Plot No. 67 MIDC Indl. Area Dhatav-402116	Coaltar food colour Mixtures	IS : 05346-75	
22. CM/L-2081440	90-02-16	Ram Prakash Industries 1/69 B. Bango Street Ramakrishna Nagar Goundam Palayam Coimbatore-641031	Three Phase Motors for Submersible pumpsets wet type category B	IS : 09283-79	
23. CM/L-2081541	90-02-16	Best Engineers 59-B, Thadagam Road Velandi Palayam Coimbatore-641025	Submersible pumpsets for Clear, Cold, fresh water for Agricultural purposes	IS : 08034-89	
24. CM/L-2081642	90-02-16	Hitech 59, Thadegam Road Velandipalayam Coimbatore-641025	Submersible pumpsets for clear Cold, fresh water for Agricultural Purposes	IS : 08304-76	
25. CM/L-2081743	90-02-16	Evergreen Plastics 163, Ind. Area Hotgi Road Patil Nagar Solapur-413003	Unplasticized PVC Pipes for Potable water supply Class 2 size upto 110 mm	IS : 04985-81	
26. CM/L-2081844	90-02-16	Asahi India Safety Glass Lt. 94.4 Stone Delhi Jaipur Rd. Village Jaliwas Teh. Bawal Distt. Mahendragarh (Haryana)	Toughened safety Glass Excluding applications for wind screen	IS : 02553-71	
27. CM/L-2081945	90-02-16	Shakti Electrical Industries Plot No. 1 Sector A Pitham Pur, Distt. Dhar (MP)	Submersible pumpsets for clear, Cold fresh water for Agricultural Purposes	08034-76	

1	2	3	4	5	6
28. CM/L- 2082038	90-02-16	Steel Authority of India Ltd., Durgapur Steel Plant Durgapur-713203	Hot rolled carbon steel Strips for cold rolling	IS : 11513-85	
29. CM/L-2082139	90-02-16	Karupam Engg. Co., 1/4208, Phase IV GIDC. Vatva Ahmedabad-382445	Submersible pumpsets for clear, Cold, fresh water for agricultural purposes	IS : 08034-89	
30. CM/L-2082240	90-03-01	Jiwan Milk & Allied Speciali- ties Ltd. Focal Point Kotkapura Dist. Faridkot (Punjab)	Skim Milk Powder	IS : 01165-86	
31. CM/L-2082341	90-03-01	Jain Metal Works S-20, Indl. Area Jalandhar	G.M. Gate valves Verticle Check Class 1 size 15 MM to 50 MM	IS : 00778-84	
32. CM/L-2082442	90-03-01	OM Murugan Industries 11 & 12 Sathy Road Ramakrishna Puram Ganapati Coimbatore-641006	Monoset Pumps for clear Cold, fresh water for Agricultural Purpose	IS : 09079-79	
33. CM/L-2082543	90-03-01	Laxmi Industries 11-D, Private Industrial Estate Kuruchi Coimbatore-641021	Jet Centrifugal Pumps	IS : 12225-87	
34. CM/L-2082644	90-03-01	Anil Steel Industries Near Rajkamal Petrol Pump Gondal Road Katharia Post Box No. 594 Rajkot-360002	Submersible Pumpsets	IS : 08034-89	
35. CM/L-2082745	90-03-01	Papillon Prestressed Concret E Products & Tile works D-38, MIDC Ambd. Nasik-422010	Concrete pipes with and without Reinforcement Class NP2	IS : 00458-71	
36. CM/L-2082846	90-03-01	Hind Wire Industries Ekford Road Sukchar 24 Parganas	Galvanized steel wires for Armouring cables	IS : 03975-88	
37. CM/L-2082947	90-03-01	Gujrat Ambuja Cements Ltd., Ambuja Nagar P.O. Vadnagar Via Kodinar Distt. Amreli-362720	Massonary Cement	IS : 03466-67	
38. CM/L-2083040	90-03-01	Bharat Pesticides Mfg. Co., E-17, DSIDC Indl. Complex Rohtak Road Nangloi Delhi-110041	Dichlorovos EC 76 %	IS : 05277-78	
39. CM/L-2083141	90-03-01	National Farm Chemicals B-16, Indl. Area U.P.S.I.D.C. Sikandarabad (UP)	Monochrotophos SL 36 %	IS : 08074-83	

1	2	3	4	5	6
40.	CM/L-2083242	90-03-01	Kanam Latex Industries Pvt. Ltd., Plot No. 1 Indl. Estate Konam Nager Coil-629004	Surgical Rubber Gloves	IS : 04148-67
41.	CM/L-2083343	90-03-01	Keyes Agro Industries G-2, Unit SIDCO Indl. Estate, Salem-636004	Endosulphan EC	IS : 04323-80
42.	CM/L-2083444	90-03-01	Keyes Agro Industries G-2 Unit SIDCO Indl. Estate Salem-636004	Quinalphos EC	IS : 08028-87
43.	CM/L-2083545	90-03-01	Narmada Agro Industries Dagala Road Opp. Jawahar Society Visnagar-384315 (Gujarat)	General and Safety Requirements for power Thresher	IS : 09020-79
44.	CM/L-2083646	90-03-01	Nagpal Electric & Radio Co. C-108, Narayana Indl. Estate Phase-I New Delhi-110028	Electric Radiator 1.0 KW	IS : 00369-83
45.	CM/L-2083747	90-03-01	Nagpal Electric & Radio Co. C-108, Narayana Indl. Estate Phase-I New Delhi-110028.	Electric Emerson water Heaters 1.0 KW only	IS : 00368-83
46.	CM/L-2083848	90-03-01	Swastik Metal Industries 49-14/0, Samay Pur Delhi-110042	15 Kg Square Tins for Packing Vanaspati	IS : 10325-89
47.	CM/L-2083949	90-03-01	Northern Steel & General Mills 98, Block B-2, The Mohan Co-op, Indl. Estate Ltd., Mathura Road Badarpur New Delhi-110044.	HSD Bars for Concrete Reinforcement	IS : 01786-85
48.	CM/L-2084042	90-03-01	Welwrth Insulated Cable Company No. 22, Indl. Area Yeyyadi Mangalore -575008	PVC Insulated Cables for working Voltages upto and including 1100 volts	IS : 00694-77
49.	CM/L-2084143	90-03-01	Shree Dadaji Krishi Yantra Udyog Bhawani Mata Road Opp. Goushala Khandawa (MP)	Safety Requirements for power Thresher	IS : 09020-79
50.	CM/L-2084244	90-03-01	Mahendra Engg. works 6/433, PN Palayam Road Coimbatore-641045	Submersible Pumpsets for Clear, Cold fresh water	IS : 08034-76
51.	CM/L-2084345	90-03-01	Rishi Pipe Ccrporation RZ-1A, New Roshanpura Najafgarh New Delhi.	Concrete pipes class NP2 Size 150 to 450 mm	IS : 00458-71

1	2	3	4	5	6
52.	CM/L-2084446	90-03-01	Progressive Cement Ltd. Indl. Area Patratu-829119	Ordinary Portland Cement	IS : 00269-76
53.	CM/L-2084547	90-03-01	The Waxpol Industries Ltd. Hazari Bagh Road Butty Ranchi-835217	Disinfectant Fluids Black Class A grade 3A only	IS : 01061-82
54.	CM/L-2084648	90-03-01	Data Cables Pvt. Ltd. Kondra Indl. Area Post Govindpur Dhanbad (Bihar)	Flexible Trailing Cables for use in mines	IS : 00691-84
55.	CM/L-2084749	90-03-01	Shalimar Electronic Industries Pardi Sandhpore Kailash Road Valsad (Gujrat)	Switches for Domestic and Similar Purposes	IS : 03854-66
56.	CM/L-2084850	90-03-01	Diamond Cables 5-12, BIDC Gorwa Road Baroda-390016	Aluminium Alloy Stranded Conductors	IS : 00398 (Pt-4)-79
57.	CM/L-2084951	90-03-01	Agrawal Steel Re-rollers Indl. Estate Urla Raipur (MP)	High Strength Deformed Steel Bars for Concrete Reinforcement.	IS : 01786-85
58.	CM/L-2085044	90-03-01	Gimvik Engineering Industries 58(A), Kiadb Indl. Area Machena Halli Nidige Shimoga Distt-577222	Deep well Handpumps	IS : 09301-84
59.	CM/L-2085145	90-03-01	Gurjit Industries B-7, Focal Point Khanna-141401	Compounded Feeds for Cattle Type 2 only	IS : 02052-79
60.	CM/L-2085246	90-03-01	Shri Jaleshwar Tin Industries Highway Road Kanodar Taluk Palanpur Distt. Banaskantha	18-Litre Square tins for packing milk powder	IS : 00916-75
61.	CM/L-2085347	90-03-01	Kakku Steel Mills Village Tedesara Distt. Rajanandgaon (MP).	Structural Steels (Standard Quality)	IS : 00226-75
62.	CM/L-2085448	90-03-01	Usha Filters Pvt. Ltd. 35, Takshila Colony Garh Road, Meerut-250004	Two Stage one Litre Fuel Filter inserts for Diesel Engines	IS : 03169-65
63.	CM/L-2085549	90-03-01	Arema's Engineers No. 14, Subbaramachatti Road Basavan Gudi Bangalore-560004	Electric Emerson Water Heaters 1 and 2 KW only	IS : 00368-83
64.	CM/L-2085650	90-03-01	Arema's Engineers No. 14, Subbarama Chitti Street Basavangudi Bangalore-560004	Mineral Filled Sheathed Heating Elements	IS : 04159-83

1	2	3	4	5	6
65. CM/L-2085751	90-03-01	Continental Pumps and Motors Ltd. G.T. Road, Mohan Nagar Ghaziabad (UP)	Submersible pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes	IS : 08034-76	
66. CM/L-2085852	90-03-01	Singhal Steel Industries 797, 798, Babaguda Road Shamirpet Medchal Taluk Rangareddy Distt. (A.P)	ERW Steel Tubes for structural Purposes	IS : 01161-79	
67. CM/L-2085953	90-03-01	Singhal Steel Industries 797 and 798 Babaguda Road Shamirpet Medchal Taluk Rangareddy Distt. (A.P.)	MS Tubes ERW	IS : 01239 (Pt 1)-79	
68. CM/L-2086046	90-03-01	Century Pumps (P) Ltd. Plot Nos. 18 & 19 Survey No. 201/2 Thokatta Secunderabad-500003	Submersible Pumpsets for clear, cold, fresh water Agricultural Purposes	IS : 08034-76	
69. CM/L-2086147	90-03-01	Steel Authority of India Ltd. Bokaro Steel Plants Bokaro Steel City-0827001	Hot Rolled Carbon Steel Strips for cold rolling	IS : 11513-85	
70. CM/L-2086248	90-03-01	Krishi Rasayan National Highway No. 5 AT/P.O. Ranital Distt. Balasore-756111	Carbaryl WDP	IS : 07121-73	
71. CM/L-2086349	90-03-01	Krishi Rasayan National Highway No. 5 At /P.O. Ranital Distt. Balasore-756111	Butachlor EC	IS : 09356-80	
72. CM/L-2086450	90-03-01	Prakash Iron Foundry Udyog Nagar, Vrindavan Mathura	Cast iron soil pipes with Spigot and socket ends	IS : 01729-79	
73. CM/L-2086551	90-03-01	Maheshwari Engineers Pvt. Ltd., Plot No. 107 (C). Sector B, Sanwer Road Ind. Area Indore (MP)	Monoset Pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes	IS : 09079-79	
74. CM/L-2086652	90-03-01	Farmer Industries Delhi Road Near Deewan Rubber Indl. Rithani Meerut-250003	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, water for agricultural purposes	IS : 06595-80	
75. CM L-2086753	90-03-01	Himalaya Cables Pvt. Ltd. Village Asoula P.O. Fatehpur Beri New Delhi-110030	PVC Insulated Cables with Copper Conductors	IS : 00694-77	
76. CM/L-2086854	90-03-01	Continental Cable Indl. B-244, Okhla Indl. Area Phase-I New Delhi-110020.	PVC Insulated (Heavy Duty) Electric Cables	IS : 01554 (Pt-1)-76	

1	2	3	4	5	6
77. CM/L-2086955	90-03-01	Asia Appliances TS No. 73, First Floor Vishalakshi Nagar Ekaduthangal Madras-600097	Food Mixures 230 Volts 500 W 30 Minutes rating Class E insulation.	IS : 04250-80	
78. CM/L-2087048	90-03-01	Parekhsh Cables and Conduc- tors, A-1/171 GIDC Indl. Estate Ankleshwar-393002	ACSP. Conductors	IS : 00398 (Pt-4)-79	
79. CM/L-2087149	90-03-01	Capital Power Systems (P) Ltd., B-40, Sector IV Noida-201301	AC Electricity Meters Single Phase Whole Current wattout Meters Class 2	IS : 00722 (Pt-2)-77	

[No. CMD/13 : 11]

का.आ. 372 :- भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एट-द्वारा अधिसूचित करना है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, स्वीकृत कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस संख्या	लाइसेंस के अवधि	लाइसेंसधारिता का नाम और पता	लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/प्रकार और सम्बद्ध भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सी.एस/एल-2067244	90-01-16	अर्चना स्टैल्स (प्रा.) लि., चंडीगढ़ अम्बाला रोड, देराबासी (पटियाला)	20 से 65 मिमी तक की मृदु इस्पात की नलियाँ, एनबी श्रेणी की और मध्यम जस्त- कृत पेंचकसी और सॉकेट बर्तन IS : 1239 (भाग 1)
2.	सी.एस/एल-2067345	90-01-16	ई.आई. डी.पैरी (इंडिया) लि., कराई बालजा बालू, रानीपेट 632401	डाइमिथीएट ईसी 30% IS : 3903
3.	सी.एस/एल-2067446	90-01-16	- वही -	मोनोक्रोमोफोस 36% एसएल IS : 8074
4.	सी.एस/एल-2067547	90-01-16	जुग्रीशाल कमलापति जूट मिल्स कं. लि., बालिया रोड, कानपुर	पटसन टरपुलिन धागा, 380 ग्रा/मी. IS : 7407 (भाग 3)
5.	सी.एस/एल-2067648	90-01-16	बी.एस. सेतिया एंड कं., प्लॉट नं. ई-7, इंडस्ट्रियल एस्टेट, अनकापल्ली, बिशाख, पट्टनम-531021	मल्लफूरिक अम्ल अभिकर्मक, रासायनिक रूप से शुद्ध बैटरी ग्रेड (तनुकृत) ग्रेड IS : 266
6.	सी.एस/एल-2067749	90-01-16	राजेश्वर जूट मिल्स (विमम सी इंटरनेशनल लि.) (मकलापुर उप्पू रेलवे) डा नवराग जिला समस्तीपुर-848102	मीमेटैपैकिंग के लिए पटसन के ब्लॉक बट्टे IS : 12154
7.	सी.एस/एल-2067850	90-01-16	हंसी मिल्स प्रोजेक्ट्स लि., डा. घ. हाजी नगर, जिला 24 परगना	पटसन टरपुलिन धागा 380 ग्रा/मी. <sup>2</sup> 68X39 IS : 7407 (भाग 3)
8.	सी.एस/एल-2067951	90-01-16	रबड़ प्रोडक्ट्स प्रा. लि., प्लॉट नं. सी-44, रोड नं. 28, बागले इंडस्ट्रियल एस्टेट ठणे-400604	जल में और मीठे के लिए रबड़ की सीलिंग रिंग IS : 5382
9.	सी.एस/एल-2068044	90-01-16	मदन केबल एंड इजीनियरिंग वर्क्स, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कोलकाता डाकू, कालीभेल, मावली केरा (नेरल)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों हेतु जस्त-कृत इस्पात प्रबलित एल्यूमिनियम चालक IS : 398 (भाग 2)
10.	सी.एस/एल-2068145	90-01-16	यू.पी. लैसीनेटर प्रा. लि., 117/154 जी.टी. रोड, राबलपुर कानपुर	उर्वरक हेतु 380 ग्रा/मी. <sup>2</sup> 268/39 टरपुलिन कपड़े से उत्पादित परत चढ़े पटसन के कट्टे IS : 7406 (भाग 2)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
11 सीएम/एल-2068246	90-01-16	नैफेड बायो फर्टीलाइजर्स प्लॉट नं. 51ए, सेक्टर एक मनवर रोड, दहीर-452005	एजोबैक्टर बाक्लुम प्रवेशी IS 9128	
12 सीएम/एल-2068347	90-01-16	आर एस मेटल्स प्रा लि प्लॉट-377 (सी) रोड नं. 17 कैबेम्बाई एरिया जयपुर	शिरापरि प्रेरण हेतु एल्यूमीनियम मिश्रधातु के लटकार जातक (एल्यू-एमजे-एमआई टाइप) IS 398 (भाग 1)	
13 सीएम/एल-2068418	90-01-16	निर्निन स्टैल्स प्रा लि, 151-252, डॉ. इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स रायपुर (म.प्र.)	क्रीट प्रबलन हेतु उच्च सामर्थ्य इस्पात के विकृत सर्पिल और तार साइज 10 मिमी से 20 मिमी तक ग्रेड एफई 415 IS 1786	
14 सीएम/एल-2068549	90-01-16	शिवदास इलेक्ट्रो कलम इंडस्ट्रीज ब्लॉक-81 व्यावसायिक इंडस्ट्रियल एस्टेट, महादेवपुरा पोस्ट, बगलीर-560048	पेजो स्क्वियर प्रेरण मोटर श्रेणी बी रोशन सहित 415 वा, 0.75 से 3.7 किलो वाट रेटिंग IS 325	
15 सीएम/एल-2068650	90-01-16	लांसिंग एंड ड्यूबो लि प्लॉट नं. ए 9/ए-10 एमआई ई-ए अहमदाबाद-414111	अल्प बोल्टता फ्यूज टाइप एचएफ 415 वा, ए टाइप जी-1 और 4 से 6 ए तक टाइप जी-2, 50 हर्ट्ज, 80 केज IS 9224- (भाग 2)	
16 सीएम/एल-2068751	90-01-16	लिफ्टिंग इक्विपमेंट एंड एसेसरीज, बी-13/1, इमिलिन इंडस्ट्रियल एरिया शाहपुरा दिल्ली-110032	कवल उठान क्षमता के हिसाब जासित और विरती श्लाक IS 3832-	
17 सीएम/एल-2068852	90-01-16	मार्टिन इंडस्ट्रीज मार्टिन और मजिबल व मिक्सेक्स के सामने बरुनी बाबाखेसे कपूरधला रोड जालंधर	कृषि बायो के साफ, ठंडे, ताजे पानी हेतु श्रैतिज अपरिमी पम्प, साइज 100x90 मिमी और 100x100 मिमी IS 6695	
18 सीएम/एल-2068953	90-01-16	त्रिवेणी फॉजिंग एंड इस्पात उद्योग प्रा. लि, प्लॉट नं. ई-26, एमआईसीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, नागपुर-440028	टेलीग्राफ और टेलीफोन प्रयोजन हेतु जस्त कृत इस्पात के तार IS 279	
19 सीएम/एल-2069016	90-01-16	अचना इंडस्ट्रीज, 286, सार्थी रोड कल्याण-641012	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए निम्नजल पम्प सेट IS 8034	
20 सीएम/एल-2069117	90-01-16	श्री राम शोम एप्लाइसेज, अशाह विहार कालोनी, खुर्रम नगर लखनऊ-200007	द्रवों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस बूलेहे, बेकल स्टेनलेस इस्पात छाने वाले और रेटिंग के बलवा इस्पात के दुहरे बर्तन IS 4246	
21 सीएम/एल-2069218	90-01-16	श्री विला प्लास्टिक इंडस्ट्रीज 70/71 इंडस्ट्रियल एरिया, बीड 431122	एचडीपीई पाइप, श्रेणी 2 साइज 75 मिमी से 1110 मिमी तक IS 4984	
22 सीएम/एल-2069349	90-01-16	231 लेमिटेड प्रा लि, 129-ए और बी, अग्नीश्री पोस्ट राजेंद्रा, भानपुर देहान	साधारण पोर्टेबल सोमेट IS 269	
23 सीएम/एल-2069450	90-01-16	मिहट्रोडिंग क मैग्नेटिक वॉरिंग डिवाइज 1-9, प्रिंसिपल एमआई इंडस्ट्रियल एस्टेट विरबनमियूर, मद्रास	शरीर स्तरों में आधुनिक श्रेणी के अथवा सहायकांग IS 10775	
24 सीएम/एल-2069551	90-01-16	सीमेक्स लि, राणी बेलापुर रोड ठाणे-400601	अस्वचालित, विद्युत चुम्बकीय चालित बाग बैक, एसी 3 इयूटी, डीओएल स्टार्टर IS 8544 (भाग 1)	
25 सीएम/एल-2069652	90-01-16	शान्तिनगर फाउंड्री वर्क्स, रेलवे कालोनी के पास, सरहिन्द, 140406 प्रयोजनी पायड रोड, भुवनेश्वर (प) बम्बई	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए श्रैतिज अपरिमी पम्प IS 6695	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
26. सीएम/एल-2069753	90-01-16	रिलाइन्स केबल- रिलाइन्स केबल कारपोरेशन, 111 शान्ति इंडस्ट्रियल एस्टेट, मरोजिनी नाथरू रोड, मुल्दून्ध (प) बम्बई-400080	बाहरी और एलटीए उपयोग को छोड़कर तोषा चालक सहित सकल/बहु प्रोड, पोलि- थर पीवीसी रोडिन्स केबल, मध्य होरी सहित IS : 694	
27. सीएम/एल-2069854	90-01-16	पूजा लेमिनेटर्स (प्रा.) लि., ग्राम प्रयागपुर, जिला देहरादून	टनस्टोन नलू बाला मामाला तथा हेतु कि ऊपर की बन्ध 40 वा. 250 बोल्ट IS : 418	
28. सीएम/एल-2069955	90-01-16	फाइवर फोम (बम्बई) प्रा. लि., फ्ल-1, सिलास तालुक कोम्प्रापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, शिरडी रोड सिन्नार, जिला नासिक-422103	गठ्ठे के लिए रखरूख नारियल जटा को गोट गहज मोटाई 76 से 100 मिमी तक IS : 8391	
29. सीएम/एल-2070031	90-01-16	सी. ए. एन्टरप्राइजेज, प्लॉट नं. 5 आईईसी बूंग पुरो रोड, करनाल-132001	कृषि हेतु जुताई सबे अवनस टाउपसाउज केबल 610 मिमी IS : 4366 (भाग 1)	
30. सीएम/एल-2070132	90-01-16	टैकनो इंडस्ट्रीज, 2919 तराहब (फा आईसी नगर) हाथरस रोड, हाथरस	75 मिमी से 100 मिमी संकीर्ण मात्र के बाबूदले पीह लिफाट और साकेट सूत्रा पाउप IS : 1729	
31. सीएम/एल-2070233	90-01-16	गोधनका इंडस्ट्रीज, ई-474, रोड नं. 9, बीकेयार्द एरिया, जयपुर-302013	मिथाइल पैरागियान धर्ण 2- IS : 8960	
32. सीएम/एल-2070334	90-01-16	निहार ग्रुप वषर्स (प्रा.) लि., 60 लेनिग मराना, पाक्षक पाहा, निमना, कलकत्ता-700049	रोशन और बान्तिन हेतु चपट ग्रुप IS : 384	
33. सीएम/एल-2070435	90-01-16	इंडियन कलर इंडस्ट्रीज, बी-25, से टर 5, नोएडा इंडस्ट्रियल एरिया, नोएडा (पूर्व)	वाष्पित रंग के सीमेंट रोगन IS : 5410	
34. सीएम/एल-2070536	90-01-16	माहिेश्वरी इजीनिअर्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 107 (सी), सेक्टर बी, गनवर रोड इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर-452003	2 2 किवा, फेजा, हिथुवी, 115 बो. गियर रिल पिजर प्रेरण मोटर क्षेत्रों ए. आर क्षेत्रों ई रोशन सहित IS : 7538	
35. सीएम/एल-2070637	90-01-16	ओपेरा केबल लि., 16 प्लॉट 17 अम्बादूटर इंडस्ट्रियल एस्टेट, मद्रास-600058	अति उच्च बोल्डता की गिरोपरि लहनों हेतु अस्तिष्ठत दम्पन रोधित एल्यूमीनियम चालक (100 किवा और अधिक) IS : 398 भाग-5	
36. सीएम/एल-2070738	90-01-16	विजयी केबल एंड कन्स्ट्रक्शंस, 1-115-ए, सागर रोड, बीरमल गुडा रोड नहर नगर भंडल, जिला रंगारहू	गिरोपरि प्रेरण प्रयोज्य हेतु अर्द्ध कुत दम्पन रोधित एल्यूमीनियम चालक IS : 398 (भाग 2)	
37. सीएम/एल-2070839	90-01-16	के. जे. बी. एलॉय कन्स्ट्रक्शंस, प्लॉट नं. 36, एमआईईसी एरिया, हिन्जना रोड, नागपुर-440028	गिरोपरि प्रेरण प्रयोजन के लिए एल्यूमीनियम के सदृश चालक IS : 398 (भाग 1)	
38. सीएम/एल-2070940	90-01-16	अम्का इंडस्ट्रीज, सी-7, रोजोरी गार्डन, रिग रोड नई दिल्ली-110027	5 एम्प. 250 बो. एमी की विविध नम्य इ. री गठित तीन पिन प्लग IS : 6538	
39. सीएम/एल-2071041	90-01-16	अनमोर केबल एंड कन्स्ट्रक्शंस, 30-सी इंडस्ट्रियल एरिया, नमोबर, जिला मुरैना	गिरोपरि प्रेरण प्रयोज्य के लिए एल्यूमीनियम के लहदार चालक IS : 398 (भाग 1)	
40. सीएम/एल-2071134	90-01-16	सरकारी केबल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. 3 और 8 आईसी नगर, मुद्रा-822003	एलटीए केबल को छोड़कर तोषा वा अल्यूमी- नियम चालक सहित बचचित और बचचित 1100 बो रेट की हैवी इयूटी पावोसी रोधित केबल IS : 1554 (भाग 1)	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41 सीएम/एल- 2071 २२	१०-०१-१६	डोमेटिक गृहम (३), लक्ष्मी बिहा, ५१ नं राजियाबाद (उ प्र )	प्रणेश टाहा एम सीएसडी पथे साइज १० मिमी मे ४३० मिमी नव श्रेणी डराइन माइन IS १५५५	
42 सीएम/एल- २०७१ २३	१०-०१-१६	मैटन (इडिया) इण्डस्ट्रिज इंडस्ट्रियल एरिया, हावरा ( उ प्र )	उच्च काले अ न माइ १ २ ५ ५ IS १५५५	
43 सीएम/एल- २०७१ २४	१०-०१-१६	कृष्ण पेस्टीमाइड्स एम सीआईडीसी मद्रास जिला राजकोट	कृष्णपेस्टीमाइड्स २०० IS १५५५	
44 सीएम/एल- २०७१ २५	१०-०१-१६	नव भारत ब्रह्मसिंह एडुकाटिवल प्रोडक्ट्स ज, टी रोड दण्डाहा जिला राजकोट	नव भारत ब्रह्मसिंह एडुकाटिवल प्रोडक्ट्स नव भारत IS १५५५	
45 सीएम/एल- २०७१ २६	१०-०१-१६	जनरल एजिनियर्स १/१२ मद्रास हाथम रोड ब्रह्मपुत्रा हाथम रोड ब्रह्मपुत्रा ३४१०१०	जनरल एजिनियर्स २०० टा मा ५ पासी व मिमी मोनोमेट ५५५ माइन ४०×६५ मिमी टाइन २ IS १५५५	
46 सीएम/एल- २०७१ २७	१०-०१-१६	गुणम एडुकाटिवल १-२५ इंडस्ट्रियल एरिया एडुकाटिवल जिला	गुणम २ मा १० एमसीआईडी टाइन टाइन समान एलको टी माइंट ऑफ जोन (यनियन) IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
47 सीएम/एल- २०७१ २८	१०-०१-१६	आर्य समाज एडुकाटिवल (इडिया) ११ मेनी बालोरी इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर-१४१००१	आर्य समाज १ मा २ लव की एमसीआईडी टाइन फाइन टाइन समान एलको टी माइंट ऑफ जोन जोड्स यनियन IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
48 सीएम/एल- २०७१ २९	१०-०१-१६	बसन्त प्रोडक्ट्स (इडिया) १६/१५७ बी सुल्तान गज सागरा	बसन्त प्रोडक्ट्स २०० मा ५ टाइन एम सी मिमी अफेक्टिव पम्प IS ६५५५	
49 सीएम/एल- २०७१ ३०	१०-०१-१६	गुणम एडुकाटिवल ११०, बसन्त अमरेश्वर खान एडुकाटिवल जिला इलाहाबाद	गुणम एडुकाटिवल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
50 सीएम/एल- २०७१ ३१	१०-०१-१६	गुणम एडुकाटिवल ६५, इंडस्ट्रियल एरिया, नूनहाटी आगरा	गुणम एडुकाटिवल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
51 सीएम/एल- २०७१ ३२	१०-०१-१६	मैटन ब्रह्म एडुकाटिवल, इंडस्ट्रियल एरिया, हावरा ( उ प्र )	मैटन ब्रह्म एडुकाटिवल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
52 सीएम/एल- २०७१ ३३	१०-०१-१६	मैटन ब्रह्म एडुकाटिवल, इंडस्ट्रियल एरिया, हावरा ( उ प्र )	मैटन ब्रह्म एडुकाटिवल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १५७९ (भाग १ मे १०)	
53 सीएम/एल- २०७१ ३४	१०-०१-१६	गुणम एडुकाटिवल माईटीआई के पास एन एच स ५५, ५५, गोडल ३६० ३११	गुणम एडुकाटिवल २०० मा ५ टाइन एम सी IS ११९९५	
54 सीएम/एल- २०७१ ३५	१०-०१-१६	अम्बर बोर्ड इंडस्ट्रियल पजर गांव, सहमील--हिमना जिला नारायण	अम्बर बोर्ड इंडस्ट्रियल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १०१२ (भाग १ मे १०)	
55 सीएम/एल- २०७१ ३६	१०-०१-१६	बीएसएसएस एसटीएस लि ११४ ११५ मध्य इंडस्ट्रियल एरिया अलवर राजस्थान	बीएसएसएस एसटीएस लि २०० मा ५ टाइन एम सी IS ६५५५	
56 सीएम/एल- २०७१ ३७	१०-०१-१६	कृष्ण मैटन एडुकाटिवल इंडस्ट्रियल, एम सीआईडीसी के पास एन एच स ५५, ५५, गोडल ३६० ३११	कृष्ण मैटन एडुकाटिवल इंडस्ट्रियल २०० मा ५ टाइन एम सी IS १५७९ (भाग १ मे १०)	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
57. सीएम/एल-2072843	90-01-16	जन वेदांग स 14/1 मन्त्र रोड फरदाबाद 121003	मैनकोजेब, 75 डब्ल्यू डीपी IS 8708	
58. सीएम/एल-2072911	90-01-16	मन्त्र वेदाल इडरुजल 11 सी, रविन्द्र मराणी, कलकत्ता, 700007,	1100 बो लक्ष कार्यकारिता हेतु एन्सुमा- नियम चालवो महिन कवचित्त पार्वीमी रोधित हल डेटाबिजली वी केवल IS 1554 (भाग 1)	
59. सीएम/एल-2073057	90-01-16	जे एस एन्टरप्राइजेज बी 1 एड 1, इडरुजल परिभा, विशालपट्टनम-5, 700007	डेलोक के साथ प्रयोग हेतु लोह धातु क क्षमकने बलि दम्बाओ हेतु काबन (1 डब्ल्यूएस) IS 2681	
60. सीएम/एल-2073113	90-01-01	नूदणत एडरुजल इडरुजल, 2 चिन्मयपट्टा लेन कलकत्ता-7000015	गनिक हेतु रबन केवलन क सुरक्षा ब्रट IS 1976	
61. सीएम/एल-2073259	90-01-01	हिन्दुस्तान पलकालजिग मिशन ग्राम बहाली, जी टी करमन रोड, दिल्ली 110036	पांसफा मिडान 85% एम एल, एम्ब्रोजन IS 6177	
62. सीएम/एल-2073329	90-01-01	एचपी एम, इडरुजल इडरुजल रि. प्लाट न 8 सेक्टर 5, पद्मान जिना मोहन	ग्राहमी प्रोद्युर्शन 50% डब्ल्यू सी IS 11905	
63. सीएम/एल-2073441	90-01-01	शोरपूर एम, इडरुजल एड एल, इडरुजल, ग्रामती ग्रीन्स के गामन, फोवल प्लाट नूधियाना 111010	केवल नूकीन दा क मिलिडर टाउप पासर अंश वी सुरक्षा अपेक्षा (5 अश्व श स 20 अश्व श ) IS 9010	
64. सीएम/एल-2073512	90-01-01	ज्ञान चन्द कुमार एड एम, बो-27 मजाना बस्ती, भागलपुरा (मायापुर के पास), फेज 2, नई दिल्ली-110064	ग्रामी के साथ प्रयुक्त परेलू गैस चूले निओ नपिन सीएम/एल के दुर्घरे बनेन ओर स्पेनलेस इस्पान हाचा IS 4716	
65. सीएम/एल-2073613	90-01-01	दि म्द्रुक्करल वाटर इडरुजल व प्रा लि बी-29 सेक्टर 1 नोएडा, जिला गाजियाबाद (उ प्र )	ग्रामिज जलमह सीस्टे (डब्ल्यू एप) IS 2645	
66. सीएम/एल-2073711	90-01-01	स्वल्प इडरुजल 308/1, शाहजादा बाग आन्ड रोहतक राड दिल्ली-110035	डोर ब्लोजर डब चालन द्वारा नियमित मन्दज पदनाम 2IS 3564	
67. सीएम/एल-2073845	90-01-01	श्री राम इडरुजल 40/3 एड 1, बर्तलाम पदुटी गाय टी न नूपट्टी पास्ट जिला मधुरै	पैरफिक मोम टाउप 3 IS 4654	
68. सीएम/एल-2073916	90-01-01	इलेक्ट्रो मैक बारपारजन, डी-95 इडरुजल एम्बेट, राजाजी न 1 कलकत्ता 700014	वशिका मपुलन बलकल टाउप नैच दास स्टोक IS 290	
69. सीएम/एल-2074039	90-01-01	मन लाइट पेट इडरुजल 1) ईस्ट मोहन नगर ग्राममर (पजाब)	हनेमल, मजिलिट, बालरिक् (र) अन्त लेपन (ख) फिनिशिंग IS 133	
70. सीएम/एल-2074140	90-01-01	ब्रिजबार्म, ट्रेडिंग एफ-14 इडरुजल एडिया माइट ए मथुरा (उ प्र )	पैरफिक मोम टाउप 4 IS 4654	
71. सीएम/एल-2074241	90-01-01	मार्कफेड एमो वैमिलग, 77 ओर 2 बी, इडरुजल एम्बेट मोहाला (पजाब)	मिथाइल पैराथिऑन 50% IS 2365	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
72. सीएम/एल-2074313	90-02-01	सुन्दर राज निवेशक दक्षिण प्रिमलाना रोड नं. 1 त्रिवा मारु-170117	पावर ऑफर हेतु सुरक्षा कोषागार IS 10000	
73. सीएम/एल-2074413	90-02-01	एक्वामव इंजीनियरिंग, मुडियालु डॉ. वीयम्बन्-641031	निमज्ज्य पम्पसेट, डी.ई.एल. माइज 50 मिमी, न्यूनतम बोर माइज 150 मिमी टाइप आरएम 50/5 मोटर रेटिंग 3 क्व; 7 किवा श्रेणी बी IS: 8034	
74. सीएम/एल-2074544	90-02-01	तृपति एन्टरप्राइजेज, पंचमहल इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवित नगर रोड, मंगलूर 575016	18 लिटर के चोकोर वनस्पत IS: 916	
75. सीएम/एल-2074645	90-02-01	जयकैसीकल्स, 14/1 मधुरा रोड फरीदाबाद-110007	आइसो प्रोद्यूरॉन 50% डक्यू पो IS: 11995	
76. सीएम/एल-2074746	90-02-01	डाउनटाविजन लि., डा. बी. एम. आई. कैम्पस के पास, कोट्टीवकम, मद्रास 600041	20' ( 51 सीएम ) सीटीईटी रिमीवर माइल टीसी 2001 एन IS 10692	
77. सीएम/एल-2074817	90-02-01	हिमांशु कन्स्ट्रक्शंस ( इंडिया ) प्रा. लि., प्लॉट नं. जी.आई 142, रोको इंडस्ट्रियल एरिया, ब्रेवर 305901	गिरोपरि प्रेषण प्रयोजन हेतु एन्वूमिनियम के लड़दार चालक IS: 398 ( भाग 1 )	
78. सीएम/एल-2074948	90-02-01	हिमांशु कन्स्ट्रक्शंस ( इंडिया ) प्रा. लि., प्लॉट नं. जी.आई 142, रोको इंडस्ट्रियल एरिया, ब्रेवर 305001	गिरोपरि प्रेषण प्रयोजन हेतु जर्म्न क्रन रम्पा प्रबलित एन्वूमिनियम चालक IS: 398 ( भाग 2 )	
79. सीएम/एल-2075041	90-02-01	कूलदीप इंडस्ट्रियल कारपो. ( कैसीकल्स ), 41, इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़	मिथाइल पैराथिपॉन 50% ई.पी. IS: 2865	
80. सीएम/एल-2075142	90-02-01	कामधेनु मैच इंडस्ट्रीज, 188/4. बालियामट्टी गांव, मिवाकामी ( तमिलनाडू )	डिस्क्रीबंद निरापद दिशमलाई IS 2653	
81. सीएम/एल-2075243	90-02-01	एम. के. स्टेनलर्स, प्लॉट नं. 31 इंडस्ट्रियल डवलपमेंट पोर्टमून् मुंदाक्कल पं., त्रिवलॉन 691001 ( केरल )	रंजक आधारित फाउन्टेन पेन की म्याही IS 1221	
82. सीएम/एल-2075344	90-02-01	कूलदीप इंडस्ट्रियल कारपोरेशन ( कैसीकल्स ) 41, इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़ 160002	मिथाइल पैराथिपॉन 2% ई.पी. IS 8960	
83. सीएम/एल-2075445	90-02-01	जमशेदपुर सीमेन्ट लि., प्लॉट नं. एम-20 ( पी ), पेज 6, आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया, जमशेदपुर-831013	साधारण पोर्टलैंड सीमेन्ट IS 269	
84. सीएम/एल-2075546	90-02-01	श्री देओरा टिम्बर इंडस्ट्रीज, वर्धमान रोड, संगानगर, मिलीगुड़ी ( पं. ब. ) 704405	चाय की पेटियो के लिए प्लास्टिड के बत्ते IS 10 ( भाग 3 )	
85. सीएम/एल-2075647	90-02-01	पाटलटम्पोटेम्, 43, बस्ती नाऊ जालंधर, 144002	फुटबाल IS: 417 ( भाग 1 )	
86. सीएम/एल-2075748	90-02-01	बाबा फाउन्ड्री, प्लॉट नं. 250 पेज 9, फोक्स प्लॉट, मोहाली ( पंजाब )	केबल माइज 75 मिमी और 100 मिमी के बालू दले लौह गिंगर्ट और मृदा, वर्ज्य तथा संवर्ही पाइप IS: 1729	
87. सीएम/एल-2075849	90-02-01	पवन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, ए 8-9, इंडस्ट्रियल डवलपमेंट कॉलोनी, जालंधर	वातिमवर्ध डलवा लौह पाइप फिटिंग पाइप सामान एन्को, टीसीकेट और मध्यक ( युनियन ) माइज पदनाम 2 तक IS: 1879	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
88. सीएम/एल-2075950	90-02-01	पंजाब प्रायरब एंड स्टील कं. ( प्रा. ) लि., मिनी स्टील प्लांट, जी. टी. रोड, जालंधर छावनी	डनवा बिनेट इंगट ग्रेड 2 संरचना इस्पात में बेकलन ( माधुराण गुणता वाले ) IS : 6915	
89. सीएम/एल-2076013	90-02-01	ए. क्यू. सी. ए-22, एचएमटी एससीसरी एस्टेट, बंगलौर 560031	लाइव मेटर प्रिजिन मोम 4 IS : 3793	
90. सीएम/एल-2076144	90-02-01	जामुंडी स्टील रिरोलिंग मिल्स, 7 वां मील, हौमूल रोड, बंगलौर 560068	संरचना इस्पात ( मानक गुणता वाले ) IS : 226	
91. सीएम/एल-2076245	90-02-01	यनाइटेड स्टीमलाइम पम्प प्रा. लि., मगबाकर कंठा उन्ड, जिला रिगाइ	साफ ठंडे, ताजे पानी के लिए निमज्जय पम्प IS : 8034	
92. सीएम/एल-2076346	90-02-01	ऊर्जा प्लास्ट एंड केबल्स, 59-सेक्टर सी, इंडस्ट्रियल एरिया, मंडीदीप, जिला रायसेन ( म. प्र. )	1100 को नक कार्यकारी बोल्डता हेतु पीबीसी केबल, खोलदार और खोल रहित, एल्यूमीनियम चापको महिन IS : 6694	
93. सीएम/एल-2076447	90-02-01	कालमा इंडस्ट्रीज प्रा. लि., यूनिट नं. 2, 173, जी. आई. डी. सी. एस्टेट, नरोटा, अहमदाबाद 382330	निमज्जय पम्प IS : 8034	
94. सीएम/एल-2076548	90-02-01	रैनवेक्सी लेबोरेट्रीज लि. काइरौडिया डिबीजन, इंडस्ट्रियल एरिया, 3, ए. सी. रोड, देवास 456001 ( म. प्र. )	क्रेप पट्टी IS : 4605	
95. सीएम/एल-2076649	90-02-01	चौकमी एन्टरप्राइजेज, भाकी बिहार रोड, पोथार्ड, बम्बई - 400072	15 एम्प, 250 वी, एसी, 3 पिन प्लग टाइप गटर वाले बिना गटर के माफिट भाउलेट IS : 1293	
96. सीएम/एल-2076750	90-02-01	भाल इंडिया मशीनल कारपो., मिम्बोली रोड, कस्तूरबा पार्क, बोरीवली ( प. ), बम्बई - 400042	पायेंशाजिम, इन्क्वर्टी पी 50 <sup>00</sup> , IS : 8446	
97. सीएम/एल-2076851	90-02-01	--बही--	भारतीय गंधक जूण 80 <sup>00</sup> IS : 3383	
98. सीएम/एल-2076952	90-02-01	इनकैब इंडस्ट्रीज, लि., हाइपमार् इंडस्ट्रियल एस्टेट, पुणे 411013	आभिकावल गीलीषोन रोधिन, खोलदार और कवचित बहुकीड एल्यूमीनियम चापको महिन, 1100 बोस्ट ग्रेड IS : 7098 ( पाग 1 )	
99. सीएम/एल-2077045	90-02-01	रंटेरो 1784 बाडागम रोड, बेलास्डीपलायम, कोयम्बतूर 641025	एक फेजी संधारित्र स्टार्ट और 0.75 किवा श्रेणी बी रोधन महिन IS : 996	
100. सीएम/एल-2077146	90-02-01	हाईटेक 59, बाडागम रोड, बेलास्डीपलायम, कोयम्बतूर 641025	एक फेजी संधारित्र स्टार्ट और रन 0.75 किवा मोटर श्रेणी बी रोधन महिन IS : 996	
101. सीएम/एल-2077247	90-02-01	एनवेस्ट 48, बाडागम रोड, बेलास्डीपलायम, कोयम्बतूर 641025	--बही-- IS : 996	
102. सीएम/एल-2077318	90-02-01	पंजाब प्रायरब एंड स्टील कं. * ( प्रा. ) लि., मिनी स्टील प्लांट, जी. टी. रोड, जालंधर कौस्ट 144010	डनवा बिनेट इंगट ग्रेड 2, संरचना इस्पात ( मानक गुणता ) में बेकलन हेतु IS : 6914	
103. सीएम/एल-2077449	90-02-01	जयको कैमीकल् इंडिया, 21, इंडस्ट्रियल एस्टेट, मे-ठ रोड, धीरखेड़ा, जिला मेरठ	बीएचसी जूण 10 <sup>00</sup> सामा आइसोमर श्रेण IS : 561	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
104. सीएम/एल-2077550	90-02-01	सोलायज इंडिया, पुराना बंगी के पास, नुहाई, आगरा 282006	केवल 3.7 किवा रेटिंग के नुकीले नये मिनिबसें टाइप पावर शेयर की सुरक्षा प्रपेक्षाएं IS : 9020	
105. सीएम/एल-2077651	90-02-01	पाइलट स्पोर्ट्स, 43, बस्ती नाऊ, जालंधर 141002	धानीबान IS : 417 ( भाग 2 )	
106. सीएम/एल-2077752	90-02-01	फूड एंड एलाइड प्रॉडक्ट्स, सी-9, सी-10 प्लॉट्स, इंडस्ट्रियल एस्टेट, विजयवाड़ा-520007	एन्डोसल्फान 35 ईसी % फार्मूलेशन IS : 4323	
107. सीएम/एल-2077853	90-02-01	बैसन मिटिंग मिल, 460 कामराज रोड, निरपुर 638604	सादी बुनी सूती बनियान टाइप 24 गज की थारएन और एनएस और ज 40 से 110 सेमी थार सेज 26 साइज 75 से 110 सेमी IS : 4964	
108. सीएम/एल-2077954	90-02-01	शिथिम निटर्स, 1, रमैया कालोमी, 3 स्ट्रीट, पश्चिम तिरुपुर 638602	सादी बुनी सूती बनियान टाइप 24 गज का थारएन और थारएन साइज 75 से 110 सेमी IS : 4964	
109. सीएम/एल-2078047	90-02-10	जलगांव पैकेजिंग, जो. नं. 13, वी/2 गिरमा ब्रिज के पास, धुलिया रोड, मेक्खेड़ा, जलगांव ( महाराष्ट्र ) 425001	वनस्पति और खाद्य तेलों हेतु 15 किघ्रा के चौकोर कनस्तर IS 10325	
110. सीएम/एल-2078148	90-02-01	श्री बरान इंजिनियरिंग, श्री निवासपुरम, कोयम्बतूर-मेन रोड, अवनाभी ( तमिलनाडु ) 638654	कृषि प्रयोजन हेतु अफेक्ट्री पम्प के लिए 3.7 किघ्रा तक 3 फेजी, 415 बी, स्विचरिल विजरी प्रेरण मोटर IS : 7538	
111. सीएम/एल-2078249	90-02-01	कोनफैब, 362, थाडगम रोड, डी. जीसीटी, कोयम्बतूर-641013	एक फेजी संघारित स्टार्ट और रन, 0.37 किघ्रा मोटर क्षेणी की रोशन ग्रहित IS : 998	
112. सीएम/एल-2078350	90-02-01	जयश्री डिम्बर प्रोडक्ट्स, डा. बटुकला, रतनाट, मध्यप्रदेश	सामान्य प्रयोजन प्लाईवुड बॉर्डरूपी, बॉर्डरूपी और बॉर्डरूपी और बॉर्डरूपी प्रेश IS : 303	
113. सीएम/एल-2078451	90-02-01	कृषि उद्योग, डा. मुन्डा, बायां रमपुर-मारवाड़, जिला पाली ( राजस्थान )	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजन हेतु एस्पर्मनियम के लड़वार चालक IS : 398 ( भाग 1 )	
114. सीएम/एल-2078552	90-02-01	कृषि उद्योग, डा. मुन्डा, बायां रमपुर-मारवाड़, जिला पाली ( राजस्थान )	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजन हेतु जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एस्पर्मनियम चालक IS : 398 ( भाग 2 )	
115. सीएम/एल-2078653	90-02-01	वि एसोसिएटेड कम्पनीज लि., डा. किस्तना सीमेंट वर्क्स, जिला गुंटूर 522502	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS : 8112	
116. सीएम/एल-2078754	90-02-01	वि एसोसिएटेड कम्पनीज लि., डा. किस्तना सीमेंट वर्क्स, जिला गुंटूर 522502	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS : 12269	
117. सीएम/एल-2078855	90-02-01	नर्बेवा स्टील्स लि., इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, बाड़ी ब्राह्मण	सरचना इस्पात ( मानक गुणता ) में वेल्डिंग हेतु डलवां बिलेट इंगट ग्रेड 1 केवल IS : 6914	
118. सीएम/एल-2078956	90-02-01	संगरर कंटेनर्स, संगरर रोड, धुमी ( पंजाब )	वनस्पति और खाद्य तेलों हेतु 15 किघ्रा के चौकोर कनस्तर IS : 10325	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
119.	सीएम/एल-2079049	90-02-01	सिडबाल रेफिजेशन इंडस्ट्रीज प्रा. लि., प्लॉट नं. 23, फरीदाबाद—121006	स्टेशनरी स्टोरेज टाइप गर्म करने के बिजली के हीटर -230 बी. 50 लिटर घाटिता वेस्टिंग टाइप IS: 2082
120.	सीएम/एल-2079150	90-02-01	पारेश इलेक्ट्रीकल्स, 341/1, सी-1, जीआरडीसी बिलासचोग नगर, भावनगर 364004	निमज्जय पम्प भाइल पीपी/12 साइज 150×65 IS. 8034
121.	सीएम/एल-2079251	90-02-01	वासववस्ता सीमेंट्स, लक्ष्मी नारायण बिहार, सीबम 595222	43 ग्रेड पोर्टलैंड सीमेंट IS 8112

(सं. के.प्रति / 13 : 11)

एल. सुब्रह्मण्यम, अपर महासचिव

S.O. 362—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian standards (Certificates) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards. hereby notifies the grant of licences particulars which are given in the following Schedule.

## SCHEDULE

List of Licences Granted During Month of January 1990

Sl. No.	CM/L-No.	Operative date	Name & Address of the Party	Article/Process	IS : No./ Part
1	2	3	4	5	6
1.	2067244	900116	Archana Steels (P) Ltd., Chandigarh, Ambala Road Derabassi (Patiala)	Mild Steel Tubes of Sizes 20 MM upto and including 65 MM NB Class Light and Medium Galvanized, Screwed and Socketed.	01239/01
2.	2067345	—do—	E.I.D. Parry (India) Ltd., Karai, Wallaja Talluk. Ranipet 632401	Dimethoate EC 30%	03903
3.	2067446	—do—	E.I.D. Parry (India) Ltd., Karai, Wallaja Talluk Ranipet 632401	Monocrotophos 36% SL	03074
4.	2067547	—do—	Juggilal Kamapat Jute Mills Co. Ltd., Kalpi Road. Kanpur	Jute Tarpaulin Fabric, 380 G/M SQ	0740/03
5.	2067648	—do—	V.S. Sethia & Co. Plot No. E-7 Industrial Estate Anakapalli Visakhapattanam 531021	Sulphuric Acid, Analytica L Re-Agend, Chemically PU Re, Battery Grade (Concentrated) and Batter Y Grade (Diluted) Grades	00266

1	2	3	4	5	6
6.	2067749	900116	Rameshwara Jute Mills (Winso ME International Ltd.) Mukta Pur, (NE Railways) Post Nawranga Distt. Samastipur 848012.	Light weight Jute Bags For Packing Cement.	12154
7.	2067850	—do—	Hooghly Mills Projects Ltd., P.O. Hazi Nagar. Distt. 24 Parganas.	Jute Tarpaul in Fabric, 380 G/M SQ, 68 × 39	07407/03
8.	2067951	—do—	Rubber Products Pvt. Ltd., Plot No. C-44 Road No. 28 Wagle Industrial Estate. Thane 400604	Rubber Sealing Rings for Water Mains and Sewers, Type I Only.	05382
9.	2068044	—do—	Southern Cables & Engg. Works Industrial Estate Kollakadavu Kallimel. Maveli Kera (Kerala)	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced for overhead Transmission Purposes.	00398/02
10.	2068145	—do—	U.P. Laminators Pvt. Ltd. 117/354, G.T. Road, Rawatpur. Kanpur	Laminated Jute Bags for Fertilizers Manufactured From 380 G/M SQ, 68×39 Tarpaulin Fabrics.	07406/02
11.	2068246	—do—	Nafed Bio Fertilizers Plot No. 51 A Sector F Sanwer Road Indore 452003	Azotobacter Choococcum Inoculants.	09138
12.	2068347	—do—	R.S. Metals Pvt. Ltd. H-377 (C) Road No. 17 V.K.I. Area Jaipur.	Aluminium Alloy Stranded Conductors (AL-MG-SI Type for Overhead Transmission Purposes.	00398/04
13.	2068448	—do—	Nitin Steels Pvt. Ltd. 251-252, Urla Indl. Complex Raipur (MP)	High Strength Deformed Steel Bars and Wires for Concrete Re-Inforcement Sizes 10 mm upto and Including 20 mm, GR.FE 415	01786
14.	2068549	—do—	Vinayaka Electrical Industries B-84, Dyavasandra Indl. Estate Mahadev Pura Post Bangalore-560048	C-Phase Squirrel Cage Induction Motors with class B Indulation 415 V, 0.75 To 3.7 Kw rating.	00325

1	2	3	4	5	6
15.	2068650	900116	Larsen & Toubro Ltd. Plot No. A-9/A-10 Midc. Ahmednagar 414111	Low Voltage Fuses Type HF 415V, 2A type G-1, and 4 to 63A type G-II, 50 HZ, 80 KA	09224/02
16.	2068751	—do—	Lifting Equipments & Accessor- ies B-13/1, Jhilmil Indl. Area Shahdara. Delhi-110032	Hand operated Chain Pulley Block of 3 T Capacity Only.	03832
17.	2068852	—do—	Norton Industries Opp. Sports & Surgical Complex Basti Bawakhel Kapurthala Road Jalandhar.	Horizontal Centrifugal Pumps for Clear, Cold Fresh Water for Agricultural Purposes, Sizes 100×80 MM and 100×100 MM.	06595
18.	2068953	—do—	Tirveni Forgings & Ispat Udyog Pvt. Ltd., Plot No. E-20 MIDC Industrial Estate Nagpur-440028	Galvanized Steel Wire for Telegraph and Telephone Purposes.	00279
19.	2069046	—do—	Archana Industries 286, Sathy Road, Coimbatore-641012	Submersible Pumpsets for Clear, Cold Fresh Water for Agricultural Purposes.	08034
20.	2069147	—do—	Shri Ram Home Appliances Ashok Vehar Colony Khurram Nagar Lucknow-226007	Domestic Gas Stoves for Use with LPG with Stain- less Steel Body Only; and Cast Iron Double Burners of Ratings.	04246
21.	2069248	—do—	Shri Data Plastic Industries 70/71, Industrial Area Beed-431122	HDPE Pipes, Class 2, Sizes 75 mm upto and Including 110 MM OD	04984
22.	2069349	—do—	Indus Laminators Pvt. Ltd. 129—A & B Ajyouri Post Sajeti Kanpur Dehat.	Ordinary Portland Cement	00269
23.	2069450	—do—	Singh Trading Co. Manufacturing Division I-9, Vikramsarabhai Instronic Estate Thiruvannmiyur Madras.	Body Level Hearing Aids of Moderate Class.	10775
24.	2069551	—do—	Siemens Ltd., Thane Belapur Road, Thane-400601	Non-Automatic Electromag- netically Operated, Air- Break, AC 3 Duty, DOL Starter.	08544/01
25.	2069652	—do—	Shalimar Foundary Works Near Railway Crossing Sirhind-140406	Horizontal Centrifugal Pumps for Clear, Cold Fresh Water for Agricultural Purposes.	06595



1	2	3	4	5	6
26.	2069753	900116	Reliance Cable Corporation 111, Shanti Industrial Estate Sarojini Naidu Road Mulund (W) Bombay-400080	PVC Insulated Cables, SHE Aided, Single/Multicore, with Copper Conductor Including Flexible Cords Ex. for Outdoor and LTA.	00694
27.	2069854	—do—	Pooja Laminaires (P) Ltd. Village Shyam Pur. Distt. Dehradun.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps, 40W, 250 V.	00418
28.	2069955	—do—	Fibre Foam (Bombay) Pvt. Ltd., F-1, Sinnal Taluka Co-operative Industrial Estate, Shirdi Road, Sinnar Distt. Nasik 422103.	Rubberized Coir Sheets For cushioning, Grade Medium, Size Thickness 76 upto and Including 102 MM	08391
29.	2070031	—do—	Neeraj Enterprises Plot No. 5, IDC Kunj Pura Road, Karnal-132001.	Agricultural Tillage Disc. Concave Type, Size 610 MM Only.	04366/01
30.	2070132	—do—	Techno Industries 2919 Naraich (Foundry Nagar) Hathras Road, Agra.	Sand Cast Iron Spigot & no Socket soil Pipes of NOMI Nal Sizes 75 MM and 100 MM	01729
31.	2070233	—do—	Goenka Industries F-374, Road No. 9 V.K.I. Area, Jaipur-302013	Methyl Parathion, Dusting Powder, 2%	08960
32.	2070334	—do—	Nihar Brush Works (P) Ltd. 62, Laning Sarani Paik Para, Nimta Calcutta-700049	Brushes, Flat, for Paints Varnishes.	00384
33.	2070435	—do—	Indian Colour Industries B-25, Sector V Noida Indl. Area, Noida (UP)	Cement Paint, Colour as Required.	05410
34.	2070536	—do—	Maheshwari Engineers Pvt. Ltd., Plot No. 107 (C) Sector 8 Sanwer Road Indl. Area, Indore-452003.	2.2 KW, 3-Phase Two Pole, 315 V, Squirrel Cage Induc- tion Motors with class A and class E Insulation.	07538
35.	2070637	—do—	Omega Cables Ltd., 16 & 17 Ambattur Industrial Estate Madras-600058	Aluminium Conductor Galvanized Steel Reinforced for Extra High Voltages Overhead Power Lines. (400 KV and Above).	00398/05

1	2	3	4	5	6
36.	2070738	90016	Virgo Cables & Conductors 1-115-A, Sagar Road, Bairamal Guda Village Sarur Nagar Mandal, Distt. Rangareddy	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced For overhead transmission Purposes.	00398/02
37.	2070839	--do--	K.J.V. Alloy Conductors Plot No. 31, MIDC Area, Hingna Road, Nagpur-440028.	Aluminium Stranded Conduc- tors for Overhead Transmission Purposes.	00398/01
38.	2070940	--do--	Alpha Industries C-7, Rajauri Garden, Ring Road, New Delhi-110027.	Three Pin Plug with Integral Flexible Cords of 5 AMP, 250 V, AC	06538
39.	2071033	--do--	Banmore Cables & Conduc- tors 30-C, Indl. Area, Banmore. Distt. Morena.	Aluminium Stranded Conduc- tors for Overhead Transmission Purposes.	00398/01
40.	2071134	--do--	Mercury Cable Industries Shed No. 2 & 8 Auto Nagar Guntur-522003	PVC Insulated (Heavy Duty Cables 1100 V Grade, Armo- ured or unarmoured, with Copper or Aluminium Conductor Ex. Cables for LTA.	01554/01
41.	2071235	--do--	Domestic Aids 38, Laxmi Vihar Colony Ghaziabad (UP)	Propeller Type AC Ventila- ting Fans, Size 300 M M to 450 MM with Class E, Insulation.	02312
42.	2071336	--do--	Metal (India) Products Indl. Area, Hathras (UP)	Tower Bolts (Non-Ferrous Metals) Type 4	00204/02
43.	2071434	--do--	Konkan Pesticides A-4, MIDC Mahad, Distt. Raigad.	Quinalphos EC 25%	08028
44.	2071538	--do--	Nav Bharat Banaspati & Allied Industries G.T. Road, Doraha, Distt. Ludhiana.	Flexible Packs for Packing of Vanaspati and Edible Oils	11352
45.	2071639	--do--	General Engineering Co. 1/42, Mettupalayam Road, Kawandumpalayam Road, Coimbatore-641030	Mondset Pump for Clear, Cold, Fresh Water for Agricultural Purposes, Sizes 80 x 65 MM Type II	09079
46.	2071740	--do--	Gagan Industries A-25, Indl. Development Colony, Jalandhar.	MCI Pipe Fittings, Type Equal Elbow, Tee Socket and Union upto and Including Designation 2.	01879/01 to X

1	2	3	4	5	6
47.	2071841	900116	R.S.V. Industries (India) 11, Saini Colony Industrial Area, Jalandhar-144004	MCI Pipe Fittings, Type Equal Elbow, Tec Socket and Union, Size Desitina- tion 1/2 upto and including 2.	01879/01 to X
48.	2071942	—do—	Basant Products (India) 26/257 B Sultan Ganj, Agra.	Horizontal Centrifugal Water Pumps for Clear, Cold Fresh Water for Agricultural Purposes, Prime Mover Rating 4.8 KW.	06595
49.	2072035	—do—	Ram Kumar & Bros. 310, Katra Shamsheer Khan Street, New City, Etawah.	Milk Butyrometer, 10 Percent Scale only	01223/01
50.	2072136	—do—	Paras Foundry 68, Industrial Estate, Nunhai Agra.	Sand Cast Iron. Spigot and Socket Soil Waste and Ventilating Pipes, Sizes, 75 MM and 100 MM Only.	01729
51.	2072237	—do—	Metal Can Industries W-29, Sector XI Noida (UP)	Square Tins, 15 Kg. for Ghee Vanaspati, Edible Oils and Bakery Shortenings	10325
52.	2072338	—do—	Bharat Chemicals Station Road, Khalila Bad, Basti (UP)	Paraffin Wax, Type 3	046540
53.	2072439	—do—	Gujarat Agro Industries Corp. N. Ltd., Near I.T.I. NH No. 8 B Gondal-360311	Isoproturon 75% P	11995
54.	2072540	—do—	Ambar Board Industries Village Panjri Teh. Hingn Distt. Nagpur.	Fibre Corrugated Boxes for Commercial High Explosives, Tripple Wall (7 Ply) Construction	10212/01
55.	2072641	—do—	Deeps Special Steels Ltd. 118, 119, Matsya Indl. Area, Alwar (Rajasthan).	Cast Billet Ingots, Standard Quality.	06914
56.	2072742	—do—	Kushal Metal & Paint Industries A-78, Okhala Indl. Area, Phase-II New Delhi-110020	Cement Paint. Colour as required.	05410

1	2	3	4	5	6
57.	2072843	900116	Jai Chemicals 14/1 Mathura Road, Faridabad-121003	Mancozeb, 75 % WDP	08708
58.	2072944	—do—	Power Cable Industries 24C Ravindra Sarani Calcutta-700073	PVC Insulated Heavy Duty Electric Cable Unarmoured with Aluminium Conductors for working Voltages upto and Incl. 1100 V.	01554/01
59.	2073070	—do—	J.S. Enterprises B 3 & 4, Indl. Area, Visakhapatnam-530007	Non-Ferrous Metal Sliding Door Bolts (Aldrops) for use with Padlocks, Size 250 MM and 300 MM Type 3.	02681
60.	2073138	900201	Sudershan Enterprises 2 Chingrighata Lane, Calcutta-700015.	Safety Rubber Canvas Boot for Miners, Type 2 only.	03976
61.	2073239	—do—	Hindustan Pulverising Mills Village Bakoli, G.T. Karnal Road, Delhi-110036.	Phosphamid on 85 % SL Formulation	06177
62.	2073340	—do—	HP Agro Industries Corpn., Ltd., Plot No. 8, Sector V, Parwanoc Distt. Solan.	Isoproturon 50 % WP	11995
63.	2073441	—do—	Sherpur Agriculture X Allied Industries Opp. Arti Seels Focal Point, Ludhiana-141010	Safety requirement for Power Threshers (5 HP to 20 HP) of Spike Tooth. Cylinder Type only.	09020
64.	2073542	—do—	Gian Chand Kumar & Sons B-27, Khazan Basti Nangal Rai, (Near Mayapuri, Phase II). New Delhi-110046	Domestic Stoves for use with LPG, Double Burner of C.I. NI/CR Plated and Stainless Steel Bodies.	04246
65.	2073643	—do—	The Structural Waterproofing Co. Pvt. Ltd., B-29, Sector 4, Distt. Ghaziabad (UP).	Integral Water-Proofing Cement (Liquid Form).	02645
66.	2073744	—do—	Rubal Industries 308/3, Shehzada Bagh. Old Rohtak Road, Delhi-110035.	Door Closer (Hydraulically Regulated) Size Designation 2	03564
67.	2073845	—do—	Shri Ram Industries 40/3, & 4, Vannivalam Patti, Village 'T' Kalupatti Post Distt. Madurai.	Paraffin Wax, Type 3	04654

1	2	3	4	5	6
68.	2073946	Operative Date	Electro Mech Corpn., D-95, Indl. Estate, Rajaji Nagar, Bangalore-560044.	Non-Pressure Stove, Capillary Fed, Multinick Type	02980
69.	2074039	—do—	Moon Light Paint Industries 11 East Mohan Nagar, Anritsar (Punjab).	Enamel, Synthetic, Interior (A) Undercoating (B) Finishing.	00133
70.	2074140	—do—	Brijwasi Trading Co., F-14, Industrial Area, Site A, Mathura (UP)	Paraffin Wax, Type 3	04654
71.	2074241	—do—	Markfed Agro Chemicals 7 & 8 B, Indl. Estate, Mohali (Punjab).	Methyl Parathion 50% EC	02865
72.	2074342	900201	Sunder Engineering Works Khimlasi Road Khurai Distt. Sagar-470117	Safety Requirements for Power Threshwars	090200
73.	2074443	—do—	Aquasub Engineering Tudiyalur Post Coimbatore-641034	Submersible Pumpsets, Del Size 50 M,M Min Bore size 150 M,M Type RS 50/5 Motor Rating 3 Q 3.7 Kw Cat B	08034
74.	2074544	—do—	Tripti Enterprises Panchmahal Indl. Estate Shakti Nagar Road Mangalore-575016	18 Litre Square Tins	00916
75.	2074645	—do—	Jai Chemicals 14/1, Mathura Road Faridabad-121003	Isoproturon 50% WP	11995
76.	2074746	—do—	Dynavision Ltd. Near Dr V.S.I. Campus Kottivakam Madras-600041	20" (51 cm) CTV Receiver Model TC 2001 N	10662
77.	2074847	—do—	Himanshu Conductors (India) Pvt. Ltd. Plot No. G1 142 RIICO Industrial Area Bcawar-305901	Aluminium Stranded Con- ductors for Overhead Trans- mission Purposes	00398/01

1	2	3	4	5	6
78.	2074948	900201	Himanshu Conductors (India) Pvt. Ltd. Plot No. G1 142, RIICO Indl. Area Beawar-305901	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission Purposes	00398/02
79.	2075041	—do—	Kuldip Indl. Corpn. (Chemicals) 41, Indl. Area Chandigarh.	Methyl Parathion 50% EC	02865
80.	2075142	—do—	Kamadhenu Match Industries 188/4, Thayilpatti Village Sivakasi (TN)	Safety Matches in Boxes	02653
81.	2075243	—do—	S.K. Stationers Plot No. 31 Indl. Dev. Post Mundakkal West Quilon-691001 (Kerala)	Dye Based Fountain Pen Inks	01221
82.	2075344	—do—	Kuldip Indl. Corpn. (Chemicals) 41, Indl. Area Chandigarh-160002	Methyl Parathion 2% DP	08960
83.	2075445	—do—	Jamshedpur Cement Ltd. Plot No. M-20 (P) Phase VI Aditya Pur Indl. Area Jamshedpur-831013	Ordinary Portland Cement	00269
84.	2075546	—do—	Shri Deora Timber Industries Burdwan Road Ganga Nagar Siliguri (WB) 734405	Plywood Tea Chest Battens	00010/03
85.	2075647	—do—	Pilot Sports 43 Basti Nau Jalandhar-144002	Footballs	00417/01
86.	2075748	—do—	Bawa Foundry Plot No. 350 Phase IX Focal Point Mohali (Punjab)	Sand Cast Iron, Spigot and Soil, Waste and Ventilating Pipes of sizes 75 MM and 100 MM only	01729

1	2	3	4	5	6
87.	2075849	900201	Pawan Industrial Corporation A/8-9, Indl. Dev. Colony Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings, Types Equal Elbow, Tee, Socket and Union, Size Designation upto and Including 2	01879
88.	2075950	—do—	Punjab Iron & Steel Co. (P) Ltd. Mini Steel Plant G.T. Road Jalandhar Cantt.	Cast Billet Ingots, Grade 2 Rolling Into Structural Steel (Ordinary Quality)	06915
89.	2076043	—do—	Acumac A-22, HMT Ancillary Estate Bangalore-560031	Live Centres, Precision Morse 4	03793
90.	2076144	—do—	Chamundi Steel Rerolling Mills 7th Mile Hosur Road Bangalore-560068	Structural Steel (Standard Quality)	00226
91.	2076245	—do—	United Streamline Pumps Pvt. Ltd. Sugwekar Compound Neral Distt. Raigad	Submersible Pumpsets for Clear, Cold, Fresh Water. Type WSP-R-480	08034
92.	2076346	—do—	Urja Plast & Cables 59-Sector C Indl. Area Mandidep Distt. Raisen (M.P.)	PVC Insulated Cables, Working Voltages upto and Including 1100 V. Sheathed and Unsheathed, with Aluminium Conductors	00694
93.	2076447	—do—	Calama Industries Pvt. Ltd. Unit No. 2 173, GIDC Estate Naroda Ahmedabad-382330	Submersible Pumps	08034
94.	2076548	—do—	Rainbaxy Laboratories Ltd. Curadia Division Indl. Area-III A.B. Road, Dewas-455001 (M.P.)	Crepe Bandage	04605
95.	2076649	—do—	Choksi Enterprises Saki Vihar Road Powai Bombay-400072	15A, 250 Volt, AC, 3 PIN Flush Type , Shuttered/ Nonshuttered Socket Outlets	01293

1	2	3	4	5	6
96.	2076750	900201	All India Medical Corpn, Simpoli Road Near Kasturba Park Borivli (West) Bombay-400092	Carbendazim WDP 50%	08446
97.	2076851	—do—	All India Medical Corpn. Simpoli Road Kasturba Park Borivli (West) Bombay-400092	Wettable Sulphur Powder, 80%	03383
98.	2076952	—do—	Incab Industries Ltd. Hadapsar Indl. Estate Pune-411013	Crosslinked Polythelene Insulated, Sheathed and Armoured Multicore Cables with Aluminium Conductors 1100 Volt Grade	07098/01
99.	2077045	—do—	Rotard 1784, Thadagam Road Velandipalayam Coimbatore-641025	Single-Phase Capacitor Start and 0.75 Kw with Class B Insulation	00996
100.	2077146	—do—	Hitech 59, Thadagam Road Venlandipalayam Coimbatore-641025	Single Phase Capacitor Start and Run 0.75 Kw Motor with Class B Insulation	00996
101.	2077247	—do—	Enbest 48, Thandagan Road Venlandipalayam Coimbatore-641025	Single Phase Capacitor Start and run 0.75 KW Motor with Class B Insulation	00996
102.	2077348	—do—	Punjab Iron & Steel Co. (P) Ltd. Mini Steel Plant G.T. Road Jalandhar Contt. 144010	Cast Billets Ingots, Grade 2 for Rolling Into Structural Steel (Standard Quality)	06914
103.	2077449	—do—	Jayco Chemicals India 21, Indl. Estate Meerut Road Dheerkhera, Distt. Meerut.	BHC Dusting Powder 10% Gama Isomer Content	00561
104.	2077550	900201	Malloys India Bear Old Chungi Nunhai Agra-282006	Safety Requirements for Power Threshers, Spike, Tooth, Cylinder Type of Rating 3.7 KW only.	09020



1	2	3	4	5	6
105.	2077651	900201	Pilot Sports 43, Basti NAU Jalandhar-144002.	Volleyballs	00417/02
106.	2077752	—do—	Food & Allied Products C-9, C-10 Units Indl. Estate Vijayawada-520007	Endosulfan 35% EC Formulation	04323
107.	2077853	—do—	Benson Knitting Mills 460, Kamraj Road Tirupur-638604	Plain Knitted Cotton Vests, Type RN and RNS of Gauge 24, Size 40 to 110 CM and Gauge 26 Size 75 to 110 CMS	04964
108.	2077954	—do—	Viswam Knitters 1, Ramaiah Colony III Street, West Tirupur-638602	Plain Knitted Cotton Vest Type RN and RNS Size 75—110 CMS, Gauge-24	04964
109.	2078047	—do—	Jalgaon Packaging G. No. 43, B/2 Near Girma Bridge Dhulia Road Sukheda Jalgaon (Maharashtra) 425001.	15 KG Square Tins for Vanaspati and Edible Oils	10325
110.	2078148	—do—	Sree Barat Industries Srinivasapuram Coimbatore Main Road Avanashi (Tamil Nadu) 638654	3-Phase, 415V, Squirrel Cage Induction Motors upto and Including 3.7 KW For Centrifugal Pumps for Agricultural Applications	07538
111.	2078249	—do—	Confab 362, Thadagam Road GCT Post Coimbatore-641013	Single Phase Capacitor Start and Run 0.37 KW Motor with Class B Insulation	00996
112.	2078350	—do—	Jayshree Timber Products PO Batukala Ranghat Middle Andaman	General Purpose Plywood For BWP, BWR, CWR and WWR Grade	00303

1	2	3	4	5	6
113.	2078451	900201	Krishi Udyog P.O. Jhuntha Via-Raipur-Marwar Distt. Pali (Rajasthan)	Aluminium Stranded Conductors for Overhead Transmission Purposes	00398/01
114.	2078552	—do—	Krishi Udyog P.O. Jhuntha Via Raipur Marwar Distt. Pali (Rajasthan)	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission Purposes	00398/02
115.	2078653	—do—	The Associated Cement Companies Ltd. Kistna Cement Works P.O. Guntur Distt.-522502	43 Grade Ordinary Portland Cement	08112
116.	2078754	—do—	The Associated Cement Company Ltd. Kistna Cement Works P.O. Guntur Distt. 522502	53 Grade Ordinary Portland Cement	12269
117.	2078855		Narbada Steels Ltd. Industrial Complex Bari Brahmana	Cast Billet Ingots for Rolling and Structural Steel (Standard Quality) Grade I only	06914
118.	2078956	—do—	Sangrur Containers Sangrur Road Dhuri (Punjab).	15 KG Square Tins for Vanaspati and Edible Oils	10325
119.	2079049	—do—	Sidwal Refrigeration Inds. P. Pvt. Ltd. Plot No. 23, Faridabad-121006	Stationary Storage Type Electric Water Heater, 230 V, 50 Litre Capacity Vented Type.	02082
120.	2079150	—do—	Paresh Electricals 341/1, C-1 GIDC Chitraudyog Nagar Bhavnagar-364004	Submersible Pumps, Model PP/12, Size 150×65	08034
121.	2079251	—do—	Vasavadatta Cements Laxmi Narayan Vihar Sedam-585222	43 Grade Ordinary Portland Cement	08112

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1991

का प्रा 373.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केंद्र बैंक के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-1-91 को प्राप्त हुआ था।

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th January, 1991

S.O. 373.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 3-1-91.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
PANDU NAGAR KANPUR

Industrial Dispute No. 92 of 89

In the matter of dispute between :

Shri L. C. Sareen,  
Chairman Canara Bank Employees Congress,  
127 Engineers Enclave Pitampura Delhi,  
Pin 110034.

## AND

The Assistant General Manager,  
Canara Bank Marshall House,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/737/88-D2(A) dt. 13-4-89, has referred to this Tribunal the following dispute for adjudication :—

Whether the action of the management of Canara Bank in dismissing from service Shri Devendra Singh Yadav is justified? If not to what relief is the workman entitled?

2. In the instant case, in view of the pleas raised by the management in para 7 of the written statement that if the Tribunal arrives at a decision that the inquiry was not held fairly and properly and impartially then the management be given an opportunity to adduce evidence on merits, the following preliminary issue was framed on 23-10-89 :—

Whether the departmental inquiry was not held fairly and properly?

In the preliminary issue the workman closed his evidence on 15-2-90 and the management closed their evidence on 30-5-90. On 17-8-90 arguments were heard and findings on preliminary issue was reserved. On 17-8-90, the Tribunal in view of Canara Bank Service Regulations expressed the view that further arguments should be heard in the case. On 29-10-90 on account of bad law an order situation on account of dispute over Ram Janam Bhumi & Babri Masjid the case was adjourned for 5-12-90 for further arguments at Camp New Delhi. On 5-12-90 it appeared from the submissions made by the parties that they were likely to settle the dispute between them. Therefore, 20-12-90 was fixed

for filing of the settlement and in the alternative for further hearing of arguments. However, on 20-12-90, the parties filed settlement which was duly verified by them before me. The terms of the settlement are as follows :—

## Terms of Settlement

1. The management of Canara Bank has agreed to modify the punishment awarded to Shri D. S. Yadav vide dismissal order dt. 25-6-87 from 'DISMISSAL' to stoppage of 4 increments with cumulative effect.
2. That the interim period i.e. from the date of Dismissal till Shri Yadav reports for duty shall not be treated as one spent on duty for any purposes whatsoever.
3. That Shri D. S. Yadav, shall not be paid any salary for the period from the date of dismissal to the date of his reporting duty.
4. That Shri Yadav shall report at the transferee place only viz Hassanpur Branch of Canara Bank Branch within a fortnight from the date of this agreement.
5. That this fully and finally resolves the matter of dispute taken cognizance of in I.D. No. 92/89.

Thus in view of the above settlement there remains no dispute between the parties and the reference is answered in terms of settlement dated 20-12-1990.

ARJAN DEV, Presiding Officer

Let its six copies be sent to the Government for its publication.

24-12-1990

[No. L-12012/737/88 D II(A)]

का प्रा 374.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड कर्मशियल बैंक के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 374.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the United Commercial Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 3-1-91.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 78 of 1987

In the matter of dispute between :

Shri Shiv Murat Tiwari,  
General Secretary U. Co Bank Staff,  
Association 120 Madhwapur Allahabad.

## AND

The Zonal Manager,  
United Commercial Bank,  
23 Vidhan Sabha Marg,  
Lucknow.

## APPEARANCES :

Shri M. K. Verma, Advocate,—for the Management &  
Shri O. P. Mathur—for the Union.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/319/86 D.II(A) dt. 8th July, 1987, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of United Commercial Bank in abolishing the post of Special Assistant at their Arya Nagar Branch Kanpur, w.e.f. 8-2-86 when the dispute was in conciliation resulting in discontinuance of payment of special allowance to Smt. Kamla Verma w.e.f. 8-2-86 is legal & Justified? If not, to what relief the workman concerned entitled?

2. The industrial dispute on behalf of Smt. Kamla Verma, has been raised by U. Co. Bank Staff Association, Allahabad (hereinafter referred to as Union for the sake of convenience). Although Shri S. Pandey Special Assistant UCO Bank Parade Kanpur, is not referred as one of the parties to dispute, the Union while filing the claim statement has impleaded him as respondent no. 2, in the array of the parties.

3. The admitted facts are that there existed a permanent post of Special Assistant at Arya Nagar Branch of the Bank at Kanpur. Till sometime in 1982, the said post of special assistant was held by one Shri U. S. Tripathi, who was promoted as an officer. On 13-12-82, an offer was made to Shri R. S. Pandey, who was working as clerk at Parade Branch Kanpur, for permanent posting as Special Assistant at Arya Nagar Branch. Shri R. S. Pandey accepted the offer but did not join as special assistant at Arya Nagar Branch of the bank. He remained working at Parade Branch. Smt. Kamla Verma being the senior most permanent clerk at Arya Nagar Branch was therefore, assigned the duties of special assistant w.e.f. 1-1-1983. On coming to know that the post of special assistant was going to be abolished at Arya Nagar Branch and shifted to parade branch to accommodate Shri R. S. Pandey, the Union took up her cause and moved ALC(C), Kanpur. During the pendency of proceedings before ALC(C) Allahabad, which too was moved, the management abolished the permanent post of special assistant at Arya Nagar Branch and transferred it to Parade Branch, and against the said post Shri R. S. Pandey was accommodated. With effect from 8-2-86, the management stopped paying to Smt. Kamla Verma Special allowance carried by the post of special assistant.

4. The Union alleges that the action of the management was neither justified nor fair and legal. It was a deliberate act of victimization, unfair labour practice, discrimination and favouritism. In fact the cooperative volume of work in both the branches did not justify the solution of the post of special assistant at Parade Branch, and creation of additional post of special assistant at Parade Branch Kanpur. It was a clear case of violation of section 33 and 9-A of the I.D. Act, 1947. Without the express permission of the ALC(C) the management should not have changed the service condition of Smt. Kamla Verma. Since she had worked as a special assistant against permanent vacancy, she was entitled to be confirmed on the post of special assistant. The Union has therefore prayed that after holding the action of the management as unjust and illegal, the management be directed to post Smt. Kamla Verma as a special assistant at Arya Nagar Branch, Kanpur and pay her special allowance with a retrospective effect i.e. 8-2-86, with all consequential benefits.

5. In defence, the management plead that Shri Pandey unequivocally accepted the offer with regard to his appointment as special assistant at Arya Nagar Branch. However, he could not join at the said branch because he was not relieved due to heavy work load by Parade Branch. Therefore vide memo dt. 23-5-85, Shri Pandey was posted as special assistant at Parade Branch Kanpur. The management deny that the post of special assistant at Arya Nagar Kanpur was abolished on 8-2-86. The fact is that the post of special assistant was withdrawn from Arya Nagar Branch vide order dt. 23-5-85 of D.G.M.

Lucknow. According to the management the genesis of the entire controversy revolves around the alleged abolition of the post of special assistant at Arya Nagar Branch Kanpur. Abolition of the post in the context of the facts of the present case is misnomer. There are 86 sanctioned post of special assistant for U. P. Region. The sanctioned strength has not been reduced by the alleged abolition. As a matter of fact the post of special assistant was withdrawn from Arya Nagar Branch and redeployed at Parade Branch. The post of special assistant is also in clerical cadre and carries the same pay scales as applicable to a clerk except with special allowance as payable to such person. The Union is estopped from agitating the matter since in the past also the Union had itself recommended withdrawal of post of special assistant from Varanasi and its redeployment at Aligarh in order to accommodate one Shri G. N. Chaturvedi. Even during the years 1979, 1980 and 1981 post of special assistants had been withdrawn from one branch and redeployed at another branch. The management further plead that admittedly Smt. Kamla Verma holds the post of clerk in the clerical cadre and that she was only officiating/functioning on the post of special assistant till assumption of office by a regular incumbent. In other words it was a stop gap arrangement. She was temporarily assigned the duties of special assistant in terms of Chapter III of the Memorandum of Agreement regarding Policy and Procedure concerning promotion and selection to post carrying functional special allowance under the bipartite settlement and related matters (hereinafter referred to as Promotion Policy Agreement for the sake of convenience). In terms of clause 5.5.4 of the said agreement she was being paid functional allowance on pro rata basis for the duration she actually performed the duties of a special assistant. The legal position is that no person can set up a claim to be posted on a particular post until a person is entitled to be posted as such. Chapter I of the Promotion Policy Agreement lays down that appointment to the post of special assistant from amongst clerks shall be made on seniority basis from the list of seniority prepared regionwise. In the seniority list of U. P. Regional formulated as on 1-9-82, Smt. Kamla Verma ranked at serial no. 50 while in the list of seniority formulated as on 1-3-85 she ranked at serial no. 34. In the circumstances, she could not have considered even for appointment as special assistant. The claim put up by the Union is misconceived and merits dismissal.

6. It is also pleaded by the management that the creation and abolition of the post is an administrative act and the tribunal cannot go beyond the wisdom of decision taken by the management in this regard. It is an administrative prerogative. A temporary incumbent to a post cannot have a higher and better right than a permanent employee. The creation/abolition/continuance is not a condition of service in terms of Schedule IV and Section 33 I.D. Act. Similarly the receipt of special allowance as a consequence of a purely temporary arrangement is not a condition of service. In fact the best interest of the bank have been kept in mind while withdrawing and redeploying the post in question. Truly speaking all allowance paid to Smt. Kamla Verma treating her as special assistant after 23-5-85 are liable to be refunded by her to the bank.

7. In his written statement Shri Pandey pleads that he unconditionally accepted the offer made to him for his posting as special assistant at Arya Nagar Branch. Since the Parade branch did not relieve him, he could not report to the manager Arya Nagar Branch Kanpur. By means of letter dt. 3-6-85, the manager parade branch on the basis of letter dt. 23-5-85 of the Divisional Office, Lucknow, informed him about his posting as special assistant at parade branch. The post of special assistant was offered to him as he was the senior most in the list of seniority formulated as on 1-9-82.

8. In the rejoinder it has been alleged by the Union that instance given by the management are not relevant in the present case as they are of the period prior to promotion policy agreement. No other new fact has been alleged by the Union in the rejoinder.

9. Both the management and the Union have led oral and documentary evidence in support of their respective cases.

Shri R. S. Pandey has led no independent evidence of his own. He has simply relied on the evidence adduced by the management. Whereas the Union examined Shrimati Kamla Verma and Shri Shitla Prasad Singh, Vice President of U.P. Bank Employees Union Kanpur and Ex. President of UCO Bank Staff Association, the management have examined Shri S. P. Seth, who is presently posted as Manager Itaunja Branch.

10 Let us first examine some of the salient features of the Promotion Policy Agreement. Ext. M.1 is the Booklet containing the Promotion Policy Agreement. From the Booklet I would first like to refer to paras 5.1, 5.1.1, 5.1.4, 5.1.19, 5.1.2 and 5(i).

11. Para 5.1 refers to selection for the post of special assistant in the clerical cadre. Para 5.1.1 lays down that permanent employment in the post of special assistant shall be made on the basis of probation for six months which may be extended upto a total period of 9 months in bank's discretion. It further lays down that within the period of probation, an employee may by giving 15 days notice in writing to the bank, surrender functional special allowance and request the bank to withdraw the duties associated therewith. On the expiry of such notice the bank shall withdraw the functional allowance and the duties associated therewith from him. On withdrawal of the functional allowance and duties associated therewith the employee shall be deemed to have been reverted to his substantive post which he occupied prior to his selection of the said post. Para 5.1.4 lays that the bank shall maintain a Region-wise Basis a seniority list of employees in the clerical cadre in respect of departments other than cash department. It also lays down that the offer for the post of Special Assistant will be given to the eligible employees from the current seniority list of the respective regions as and when vacancies arise in the Region. Para 5.1.19(i) says that as and when need for special assistant arises in the region offer will be made in writing by the bank to the employees included in the seniority list for the region which currently in operation in the descending order.

12. From the above provisions it thus becomes evident that the senior most from amongst the seniority list prepared regionwise will be first given the offer for the post of special assistant. Para 5.1.2 refers to the consequence which would continue in the event of non acceptance of the offer unconditionally. Para 5(i) is to the effect that the grant of functional allowance does not constitute promotion and the employee performing duties which attract the functional special allowance under the bipartite settlements shall continue to be in the clerical or subordinate cadre as the case may be.

13. Now I come to Chapter III of Part II of the Promotion Policy Agreement. Para 5.5 refers to temporary performance of duties carrying functional special allowance. Para 5.5.1 lays down that entrusting of duties carrying functional allowance or attracting officiating allowance under bipartite settlement on temporary basis shall be made in the exigency of bank's work and requirement. Para 5.5.4 says that when an employee performs duties which attract functional allowance he shall be paid such allowance on pro rata basis for the period he has actually performed such duties. Para 5.5.8 says that seniority for the purpose of temporary performance of duties carrying functional special allowance will be reckoned branchwise.

14 Thus from the above it is clear that whereas Chapter I refers to permanent posting as special assistant Chapter III refers to temporary performance of duties carrying special allowance. From Chapter III it is also evident that temporary performance of duties carrying functional special allowance shall be offered to the senior most clerk as had been in the case of Smt. Kamla Verma and that such allowance would be paid on pro rata basis for the period the employee has actually performed such duties and no more. The case of Smt. Kamla Verma as I will show is covered by Chapter III Part II of Promotion Policy Agreement. From the evidence on record it appears that the case of Smt. Kamla Verma was not that of permanent posting as special

assistant on probation. In her cross examination she has admitted that she was only getting officiating allowance and not permanent allowance. She has further admitted in case of permanent posting of some one as special assistant at Arya Nagar Branch she would not have got the said allowance. In para 2 of the affidavit the management witness has specifically deposed that even if Shri Pandey had declined the offer dt. 13-12-82, the chance for permanent posting as special assistant was not available to Smt. Kamla Verma as there were about 41 employees senior to her after Shri Pandey as per seniority list prepared as on 1-9-82. Her position in the seniority list of 1-9-82 was 50th and in the seniority list of 1-3-85 it was 34th. There has been no cross examination of the witness on this point. In his cross examination Shri Shitla Prasad Singh, has admitted that even now one Shri K. K. Bhargava is senior to Smt. Kamla Verma.

15. In para 5 of the claim statement the Union has itself stated that upon the promotion of Shri U. S. Tripathi in the Officer Cadre, the permanent post of Special Assistant fell vacant and Smt. Kamla Verma was assigned the duties of special assistant by the bank manager on 1-1-83. The words underlined make it abundantly clear that she was simply assigned the duties of special assistant as per provisions of Chapter III Part II of the Promotion Policy Agreement. (Lastly, I would like to refer to annexure I to the affidavit of the management witness which is the photocopy of the application dated 18-11-1987 of Smt. Kamla Verma. From this application it appears that in pursuance of notice issued by the management for filling of the post of special assistant she gave a choice for her posting at Lajpat Nagar Branch and Armapore Branch. There is no evidence from the side of the Union, that prior to 1-1-87 she had similarly applied. From the above evidence it thus becomes abundantly clear that w.e.f. 1-1-83 she was simply assigned the duties of special assistant temporarily in pursuance of the provisions of Chapter III Part II of Promotion Policy Agreement on account of her being the senior most clerk at Arya Nagar Branch, after promotion of Shri U. S. Tripathi and on account of non filling of the post of special assistant by Shri Pandey.

16. The next important question which needs consideration is whether Smt. Kamla Verma did become permanent on the post of special assistant at Arya Nagar Branch at any time during the period 1-1-83 to 7-2-86 on account of discharging duties of special assistant. The simple answer as I will show will be no.

17. In her cross examination, Shrimati Kamla Verma has deposed that her only grievance is that the post of special assistant at Arya Nagar Branch was wrongly and unjustifiably abandoned. She has further deposed that she has been working at Arya Nagar Branch for the last 14-15 years. According to her since she had worked as special assistant for about 4 years she wants that she be made permanent. She was unable to tell as to under what provisions of the Promotion Policy Agreement she was claiming permanency. She has even said that at present her number in the seniority list would be II or III. During the course of cross examination Shri Shitla Prasad Singh, Union witness, it was suggested to him that on the basis of Promotion Policy Agreement of 1981 no employee on the strength of drawing of temporary functional allowance can claim permanent posting as special assistant. He gave a reply which was off the mark. He said that since Smt. Kamla Verma had worked continuously for 3½ years in officiating capacity as special assistant and since Shri Pandey had also been getting special allowance so she should be confirmed on the post of special assistant. The reply given by him also shows that he too is not aware of any provision under which in a situation like the present one one can claim permanency on the post of special assistant.

18 It can, therefore, be safely concluded that she had not become permanent on the post of special assistant nor she can claim permanency on the said post at Arya Nagar Branch.

19. In the present case an academic question has arisen whether the post of special assistant at Arya Nagar Branch

was abolished or shifted. In his cross examination, the management witness has admitted that by abolishing the post of special assistant at Arya Nagar Branch it was transferred to Parade Branch. I have already referred to the management's un rebutted evidence that there had been no addition in the post of special assistant allotted to the U.P. Region. So I need not dilate on the point.

20. It was argued by Shri O. P. Mathur on behalf of the Union that the post of special assistant at Arya Nagar Branch was abolished and transferred to Parade Branch under pressure from Shri R. S. Pandey who happens to be the state president of UCO Bank Employees Association with which the management has good relations. He also argued that the volume of work did not justify the action of the management transferring the post of special assistant from the Arya Nagar Branch to Parade Branch. According to Shri Mathur since the action of the management had resulted in denial of functional allowance to Smt. Kamla Verma during the pendency of proceeding before LC (C) Allahabad, the action of the management cannot be upheld being in violation of provisions of section 33(1) I.D. Act. For all the management ought to have obtained prior permission of the ALC(C) Allahabad.

21. From the side of the management it was urged that the action had not resulted in any change of condition of service of Smt. Kamla Verma. She was a permanent clerk and remained a permanent clerk even after the abolition of the post of special assistant at Arya Nagar Kanpur Branch. She was merely assigned temporarily duties of special assistant and as per provision of Chapter III Part II of Promotion Policy Agreement she was entitled to functional allowance at pro rata basis for the period during which she performs the duties of special assistant. Transfer of post from one branch to another is an administrative act. The management are not bound by the flimsy wishes of the workman/union. It is an exclusive prerogative of the management.

22. After hearing two sides I find no substance in the submissions made by Shri O. P. Mathur, the authorised representative for the Union. I may state her that during the course of his arguments Shri Mathur candidly submitted that there had been no change in the condition of service of Smt. Kamla Verma, but all the same there had taken place change of her status, due to unjustified action of the management. Let us examine the point raised by Shri Mathur from another angle. Smt. Kamla Verma would not have got the functional allowance of special assistant in the following situation :—

1. If somebody had been given an offer of permanent posting as special assistant at Arya Nagar Branch Kanpur and he had joined as such;
2. If some person clerk senior to Smt. Kamla Verma was posted to Arya Nagar Branch Kanpur. In that event on account of her becoming junior she would not have had an opportunity of getting functional allowance of special assistant; and
3. If Smt. Kamla Verma had been transferred from there to some other branch where there had existed no post of special assistant or where such a post of special assistant had been held by a permanent incumbent.

In the above situation she would not have been in a position to complain of any change in her service condition even during the pendency before ALC(C). If it were so the same thing would be happened in the event of abolition of the post of special assistant and its transfer to the other branch.

23. The management does not seem to have done some thing now. Such transfer of post had occurred even earlier. The management in the written statement have referred to specific instance in para 7 of the written statement. There is no specific denial of the fact. The Union has tried to dismiss it by saying that all this had occurred prior to the Promotion Policy Agreement. This is no reply. It seems that to maintain industrial peace and harmony the management

had been at the instance of the Union been doing all this. The very foundation of the labour laws is that peace and harmony prevails in an industrial establishment. Some times the management have to take unpleasant decisions in order that work of the establishment does not suffer. In the instant case also it appears that the management took the decision to shift/transfer the post of Special Assistant from Arya Nagar Branch to Parade Branch when it became known that the Union headed by Shri R. S. Pandey might not create an unpleasant situation which may hamper the smooth working of the bank. Although the offer is dated 13-12-82, decision to transfer the post of special assistant was taken on 23-5-1985.

24. In her cross examination it was stated by Smt. Kamla Verma that the post of special assistant could not have been abolished without the agreement between the management and the Union. She even went to the length of saying that when the bank opens a new branch, the strength of the staff would be fixed by the management in consultation with the Union. She was unable to refer to any agreement or settlement between the management and Union in this regard. Even during the course of argument I was not referred to any Rule/Agreement/Settlement or law on this point. It, therefore, seems to be that it was rightly urged by Shri N. K. Verma, Advocate, the authorised representative for the management, that all this is a sole prerogative of the management. The management have to take decisions in larger interest of the bank's business.

25. Hence from the above findings, I hold that the action of the management of UCO Bank in abolishing the post of Special Assistant at Arya Nagar Branch Kanpur w.e.f. 8-2-86 when the dispute was pending in conciliation resulting in discontinuance of payment of special allowance to Smt. Kamla Verma w.e.f. 8-2-86 is neither illegal nor unjustified. The workman/Union is entitled to no relief in the present reference.

26. Before parting with the case, I would like to observe that it appears to be a case of inter Union rivalry in order to crowbat and wreck vengeance on Shri R. S. Pandey, the President of the rival Union, this Union has made Smt. Kamla Verma an innocent and simple minded lady employee its tool. It has unnecessarily tried to bring about bitterness between her and the bank's administration. She is a widow who has been accommodated by the management of UCO Bank at Kanpur, almost from beginning of her service. Therefore, I do hope that the management will, realising the full back ground of facts would not be vindictive towards her that is to say, the management shall not take any action by way of transfer etc., against her who fell into the trap of the Union like a Duck. As the management have been considerate towards her in the past, I am sure they shall continue to remain considerate towards her in future also for otherwise she would be put to great inconvenience and trouble. During the course of hearing in the case it was brought to my notice that for permanent posting as special assistant she ranks Second in the U.P. Region. So when her turn for posting as special assistant comes looking to her plight as a widow, she should be accommodated either at Arya Nagar Branch or some nearby Branch so that she could pass her days in peace and tranquillity. I am sure she will be more careful in future.

Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012/319/86 D II (A)]

जई दिल्ली, 15 जनवरी, 1991

का.प्र. 375:—श्रीसोविक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीसोविक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीसोविक अधिकरण, लखनऊ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th January, 1991

S.O. 375.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-91.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

(Presiding Officer : Justice S. M. Khatri)  
Reference No. CGIT-66 of 1990

## PARTIES :

Employers in relation to the Management of Life Insurance Corporation of India.

AND

Their workmen.

## APPEARANCES :

For the Management : Shri A. W. Dharwadkar.

For the Workmen : No appearance.

STATE : Bombay.

INDUSTRY : Insurance.

Bombay, dated 1st January, 1991

## AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal under section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947, for adjudication :

"Whether the action of the Management of Life Insurance Corporation of India is not appointing the following 4 workmen as regular basis in the Corporation's service is justified? If not to what relief the workmen are entitled to :

- 1 Shri S. K. Suryavanshi.
- 2 Shri B. R. Kamble.
- 3 Shri S. V. Pandhero.
- 4 Shri V. V. Kathavate.

2. The reference was adjourned to 5th October, 1990, 6th November, 1990, 26th November, 1990 and finally to 24th December, 1990 for the workmen to file their statement of claim. Although the Union espousing their cause was served with notice for each of these dates, they did not care to appear or file their statement of claim by post. Ultimately on 24th December, 1990 I closed the reference for formal Award and fixed the matter for today. Even today the workmen have not cared to turn up. The Management have filed their written statement, clarifying that two of the workmen, S/S Suryavanshi and Kamble, have been since absorbed and that the other two are not eligible for appointment. In absence of any material in favour of the workmen, I hold that they have failed to prove that the impugned action of the Management was unjustified. They are not entitled to get any relief. No orders as to Costs. Award accordingly.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-17011/102/90-D.II(A)]

का आ. 375—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कॉर्पोरेशन लि. के प्रबन्धनतंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच मतभेदों में निर्विघ्न औद्योगिक अधिकरण, सुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 3-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 376.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Industrial dispute between the employers in relation to workmen, which was received by the Central Government on 3-1-91.

## ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR  
Industrial Dispute Case No. 21 of 1989 (Central)  
Industrial Dispute Case No. 4 of 1990 (Central)  
Dated, Bhubaneswar, the 22nd December, 1990

## BETWEEN

The Management of United India Insurance Company Ltd., Saheed Nagar, Bhubaneswar.

(In both the cases)

..First Party-Management.

## AND

Their workman Sri Sadananda Panigrahi, Neelkantha Nager—Housing Board, First State—EWS Qr. No. 131, B.F. 2, Lingraj Talkies, City Post Office, Berhampur, Dist. : Ganjam.

..Second Party-workman

## APPEARANCES :

Sri Ajit Rath, Advocate—For the First Party-Management.

Sri Kalu Panda, Advocate,

And the workman himself.—For the Second Party-workman.

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 and by their order dated 6th October, 1989 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the Management of United India Insurance Co. Ltd., Berhampur in terminating the services of Shri Sadananda Panigrahi is legal and justified and if not, to what relief the workman is entitled?"

2. This reference was registered in this Tribunal as I.D. Case No. 21 of 1989 (C). Subsequently, the Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the very same powers referred for adjudication the same dispute relating to the very same parties which was registered in this Tribunal as I.D. Case No. 4 of 1990(C):—

"Whether the action of the Management of United Insurance Company Ltd., Berhampur Branch, Berhampur, Dist. Ganjam in terminating the services of Shri Sadananda Panigrahi, in violation of Sections 25-F, G and H of the Industrial Disputes Act, 1947 is legal and justified? If not, to what relief Shri Sadananda Panigrahi is entitled?"

3. In both the references the workman has filed statements of claim and the First Party-Management has filed their written statements.

On perusal of the pleadings of both parties in both the aforesaid cases issues have been settled. In both the cases the issues settled are common and the same relate to the question of legality and justifiability of the Management's action in terminating the services of the workman.

4. Learned counsel appearing for both parties took me through the pleadings of the parties in both the proceedings

and requested that the dispute may be adjudicated upon and the reference be disposed of on the pleadings of the parties since most of the material facts are admitted.

5. In the first reference i.e. in I.D. Case No. 21 of 1989 (C), the workman took the plea that he was appointed as a Sweeper by the First Party-Management with effect from 10-10-85 and while he was so working, he was refused employment abruptly with effect from 2-6-88. According to him, he had been in employment under the First Party-Management from 10-10-85 to 2-6-88 continuously without any interruption and as such, refusal of employment to him on 2-6-88, should be held to be illegal retrenchment from service. In the second reference, apart from the aforesaid fact of employment of the workman from 10-10-85 to 2-6-88, averments were made relating to the nature of duties which were being performed by him during his employment under the First Party-Management. The workman claimed that he was working as a Class IV employee of the First Party-Management and therefore, he should be reinstated as a Class IV employee in the First Party-Company.

6. It is admitted on behalf of the First Party-Management that the second party was employed as a part-time Sweeper for the period from 10-10-85 till 2-6-88 with breaks. It is, however, admitted that the workman continuously worked in the First Party-Company for more than 240 days.

In the premises, in view of the admitted position it is to be held that the workman had a right to continue in the employment and if at all it became necessary for the Management to refuse employment to him by way of termination of his services for misconduct or to retrench him they could have done so by employing with the legal requirements under the Industrial Disputes Act. It is revealed in this proceeding and also admitted that prior to refusal of employment to the workman on 2-6-88, the requirements of Section 25-F of the I.D. Act have not been complied. The Management has taken a plea in its written statement that the workman's conduct was not satisfactory and as such, his further employment was found unnecessary and in that view of the matter he was refused employment. Admittedly, no enquiry was conducted by the Management regarding any such misconduct allegedly committed by the workman. He had been given no opportunity to defend himself against such allegation. Therefore, the Management's action of refusing employment to the workman on 2-6-88 can not be held valid on any ground.

Learned counsel appearing for the workman drew my attention to the plea taken by the workman that he was employed as a Class IV employee in the establishment of the First Party-company. I do not think, within the scope of the present reference, I am called upon to decide such a plea. In the present reference, I am only required to decide whether the action of the Management in refusing employment to the workman with effect from 2-6-88 is legal and/or justified. In case it is held that their action is illegal and unjustified, then the relief that could be granted to the workman is to reinstate him with back wages in the position where he was on that particular day. Nothing more can be done in this proceeding.

7. I may reiterate that the workman himself in his statement of claim filed on 18-10-89 categorically stated that he was appointed as a Sweeper by the First Party-Management with effect from 10-10-85 and he continued as such till he was refused employment on 2-6-88. In this view of the matter, I do not think the plea taken by the workman in the subsequent reference that he performed the duties of a Class IV employee and therefore should be reinstated as a Class IV employee could be accepted.

8. In the circumstances, as per the discussions made above, I would hold that the action of the Management of the United India Insurance Co. Ltd., Berhampur in terminating the services of the second party-workman Sri Sadananda Panigrahi with effect from 2-6-88 is illegal and unjustified. He is, therefore, entitled to the normal relief of reinstatement in the post from which he was terminated with full back wages.

Both the reference are answered accordingly. Dictated & corrected by me.

S. K. MISRA, Presiding Officer

[No 1-17025/5/91-D.II(A)]

का.प्र. 377.—प्रार्थनार्थक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निदेशों और उनके कार्यकारी के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट प्रार्थनार्थक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचपट को प्रकटित करता है, जो केन्द्रीय सरकार का 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 377.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 7th January, 1991.

#### ANNEXURE

#### IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

(Dated, this the 1st day of January, 1991)  
Industrial Dispute No. 134/90

#### BETWEEN

The General Manager, Canara Bank, IR Section, Personnel Wing, Head Office, P.B. No. 16, Bangalore-560002.

(By S/Sri Kalkura, S. S. and Kalkura R. S. Advocates, Trivandrum).

#### AND

The Joint Secretary, Canara Bank Workers Union (Regd.) B.M.S. Office, Trivandrum-695023.

#### AWARD

This industrial dispute between the above parties has been referred for adjudication to this Tribunal by Government of India as per Order No. L. 12012/193/90-IR.B(II) dated 25th September, 1990.

The issue for adjudication is:

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the Canara Bank Workers' Union for predating the date of appointment in respect of Sri. K. Viswanathan Nair, Peon from 28th December, 1981 is legal and justifiable? If so what should be the date from which his employment should be deemed to have commenced?"

2. In answer to notice issued from this Tribunal management alone appeared through counsel. The union did not though notice was duly served on its Joint Secretary. Hence the union was set ex-nate and the management was asked to prove its case. Accordingly the Deputy General Manager of the management has filed an affidavit in support of the case of management.

3. In the affidavit filed by the Deputy General Manager it is stated that Sri Viswanathan Nair, the workman, was engaged as a daily wager and it was a practice of the Bank to absorb such temporary daily wagers as and when permanent vacancies arise in per their seniority. Sri Viswanathan Nair was employed as a temporary peon on two occasions in the year 1979 and 1981 and his service in that capacity came to an end on 23rd December, 1981 and he continued to be a daily wager. Since he was the senior most daily wager he was afforded employment as a probationary peon and he reported for duty on 28th December, 1981. He was



confirmed in the service as a permanent employee from 28th June, 1982 after probation. As per paragraph 20.8 of the First Bi-partite settlement workmen are entitled to reduction with regard to period of probation and there is no stipulation in this clause to the effect that in respect of temporary workman who has been selected for filling up permanent vacancy the appointment date should be pre-dated and commence from the date on which such employee was engaged as temporary peon. There is no practice or rule in the Bank to issue appointment letters which is pre-dated. There is no question of issuing appointment orders with retrospective effect. Hence the terms of reference itself is not correct and proper. Further as per paragraph 20.8 of the bi-partite settlement a temporary appointment should last for a period not exceeding three months. Hence the case of the union on that ground also is untenable as the workman was appointed for a period of two months. The further averment is that since the workman had already undergone the probationary period of six months completely and had been already confirmed in the service of the Bank with effect from 28th June, 1982, the question of reducing his probationary period does not arise. As per the affidavit the present claim is barred by estoppel, acquiescence and gross delay. It is also stated that between the date of the temporary service of Sri Viswanathan Nair and offer for permanent employment there is a gap of two days which would indicate that these two appointments cannot be clubbed together. This also shows that the contentions of the union are untenable and illegal. According to the management there is absolutely no dispute what so ever. Since the union failed to appear and prosecute the matter, I accept the affidavit of the management and hold that there is no dispute and that the union is not entitled to any relief in this case.

4. In the result an award is passed holding that no dispute exists between the parties requiring adjudication and that the union is not entitled to any relief.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal  
[No. L-12012/193/90-IR.B(II)]

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1991

का.आ. 378 - औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबन्धन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 33-क के अनुसरण में दिए गए पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th January, 1991

S.O. 378.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the made under section 33 A of the I.D. Act by Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Vijaya Bank and their workmen which was received by the Central Government.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJUN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL PANDU NAGAR KANPUR

[Industrial Dispute No. 8 of 1988 (U/s 33-A)]

In the matter of dispute.

BETWEEN :

Shri Vijai Kumar C/o The Assistant General Secretary U.P. Bank Employees Congress 2/363 Namnair Agra.

AND

The Branch Manager New Bank of India & 2 others Lahurabir Branch Varanashi.

AWARD

(U/s 33-A of the I.D. Act)

1. This is a petition under sec. 33-A of the I.D. Act, 1947. The applicant alleges that the Government of India Ministry of Labour vide its notification No. L-12012(69)85-D.IV(A) dated 3-4-86 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of New Bank of India in not absorbing as Sub-staff Shri Vijay Kumar in Bank's service is fair, just and legal? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

The above reference has given rise to industrial dispute no. 71 of 1986 in which 29-3-86, is fixed as the next date for disposal of his application and summoning of documents. Despite the pendency of the said I.D. Case, the Branch Manager of New Bank of India, Varanasi, terminated his service orally in February, 1988 without complying with the provisions of Sec. 33 of the I.D. Act. The management of the bank has thus acted malafide. He has, further, prayed that the termination of his services be held as illegal and ultravires. He has therefore, prayed that the bank management be directed to take him back in service with immediate effect on the same position which he was holding prior to his termination. He has also prayed that the Branch Manager, Varanasi, Deputy General Manager, Lucknow, and the Chairman, New Delhi, be prosecuted under Sec. 25- I.D. Act.

2. The petition is strongly opposed by the management of New Bank of India. The management plead that the petition has not been made by the workman himself. The petition is signed by Shri V. K. Gupta, who has described himself at his authorised representative. In I. D. 71/86 this tribunal has to adjudicate on the point whether or not the petitioner is entitled for absorption in the service of the bank. The management have already explained in their written statement filed before this Tribunal in the I.D. No. 71 of 1986, that the applicant is not a workman under the Industrial Disputes Act, 1947. In fact there exist no relationship of Master and Servant between the applicant and the management under the provisions of Industrial Disputes Act. As such there does not arise any question of termination of his services. In fact, the applicant had been supplying water as a Waterboy, on a contractual rate of Rs. 15/- per day. In the circumstances, the provisions of sec. 33 of the Act are not attracted in this case. Being so no permission was required to be taken from the Tribunal during the pendency of the said I.D. Case.

3. In defence parties have led no evidence. They have referred to the record of the I.D. No. 71 of 85.

4. From the record of I.D. No. 71/86, it is evident that the reference made by the Central Government, Ministry of Labour, was pending on 23-2-88, when the present petition under sec. 33-A I.D. Act was filed, it further appears from the record that the award was given on 30-4-90 and it was published on 29-6-90. From the award which came into force after 30 days of the publication it appears that the applicant was held as entitled to be absorbed as a regular member of such staff from 1-3-85.

5. In para 7 of his affidavit filed in I.D. No. 71 of 86, it was deposed by the applicant that in February 1988, Branch Manager, orally directed him not to present himself for duty in the bank and when the staff members of the bank objected to it, on receipt of written orders from the Regional Manager's office his services were terminated from April, 1988 without notice and without retrenchment compensation. It appears from para 16 of the Award that there had been no cross examination of the applicant on these facts.

6. Therefore, it will have to be believed that the Branch Manager Varanasi of the bank orally terminated the services of the applicant some time before the filing of the petition under sec. 33A I.D. Act in Feb. 1988. But reinstated him in service when the bank staff took exception to it. Further his service were again terminated in April, 1988, during the pendency of I.D. No. 71 of 86, without compliance of sec. 25F I.D. Act.

7. No doubt the cause of action disappeared when his reinstatement as has been admitted by the applicant himself in para 7 of his affidavit filed in I.D. No. 71 of 1986, but all the same his services were again terminated in April, 1988. There is no evidence that the bank management ever took permission from the Tribunal to terminate his services during the pendency of the said I.D. case. In fact the consistent stand of the management had been that the applicant was not the workman within the meaning of Sec. 2(s) I. D. Act, and there was never the relationship of Master and Servant between the parties. Now when by means of award no. 71/86, the applicant had been found to be a member of sub staff of the bank entitled to absorption w.e.f. 1-3-85, the fact that his services were terminated once in Feb, 1988 and second time in April 1988 assumes significance. Sec. 33-A I D. Act, lays down that during the pendency of any proceedings before a Tribunal, no employer shall in regard to any matter connected with the dispute, after to the prejudice of the workman concerned in such dispute, the condition of service applicable to them immediately before the commencement such proceedings. Same with the express permission in writing of the Tribunal. The permission having not been taken from the Tribunal by the management, the orders of his termination both in February, 1988 April, 1988 cannot be held as legal & justified. In the circumstances, the orders being null and void, the applicant is entitled to his reinstatement with full back wages of the period during which on account of said illegal orders, the applicant has remained out of employment.

8. The petition under sec. 33-A I.D. Act, is disposed off accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012(69/85-D.IV(A))]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1991

का.श्रा 379:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड, के जी.एफ. के प्रबन्धन में गवर्नर नियोजको और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-1991 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th January, 1991

S.O. 379.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers, in relation to the management of Bharat Gold Mines Limited, K.G.F. and their workmen which was received by the Central Government on 4-1-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT BANGALORE

Dated 31st December, 1990

PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath B.Sc., B.L., Presiding Officer.

General Reference No. 16/89

#### I PARTY

Shri Gopalan Nair Chamadath House, Post Chemancherry Calicut District, Kerala State-673304.

Vs.

#### II PARTY

The Managing Director Bharat Gold Mines Limited "Sivarnabharan" Oorgaum P.O., Kolar Gold Fields-563120.

#### AWARD

In this reference the Hon'ble Central Government as per the schedule in the reference has been pleased to refer the following point for adjudication by this Tribunal by exercising its powers under Section 10(1)(d) of the I. D. Act vide its Order No. L-43012, 13 88-D.III (B), dated 24th January 1989.

#### POINT OF REFERENCE

"Whether the Management of B.G.M.L., K.G.F. is justified in dismissing Sri Gopalan Nair, Ex. G.D. Watchman from service with effect from 30-8-1987. If not, what relief he is entitled to?"

2. The sum and substance of the allegations against the I party workman is that he neglected his work and abetted theft of employer's property, viz., when the I party workman was on duty at Central Workshops (Elec.) on 16-5-87 from 6 p.m. to 2 p.m. at about 9.30 p.m. some miscreants gained entry into the workshop and stole 89 metres of 10 sq. mm 3 core trailing copper cable valued at Rs. 30,000 and some 10 to 12 pipes. This theft was committed because of the connivance of the I party workman. The I party workman though had full knowledge of the theft failed to inform his reliever about the theft. Hence the I party workman committed misconduct under Standing Orders

Nos. 15(b)(2) and 31. After Domestic Enquiry, he was dismissed.

3. This Tribunal by its order dated 15-11-90 has held, after recording of evidence, that the Domestic Enquiry held against the I party workman was fair and proper.

4. After this Tribunal came to the conclusion that the Domestic Enquiry was fair and proper, the case was posted for evidence on victimisation. The I party has remained absent and has not lead any evidence. It is clear from the order sheet that the I party has not shown any interest. In view of the fact that there is no evidence on victimisation I come to the conclusion that it is not established that I party workman was victimised.

5. For the aforesaid reasons it is held that the management was justified in dismissing the I party workman from service with effect from 30-8-1987. Dron award accordingly.

(Dictated to the Stenographer taken down by her, got typed and corrected by me).

M. B. VISHWANATHI, Presiding Officer

[No. I-43012/13/88-D.III (B)]

नई दिल्ली, 8 जनवरी 1991

का.अ. 380—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार एस जी के के. सैगनीज साइन्स ऑफ मैसर्स उडीसा माइनिंग कार्पोरेशन लि., पी ओ गुर्दावाया - जोडा, जिला किओनज्जर के प्रबन्धन में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अतिक्रमण, उडीसा भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 8th January, 1991

S.O. 380.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orissa Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.G.B.K. Manganese Mines of M's. Orissa Mining Corporation Ltd. At P.O. Guruda, Via Joda, Dist. Keonjhar and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-1991.

#### ANNEXURE

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA BHUBANESWAR PRESENT :

Shri S. K. Misra, I.J.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No 7 of 1987 (Central)  
Bhubaneswar, the 22nd December 1990

#### BETWEEN

The Management of SGBK Manganese Mines of M's. Orissa Mining Corporation Ltd., At P.O. Guruda, Via, Joda Dist. Keonjhar.—First Party-Management

#### AND

Their workman Shri Md Shafi, Chowkidar, At, Tadpani hutting, P.O. Guruda, Via, Joda, Dist. Keonjhar, represented through the Orissa Mining Workers Union—Second Party-workman.

#### APPEARANCES :

Sri G. K. Mitra, Sr. Labour Welfare Officer—for the First Party-Management.

Sri B. Khillar, General Secretary of the Orissa Mining Workers Union—for the Second Party-workman.

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), and by their Order No. 1-27012/37/85-D.III (B) dated 10th February 1987 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the action of the Management of S.G.B.K. Manganese Mines of M's. Orissa Mining Corporation Ltd., At P.O. Guruda, Via, Joda, Dist. Keonjhar in terminating the services of Shri Md. Shafi, Chowkidar with effect from 19-6-84 is justified? If not, to what relief is the worker entitled?"

2. S.G.B.K. Manganese Mines was being operated by M.s. Serajuddin and Co. under a lease granted by the Government of Orissa. The lease of the said company expired and was not renewed. The State Government of Orissa took over possession of the said mines on 28-5-82 and thereafter, made over the same to M.s. Orissa Mining Corporation Ltd., (for short O.M.C.) for operating the same as an agent of the State Government. One of the reasons for taking such step was to provide employment to the employees of the ex-lessee, who had been working in the Mines. The above fact is reflected in the letter dated 5-6-82 sent by the Deputy Secretary to Government of Orissa, Mining and Geology Department to the Director of Mines, Orissa (Ext. A). The O.M.C. took over the Mines in question as per the above arrangement. On 17-6-82, the Mines Manager issued appointment letter to the second party-workman appointing him as a Helper in the Mines for a period of 60 days on purely casual basis (Ext. C). The appointment of the second party-workman was extended from time to time without any interruption till 19-6-84 when he was disengaged on the ground that his services were no longer required by the Corporation (Ext. K) as he was found medically unfit/had attained the age of superannuation. The name of the workman is mentioned at Serial No. 15 of Ext. K.

3. The second party-workman challenged the termination order notified in Ext. K on the ground that the same was given effect to without compliance of the requirements of Section 25-N of the Industrial Disputes Act, which was applicable to the First Party's establishment and further that at the time of disengagement, he was fit and able to perform his duties. He demanded reinstatement with full back wages.

4. The First Party-Management filed written statement stating the circumstances under which the workmen of the ex-lessee M's. Serajuddin and Co., who had been taken into the employment of the O.M.C. were found surplus and were ultimately disengaged. It stated that since there were large number of such workers who remained idle, it suggested to the Workers' Union that 117 of such employees who were sitting idle should be disengaged. After protracted discussion, it was mutually agreed between the Management and the Union that out of the aforesaid 117 employees, 71 including 15 persons who had attained the age of superannuation/found medically unfit should be retrenched. Out of the rest, 18 would be given fresh appointment as suggested by the Union only after they registered their names in the Local Employment Exchange and appeared at tests and interviews to be held for the purpose. Accordingly, a bi-partite agreement was entered into and signed between the Corporation and the Union representatives on 16-6-84 (Ext. D).

5. In view of the plea advanced by the First Party-Management that the second party-workman was disengaged from employment with effect from 19-6-84 on ground of his attaining the age of superannuation or found medically unfit to continue in employment further, the sole question which needs determination in this proceedings is as to whether the second party workman had attained the age of superannuation or had been found medically unfit to continue in employment further, necessitating termination of his services with effect from 19-6-84.

6. At the outset, I may quote the order Ext. K dated 19-6-84 by which the services of the second party-workman were terminated :—

"The following employees of M/s. Serajuddin and Company, the Ex-lessee of the SGBK Manganese Mine who were temporarily engaged vide Government letter Memo No. 6854/MG/BBSR dated 5-6-82 are no longer required unfit/have attained as they are found medically unfit/have attained the age of superannuation. As such, their engagement will be discontinued w.e.f. 19-6-1984.

Sl. No.	Name	Designation
1	2	3
1.	S/Shri N.B. Kuenr	Sanitary Supervisor
2.	M. Salom	Accountant
3.	J.R. Mohanta	Head Pandit.
4.	Panu Apat	Trammer
5.	Sukhchand Barik	Tramline Mazdoor
6.	Mangal Majhi	Carpenter
7.	Kanhai Mahanta	Carpenter Helper
8.	Ananta Mahanta	-do-
9.	Kushnu Munda	Water Pump Attendant.
10.	Kalipada Karua	Sweeper
11.	Manu Karua	-do-
12.	Md. A. Baker	Compounder
13.	Khetrabasi Mohakud	Gangman
14.	Padu Barik	Watchman
15.	Md. Saffi	Helper.

So/.

Mines Manager.

S.G.B.K. Manganese Mines.

This order does not reveal as to if the second party-workman had attained the age of superannuation or had been found medically unfit.

7. On behalf of the Management, reliance was placed on the agreement entered into between the Management and the Union said to be representing the workmen. The representative of the second party-workman vehemently contended that the so-called agreement entered into between the Management on the one hand and some other persons described as the representatives of the Union can not be relied upon to justify the action of the Management in terminating the services of the second party-workman. It is submitted that the said document, Ext. D, is not an agreement or settlement and is described as a 'Minutes of discussion'. It is signed by the representatives of the Corporation and some other persons as representatives of the Orissa Mining Workers' Union but there is no proof available that these persons had the authority to sign such minutes of discussion on behalf of the Union. There is also no proof available that the second party-workman authorised these persons to enter into any agreement with regard to his services and to agree to the termination of his services.

Industrial law recognises the binding nature of settlements. Section 2(p) of the Industrial Disputes Act, 1947 defines a settlement in the following manner :—

Section 2(p).—"Settlement" means a settlement arrived at in the course of conciliation proceeding, and includes a written agreement between the employer and, workmen arrived at otherwise than in the course of conciliation proceeding where such agreement has been signed by the parties thereto in such manner as may be prescribed and a copy thereof has been sent to an Officer authorised in this behalf by the appropriate Government and the conciliation officer."

The aforesaid definition thus, includes a written agreement between the employer and the workmen (themselves or through the representatives of their Union) arrived privately, where such agreement has been signed by the parties thereto (or by their representatives) in such manner as

prescribed and a copy thereof has been sent to the appropriate Government.

Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules provides that a settlement arrived at in the course of conciliation proceedings or otherwise, shall be in form—"H". In the case before us the so-called settlement/agreement marked as Ext. D has not been drawn up in form—"H". Sub-rule 4 of Rule 58 provides that where a settlement is arrived at between an employer and his workmen otherwise than in the course of conciliation proceeding, before a Board or a Conciliation Officer, the parties to the settlement shall jointly send a copy thereof to the Central Government, the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, and the Regional Labour Commissioner (Central) concerned. Admittedly, copy of Ext. D has not been sent to any of these authorities by either party.

Under such circumstance, the Management can not take assistance of the so-called agreement, Ext. D, to justify its action of terminating the services of the second party-workman on the ground that he had reached the age of superannuation or was found medically unfit.

8. MW-1 who worked as the Mines Manager of the S.G.B.K. Manganese Mines, after the same was taken-over by the Corporation to be operated, stated the circumstances under which the said Mines was taken-over by the Corporation and operated and stated that he issued the appointment order, Ext. J, on 17-6-82 for recruitment of the previous workers of the said Mines by the Corporation. During his cross-examination it was suggested to him that in the Form-B register originally the age of the second party-workman Md. Shafi was mentioned as 50 years and the same was changed subsequently to 56 years, which he denied. He stated that Md. Shafi has not signed the Form-B register.

MW-2, who succeeded him as the Mines Manager of the S.G.B.K. Manganese Mines of the Corporation stated that as per the direction of the General Manager, he issued Ext. K terminating the services of 15 workmen including the workman of this case as they had attained the age of superannuation. During his cross-examination he admitted that by seeing Ext. K he would not be able to say as to which out of the 15 workmen mentioned therein had attained the age of superannuation and which of the workmen had been found medically unfit. He could not say if any of the 15 workmen mentioned in Ext. K had been medically examined. He was confronted with Ext. 3 dated 22-3-84 which was a requisition issued by him for the medical treatment of the second party-workman Md. Shafi. The said requisition has also been signed by the Medical Officer. Being confronted with the entry of the workman's age made therein as 50 years, he stated that it was made in a different ink and in a different pen. According to him, he signed the requisition in good faith. On seeing the entry in the Form-B register relating to the workman, Ext. A, he stated that the age of the workman mentioned therein has been tampered with.

The workman Md. Shafi who was examined in this proceeding on 28-7-88 stated his age to be 50 years on that day. I estimated his age to be 60 years on that day which is recorded by me in the deposition of Md. Shafi (WW-1). He denied to have been examined by the Medical Officer Dr. Mullik of the Corporation when he was taken into the employment of the Corporation.

In Ext. 3, the requisition for medical examination, issued by the Mines Manager on 22-3-84, the age of the workman has been mentioned as 50 years. It seems, the same age had been mentioned in the Form-B register, Ext. H. The age mentioned in both these documents appear to be incorrect. In the Form-B register, which does not bear the signature of the workman Md. Shafi, the date of commencement of his employment has been mentioned as 12-6-84. This is admittedly wrong. Md. Shafi was admittedly appointed on 18-6-82. The age of Md. Shafi seems to have been mentioned therein in column 4 as 50 years but the same has been changed to 56 years. Though in this Form-B register we find that thumb mark of other workers have been taken in the pages allotted to them, no thumb mark or signature of the second party-workman Md. Shafi is found in Ext. H. Neither Ext. 3 nor Ext. H, as they appear can be taken as authentic evidence for determination of the age of Md. Shafi. I myself saw Md. Shafi, who deposed

before me in this proceeding on 28-7-88 and I estimated his age to be 60 years on that day. In the circumstances, in the absence of any other reliable evidence, on the basis of my estimation, I would hold that the workman Md Shafi was possibly 56 years old when he was retired from service on 19-6-84.

My attention is drawn to Clause 21 of the Orissa Mining Corporation Recruitment and Promotion Rules, 1976 which provides as below :—

"An employee of the Corporation shall retire on completion of the age of 58 years subject to the condition that his work will be reviewed immediately before completion of his 55th years of age with a view to see that he is mentally alert and physically fit to continue in service beyond his 55th years of age. The Chairman may, however, extend the service of an employee for a period of one year at a time up to the age of 60 years with Board's approval provided he is found to be physically fit and mentally alert for efficient discharge of his duties.

Extension of service beyond sixty years may be granted to an employee with approval of the Board if such extension is in the interest of the Corporation and the grounds therefor are recorded in writing before the date on which the retirement was normally due."

The age of superannuation of Class IV employees of the corporation is 60 years.

Md Shafi was admittedly being treated as a Class IV employee of the Corporation and therefore, he was entitled to continue in the employment of the Corporation till he completed 60 years of age.

9 I have already held Md Shafi to be aged 56 years on 19-6-84 when he was retired from service on the ground that he had attained the age of superannuation though he would have retired on 19-6-84 on completion of his 60 years of age. His retirement on 19-6-84 therefore must be held to be premature. He is not available now for reinstatement because in the meantime he has crossed 60 years of age. He would, therefore, be entitled to wages for the period from 19-6-84 when he was prematurely retired till 19-6-88 when he would have ordinarily retired on attaining the age of superannuation. However, it is seen that with effect from 19-6-84 72 workmen were terminated as per Exts J and K. Out of them 57 were retrenched on the ground that they were surplus and 15 were terminated on the ground that they had attained the age of superannuation. In Awards passed earlier by this Tribunal relating to the retrenched workmen direction had been given for their reinstatement in service with 50% back wages, taking into consideration the circumstances under which they had been taken into employment of the Corporation and also the financial position of the Corporation. In O.J.C. Nos. 4489 of 1989, 4473 of 1989, 4475 of 1989, 4490 of 1989 and 4491 of 1989, Hon'ble High Court of Orissa have confirmed the said Awards in respect of five such workmen. On the same circumstances, I think, in the present case also, I should direct that the second party-workman is entitled to 50% back wages for the period from 19-6-84 when he was prematurely retired till 19-6-88 when he would have ordinarily retired on attaining the age of superannuation.

The reference is answered accordingly.

Dated 22-12-1990

S K MISRA, Presiding Officer

[No. 1-27012/37/85 D III (B)]

का प्रा 391- औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार द्वारा दृष्टि, नई दिल्ली के प्रधानमंत्री को पत्र निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच अनुसरण में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पत्र को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।  
132 GI/91-18

S.O. 381—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NEW DELHI

I. D. No 38/86

In the matter of dispute between :

Shri Mehar Singh C/o Shri R. P. Chugh, General Secretary, Delhi Mazdoor Morcha, Mori Gate State Bank Tis Hazari Courts Delhi.

Versus

Deputy Personnel Manager, Air India, Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

#### APPEARANCES :

Workman in person

Shri Ravinder Kumar—for the Management

#### AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No L 11012(1)/85-D II (B) dated 14-2-86 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication

"Whether the action of the management of Air India, New Delhi in terminating the services of Shri Mehar Singh, Driver with effect from 7-1-84 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2 Shri Mehar Singh workman in his statement of claim alleged that he was employed by the management as a Driver in the Engineering Department in transport hanger Delhi Airport Palam vide letter No DAP/S-111/5359 dated 10-10-83 wef 15-9-1983. The workman had earlier worked from 24-2-83 to 25-3-83. He discharged his duties to the entire satisfaction of the Management and never gave any chance of complaint whatsoever. His services were extended beyond the prescribed period of 45 days as mentioned in his appointment letter but was transferred from the Engineering Department to the GSD Department vide Order dated 19-12-83 without any break in service. The monthly basic salary was Rs 320 plus other allowances. In this department also he discharged his duties to the entire satisfaction of the management. He asked the management if his services were to be continued as permanent on permanent basis as his age was going to cross the eligibility for permanent services. He started visiting the trade unions and met the union leaders to know if he was entitled to be permanent. The management got furious about his trade union activities and decided to get rid of him. He had put in 90 days of continued uninterrupted service and was entitled for confirmation on permanent basis. The Management at the time of his payment of wages for the month of December, 1983 asked him to sign a document in which a break of service from 3-12-83 to 9-12-83 was indicated which was false illegal and unfair labour practice. He protested about it as no such break existed in his service. He signed the cash voucher with remarks under protest on which the Management again got furious and refused to pay his earned wages. He started Trade Union activities which was his fundamental and constitutional right and his cause was supported by the Air Corporation Transport Employees Union (Registered). The Management then terminated his services on 7-1-84 without assigning any reason illegally wrongfully and violating all norms of service rules and standing orders. The Management employed new drivers

His services were terminated and the number of vehicles also increased after the service of the workman were terminated. He was neither paid any retrenchment compensation. He sent a demand notice dated 18-1-84 by U.P.C. and by Registered Post demanding his reinstatement with full back wages. The Management, however, did not pay him the earned wages nor reinstated him nor paid any retrenchment compensation. Hence this reference which has been made by the Government in this regard.

3. The Management in its written statement alleged that the reference was legal and bad in law. The applicant was employed on a purely temporary and casual basis for a specific project relating to transportation of officials, employees and delegates for non-alien meet held at Delhi after the project was over, there was no extra workload with the Management and the question of retention of the workman did not arise. The whole claim of the workman was based on mis-conception of law, he was not entitled to any relief and he had not put in 240 days of continuous service and was not entitled to reinstatement on the basis of casual services rendered by him. The Management denied having got furious of having come to know of his trade union activities and further denied that the applicant was entitled for confirmation as permanent employee after having put in 90 days of service. The Management never forced him to sign any document in which a break of service was indicated. Casual workers were employed by the management due to exigencies of extra work and when such extra work was over the Management proceeded and acted in accordance with their respective appointment letters without violating any established norms. No violation of section 25-F of the I. D. Act was committed by the Management.

4. The Management in support of its evidence produced Surinder Mohan Puri, Personnel Manager MW-1 while the workman Mehar Singh appeared as WW-1 as his own witness.

5. I have heard representative for the parties and have perused the written arguments filed by them and have gone through the record. The Management in its arguments has urged that the workman was employed as a temporary driver for 30 days from 24-2-83 to 25-3-83 and then for 45 days from 15-9-83 to 29-10-83 and was again employed as temporary driver from 20-10-83 to 7-1-84. On all these occasions full and proper terms and conditions of such temporary employment were clearly stipulated in the orders issued to him. The appointment was for a fixed period purely on temporary basis and the services could be terminated ever before the expiry of the period. It could be done with 24 hours notice only with the expiry of such fixed period the appointment was to automatically stand terminated. Written notice of 24 hours was required to be given by the Management only if the services were to be terminated before the expiry of the fixed period stated in the employment letter. The workman was aware of such facts and was paid only such salary as was payable to a temporary employee. All these terms and conditions were accepted in totality without any reservation by the workman. His appointment stood terminated by lapse of time automatically on 7-1-84. No action was taken for any Trade Union activities of the workman in this case and it was a simple case of an employment for a fixed period which stood terminated automatically by the lapse of time.

6. The workman on the other hand in his argument has urged that the management did not issue any establishment order or standing order at any time during his service and the only rules by which the workman was governed were the Air India Employees Service Regulations. No notice or notice pay was given to the workman and Section 48 of these regulations runs as follows :

#### \*Section 48 Termination

The services of an employee may be terminated without assigning any reasons, as under :-

- of a permanent employee by giving him 30 days' notice in writing of pay in lieu of notice,
- of an employee on probation by giving him 7 days' notice in writing or pay in lieu of notice ;

- of a temporary employee by giving him 24 hours' notice in writing or pay in lieu of notice.

#### Explanation

For the purpose of this Regulation, the word 'Pay' shall include all emoluments which would be admissible if he were on privilege leave.

Clause C of Section 48 makes the notice or notice pay as mandatory. The Management neither issued any notice nor gave the notice pay. Hence the termination of the workman even if taken as temporary is justified in accordance with the law."

He has further urged that the main contention of the Management that the workman was employed for a specific project i.e. transportation of officials/delegates of non-aligned meet in Delhi was not correct. The non-aligned meeting was held in the beginning of 1983 but his services were terminated in January, 1984. Two drivers were employed after his termination the appointment letters were issued to the workman marked as MW-1 to MW-3 from the period of his employment and the payment of earned wages was also not made to him. The break shown in the service of the workman from 4-12-83 to 8-12-83 was wrong and he was governed under section 48 of the Air India Service Regulations which have been violated.

7. After having gone through the points urged before me orally and in writing I am of the view that the Management in this case has not committed any illegality. Section 48 on which the workman is relying in this case and has been quoted above clearly shows that the services of an employee may be terminated without assigning any reason by giving 24 hours notice in case of a temporary employee. This notice of 24 hours is required only if the services are to be terminated before the expiry of the time fixed in the employment letter. The job of the workman in this case was of a contractual nature for a specific period and admittedly temporary. This nature of employment ceases to exist by lapse of time automatically. No notice as required in such case when the date upto which his appointment was made is over and his appointment is not further extended. He was appointed finally upto 7-1-84 and no further extension was granted to him so the question of notice or any retrenchment compensation in this case did not arise. Furthermore the workman's services were not terminated before the final date and after the expiry of the final date no notice was required to be given to him as he does not come in the category of such temporary employees who complete 240 days of continuous service and deserve to be absorbed on regular basis. Even if any driver was recruited thereafter or any new vehicles were purchased by the management there was no question of any right having vested in the workman to claim any regular or permanent employment with the Management. According to his own case he has hardly completed 90 days which under no provision of law entitle him to claim any regular employment.

8. Keeping in view all the circumstances of the case and discussion above I am of the opinion that there was nothing wrong in the action of the Management in terminating his services and the workman was not entitled to any relief against the Management. Keeping in view the circumstances of this case I leave the parties to bear their own costs.

Dated : 30th October, 1990.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

[No. L-11012(1)/85-D. (B)/D.III (B)]

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1991

का प्रा. 382—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रवृत्त में, केन्द्रीय सरकार विवाद स्वीकृत, सिपाई, जिला बुर्ग (म.प्र.) के प्रवृत्त के संबंध में श्री उक्त केसकारों के बीच, प्रवृत्त में लिखित श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण जबलपुर (म.प्र.) के पंचाट को प्रकाशित करती है, ओ केन्द्रीय सरकार को 9-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th January, 1991

S.O. 382.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhilai Steel Plant, Bhilai, District Durg (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 9-1-1991.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(81)]1989

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhilai Steel Plant, Bhilai, District Durg (M.P.) and their workman, Shri P. R. Sahu, Field Assistant, represented through the Secretary, Metal Mines Workers Union (INTUC) P.O. Mines, Nandini, District Durg (M.P.).

## APPEARANCES :

For Workman—Shri R. L. Yadav,

For Management—Shri D. C. Henri, Chief Law Officer.

INDUSTRY : Lignite Stone Mining DISTRICT : Durg (M.P.)

## AWARD

Dated, December 28, 1990

By Notification No. L-26012/27/83-D.III (B) dated 7th April, 1989 the following dispute was referred by the Central Government, Ministry of Labour, for adjudication :—

“Whether the action of the management of Bhilai Steel Plant in denying the transfer benefits, other than joining time to Shri P. R. Sahu, Field Assistant in connection with his transfer from Rajhara to Nandini Mines in terms of Order No. 217 dated 18-4-1988 is justified. If not, what relief is he entitled to?”

2. Both the parties have filed their respective pleadings and documents and made admission/denial on documents. The case was thereafter fixed for filing certain documents by the management and since both the parties have stated that they do not want to adduce any other evidence the case was fixed for arguments at their request, on 20-12-1990.

On 20-12-1990, parties did not argue the case but moved a petition of settlement duly signed and verified by both the parties. The terms of settlement as incorporated in the Compromise Petition are as under :—

## TERMS OF SETTLEMENT

That Shri P. R. Sahu will be allowed the transfer benefits as per rules in connection with his transfer from Rajhara to Nandi Mines as given below :

1. Transfer grant (i.e. one month basic plus D.A.).
2. Packing charges (limited to Rs. 3000) subject to production of receipts.
3. Reimbursement of transportation of personal effects from Rajhara to Nandini Mines on production of appropriate receipts, limited to one Truck load.
4. Railway or Bus fare for self and family on production of appropriate Railway Ticket No. or Bus receipt.

3. The above terms of settlement appear to be just and fair as well as in the interest of the workman concerned. Therefore I have no hesitation in recording my award on the aforesaid terms of Settlement without any order as to costs.

Award is made accordingly.

Dated : 28-12-1990.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-26012/27/88-D.III (B)]

का.प्र. 383:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स स्टील प्लांट, भिलाई और मैसर्स अरिहन्त ट्रांसपोर्ट क., पो.ओ. दल्लिराजारा, जिला दुर्ग (म.प्र.) के प्रबन्धन में सबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर (म.प्र.) के पचास को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-1991 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 383.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bhilai Steel Plant, Bhilai and M/s. Arihant Transport Co. P.O. Dallirajhara, Dist. Durg (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 9-1-1991.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT[LC(R)(40)]1984

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bhilai Steel Plant, Bhilai and M/s. Arihant Transport Company, P.O. Dallirajhara, District Durg (M.P.) and their workmen, represented through the Organising Secretary, Chattisgarh, Mines Shramik Sangh, P.O. Dallirajhara, District, Durg (M.P.) and Secretary, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh (AITUC) P.O. Dallirajhara, Durg (MP).

## APPEARANCES :

For Workman—Union—1. Shri S. Guha, Nyogi—for C.K.M.S.S.

2. Shri D. K. Rao—for S.K.M.S.

For B. S. Plant Shri D. C. Henri, Asstt. Chief Law Officer.

For A. T. Company Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Iron Ore Mines DISTRICT : Dallirajhara Durg (M.P.)

## AWARD

Dated, the 26th December, 1990

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-23011/78/83-D.III (B) dated 11th June, 1984 for adjudication of the following dispute :—

“Whether the closure of the establishment of Messrs Arihant Transport Co., a contractor of Mahamaya Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant with effect from 4-10-83 and consequent retrenchment of 502 workers is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

2. Undisputed facts of the case are that M/s. Arihant Transport Company is an establishment engaged in the business of transportation. It was awarded a contract by the management of Bhilai Steel Plant for the work of transportation of Mahamaya Iron Ore Mines which is one of the captive mines of Bhilai Steel Plant situated in Tahsil Balod District Durg. The workmen concerned are said to have been employed by the Contractor. These workmen have been retrenched after contract was terminated vide letter of the management dated 4-10-1983. On 3-10-1983 the Contractor displayed a notice giving information to all concerned that the General Manager (Mines and Quarries) Bhilai Steel Plant vide his letter No. GM/M and Q/5101 dated 1-10-1983 had informed contractors that the transportation work at Mahamaya Mines had been discontinued with effect from 4-10-1983 which was forwarded to the Union amongst several others. Accordingly, the workmen stood retrenched.



It is also not disputed that no retrenchment compensation was given to the workmen concerned.

3. The case of the Party No. 3 viz. Samyukta Khandan Mazdoor Sangh is that the management of Bhilai Steel Plant who is the principal employer engaged Party No. 4 viz. M/s. Arihant Transport Co. (hereinafter called as Contractor) for transportation of Iron Ore raised from the Mahamaya Mines in accordance with terms and conditions between the principal employer and the contractor. That the Union on 6-10-1983 objected to the notice of the Contractor that the notice was illegal and demanded wages etc. for idle period payable by the Contractor and also requested the principal employer to ensure payment in case of failure to make payment to the workmen concerned by the Contractor.

4. The Notice issued by the Contractor on 3-10-1983 is a Notice of discontinuation of employment of the workmen with effect from 4-10-1983. That thereafter the Contractor did not allow workmen to work. The said Notice was treated by the Contractor as Notice of retrenchment of the workmen, about 500 in number, on closure of the contract with the principal employer. The workers were not paid fringe benefits like, leave with wages, annual bonus, mining allowance etc. They were also not paid retrenchment compensation and notice pay. The notice of closure of work was served all of a sudden and not in accordance with the provisions of the I. D. Act. It is in violation of the provisions of the I. D. Act because it was not served before 30 days of discontinuance of their work nor did the notice say anything about the notice pay in lieu thereof. Management was aware of the notice of closure of work on 4-10-1983.

5. That the principal employer inspite of having been approached by the Union for getting legal benefits and dues paid to the workmen through the Contractor did not take any action for the relief and payment of dues and benefits to the workmen from the Contractor. Thus the principal employer failed in their duty and responsibility under the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act. That there was still requirement of transportation of iron ore at Mahamaya Mines and this became evident when this work was given to another contractual agency by the principal employer.

6. In rejoinder the Union further added that the fringe benefits like payment of leave with wages, payment of bonus under the Statute, C.P.F., Maternity benefits are paid by the management through their Contractor. Similarly safety appliances to the workmen under the contractual agencies are provided by the management through the Contractor concerned. Time keeping as required under the Mines Act is maintained by the management in respect of the workmen of all the Contractors. In the instant case also the management was bound to discharge these responsibilities as principal employer in respect of workmen employed by the Contractor.

7. These workmen were employed by the Contractor after approval of the management and the names of the workmen were registered in Form B under the Mines Act that used to be maintained by the management. The dispute arose on account of the dispute between the Contractor and the management. The management of the Bhilai Steel Plant is a principal employer as per the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act. Management as a principal employer should have ensured compliance of the provisions of the I. D. Act in relation to closure of work and retrenchment by the Contractor and also discharge of liabilities due to the workmen concerned before the closure of the work/retrenchment of the workmen etc. The principal employer accordingly failed to discharge contractual and statutory liability and responsibility. The closure of the establishment was illegal. Contractor has illegally closed his establishment therefore he is liable to pay retrenchment compensation and other legal dues etc. to the workmen concerned and management being the principal employer and is holding the bills including security deposit of Contractor, should have ensured all payments due to the workmen concerned. The workmen under the Contractor were employed by M/s. Sukhdeo Raj Verma in the intervention of the manage-

ment in November 1983 only. Thus the workmen had to remain idle from 4-10-1983 till the fog end of November 1983 and were thus denied employment/right to work and earn bread thereby.

8. In further rejoinder dated 10-12-1985 the Union submitted that the workmen have been engaged in the loading job in the said mines for last 15-20 years. The impact of their work is important for a well established public sector undertaking i.e. Bhilai Steel Plant as the iron ore extracted is loaded and transported through the hard labour of these workers. Fall Back Wages Scheme is in full force in the said mines as a result of an agreement earlier entered between the management as represented by the Bhilai Steel Plant, the Contractors and the workers represented by the Union. The implication of this Scheme and agreement is that the workers have to be paid their wages when the work is beyond the control of the workmen. Workers having not been served with legal Notice regarding the retrenchment nor were their services terminated, they should be deemed to be in service. The Union also prayed for departmentalisation of the workmen concerned because they were employees of the principal employer for last 20 years through various contractors.

9. Union has accordingly made following prayers from time to time :—

Vide written statement dated 9-4-85 :

"That in view of the foregoing facts the closure of M/s. Arihant Transport Co., a Contractor of Mahamaya Mines of Bhilai Steel Plant w.e.f. 4-10-83 and consequential retrenchment of 502 workmen is not justified.

It is therefore prayed that the Honourable Tribunal be pleased to answer the reference in negative and further be pleased to order for payment of retrenchment compensation and other further benefits."

Vide Rejoinder dated 24-9-85 :

"It is therefore prayed that the Honourable Tribunal be pleased (a) to hold the closure as unjustified (b) award retrenchment compensation; notice pay as per the provisions of the I. D. Act; payment for the illegally forced idle period by the Contractor (c) on any other benefit as deemed fit; and the Honourable Tribunal be further pleased to direct the management of Bhilai Steel Plant to make the above payments to the workmen concerned, on behalf of the Contractor."

Vide statement on demand dated 10-12-85 :

"Keeping in consideration of the above facts of the case, there is no other option except to pray that the workers should be paid wages and all other facilities for the duration of the stoppage of work.

The management of the Bhilai Steel Plant should be advised to departmentalize these miners to avoid further such complications."

10. According to the Arihant Transport Company though it was a Contractor of Bhilai Steel Plant they are mere commission agents. The wages, dearness allowance, provident fund and all other benefits due to the workmen are paid by the Bhilai Steel Plant. Payment is made through the contractors. The job analysis is made at the time of awarding the contract/work order. In the job analysis and wage analysis all facilities like leave, public holidays, half pay leave, provident fund, gratuity and all other benefits due to the workers and the contract is awarded on the basis of such analysis which are determined by the principal employer and the contract is awarded accordingly. The Bhilai Steel Plant has complete control/supervision over the employees where the workers are employed by the contractors or otherwise. They suggest issue of charge-sheet and disciplinary action against the workers. The employees are subsequently employed by the next contractors under the orders of the Bhilai Steel Plant authority. They have no right to employ his own employees but to take the employees of the previous contractor. When the Arihant Transport Co. was given contract they employed the employees of the previous contractor



and when their contract came to an end, these employees are employed by the subsequent contractor. In fact and in law, there was no retrenchment of the workers as stated in the order of reference. In any case, contract was given for a limited period and the employees were employed only for the purpose of the said contract. They were already in the employment of the Bhilai Steel Plant, through their earlier contractors and they continued to be employed by subsequent contractors. There is no retrenchment of the employees of the Arihant Transport Co. because they were never employees of the said contractor but were employees of the Bhilai Steel Plant. The entire wages and all other facilities having been paid by the Bhilai Steel Plant.

11. At the time of the contract it was fully known to all concerned that as soon as the contract is over, the employment through the particular contractor will come to an end and fresh contractor shall take over the work and there was no provision of retrenchment compensation. The contractor did not get any money from the management for payment of retrenchment compensation. It is the Bhilai Steel Plant who awarded the contract in terms of the agreement. It is they who pay wages through the middle man like the contractors. If the contractors were not employed the entire work would have been carried out by the Bhilai Steel Plant. Engagement of contractors as middle men was for the benefit of Bhilai Steel Plant and they cannot deny their responsibility. There are several other references in which Government has already stated that the workers belong to the Bhilai Steel Plant. This case be connected with Reference No. 51/83, 21/82 and 5/1981 to have a correct idea. Reference is bad in law inasmuch as it is in respect of non-existing fact and the non-mention of the names of the workmen concerned. In the absence of the names of the workers the contractor is unable to give any detailed reply. Such a vague reference is not permissible in law. There was no retrenchment of 502 workers.

12. The reference accordingly be declared as bad in law and in the alternative be held that the contractor was fully justified in closing of contract when the contract ceased to exist and the liability if any of the payment rests with the Bhilai Steel Plant management.

13. In the rejoinder further reiterating the same facts contractor stated that the contractor were not willing to continue work on the same terms because of the increased cost. Management, therefore, stopped contract. The contractor has no business or source of income to meet any additional payment. All the workers have been engaged in loading by the Bhilai Steel Plant for the last more than 10 years. The fact that the management employed them in November, 1983 clearly shows that they alone are responsible. The question of giving employment to them by the contractor did not and does not arise. The moment the contract was stopped, the entire liability of the workmen falls upon the management of Bhilai Steel Plant. The management could have given the contract to someone else and employed the workers. Unfortunately they did not deem it proper for reasons best known to them. If the workers could be re-employed in November, 1983 the management could have taken measures in advance to employ the workers. The contractor was left with no option because it was impossible for them to give them any employment. Thus there is, in fact, no retrenchment and Arihant Transport Company cannot be held responsible and the Bhilai Steel Plant alone is responsible for any payment to be made.

14. The case of the management of Bhilai Steel Plant in brief is that the workers concerned were employed with the contractor and they have nothing to do with this demand or reference. The contract was given after inviting open tenders and the management legally discontinued the contract with effect from 4-10-1983. It was for the contractor to see whether they would continue the employment of their workers or retrench them in accordance with the provisions of law. Contractor did not inform the management whether he had continued the employment of the workmen in the establishment or had retrenched them.

15. The relationship between the contractor and the management having come to an end with the closure of the contract on 4-10-1983 it was for the contractor to take care of the workmen after this period. The management came

to know through the A.L.C. (Central) that the contractor had closed the establishment with effect from 4-10-1983 and that the dispute was raised by the Chattisgarh Mines Shramik Sangh.

16. It was made known to the A.L.C. (Central) also by the representatives of the employees of the contractor that the management is trying to engage another contractor in Mahamaya Mines and those workmen who may be willing to get employment through the contractor may try to seek employment. The choice was with the workers of M/s. Arihant Transport Company to decide whether they would prefer to remain with the Arihant Transport Company or would like to join the new establishment. The management made earnest efforts to employ other contractor for transportation job and ultimately succeeded in awarding the contract of transportation to M/s. Sukhdeo Raj Verma vide letter dated 23-11-83. It has been informed to the management by the new contractor that majority of the workmen who were earlier working in the establishment of M/s. Arihant Transport Company had abandoned their employment with M/s. Arihant Transport Company and had joined his establishment. If the Tribunal comes to the conclusion that the closure of the establishment of the contractor was illegal, it is the contractor alone who is responsible for the consequences including payment of retrenchment compensation and other benefits. In their rejoinder also the management has reiterated the same facts and in substance have disowned the liability.

17. In further rejoinder the management has stated that the contractor was asked to discontinue the work because his period of contract had expired and he was not prepared to work at the rates offered to the contractor. The management had, therefore, no other option but to ask the contractor to discontinue the work. The prayer of the Union for departmentalisation is outside the scope of reference. The Bhilai Steel Plant is not necessary party in the present reference and if any liability is to be attached it is only against the contractor and not against the Bhilai Steel Plant.

18. As per the reference, this Tribunal has to decide whether the closure of the establishment of M/s. Arihant Transport Company a contractor of Mahamaya Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant with effect from 4-10-1983 and consequential retrenchment of 502 workers is justified and if not to what relief are the workmen concerned entitled. Thus the following questions arise for determination in the above reference :—

- (a) Whether the closure of the establishment of M/s. Arihant Transport Company, a Contractor of Mahamaya Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant, with effect from 4-10-1983, is justified?
- (b) Whether in view of the closure of the establishment of M/s. Arihant Company retrenchment of 502 workers is justified; and
- (c) If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

19. Thus the reference nowhere brings into picture the question of relationship of Principal Employer and the workmen concerned and to give a finding thereon. In the same way, because this reference does not permit this Tribunal to go beyond the said scope question arises whether it be proper for the Tribunal to probe into all the points raised by the Union and to find out whether these workmen would be deemed to be in continuous service of the Principal Employer viz. the Bhilai Steel Plant. The scope of this reference is very narrow as the law is and therefore this Court should not go beyond the terms of reference.

20. In this regard, I must point out that in the case of Calcutta Electric Supply Corporation Ltd. and Calcutta Electric Supply Workers Union (AIR 1959 SC p. 1191) the terms of reference raised related to the medical aid to the workers, but the learned Tribunal went beyond the scope of terms of reference and directed the employer to provide medical aid for the family of workmen. In this context, it was held that in construing the terms of reference and in

determining the scope and nature of the point referred to the Industrial Tribunal. The Court must look into at the order of reference its nature is only the subject matter of reference with which Industrial Tribunal can deal.

21. Similar question arose in the case of *M/s. Firestone Tyre and Rubber Co. of India (P) Ltd. Vs. Workmen employed represented by the Firestone Tyre Employees Union* (AIR 1981 SC 1626). In this case, it was held that reference was only to the question as to whether the workmen shown in two parts of a paragraph in the Schedule attached to the reference should be reinstated was referred, and the Tribunal gave finding that due to subsequent reinstatement of workmen shown in one part of the para there was discrimination and also unfair labour practice was involved, the Tribunal would be deemed to have travelled outside its jurisdiction in recording a finding of unfair labour practice or discrimination. It was further observed that the issue of unfair labour practice or discrimination by reason of subsequent reinstatement on a permanent basis of some and not all was not a matter referred to the Tribunal for adjudication, nor it could be said to be in any way connected with or incidental to the right as claimed by the workmen, from the date of their dismissal.

22. While dealing with these aspects of the case, we must first look into the relevant provisions of law which have been enumerated, in Sec. 10, Sub-section (4). Sub-section (4) of Section 10 runs as follows:—

Section 10(4) of I. D. Act :

"While in an order referring an industrial dispute to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal under this section or in a subsequent order, the appropriate Government has specified the points of dispute for adjudication, the Labour Court or the Tribunal or the National Tribunal, as the case may be, shall confine its adjudication to those points and matters incidental thereto." (underlining is mine).

Thus according to the aforesaid provision the Tribunal while adjudicating upon the dispute, shall confine its adjudication to the points referred and matters incidental thereto.

23. Making an order of reference under Sec. 10(1) is undoubtedly an administrative function of the appropriate Government based upon its own opinion with respect to the existence or apprehension of an industrial dispute and its subjective decision as to whether it would be expedient to make a reference or not. Though the earlier thinking was that such an order cannot at all be interfered with by the Courts, the recent trend of the judicial thinking is that though in a very limited field the order of reference is amenable to judicial review under certain circumstances (See 1970-II-LJ 266 SC; AIR 1969 SC 707-715 (2); 1968-II-LJ 834 SC; AIR 1967 SC 295 (309) (3) AIR/1970 SC 564-644 para 233 (4) 1972-I-LJ 437 SC; 1972-I-LJ 657—From Malhotra on the Law of Industrial Disputes, Fourth Edition, Vol. I, page 613).

24. From the above decisions no exhaustive and final criteria emerges as to on what ground an administrative order is amenable to judicial review. Not any such exhaustive or final criteria is possible in growing branch of law like the industrial law. Thus if the Government making the reference is not the appropriate Government within the meaning of Sec. 2(a) of the Act, the reference shall not be a valid reference.

25. The adjective "industrial" in the definition of I. D. Act relates to the dispute in an industry as defined in Sec. 2(j) of the Act (*Madras Gymkhana Club Employees Union Vs. Gymkhana Club* 1967-II-LJ 720 SC). In other words, besides the requirements of Sec. 2(k) unless the dispute is related to an industry as defined in Sec. 2(j) it will not be an industrial dispute. Therefore, if the reference is made of a dispute which relates to any activity which is not of industry it will not be a valid reference. Corollary to this proposition is that the dispute should be in a live industry and not in a dead or closed industry as the definition of industrial dispute presupposes continuance of industry (*Pipraich Sugar Mills Ltd Vs. Pipraich Sugar Mills Mazdoor Union* 1957-I-LJ 235 SC—O. P. Malhotra's supra p. 610).

Where a notification that a dispute relating to the retrenchment, etc. of workman is referred to the Tribunal, a person who claims to be a worker and insists that his case should be decided by the Tribunal, he cannot take up the contention that the reference is not valid under Sec. 10 because it has not specified the names of the workman. That being so, the Tribunal is also entitled to decide that he is not a workman and refuse to pass any order when he approaches it (*Sunder Lal Saxena Vs. Hindustan Commercial Bank Ltd*, AIR 1953 Alld. p. 260—O. P. Malhotra supra p. 613—622).

26. The word 'incidental' is defined as referred to under Sec. 10(4) means, according to Webster's New World Dictionary :

"Happening or likely to happen as a result of or in connection with something more important; being an incident; casual, hence, secondary or minor, but usually associated."

In other words of Mitter J.—

"Something incidental to a dispute must, therefore, mean something happening as a result of or in connection with the dispute or associated with the dispute. The dispute is a fundamental thing while something incidental, therefore, cannot cut at the root of the main thing to which it is an adjunct. A point is incidental to another point when the former necessarily depends upon the other. "Incidental" implies a subordinate and subsidiary thing related to some other main or principal thing requiring casual attention while considering the main thing. It is obvious, therefore, that the matters which require independent consideration or treatment and have their own importance, cannot be considered as "Incidental". The words "matters incidental thereto" should not be interpreted so as to give vague and indeterminate jurisdiction to the Tribunal, especially over independent matters. A matter which is independent in one context, may become subsidiary in another matter in a different context. It all depends how and under what circumstances it arises. In other words, the question whether the one adjudication matter is incidental to the adjudication of another depends on the facts of the case, the pleadings of the parties and the issues which properly arise for determination on the pleadings. The words "incidental thereto" in Section 10(4) do not have the same meaning as the words "relevant to" occurring in Clauses (b), (c) and (d) of Sec. 10(1). The matters covered by latter expression must be specially referred for adjudication while the matters covered by the former expression need not be specifically referred to as they can be adjudicated upon as a part of main dispute. For instance, on an industrial dispute being referred to it, the Tribunal has jurisdiction to determine whether on the facts placed before it, an 'industrial dispute' within the meaning of Section 2(k) has really arisen or the concerned persons are "workmen" as defined in Sec. 2(s) or a particular undertaking is an 'industry' within the meaning of Sec. 2(j) or such industry is a live industry or a close industry. Such questions can be validly examined and adjudicated upon by the Tribunal as matters incidental to the points of dispute specified in the order of reference. These matters have not only to be determined as matters incidental to the dispute but have necessarily to be determined as collateral or jurisdictional issues as the jurisdiction of the Tribunal depends upon such determination, or adjudication (See O. P. Malhotra supra pages 685 and 686)."

27. In view of the above discussions, it can be safely said that though the scope of the Tribunal is limited in regard to adjudication on the terms of reference and it cannot go beyond the terms of reference, but at the same time the Tribunal can certainly look into the facts under the terms of reference to find out whether it has jurisdiction or not and as such it can certainly find out whether there is an industrial dispute or the dispute relates to an industry or

reference is made by the appropriate Government or the dispute relates to the workmen etc.

28. The M. P. High Court in Misc. Petition No. 3958/88 Azad Koyala Shramik Sabha Vs. W. C. Ltd. has also held that the Court cannot go behind the term of reference. It runs as follows :—

"It is apparent from reading the said reference that it proceeded on the assumption that the persons mentioned in the Schedule had been employed as the workers by the respondents and the only question which was to be decided by the tribunal was whether after the termination of their services they were entitled to be re-employed u/s 2-H(?) (25-H) of the Industrial Disputes Act.

In our opinion, the above said being the scope of the reference, the Tribunal committed an error, by examining the question whether the persons mentioned in the Schedule had ever been employed as workmen by the respondents—employer. The said matter was beyond the scope of reference and the Tribunal committed an error of jurisdiction in proceeding to decide the said question."

29. In this view of the matter this Court has to confine itself to the terms of reference. I would, however, discuss the problems arising therefrom but I shall deal with other aspects of the case while dealing the points raised in the terms of reference.

30. I have gone through the documents filed by the management Ex. M/1 to Ex. M/4. No other documentary or oral evidence has been led by any of the parties contesting the case.

31. While dealing the case in the context of terms of reference, pleadings of the case and evidence on record, it is apparently clear that M/s. Arihant Transport Company, a Contractor of Mahamaya Iron Ore Mines of Bhilai Steel Plant, was closed down with effect from 4th October, 1983 because of the termination of the contract of Contractor by the Principal Employer and as such it cannot be said that the closure of the establishment was not justified. Thus the closure of this establishment was on account of unavoidable circumstances beyond the control of the employer. There is, nothing to show that the Contractor could deploy these workmen elsewhere after the closure of their establishment. In this regard, provisions of Sec. 25FFF must be looked into which run as follows :—

"25-FFF. Compensation to workmen in case of closing down of undertakings.

- (1) Where an undertaking is closed down for any reason whatsoever, every workman who has been in continuous service for not less than one year in that undertaking immediately before such closure shall, subject to the provisions of sub-section (2), be entitled to notice and compensation in accordance with the provisions of Section 25-F, as if the workman had been retrenched :

Provided that where the undertaking is closed down on account of unavoidable circumstances beyond the control of the employer, the compensation to be paid to the workman under clause (b) of Section 25-F shall not exceed his average pay for three months.

(Explanation.—An undertaking which is closed down by reason merely of—

- (i) financial difficulties (including financial losses); or
- (ii) accumulation of undisposed stocks; or
- (iii) the expiry of the period of the lease or licence granted to it; or
- (iv) in a case where the undertaking is engaged in mining operations, exhaustion of the minerals in the area in which such operations are carried on, shall not be deemed to be closed down on ac-

count of unavoidable circumstances beyond the control of the employer within the meaning of the proviso of this sub-section.

(1-A) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), where an undertaking engaged in mining operations is closed down by reason merely of exhaustion of the minerals in the area in which such operations are carried on, no workman referred to in that sub-section shall be entitled to any notice or compensation in accordance with the provisions of section 25-F, if—

- (a) the employer provides the workman with alternative employment with effect from the date of closure at the same remuneration as he was entitled to receive, and on the same terms and conditions of service as were applicable to him, immediately before the closure;
- (b) the service of the workman has not been interrupted by such alternative employment; and
- (c) the employer is, under the terms of such alternative employment or otherwise, legally liable to pay to the workman, in the event of his retrenchment, compensation on the basis that his service has been continuous and has not been interrupted by such alternative employment.

(1-B) For the purposes of sub-sections (1) and (1-A), the expressions "minerals" and "mining operations" shall have the meaning respectively assigned to them in clauses (a) and (d) of Section 3 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

(2) Where any undertaking set up for the construction of buildings, bridges, roads, canals, dams or other construction work is closed down on account of the completion of the work within two years from the date on which the undertaking had been set up, no workman employed therein shall be entitled to any compensation under clause (b) of Section 25-F, but if the construction work is not so completed within two years, he shall be entitled to notice and compensation under that section for every (completed year of continuous service) or any part thereof in excess of six months."

32. This section also vide Sec. 25FF introduces a fiction in providing that in case of closure of business, the workmen concerned are entitled to compensation as if the termination of their services was retrenched even though, in fact or in law, it is not retrenchment. In other words, termination of the services of the workmen on closure is not "retrenchment" in the sense in which that word has been used in Sec. 25-F of the Act, but in the circumstances in which Sec. 25-FFF is attracted, workmen are entitled both to notice or wages in lieu of notice and compensation in accordance with the provisions of Section 25-F, subject, of course in accordance with the terms and conditions of the proviso to sub-section (1), limiting the amount of compensation.

33. In other words by Sec. 25-F a prohibition against retrenchment until the conditions prescribed by Section are fulfilled is imposed while by Sec. 25FFF(1), termination of employment on closure of the undertaking and without payment of compensation and with either serving notice or payment of wages for the period of notice is not prohibited. Payment of compensation and payment of wages for the period of notice are not, therefore, conditions precedent to closure. In order to claim compensation in this Section two conditions must exist viz. (i) closure and (ii) one year's continuous service. Hence it is not necessary for me to go into the details of this aspect of the case and suffice it to say that the provisions of Sec. 25FFF of the I.D. Act would be attracted in the instant case though the closure was justified.

34. The legislature has not left the notice period and quantum of compensation in dispute. The proviso mitigates the burden of the employer in cases where the closure of the undertaking is "on account of unavoidable circumstances beyond the control of the employer" and limits the compensa-

tion payable to the workmen to a maximum extent of their average pay for three months.

35. The right of compensation upon closure under Sec. 25FFF(1) unlike the retrenchment compensation under Sec. 25-F(1) is not a condition precedent to closure.

36. When the closure of undertaking is due to the circumstances beyond the control of the employer, the maximum limit of compensation is average pay for three months, irrespective of the service of the workman; in the residuary clause, the liability is unrestricted. There is a marked contrast in the expression "for any reason whatsoever" used in the main Sec. 25-FFF (1) and the words "on account of unavoidable circumstances beyond the control of the employer" used in the proviso when an undertaking is closed down for "any reason whatsoever" is as provided in the main sub-section which refers to the provisions of Sec. 25-F(b) as if the workmen had been retrenched. On the other hand, the quantum of compensation payable to the workmen in the case of closure on account of unavoidable circumstance beyond the control of the employer is limited to a maximum of average pay for three months as calculated under Section 25-F(b). In other words, where the closure is due to the circumstance beyond the control of the employer the legislature has imposed a restriction on the liability of the employer. In order, therefore, to take advantage of the proviso, the employer has to establish that the undertaking was closed down for unavoidable circumstances beyond his control. This is obviously a case where a closure was on account of circumstances beyond the control of the Contractor (See Malhotra (supra) pages 1376 to 1387).

37. Thus if at all, the workmen of the contractor would be entitled to compensation etc. in accordance with law discussed above from the Contractor, that too within the ambit of the terms of reference and therefore the principal employer i.e. the management of B.S.P. would not be in the picture. But in the instant case, the circumstances are a bit different, firstly because it has been made party to the order of reference and has been called upon to file its written statement and secondly if the statute puts the said liability on the principal employer (undisputedly management of B.S.P. is principal employer) then the matter has to be traversed from this aspect also as also to see whether this Tribunal can fasten the liability on the principal employer within the narrow campus of the order of reference.

38. Proceeding with the assumption that this aspect of the case can be considered within the scope of the order of this reference, we find that this case relates to the retrenched employees.

39. Section 21 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act 1970 lays down the responsibility of the principal employer for payment of wages to the workers of the contractor.

Section 21(4) runs as follows :—

"(4) In case the contractor fails to make payment of wages within the prescribed period or makes short payment, then the principal employer shall be liable to make payment of wages in full or the unpaid balance due, as the case may be, to the contract labour employed by the contractor and recover the amount so paid from the contractor either by deduction from any amount payable to the contractor under any contract or as a debt payable by the contractors."

Thus if contractor fails to make payment of wages within the prescribed period or make short payment then the principal employer shall be liable to make payment of wages in full or the unpaid balance due, as the case may be, to the contract labour employed by the contractor and it can recover the amount so paid from the contractor.

40. The word "wages" has been defined in Sec. 2(h) of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act 1970 as follows :—

"(h) "wages" shall have the meaning assigned to it in clause (vi) of Section 2 of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936)."

Clause (vi) of Sec. 2 of the Payment of Wages Act, 1936 defines 'wages' as follows :—

"(vi) 'wages' means all remuneration (whether by way of salary, allowances or otherwise) expressed in terms of money or capable of being so expressed which would, if the terms of employment, express or implied, were fulfilled, be payable to a person employed in respect of his employment or of work done in such employment and includes—

- (a) any retrenchment payable under any award or settlement between the parties or order of a Court;
- (b) any remuneration to which the person employed is entitled in respect of overtime work or holidays or any leave period;
- (c) any additional remuneration payable under the terms of employment (whether called a bonus or by any other name);
- (d) any sum which by reason of termination of employment of the person employed is payable under any law, contract or instrument which provides for the payment of such sum, whether with or without deductions but does not provide for the time within which the payment is to be made;
- (e) any sum to which the person employed is entitled under any scheme framed under any law for the time being in force."

41. It is apparent by reading of Sub-clauses (c) and (d) that the retrenchment compensation and wages in lieu of notice under Sec. 25F of the I.D. Act as also Sec. 25FFF of the I.D. Act would be payable by the principal employer in case the contractor fails to do so.

42. Thus irrespective of the fact whether the principal employer is not covered under the terms of reference he becomes liable under the law for the payment as required by law as detailed above, arising out of the retrenchment of 302 workers. Certainly the first liability shall be that of the contractor and in case contractor fails to pay the dues arising out of retrenchment, the principal employer shall be liable for the same.

43. But it is a very peculiar case inasmuch as on one hand it is undisputedly accepted that the workmen concerned were stopped from service with effect from 4th October, 1983 and it was not on account of the fault of the contractor that they were stopped from service because the contract was terminated by the principal employer and as per contractor he had no alternative assignments to absorb these workmen (See Contractor's statement of claim dated 5th November, 1985).

44. It is equally undisputed that these workmen were absorbed by the subsequent Contractor viz. M/s. Sukhdeo Raj Verma at the intervention of Management from November, 1983 onwards in the same job and according to the workmen themselves vide their statement of demand dated 10th December, 1985 as shown in para 9 above they have prayed that they should be paid wages and all other facilities for the duration of the stoppage of work and the management of B.S.P. be advised to departmentalise them and in this view of the matter when the workmen themselves do not say that they have been retrenched but claim benefits of the period for the stoppage of work, no relief can be granted to them in this reference.

45. This is most unfortunate that either the reference has not been properly made after due consideration of the case from all aspects or the case has not been put up before this Tribunal properly by the Union or it has been changing its stand from time to time as it suited. Whatever the facts may be, in these circumstances to retrenchment compensation or any other benefits arising out of the retrenchment of the workmen concerned should be granted to them. I may observe here at this stage that considering all the facts and circumstances of this case I have no option but to return

the reference unanswered in the light of the above discussions for appropriate action by the Government or parties in the matter.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. 1-29011/78/83-D.III(B)]

का.आ. 334 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई, जिला दुर्ग (म.प्र.) के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर (म.प्र.) के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 384.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhilai Steel Plant, Bhilai, District Durg (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 9-1-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
—CUM—LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)/20/1988

#### PARTIES.

Employers in relation to the management of Bhilai Steel Plant, Bhilai, District Durg (M.P.) and their workman, Shri M. P. Samuel, Chargeman, Telecom. Nandini Mines represented through the Khadan Mazdoor Congress, Laxmi Bai Path, Kelabadi, P.O. Kasaridih, Distt. Durg (M.P.) 491003.

#### APPPEARANCES:

For Workman—Shri P. K. Sengupta.

For Management—Shri D. C. Henri, Asstt. Chief Law Officer.

INDUSTRY : Mining. DISTRICT : Durg (M.P.)

#### AWARD

Dated : December, 28, 1990

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. 2(13)/86-Con. II/D. III(B)/D. II(A) dated 10th February, 1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the order of punishment No. OMO/NM/2(b)/PF/84/6002 dated 1-12-84 imposed by the management of Bhilai Steel Plant on Shri M. P. Samuel, Chargeman, Telecom, Nandini Mines is disproportionate, harsh and unjustified? If so, to what relief the employee concerned is entitled "

2. In this case on behalf of the workman concerned the President Khadan Mazdoor Congress which sponsored the dispute of the workman concerned has filed statement of claim. In para 1 of its statement the Union has stated that the workman expired after the Central Government made the reference in this case. The management did not file statement of claim. However, on 20-12-1990 a compromise petition was filed by Shri D. C. Henri, Chief Law Officer duly signed by him on behalf of the management and the widow of the deceased, Smt. P. S. Saramma. The terms of settlement duly arrived at between the management and Smt. P. S. Saramma, the deceased's wife are as under :—

132 GI/91—19

#### TERMS OF SETTLEMENT

The Punishment Order No. OMO/NM/2(b)/PF/84/6002 dated 1-12-84 shall be modified as under :—

1. Reduction to lower grade of N-6 (Chargeman—Telecommunication) w.e.f. 1-12-84 from the grade of N-7 (Chargeman Telecommunication).
2. On his reversion to N-6 grade his pay will be fixed at the stage of Rs. 1118 w.e.f. 1-12-84 and he would be eligible for Annual increments in the reduced grade under normal rules.
3. Consequent to his reversion to lower grade he would be junior most in N-6 grade.
4. He would be eligible for payment of difference of pay as per this order.
5. For the period of suspension he would not be eligible for payment of remuneration (wages etc.) other than suspension allowance, already paid to him.

Both the signatories have requested that a consent award be passed on the above mentioned terms.

3. I have gone through the terms of settlement which appear to be fair and in the interest of the widow of the deceased workman. I therefore record my award on the above terms of settlement and direct the management to pay the dues of the workman concerned to the widow of the deceased within a month from the date of award. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. 2(13)/86-Con.II/D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1991

का.आ. 385 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकम्युनिकेशन, मिविल डिवीजन, संबलपुर, उड़ीसा के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 8th January, 1991

S.O. 385.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication Civil Division, Sambalpur, Orissa and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-91.

#### ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA  
BHUBANESWAR

Industrial Dispute Case No. 32 of 1988 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 2nd January, 1991

#### PRESENT:

Shri S. K. Misra, LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

#### BETWEEN

The Management of Telecommunication, Civil Div'n on Sambalpur, Orissa. First Party—Management.

## AND

Their workman Sri Brajabandhu Panda, DRM Jeep Driver, Vill./P.O. Talab, P.S. Sason, Dist. Sambalpur, Orissa. Second Party-workman.

## APPEARANCES :

Sri P. N. Mohapatra, Advocate—For the First Party-Management.

Sri R. N. Devta, Advocate—For the Second Party-workman.

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and by their order No. L-40012/40/87-D.II(B) dated 4th August, 1988 have referred for adjudication the following dispute by this Tribunal:—

"Whether the action of the Executive Engineer, Civil Division, Telecommunication, Sambalpur in refusing employment to Sri Brajabandhu Panda DRM Jeep driver w.e.f. 2-5-87 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. It is the case of the second party-workman that the Executive Engineer, P&T Civil Division, Sambalpur appointed him as a driver to drive the departmental jeep No. OSS 5480 of his office with effect from 13-4-82 on daily wages basis @ Rs. 9 per day. He continued in the said post without any interruption till 2-5-87, when his services were terminated by the Executive Engineer on a false pretext that the Assistant Engineer Telecom Civil Sub-Division, Sambalpur who was to look after the duties of the Executive Engineer, Telecom Civil Division, Sambalpur would not be requiring the use of the aforesaid departmental jeep. According to the workman, after 2-5-87, however, new drivers were appointed to drive the said jeep. He approached the Executive Engineer for allowing him to continue in the job but his request was not acceded to and therefore, he approached the Asst. Labour Commissioner-cum-Conciliation Officer with the complaint. The Executive Engineer, according to the second party-workman, took different stands before the Conciliation Officer so far as the dispute was concerned. He took the plea that the post of Jeep driver had been reserved for candidates belonging to Scheduled Tribes and therefore the second party-workman could not be absorbed in the said post. He also took the stand that there was no refusal of employment to the second party-workman but the second party-workman remained absent from duty on his own which necessitated appointment of other driver to drive the departmental jeep temporarily. The second party-workman alleged that he did not remain absent from duty as alleged by the Executive Engineer but in fact was refused employment with mala fide intention.

The second party-workman in his statement of claim contended that the Telecommunication Civil Division is covered by the definition of 'industry' as defined in the Industrial Disputes Act and he was a 'workman' of the said industry and as such the dispute referred has got to be adjudicated by this Tribunal.

3. The First Party-Management, represented by the Executive Engineer of the Telecom Civil Division, Sambalpur filed written statement challenging the maintainability of the reference made by the Central Government and the jurisdiction of the Tribunal to entertain the same on the plea that the Telecom Civil Division, Sambalpur is not an 'industry', that the dispute is cognizable by the Central Administrative Tribunal and further that the second party not being a regular employee of the Telecom Civil Division, was not a 'workman'. It was stated in the written statement that the second party was employed on 13-4-82 as a casual driver in the office of the Executive Engineer for driving the departmental vehicle whenever required and his engagement was on daily wages basis excluding holidays and the days when there was no work. It was further stated that the

post of driver in the Office of the First Party, was reserved for a Scheduled Tribe candidate as per the roster maintained for making such recruitment and therefore, no candidate other than a Scheduled Tribes candidate could be appointed to the said post and as such, the claim of the second party to be appointed against the post of driver could not be accepted. In the written statement, it was further stated that the appointment of the second party, in the circumstances was purely temporary and was to continue till a suitable Scheduled Tribe candidate was appointed for which attempts were made through the Employment Exchange since 1982. List of Scheduled Tribe candidates were obtained from the Employment Exchange in 1982, 1983, 1984 and 1986 but selection and appointment could not be made on account of the Government ban on recruitment. It was stated that a candidate had already been selected but he has not been appointed because of pendency of the present reference.

A plea was taken in the written statement filed by the First Party-Management that the second party did not turn-up to duty after 30-5-87 of his own and therefore, there was no question of refusal of employment to him. It was admitted in the written statement of the First Party that one Karfulla Bag was appointed as casual driver on daily wages basis like the second party because there was need for such appointment and further, because the second party-workman was not available.

The second party-workman filed rejoinder to the written statement filed by the First Party-Management denying the averments made by the First Party.

4. On the aforesaid pleadings, the following issues arose for consideration:—

- (1) If the reference is maintainable?
- (2) If the Tribunal has jurisdiction to entertain the reference?
- (3) If the action of the Executive Engineer, Telecom Civil Division, Sambalpur, in refusing employment to the second party-workman from 2-5-87, is legal and/or justified?
- (4) To what relief, if any the second party-workman is entitled?

## ISSUES NOS. 1 &amp; 2

5. The Executive Engineer, Telecom Civil Division, Sambalpur being examined as MW-1 in this proceeding stated that the works of the Telecommunication Civil Division were being done previously by the C.P.W.D. and subsequently, the Civil Division was created for executing the works of the P&T Department. The Civil Division was engaged in constructing buildings and also maintaining them departmentally. The Division is governed by the C.P.W.D. Code. He also stated that after construction of buildings by the Civil Division, those were handed over to the requisitioning authorities for accommodating post offices, telephone exchanges and staff etc. He stated that the P&T Revenue Department collects rent and charges from telephone subscribers. He stated that the P&T Department gives the required funds for construction work taken-up by its Civil Division and admitted that the Civil Division is one of the wings of the P&T Department.

All the aforesaid features bring the Telecommunication, Civil Division (First Party) within the definition of 'industry' as defined in Section 2(i) of the Industrial Disputes Act. The question as to whether there was any element of economy venture or not in the works taken-up by the Civil Division is of no relevance. The Posts & Telegraphs Department has been held to be an 'industry' within the meaning of Section 2(i) of the Industrial Disputes Act in the case of Tapan Kumar Jana Vrs. The General Manager, Calcutta Telephones and other, reported in 1981 Lab. I.C. NOC 68 (Calcutta) and in the case of Kunjan Bhaskar and others Vrs. Sub-Divisional Officer, Telegraphs, Changanassery and others, reported in 1983 Lab. I.C. 135. The decision in the case of Bangalore Water Supply and Sewerage

age Board, Appellant V. A. Rajappa and others, Respondents, reported in A.I.R. 1973 S.C. 348 complete answers to the question. Therefore, it is bound to be held that the First Party is an 'industry'.

The plea taken by the First Party-Management that the dispute raised by the second party relating to his employment in the Office of the Executive Engineer is governed by the Central Administrative Tribunal Act (Act 13 of 1985) and therefore, the Industrial Tribunal has no jurisdiction to entertain the reference also seems to be misconceived. By taking such a plea the Management has admitted that the second party was a 'workman' under them and in this view of the matter, the dispute raised by the second party-workman must be held to be an industrial dispute raised by a workman. As such, the reference made by the Central Government for adjudication of the dispute must also be held to be competent.

In this connection, I may state that it has been clearly indicated in a decision of the Central Administrative Tribunal (Jabalpur Bench) in the case of Daya Shanker Pandey Vs. Union of India and others, reported in 1989 Lab I.C. NOC 65 that casual workers in department of Telecommunications do not belong to civil service and as such, the Administrative Tribunal has no jurisdiction to determine the question of legality of the termination of their services. Similarly, in the case of the State of Assam and others Vs. Kanak Chandra Dutta, reported in A.I.R. 1967 S.C. 884, it is clearly held that a casual labourer is not the holder of a post. Under such circumstances, viewed from any angle, it is to be held that the second party is a workman coming within the scope of the definition of 'workman' in the Industrial Disputes Act and as such, the appropriate Government has jurisdiction to refer the industrial dispute raised by him for adjudication by the Industrial Tribunal under the Industrial Disputes Act and the Industrial Tribunal has jurisdiction to entertain the same and adjudicate the industrial dispute.

The fact that the second party-workman was a casual daily rated worker also will not make any difference, in as much as, casual workers engaged in an industry are 'workmen' coming within the purview of the Industrial Disputes Act. It is held in several decisions by different High Courts and also the Hon'ble Supreme Court of India that services of casual workers even, can not be terminated except in accordance with Section 25 of the Industrial Disputes Act. As such, I would hold that the present reference is maintainable and this Tribunal has jurisdiction to entertain the same.

#### ISSUE NO. 3 :

6. Coming to the question of legality and justifiability of the action of the First Party in refusing employment to the workman from 2-5-87, my attention was drawn to the evidence of M.W. 1, the Executive Engineer of the Telecommunication, Civil Division, Sambalpur.

He stated that the post of Jeep driver created for this division could not be filled-up because no Scheduled Tribe candidate was available though interviews were held for appointment to the said post three times. On account of this situation, he employed the second party on daily wages to drive the Jeep and to keep the same in running condition. The wages of the second party were paid from the contingent fund. He proved Exts. C to C/4 and stated that the second party was paid wages only for the days he was engaged for driving the Jeep. M.W. 1 further stated that during the year 1987 he remained on leave from 2-5-87 to 25-5-87 and while proceeding on leave he informed the second party that during the period he would remain on leave his services would not be necessary. He proved Ext. D to show that during the period he remained on leave the Jeep had not run. M.W. 1 further stated that on 25-5-87 he joined his duties after returning from leave and thereafter the workman drove the vehicle on two days till 30-5-87 for which he was paid his wages. According to M.W. 1, after 30-5-87, the second party did not come to work and therefore, with effect from 11-6-87 he got the

Jeep driven by a driver belonging to Scheduled Tribe also on daily wage basis. He stated that there was no refusal of employment to the workman but he remained voluntarily absent from duty.

On behalf of the second party-workman my attention was drawn to the statements made by M.W. 1 during his cross-examination. He stated—"the applicant-workman worked in our civil division from 13-4-82 to 2-5-87 continuously with some gaps. The applicant-workman was being allowed weekly holidays and National and Festival holidays during the period he worked with us. There were gaps but those gaps can not be said to be complete discontinuation of work. The applicant workman was being paid wages for the weekly holidays and also National and Festival holidays which he was allowed to enjoy."

On a perusal of the evidence of M.W. 1 and the documents exhibited in this proceeding, I do not think, it is the stand of the First Party that the second party worked in its establishment for less than 240 days. In his connection, I may refer to Ext. 2, which is an office order passed on 23-7-86 enhancing the rate of daily wages for the second-party-workman as per the D.G.P. & T. letter dated 20-7-84, in as much as, he had completed 720 days of work over a period of three years service without interruption of 6 months during the period. This order was given effect to from 1-4-1986. Thus, on the basis of the evidence adduced in this proceeding, both by the second party-workman and the First Party-Management, I would hold that prior to 2-5-87, the second party-workman had been in employment of the First Party for more than 240 days and as such, his services could not be dispensed with without compliance of the requirements of the appropriate provisions of the Industrial Disputes Act. As admitted by M.W. 1, in the P&T Department, Civil Circle, Bhubaneswar, there are about more than 100 employees. It was urged that as such it was necessary for the First Party to obtain prior permission of the appropriate Government before dispensing with the services of the workman, which amounts to retrenchment. I need not enter into this question because in this case admittedly there was no prior notice given to the second party-workman before 2-5-87, when his services with the First Party came to the end nor he was paid any amount in lieu of notice nor he was paid any retrenchment compensation.

It is consistently held by almost all Courts that the services of casual workers on daily wages even, can not be terminated orally without complying with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, in cases to which Section 25-N does not apply. See 1986 (53) F.L.R. 687—Shailendra Nath Shukla and others Vs. Vice-Chancellor, Allahabad University and others, and 1983 Lab. I.C. 135—Kunjan Bhaskaran and others Vs. Sub-Divisional Officer, Telegraphs Changanassery and others).

Thus, the only question that falls for determination is as to whether there had been refusal of employment to the workman with effect from 2-5-87 as alleged by him or he voluntarily abandoned the employment from 30-5-87 as alleged by the Management. In case the workman's plea as above is accepted, it is bound to be held that the same amounted to retrenchment, which was illegal because of non-compliance of the requirements of law.

It is admitted by M.W. 1 in his evidence that during the year 1987 he remained on leave from 2-5-87 to 25-5-87 and while proceeding on leave he informed the second party-workman that his services would not be necessary because he was proceeding on leave. This statement, certainly means that he dispensed with the services of the second party-workman with effect from 2-5-87 orally because there was no work for him from 2-5-87. Certainly, this amounts to retrenchment of the second party-workman from service with effect from the said date and the same has got to be held to be illegal on account of non-compliance of the provisions of Section 25-F or Section 25-N of the Industrial Disputes Act.

The plea of voluntary abandonment of employment by the second party workman taken by the Executive Engineer



relates to a subsequent period. The present reference relates to refusal of employment to the workman from 2-5-87. The office memorandum dated 2-5-87, Ext. 3, which was sent to the workman goes to show that because the departmental vehicle was not required to be used by the Assistant Engineer, who remained in charge of the Executive Engineer who proceeded on leave, the services of the second party-driver were not required and therefore, he was disengaged from 3-5-87. This clearly reveals a case of retrenchment and not of voluntary abandonment of employment. Such retrenchment, as I have already held above, is bad and illegal being violative of Section 25-F or Section 25-N of the Industrial Disputes Act.

#### ISSUE NO. 4 :

7. Now coming to the question of relief to be granted to the second party-workman, the normal relief to which he is entitled is reinstatement with back wages.

It is submitted on behalf of the Management that after return of the Executive Engineer to duty on expiry of his leave the second party-workman was taken back into the employment with effect from 28-5-87. He worked till 30-5-87 and thereafter did not come to perform his duties of his own. As such, there was requirement to get his duties performed by engaging other drivers. It is submitted by the workman that he drove the departmental jeep of the First Party on 28-5-87 and again on 30-5-87. He denied the suggestion made to him that he refused to drive the departmental vehicle of the Executive Engineer unless he was given regular appointment. The Management has not been able to prove this fact by giving adequate evidence on the question. In the circumstance, it is not possible to accept the Management's plea that the second party-workman voluntarily absented from duty after 30-5-87.

Considering the facts and circumstances appearing in this case and particularly the paucity of evidence on the question, I think, it will not be proper to direct payment of full back wages to the second party-workman for the period he was not engaged to drive the departmental Jeep of the Executive Engineer until his reinstatement. Particularly the nature of his engagement being casual, such a direction will be, in my view, improper. I feel, interest of justice will be served, if the second party-workman is awarded a consolidated sum for the period he remained unengaged because of the wrong action of the Management. Accordingly, I would hold that the workman is entitled to reinstatement as DRM Jeep driver, from which post he has been illegally retrenched with immediate effect. Besides, he should be paid a consolidated sum of Rs. 5,000 towards his wages for the period he remained unemployed.

8. The reference is answered as below :—

The action of the Executive Engineer Civil Division, Telecommunication, Sambalpur in refusing employment to Sri Brajabandhu Panda, D.R.M. Jeep driver with effect from 2-5-87 is illegal and unjustified. The second party-workman Sri B. Panda is entitled to reinstatement as DRM Jeep driver with immediate effect and he should be paid a consolidated sum of Rs. 5,000 towards his wages for the period he remained unemployed.

Dictated and corrected by me.

S. K. MISRA, Presiding Officer

[No. L-40012/40/87-D.II(B)(Pt.)]

नई दिल्ली 10 जनवरी, 1991

का.प्र. 386:- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा वाटर प्रोजेक्ट के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-91 को प्राप्त हुआ

New Delhi, the 10th January, 1991

S.O. 386.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Heavy Water Project, Manuguru (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 9-1-91.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

#### PRESENT :

Sri K. Taranadh, B.Com., B.L., Industrial Tribunal.

Dated : 3rd December, 1990

Industrial Dispute No. 55 of 1988

#### BETWEEN:

The Workman of Heavy Water Project, Manuguru. (A.P.).

#### AND

The Management of Heavy Water Project, Manuguru. (A.P.).

#### APPEARANCES :

Sarvasri D. S. R. Varma and C. Balajinarayana, Advocates—for the Workman.

Sri M. Pandu Ranga Rao, Standing Counsel—for Central Government for Industrial and Labour Cases for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42011/67/87-D.II(B), dt. 18/19-5-1988 referred the following dispute under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Heavy Water Project, Manuguru (A.P.) and their workmen to this Tribunal for adjudication :

“Whether the demand of Heavy Water Project Contract Workers & Employees Union (AITUC), Manuguru for considering all those temporary daily rated employees who have completed 240 days attendance in their respective jobs for regularisation by the Management of Heavy Water Project, Manuguru (A.P.) is justified ? If Yes, to what relief the workman are entitled ?”

This reference was registered as Industrial Dispute No. 55 of 1988 and notices were issued to the parties.

2. In the claim statement filed on behalf of the workers, it was alleged that the Heavy Water Project, Manuguru was started in 1982. It employed about 270 workers on temporary basis on different jobs and all those workers were recruited in different years, since 1982 and it went on till 1985. All these workers have put in service of three to six years. They were broadly classified as skilled, semi skilled and unskilled and they are performing the duties under different nomenclatures like Pump Operators, Drivers, Electricians, Clerks, Typists, Mechanics, Helpers etc. But their services were discontinued after six months continuous service even though there was job opportunity for everybody. This practice was in vogue till 1986 and it was being adopted by the Management only with a view to deprive these workers benefits under the I.D. Act, and its provisions. There are regular employees in the Project and they are performing the same kinds of jobs like that of the temporary employees for example, Drivers, Clerks, Pump Operators etc. and for every job the Management was recruiting very few regular basis with more than Rs. 1,100.00 salary and many people on temporary basis with minimum daily rated wages may be roughly around Rs. 350.00 per month, or so. The very fact that there are no breaks in the service of these workmen



and the phasewise recruitment since 1982 clearly shows that there is continuous job opportunity for all these workmen. All these workers are under the direct Management and supervision at the Heavy Water Project, Manuguru. This project is again under the direct control of the Ministry of Science and Technology and Department of Atomic Energy Government of India, and such the project is supposed to be an ideal project than any other private undertaking. Instead, the Management has been resorting to a large scale exploitation of the workers. It is submitted that there are 100 permanent employees and the Management has been paying at the rate of more than Rs. 1,100.00 to the permanent employees and has been paying only at the rate of minimum wages which may be Rs. 350.00 and saving about Rs. 750.00 on every employees. This is contrary to the well established principle of equal pay for equal work which is the law of the land. It is submitted that when all these workers have been in continuous service since many years, and who have completed 240 days of continuous service can no longer be treated as daily rated temporary employees, when there is continuous job opportunity, it is irrational to keep them in temporary status perpetually. Hence it is prayed to pass an Award declaring the demand of Heavy Water Project Contract Workers and Employees' Union (HWPCEU) Manuguru who have completed 240 days of attendance in their respective jobs for regulations by the Management and also prayed that temporary employees should be directed to be treated as permanent employees.

3. A counter was filed by the Management contending that the Heavy Water Project is not an industry within the meaning of Section 2(j) of the I. D. Act. It is an Unit of the Department of Atomic Energy. It is engaged in the production heavy water and D.A.E. has envisaged a plan to produce 10,000 MM of power using Nuclear Reactors. This Heavy Water has to be produced and supplied to all reactors in the country and the capacity is expected to be 185 tonnes per annum. Manuguru was chosen as the site for this project due to proximity to coal, abundant water availability and barrenness of the land. Apart from the land for establishing the unit, the surrounding land within 1-1/2 K.Ms. radius was acquired for being used as Exclusion Zone to keep away human habitation near the Plant. After the plant is commissioned, it would work on mostly automated system and will need highly skilled Engineers and other highly skilled employees to run the plant and machinery. It was started in 1982 and as on today the total number of daily rated employees is 222, and they are mainly unskilled labour. They were engaged to set up temporary infrastructure for enabling construction activities to be taken up. The work was of temporary nature such as watch ward, distribution of materials, transportation and distribution of water etc. The ground water in Aswapuram and nearby areas have high fluoride content and hence till pipeline from Godavari Intake Well was commissioned, they had to transport even water to Township and most of the employees are continued to be engaged in doing manual work and a few with academic qualifications were employed and continue to do clerical duties. Infact the work of setting up of the plant has been entrusted to Consultants M/s. Tata Projects Limited and M/s. Engineers India Limited and they employed various contractors to execute the Project work; because of the delay in complete of construction on part of various agencies, the personnel employed for running the infrastructural facilities for enabling construction activities and who have been taken for specific work till the time of commissioning, had to be continued beyond the original date as envisaged at the time of commencement of the work. They had to be continued further due to Stay Order issued by Hon'ble High Court of A.P. in W.P.M.P. No. 18931 of 1986 and in W.P. No. 14560/86, even though the jobs for which the personnel had been recruited had come to an end. The equipment used in this project is highly sophisticated and was imported from outside. Apart from the construction of civil structures, quarters have to be constructed for regular employees. At the time of construction several unskilled manual labour have to be engaged for performing the work relating to purely construction phase. Their utility lasts till the construction phase is completed. It may be that they have worked for more 240 days continuously but they were engaged for specific purpose of erecting machinery construction of civil structure and or for incidental works connected with the establishment of

infrastructure of the unit for producing heavy water to be used in Nuclear Power Plants and now because of the Stay Order of A.P. High Court in W.P.M.P. No. 18931/86 and W.P. No. 14560/86. The production of heavy water's highly skilled work in the event of an accidental release of this gas, they got detailed instructions to follow, both to arrest further release of gas and evacuation of the area. It is very necessary and imperative that when the plant starts operation they should have within plant area only persons with some level of literacy and this process is highly automated system having sophisticated machinery and intensive training is imparted to the person who have been basic academic qualifications. Most the employees engaged initially on daily rated basis for the construction work have no basic educational qualifications standard and no amount of training imparted to them would make them able to operate the machinery. Even where qualified Engineers are recruited, they are again given intensive training and only after such training they are allowed to operate sophisticated machinery in the three units viz., Captive Power Plant, Main Plant and Upgrading Plants. All the daily wages employees are being paid in accordance with the Minimum Wages Act. There is no exploitation of worker in this Project. There is a difference between regular work and the work turned out by these daily rated workers. It is necessary to state here that because of the delay in completion of the Project, the employees who were employed for building up infrastructure have to be continued beyond 240 days. Even after induction of CISF in December, 1987 more than 35 daily rated persons employed earlier for security duty are continued even today in honour of the Court Order.

4. Then various contentions were taken like the permanent set up was considered by the Heavy Water Board and approved by the Department of Atomic Energy etc. and the standard of staff in order to regularise these workers and expect them to do normal operation of these sophisticated plants. They have so far appointed 524 Technical and 86 auxiliary employees, and after due process of selection for these posts many daily rated employees also applied. Their details are indicated in enclosure 'A'. It was also contended that any failure on the part of the employee or human error would cause havoc both to men and material in the Plant and the people living on the nearby areas. It has also to be seen that out of 222 employees, 96 are totally illiterate and others are semi illiterate. As and when regular appointments are made and daily rated employees are absorbed as regular employees and/or in case they perform the duties given to a regular employees, they will also be paid the same pay as is being paid to regular employees. It is requested to dismiss the claim petition.

5. Before proceeding further it may be mentioned that on the request of both the parties, the undersigned has got the good fortune of making local inspection on 15-11-1990 in the pre-ence of both sides Advocates and the Secretary of the Union. The inspection copy was also supplied to both the parties and no objections were filed by either side for inspection notes.

6. While on behalf of the Workers, two witnesses were examined on behalf of the Management, the Administrative Manager one Ramanujam was examined.

7. It is undoubtedly a project of national importance and the first priority must be given to the safety of the project and the running and functioning and efficiency all other things will take a second place. It can be safely stated, whether the workers are aware of it or not, this Tribunal is fully aware and alive to that. This Tribunal also fully aware that whatever its decision might be, it should not jeopardise the interest of the Nation.

8. But at the time same it will try its level best to find out whether without jeopardising the National interest, it can examine to that whether the management is functioning according to law or not. The endeavour of this Tribunal will be to find out whether under the garb of National interest and all these phrases, the Management is trying to flout the ordinarily accepted principles of natural justice and other legal requirements laid down by the law of the land, as followed by the workers or whether the Management itself is right in its contentions. Even the decided decisions and

the principles of law laid down by the Higher Courts and our Supreme Court, this Tribunal sincerely believes, will not jeopardise the National interest and they are perfectly aware of these problems, while laying down the principles.

9. All these things will be mere empty words unless we got into the details and find out what is the evidence that is adduced by both parties and assertions with regard to their respective claims. Of course naturally the workers stated that they are working since 1982 or so without any breaks. So many other people are engaged and employed after interviews on permanent basis, out though they are qualified, are not being given any jobs and they absorbed and thus principles are violated. W.W2 is the General Secretary of the Employees Union. As per him, there are 270 temporary employees on different jobs of which Drivers, Typists, Clerks Fitters, Electricians, Pump Operators, Mechanic Helpers etc. and they are classified as skilled, semi-skilled and unskilled from 1982 to 1985. They were being discontinued now and then over six months and appointed them by giving a gap of one or two months. But from 1986 onwards all the employees are working continuously. Of course on temporary basis.

10. M.W1 is one Ramanujam the Administrative Manager who was examined on 8-7-1989. He went on explaining how the project came to be located there, how the construction of the plant was given on contract to Engineers India for construction of the main plant, and to Tata Project for construction of Captive Power Plant, how they were engaging people for some casual work. The casual employees, as per MW-1, were being engaged, prior to availability of regular posts, for Land Survey, cleaning of temporary sheds, preparation and procurement of water, Tea, Snacks as there was no Canteen, occasionally to type letters and driving vehicles, for Security till December, 1987 and for some other miscellaneous work. They were permitted to recruit from 1986 and from that time these things went on. He filed some documents also.

11. In April 1986 the Workers Union gave a strike notice Ex. M1, they listed out 12 demands but the matter was discussed before the Asstt. Labour Commissioner, Vijayawada and finally an understanding was arrived at (Ex. M2) on 8-7-1986 roughly 2-1/2 months after Ex. M1. In August/September, 1986 when they were recruiting regular employees, they discontinued the services of about 25 daily rated employees (out of 300 daily rated employees) the Union went to High Court and brought a Stay Order. Ex. M3 is another notice issued in July 1987 strike notice with nine demands.

12. A Writ was also filed in 1986 itself. W.P. No. 14602/86 the General Secretary (W.W.2) gave an Affidavit. In that Writ Ex. M4 and the counter affidavit is Ex. M5. At that time, one Stephen Balasundaram was the Administrative Officer. The Writ Petition itself was disposed of on 11-4-1989 and no specific orders were passed "As the matter is pending before the Industrial Tribunal, no further orders are necessary. The Writ Petition is closed-no costs". After filing the petition, the workers also got Stay and hence the retrenchment of daily rated employees was not resorted to. Opportunities were given to the daily rated employees to apply and seek regular appointment, they appointed 73 persons from out of the daily rated employees (Ex. M8) Recently they conducted interviews and selected 10 more persons. They also called interview for Drivers Ex. M9. About 38 land losers who are working as daily rated employees, also are being considered for the posts of cosmetic helpers. Helper 'A' and Helper 'B' etc.

13. Then he asserted, being a Department of Central Government, they got certain norms fixed for recruitment which they should follow and being a dangerous gas using Plant, they had to select minimum literate people. With regard to the demand No. 7 of Ex. M3 the second strike notice issued in July 1987, that "all those completed 240 days attendance should be confirmed in their respective jobs", was not conceded by the Chairman of the Atomic Energy Commission who is also the Secretary for the Department of Atomic Energy etc.

14. He was very lengthily cross examined and the hallow-ness certain statements made by him were brought out in the cross examination. It may be mentioned here that the Writ Petition was filed as services of 25 daily rated employees, out of 300 daily rated employees was discontinued. In cross examination he categorically admitted "I did not file any records to show that we obtained approval for this in the year

1986 for the appointment, of regular staff." Then the important sentence follows". It is true that we retrenched 24 casual labourers on 30-9-1986 and that a Writ Petition was filed by them in the High Court. It is true that we appointed 21 new employees on 1-10-1986 on casual basis. I cannot say whether there is a provision in industrial Law to the effect that retrenched employee shall be preferred for appointment as against a fresh candidate under 25H of the I.D. Act. The normal rule is "Last come shall go first" under Industrial Law (Sec. 25G of I.D. Act), we did not follow the rule "Last come shall go first" in case of 24 employees we acted as per the terms of Ex M2. We maintained the seniority list of the casual labourers and we have not filed the list of the senior of Casual labourers in the Court.

15. "Again it was elicited" We have set of norms for recruitment and promotion and it is treated as a confidential document. However the advertisements given by the Department, indicate the qualifications age salary the eligibility for the posts advertised for, it."

16. Thus it is evident that Writ Petition was filed as 25 employees were retrenched or removed and their services discontinued and immediately 21 employees were appointed on the next day i.e. 1-10-1986, again as casual labourers. Thus it can be seen that the claim of the Management is not correct and there is very much scope or job opportunities in the plant by 1-10-1986, when the Writ Petition was filed.

17. As mentioned earlier, on the request of both the parties the undersigned got the benefit of making local inspection. Before proceeding further, this Tribunal hastens to add that it is not at all dealing with the scientific personnel employed in the Plant. Once again this Tribunal takes the opportunity to repeat and assert that it is also concerned with the National safety and National interest, though not more, atleast as equally as the Management is concerned. It is not at all touching the scientific personnel managing the establishment and none of these 240 alleged employees are in the sections as per the inspection notes, as on the date of inspection, the casual employees are just 185 persons and the Management itself presented a list of breakup figures at the time of inspection. Now at the time of dictation it is marked as Ex. C1. A perusal of this Ex. C1 indicate that nobody is there in the scientific sections, called loosely like Captive power Project, Safety Section, Main Control Room, Distillation Unit, Chemical Plant otherwise called as Demineralised Unit Power Plant. Apart from them technical Plant dealing with main scientific persons and whose duties are exclusively scientific in nature.

18. There are none scientific sections like xerox section, Electrical Sub-Station, Garage, Store Department, Canteen, First Aid Centre and Transport Department and Coal Handling Plant. It was also brought out during the inspection, that there are three Contractors by name Bhavanil, Prasad, Venkateshwarlu and Mandol under whom a number of employees were engaged to do the sweeping work, looking after Water Coolers etc. A perusal of Ex. C1 indicates that the highest number of daily rated employees were engaged in the Colony civil and Security 37 and 34 respectively. The next highest number was engaged in Administration 19, then Mechanical Main Plant 14; then Medical Section 12; Store Unit 14 like that. The minimum number was to be found in the Main Instrumentation-2, Technical Services-2 and Accounts-2. Thus a perusal of all these figures will indicate that there cannot be any threat or damage for the safety of the Plant, Operation of the Plant, daily maintenance of the Plant and none of these workers are working in the important sections at all.

19. In this background, this Tribunal will try to look into the legal aspects. As the main contention of the Management was, firstly it is not an industry at all. Secondly as the Settlement was in operation, there cannot be any reference and thirdly Section 25-F and G of the I.D. Act are not at all attracted.

20. It was contended by the learned Advocate for the Management firstly that this is not an industry at all and it is a State function and a Sovereign Act of the State, and for this purpose he placed strong reliance on Corporation of City of Nagpur v. Its Employees and others [1960(1) LLJ page

52 In the case 531, the aspect of the legal function is considered and aspects such as administration of justice, maintenance of order and repression of crime is among the primary and identifiable functions of constitutional Government. Hence in all the Supreme Court of India cases follows:

A Corporation may therefore discharge a dual function. It may be statutorily entrusted with legal functions strictly so-called such as making of laws, disposal of certain cases judicially etc. and also with other welfare activities. The former being delegated legal functions must be excluded from the ambit of the definition of 'industry'. But the activities with which this Tribunal is concerned now are not legal functions at all. Hence even as per this decision they need not be excluded from the ambit of industry.

Thus it was contended that this Heavy Water Project should not be considered as an industry. Of course reliance was also placed and attention was also drawn to the lower class decision of the Bangalore Water Supply v. Rappa 1978 (II) LIC page 467 and the attention was drawn to page 488 para 73. Anyhow this Tribunal has to emphasise the following words in the above extract:

"In any case it is open to Parliament or the State which governs the State's relation with its employees Articles 309 to 311 of the Constitution of India the enactments dealing with the Defence Forces and other legislation dealing with employment under statutory bodies may expressly or by necessary implication exclude the operation of the Industrial Disputes Act 1947. That is a question of interpretation and statutory exclusion but it is the effect of such provision of law that must be assumed that the key aspects of public administration like public justice stand out of the ambit of industry. Even here it has been brought out from the excerpts of ILO documents it is not every employee who is excluded but only certain categories primarily engaged and supportively employed in the discharge of the essential functions of constitutional government. In a limited way the head of exclusion has been recognised without emphasis underlined by me only)

21 But it can also be stated that the summation of the entire judgement which can be found in para 161 pages 513 and 514 indicates that the quite senses of the judgement is otherwise. For example on page 514 III (c) reads as follows —

"The consequences are (i) professions (ii) clubs and educational institutions (iii) co-operative societies (iv) charitable institutions (v) charitable projects and (vi) other kindred ventures if they fulfil the conditions listed in (i) supra cannot be exempted from the scope of Section 2(a)

(b) a restricted category of professions, clubs, co-operatives and even gurukulis and Hindu religious institutions may qualify for exemption if in sample they are substantial and going by the definition of the term 'employee' substantially no employees are entertained but in minimal matters minimal employees are hired without destroying the essential character of the unit"

It may also be mentioned here that the functional and decisive test is the nature of the activity and the relationship of employer and employee relationship.

22 As mentioned earlier in the beginning of the case itself now we are not concerned with the State or the state and National interest because these employees are not Scientists and they are not as the Scientific side. The 185 employees can be found in Ex. C1, C2, C3, C4, C5, C6, C7, C8, C9, C10, C11, C12, C13, C14, C15, C16, C17, C18, C19, C20, C21, C22, C23, C24, C25, C26, C27, C28, C29, C30, C31, C32, C33, C34, C35, C36, C37, C38, C39, C40, C41, C42, C43, C44, C45, C46, C47, C48, C49, C50, C51, C52, C53, C54, C55, C56, C57, C58, C59, C60, C61, C62, C63, C64, C65, C66, C67, C68, C69, C70, C71, C72, C73, C74, C75, C76, C77, C78, C79, C80, C81, C82, C83, C84, C85, C86, C87, C88, C89, C90, C91, C92, C93, C94, C95, C96, C97, C98, C99, C100, C101, C102, C103, C104, C105, C106, C107, C108, C109, C110, C111, C112, C113, C114, C115, C116, C117, C118, C119, C120, C121, C122, C123, C124, C125, C126, C127, C128, C129, C130, C131, C132, C133, C134, C135, C136, C137, C138, C139, C140, C141, C142, C143, C144, C145, C146, C147, C148, C149, C150, C151, C152, C153, C154, C155, C156, C157, C158, C159, C160, C161, C162, C163, C164, C165, C166, C167, C168, C169, C170, C171, C172, C173, C174, C175, C176, C177, C178, C179, C180, C181, C182, C183, C184, C185, C186, C187, C188, C189, C190, C191, C192, C193, C194, C195, C196, C197, C198, C199, C200, C201, C202, C203, C204, C205, C206, C207, C208, C209, C210, C211, C212, C213, C214, C215, C216, C217, C218, C219, C220, C221, C222, C223, C224, C225, C226, C227, C228, C229, C230, C231, C232, C233, C234, C235, C236, C237, C238, C239, C240, C241, C242, C243, C244, C245, C246, C247, C248, C249, C250, C251, C252, C253, C254, C255, C256, C257, C258, C259, C260, C261, C262, C263, C264, C265, C266, C267, C268, C269, C270, C271, C272, C273, C274, C275, C276, C277, C278, C279, C280, C281, C282, C283, C284, C285, C286, C287, C288, C289, C290, C291, C292, C293, C294, C295, C296, C297, C298, C299, C300, C301, C302, C303, C304, C305, C306, C307, C308, C309, C310, C311, C312, C313, C314, C315, C316, C317, C318, C319, C320, C321, C322, C323, C324, C325, C326, C327, C328, C329, C330, C331, C332, C333, C334, C335, C336, C337, C338, C339, C340, C341, C342, C343, C344, C345, C346, C347, C348, C349, C350, C351, C352, C353, C354, C355, C356, C357, C358, C359, C360, C361, C362, C363, C364, C365, C366, C367, C368, C369, C370, C371, C372, C373, C374, C375, C376, C377, C378, C379, C380, C381, C382, C383, C384, C385, C386, C387, C388, C389, C390, C391, C392, C393, C394, C395, C396, C397, C398, C399, C400, C401, C402, C403, C404, C405, C406, C407, C408, C409, C410, C411, C412, C413, C414, C415, C416, C417, C418, C419, C420, C421, C422, C423, C424, C425, C426, C427, C428, C429, C430, C431, C432, C433, C434, C435, C436, C437, C438, C439, C440, C441, C442, C443, C444, C445, C446, C447, C448, C449, C450, C451, C452, C453, C454, C455, C456, C457, C458, C459, C460, C461, C462, C463, C464, C465, C466, C467, C468, C469, C470, C471, C472, C473, C474, C475, C476, C477, C478, C479, C480, C481, C482, C483, C484, C485, C486, C487, C488, C489, C490, C491, C492, C493, C494, C495, C496, C497, C498, C499, C500, C501, C502, C503, C504, C505, C506, C507, C508, C509, C510, C511, C512, C513, C514, C515, C516, C517, C518, C519, C520, C521, C522, C523, C524, C525, C526, C527, C528, C529, C530, C531, C532, C533, C534, C535, C536, C537, C538, C539, C540, C541, C542, C543, C544, C545, C546, C547, C548, C549, C550, C551, C552, C553, C554, C555, C556, C557, C558, C559, C560, C561, C562, C563, C564, C565, C566, C567, C568, C569, C570, C571, C572, C573, C574, C575, C576, C577, C578, C579, C580, C581, C582, C583, C584, C585, C586, C587, C588, C589, C590, C591, C592, C593, C594, C595, C596, C597, C598, C599, C600, C601, C602, C603, C604, C605, C606, C607, C608, C609, C610, C611, C612, C613, C614, C615, C616, C617, C618, C619, C620, C621, C622, C623, C624, C625, C626, C627, C628, C629, C630, C631, C632, C633, C634, C635, C636, C637, C638, C639, C640, C641, C642, C643, C644, C645, C646, C647, C648, C649, C650, C651, C652, C653, C654, C655, C656, C657, C658, C659, C660, C661, C662, C663, C664, C665, C666, C667, C668, C669, C670, C671, C672, C673, C674, C675, C676, C677, C678, C679, C680, C681, C682, C683, C684, C685, C686, C687, C688, C689, C690, C691, C692, C693, C694, C695, C696, C697, C698, C699, C700, C701, C702, C703, C704, C705, C706, C707, C708, C709, C710, C711, C712, C713, C714, C715, C716, C717, C718, C719, C720, C721, C722, C723, C724, C725, C726, C727, C728, C729, C730, C731, C732, C733, C734, C735, C736, C737, C738, C739, C740, C741, C742, C743, C744, C745, C746, C747, C748, C749, C750, C751, C752, C753, C754, C755, C756, C757, C758, C759, C760, C761, C762, C763, C764, C765, C766, C767, C768, C769, C770, C771, C772, C773, C774, C775, C776, C777, C778, C779, C780, C781, C782, C783, C784, C785, C786, C787, C788, C789, C790, C791, C792, C793, C794, C795, C796, C797, C798, C799, C800, C801, C802, C803, C804, C805, C806, C807, C808, C809, C810, C811, C812, C813, C814, C815, C816, C817, C818, C819, C820, C821, C822, C823, C824, C825, C826, C827, C828, C829, C830, C831, C832, C833, C834, C835, C836, C837, C838, C839, C840, C841, C842, C843, C844, C845, C846, C847, C848, C849, C850, C851, C852, C853, C854, C855, C856, C857, C858, C859, C860, C861, C862, C863, C864, C865, C866, C867, C868, C869, C870, C871, C872, C873, C874, C875, C876, C877, C878, C879, C880, C881, C882, C883, C884, C885, C886, C887, C888, C889, C890, C891, C892, C893, C894, C895, C896, C897, C898, C899, C900, C901, C902, C903, C904, C905, C906, C907, C908, C909, C910, C911, C912, C913, C914, C915, C916, C917, C918, C919, C920, C921, C922, C923, C924, C925, C926, C927, C928, C929, C930, C931, C932, C933, C934, C935, C936, C937, C938, C939, C940, C941, C942, C943, C944, C945, C946, C947, C948, C949, C950, C951, C952, C953, C954, C955, C956, C957, C958, C959, C960, C961, C962, C963, C964, C965, C966, C967, C968, C969, C970, C971, C972, C973, C974, C975, C976, C977, C978, C979, C980, C981, C982, C983, C984, C985, C986, C987, C988, C989, C990, C991, C992, C993, C994, C995, C996, C997, C998, C999, C1000, C1001, C1002, C1003, C1004, C1005, C1006, C1007, C1008, C1009, C1010, C1011, C1012, C1013, C1014, C1015, C1016, C1017, C1018, C1019, C1020, C1021, C1022, C1023, C1024, C1025, C1026, C1027, C1028, C1029, C1030, C1031, C1032, C1033, C1034, C1035, C1036, C1037, C1038, C1039, C1040, C1041, C1042, C1043, C1044, C1045, C1046, C1047, C1048, C1049, C1050, C1051, C1052, C1053, C1054, C1055, C1056, C1057, C1058, C1059, C1060, C1061, C1062, C1063, C1064, C1065, C1066, C1067, C1068, C1069, C1070, C1071, C1072, C1073, C1074, C1075, C1076, C1077, C1078, C1079, C1080, C1081, C1082, C1083, C1084, C1085, C1086, C1087, C1088, C1089, C1090, C1091, C1092, C1093, C1094, C1095, C1096, C1097, C1098, C1099, C1100, C1101, C1102, C1103, C1104, C1105, C1106, C1107, C1108, C1109, C1110, C1111, C1112, C1113, C1114, C1115, C1116, C1117, C1118, C1119, C1120, C1121, C1122, C1123, C1124, C1125, C1126, C1127, C1128, C1129, C1130, C1131, C1132, C1133, C1134, C1135, C1136, C1137, C1138, C1139, C1140, C1141, C1142, C1143, C1144, C1145, C1146, C1147, C1148, C1149, C1150, C1151, C1152, C1153, C1154, C1155, C1156, C1157, C1158, C1159, C1160, C1161, C1162, C1163, C1164, C1165, C1166, C1167, C1168, C1169, C1170, C1171, C1172, C1173, C1174, C1175, C1176, C1177, C1178, C1179, C1180, C1181, C1182, C1183, C1184, C1185, C1186, C1187, C1188, C1189, C1190, C1191, C1192, C1193, C1194, C1195, C1196, C1197, C1198, C1199, C1200, C1201, C1202, C1203, C1204, C1205, C1206, C1207, C1208, C1209, C1210, C1211, C1212, C1213, C1214, C1215, C1216, C1217, C1218, C1219, C1220, C1221, C1222, C1223, C1224, C1225, C1226, C1227, C1228, C1229, C1230, C1231, C1232, C1233, C1234, C1235, C1236, C1237, C1238, C1239, C1240, C1241, C1242, C1243, C1244, C1245, C1246, C1247, C1248, C1249, C1250, C1251, C1252, C1253, C1254, C1255, C1256, C1257, C1258, C1259, C1260, C1261, C1262, C1263, C1264, C1265, C1266, C1267, C1268, C1269, C1270, C1271, C1272, C1273, C1274, C1275, C1276, C1277, C1278, C1279, C1280, C1281, C1282, C1283, C1284, C1285, C1286, C1287, C1288, C1289, C1290, C1291, C1292, C1293, C1294, C1295, C1296, C1297, C1298, C1299, C1300, C1301, C1302, C1303, C1304, C1305, C1306, C1307, C1308, C1309, C1310, C1311, C1312, C1313, C1314, C1315, C1316, C1317, C1318, C1319, C1320, C1321, C1322, C1323, C1324, C1325, C1326, C1327, C1328, C1329, C1330, C1331, C1332, C1333, C1334, C1335, C1336, C1337, C1338, C1339, C1340, C1341, C1342, C1343, C1344, C1345, C1346, C1347, C1348, C1349, C1350, C1351, C1352, C1353, C1354, C1355, C1356, C1357, C1358, C1359, C1360, C1361, C1362, C1363, C1364, C1365, C1366, C1367, C1368, C1369, C1370, C1371, C1372, C1373, C1374, C1375, C1376, C1377, C1378, C1379, C1380, C1381, C1382, C1383, C1384, C1385, C1386, C1387, C1388, C1389, C1390, C1391, C1392, C1393, C1394, C1395, C1396, C1397, C1398, C1399, C1400, C1401, C1402, C1403, C1404, C1405, C1406, C1407, C1408, C1409, C1410, C1411, C1412, C1413, C1414, C1415, C1416, C1417, C1418, C1419, C1420, C1421, C1422, C1423, C1424, C1425, C1426, C1427, C1428, C1429, C1430, C1431, C1432, C1433, C1434, C1435, C1436, C1437, C1438, C1439, C1440, C1441, C1442, C1443, C1444, C1445, C1446, C1447, C1448, C1449, C1450, C1451, C1452, C1453, C1454, C1455, C1456, C1457, C1458, C1459, C1460, C1461, C1462, C1463, C1464, C1465, C1466, C1467, C1468, C1469, C1470, C1471, C1472, C1473, C1474, C1475, C1476, C1477, C1478, C1479, C1480, C1481, C1482, C1483, C1484, C1485, C1486, C1487, C1488, C1489, C1490, C1491, C1492, C1493, C1494, C1495, C1496, C1497, C1498, C1499, C1500, C1501, C1502, C1503, C1504, C1505, C1506, C1507, C1508, C1509, C1510, C1511, C1512, C1513, C1514, C1515, C1516, C1517, C1518, C1519, C1520, C1521, C1522, C1523, C1524, C1525, C1526, C1527, C1528, C1529, C1530, C1531, C1532, C1533, C1534, C1535, C1536, C1537, C1538, C1539, C1540, C1541, C1542, C1543, C1544, C1545, C1546, C1547, C1548, C1549, C1550, C1551, C1552, C1553, C1554, C1555, C1556, C1557, C1558, C1559, C1560, C1561, C1562, C1563, C1564, C1565, C1566, C1567, C1568, C1569, C1570, C1571, C1572, C1573, C1574, C1575, C1576, C1577, C1578, C1579, C1580, C1581, C1582, C1583, C1584, C1585, C1586, C1587, C1588, C1589, C1590, C1591, C1592, C1593, C1594, C1595, C1596, C1597, C1598, C1599, C1600, C1601, C1602, C1603, C1604, C1605, C1606, C1607, C1608, C1609, C1610, C1611, C1612, C1613, C1614, C1615, C1616, C1617, C1618, C1619, C1620, C1621, C1622, C1623, C1624, C1625, C1626, C1627, C1628, C1629, C1630, C1631, C1632, C1633, C1634, C1635, C1636, C1637, C1638, C1639, C1640, C1641, C1642, C1643, C1644, C1645, C1646, C1647, C1648, C1649, C1650, C1651, C1652, C1653, C1654, C1655, C1656, C1657, C1658, C1659, C1660, C1661, C1662, C1663, C1664, C1665, C1666, C1667, C1668, C1669, C1670, C1671, C1672, C1673, C1674, C1675, C1676, C1677, C1678, C1679, C1680, C1681, C1682, C1683, C1684, C1685, C1686, C1687, C1688, C1689, C1690, C1691, C1692, C1693, C1694, C1695, C1696, C1697, C1698, C1699, C1700, C1701, C1702, C1703, C1704, C1705, C1706, C1707, C1708, C1709, C1710, C1711, C1712, C1713, C1714, C1715, C1716, C1717, C1718, C1719, C1720, C1721, C1722, C1723, C1724, C1725, C1726, C1727, C1728, C1729, C1730, C1731, C1732, C1733, C1734, C1735, C1736, C1737, C1738, C1739, C1740, C1741, C1742, C1743, C1744, C1745, C1746, C1747, C1748, C1749, C1750, C1751, C1752, C1753, C1754, C1755, C1756, C1757, C1758, C1759, C1760, C1761, C1762, C1763, C1764, C1765, C1766, C1767, C1768, C1769, C1770, C1771, C1772, C1773, C1774, C1775, C1776, C1777, C1778, C1779, C1780, C1781, C1782, C1783, C1784, C1785, C1786, C1787, C1788, C1789, C1790, C1791, C1792, C1793, C1794, C1795, C1796, C1797, C1798, C1799, C1800, C1801, C1802, C1803, C1804, C1805, C1806, C1807, C1808, C1809, C1810, C1811, C1812, C1813, C1814, C1815, C1816, C1817, C1818, C1819, C1820, C1821, C1822, C1823, C1824, C1825, C1826, C1827, C1828, C1829, C1830, C1831, C1832, C1833, C1834, C1835, C1836, C1837, C1838, C1839, C1840, C1841, C1842, C1843, C1844, C1845, C1846, C1847, C1848, C1849, C1850, C1851, C1852, C1853, C1854, C1855, C1856, C1857, C1858, C1859, C1860, C1861, C1862, C1863, C1864, C1865, C1866, C1867, C1868, C1869, C1870, C1871, C1872, C1873, C1874, C1875, C1876, C1877, C1878, C1879, C1880, C1881, C1882, C1883, C1884, C1885, C1886, C1887, C1888, C1889, C1890, C1891, C1892, C1893, C1894, C1895, C1896, C1897, C1898, C1899, C1900, C1901, C1902, C1903, C1904, C1905, C1906, C1907, C1908, C1909, C1910, C1911, C1912, C1913, C1914, C1915, C1916, C1917, C1918, C1919, C1920, C1921, C1922, C1923, C1924, C1925, C1926, C1927, C1928, C1929, C1930, C1931, C1932, C1933, C1934, C1935, C1936, C1937, C1938, C1939, C1940, C1941, C1942, C1943, C1944, C1945, C1946, C1947, C1948, C1949, C1950, C1951, C1952, C1953, C1954, C1955, C1956, C1957, C1958, C1959, C1960, C1961, C1962, C1963, C1964, C1965, C1966, C1967, C1968, C1969, C1970, C1971, C1972, C1973, C1974, C1975, C1976, C1977, C1978, C1979, C1980, C1981, C1982, C1983, C1984, C1985, C1986, C1987, C1988, C1989, C1990, C1991, C1992, C1993, C1994, C1995, C1996, C1997, C1998, C1999, C2000, C2001, C2002, C2003, C2004, C2005, C2006, C2007, C2008, C2009, C2010, C2011, C2012, C2013, C2014, C2015, C2016, C2017, C2018, C2019, C2020, C2021, C2022, C2023, C2024, C2025, C2026, C2027, C2028, C2029, C2030, C2031, C2032, C2033, C2034, C2035, C2036, C2037, C2038, C2039, C2040, C2041, C2042, C2043, C2044, C2045, C2046, C2047, C2048, C2049, C2050, C2051, C2052, C2053, C2054, C2055, C2056, C2057, C2058, C2059, C2060, C2061, C2062, C2063, C2064, C2065, C20

of laid down by contract between the parties. In fact, after such bye-laws laying down the condition of service are made and any person enters the employment of a society, those conditions of service will have to be treated as conditions accepted by the employees when entering the service and will thus bind him like conditions of service specifically forming part of the contract of service. The bye-laws that can be framed by a society under the Act are similar in nature to the articles of Association of a company incorporated under the companies Act and such Articles of Association have never been held to have the force of law. In a number of cases, conditions of service for industries are laid down by Standing Orders, certified under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 and it has been held that though such Standing Orders are binding between the employers and the employees of the industry governed by these Standing Orders, they do not have such force of law as to be binding on Industrial Tribunal adjudicating on industrial dispute. The jurisdiction which is granted to Industrial Tribunal by the Industrial Disputes Act is not the jurisdiction of merely administering the existing laws and enforcing existing contracts. Industrial Tribunals have the right even to vary contracts of service between the employer and the employees which jurisdiction can never be exercised by a civil Court or a Registrar acting under the Co-operative Societies Act so that the circumstance that, in granting relief on issue No. 1, the Tribunal will have to vary the special bye-laws framed by the Co-operative Bank does not lead to the inference that the Tribunal would be incompetent to grant the reliefs sought in this reference. In fact, the reliefs could only be granted by the Industrial Tribunal and could not fall within the scope of the powers of the Registrar dealing with a dispute under Section 61 of the Act." (underlined by me).

He strongly contended that the Industrial Tribunal jurisdiction is very, and in justifiable cases it can go behind the so-called settlement and requested specifically that this Tribunal should consider all these aspects thoroughly and must render justice to the daily rated employees. No other decision which will doubt the validity of the 1970 S.C. page 245 was brought to my notice by the learned advocate for the Management.

27. So also we can refer to provisions of Sections 12, 18 and 19 of the I. D. Act and Section 2(p) of the I. D. Act. Section 2(p) of the I. D. Act merely defines a Settlement. Section 18 deals with person on whom Settlements and Award are binding and it says that a Settlement by arrangement arrived at between the employer and the workman is binding on all parties to the dispute. Section 19 says that Settlement shall be binding for such period as is agreed upon by the parties and if no such period is agreed upon, for a period of six months from the date on which the memorandum of settlement is signed by the parties to the dispute and shall continue to be binding on the parties after the expiry of the period aforesaid, until the expiry of two months from the date on which a notice in writing of an intention to termination the settlement is given by one of the parties to the other party or parties to the Settlement."

28. It was contended that there was no notice expressing their intention to terminate the Settlement. It is true that there is no notice in the sense of complying the language of Section 19(2) But one should not over look the fact that the term itself is only project is completed. Even as per the Management the project was completed. Thus when the life of the settlement was determined by the terms of the Settlement till the happening of the particular event, and that event has already happened, there will be no meaning in referring to the language of Section 19(2), and to contend that no notice was given and hence Ex. M-2 Settlement is still in operation, hence as the Settlement is pending this reference becomes illegal etc. Somehow this Tribunal is not inclined to countenance this sort of argument.

29. Ofcourse in this case the learned advocates for the Management placed strong reliance on these decisions, *Poona Mazdoor Sabha v. Dhatia and ANR.* [1956 (II) page 319] A judgement of the Bombay High Court rendered by Late M. C. Chagla. The facts are entirely different here. Because the terms of the Settlements were not extracted and a perusal of the facts as given out in this judgement, indicate that a demand was made with regard to wages D.A. Leave facilities, a charter of demands. The charter of demands will naturally be a running affairs but construction of a building cannot be a running affair. Here Ex. M-2 terms specifically refers to construction of project and it is admitted on all counts that the construction of the project is completed and the plant giving to become critical shortly or already became critical. Hence this decision will not be of any avail to the Management.

30. Likewise *Shukla Manseta Industrial Pvt. Ltd. v. Workman* [1977 (II) L.J. page 339] A judgement of the Supreme Court. Here a perusal of the facts indicate that there was a settlement only in 1970 and it remained in force for two years 1973 May Notice was given on May 1976 terminating the Settlement and after expiry of two months, which also coincide and with July 1973 the Settlement was terminated afterwards they raised some demands in August 1973 which was referred to the Tribunal. Finally the Court observed that there was no substance in the reference, it is incompetent and invalid. Once again the same criticism will apply to this decision also. It is not a term of that settlement that after the happening of a particular event, it will come to an end etc. The terms of the Settlement was not spelt out.

31. Reliance was also placed on behalf of the Management on *State of Punjab v. Kuldeep Singh and Another* [1983 (I) L.J. page 309] A judgement of the Punjab and Haryana High Court by a full bench of three judges wherein it was held that Public Works Department (Buildings and Roads) did not carry on trade or business and infact carried a sovereign activity of the Government, and therefore not an industry within the meaning of Section 2(i). Reliance was also placed in *B. K. Bharti and Ors. v. State of Bihar and Ors.* [1984 (I) L.J. page 214] A full bench decision of Patna High Court. A perusal of this judgement indicate that it is mere favourable to the workers. Here once again the dominant tests as laid down by *Bangalore Water Supply and Sewerage v. Rajappa* (S.C. 1978) was relied upon and it was categorically observed as follows on pages 226 and 227 :

"... However I may hasten to add, that even in such a Department if any unit is severable and satisfies the test mentioned above, then that unit certainly should be held to be an industry. For example, a Lac Manufacturing Factory run by the Department of Forest can certainly be held to be an industry taking it as a separate unit."

The Management also placed reliance in *Tata Engg. and Locomotive Co. Ltd. v. Workers* [1981 (II) L.J. page 429] A judgement of the Supreme Court. Ofcourse it relates to the aspect of validity of the Settlement. A perusal of the facts indicate that out of total 635 workmen, 564 signed the declaration and later on 400 challenged the Settlement. In those circumstances the Supreme Court observed as follows : on page 431 :

"The only reasonable inference to be drawn from that circumstances would, however, be that atleast 329 workers changed sides in between the 18th of February 1970 and the 14th of April, 1970. It cannot be further interpreted to mean, in the absence of any other evidence on the point, that the declaration, when made, was false."

A settlement cannot be weighed in any golden scales and the question whether it is just and fair has to be answered on the basis of principles different from those which come into play when an industrial dispute is under adjudication.

If the settlement had been arrived at by a vast majority of the concerned workers with their eyes open and was also accepted by them in its totality, it must be presumed to be just fair and not liable

to be ignored while deciding the reference merely because small number of workers (in this case 71 i.e. 11.18 per cent) were not parties to it or refused to accept it or because the Tribunal was of the opinion that the workers deserved marginally higher amoluments than they themselves thought, they did.

32. Lastly reliance was placed on H. Zinc W. Union and ANR. Management A.I.P.H.H. Zinc Ltd. and Ors. [1988 (1) LLJ, page 207]. A perusal of the facts indicate that there was a settlement reached between the A.L.C. (Central) agreeing that an appeal should be submitted to the Management and the punishment awarded should be other than dismissal, discharge or removal. Accordingly the employee submitted an appeal and the order of dismissal was converted into an order of discharge. Thereupon a Writ was filed. It was referred to Industrial Tribunal. It was contended by the workmen that the reference was infructuous, in view of the said agreement reached before the Assistant Labour Commissioner (Central) and the Writ Petition was dismissed. The Industrial Tribunal upheld the plea that there was no dispute since there was a settlement between the parties. In these circumstances, it was held that if an agreement between the parties was put on record by way of minutes signed by both the parties as a result of efforts made by the Conciliation Officer the minutes is a 'Settlement' reached in the course of conciliation process. It cannot be said that once the Conciliation Officer submits the report on conciliation proceedings, any agreement arrived at subsequently through the good offices of the Conciliation Officer is not a settlement in the course conciliation proceedings. It also held that it is not necessary that the Settlement should be in the prescribed form. It is enough if it substantially complies with the requirements in the prescribed form.

33. But it can be safely stated that all these decisions will be of no avail for the learned Advocate for the Management for one simple reason. The Settlement is not an perpetual one a natural death clause was incorporated in the terms itself. The Settlement is that "till the completion of the building, they should not retrench or removed or discontinuance the services." Once the Project is completed, automatically it comes to an end. Hence all these decisions are of no avail of the learned Advocate for the Management.

34. Then an argument was raised that Section 25-F and G of the I. D. Act are not attracted. Section 25-F of the I. D. Act deals with conditions precedent to retrenchment of workman, like giving one month's notice in writing that the workman has been paid. Section 25-G deals with procedure for retrenchment.

It may be mentioned here that this language of Section 25-G is very specific and emphasis that "..... in the absence of any agreement between the employer and the workman in this behalf, the employer shall ordinarily retrench the workman who was the last person to be employed in that category, unless for reasons to be recorded the employer retrenches any other workman."

35. There is also Section 25-H of the I. D. Act which states that "Where any workmen are retrenched and the employer proposes to take into his employ any persons, he shall, in such manner as may be prescribed give an opportunity to the retrenched workman who are citizens of India to offer themselves for re-employment, and such retrenched workmen who offer themselves for re-employment shall have preference over other persons. "As per the evidence of MW-1 these two Sections blatantly and patently were violated. As per him there is a seniority list for the daily rated employees, which was not filed before this Tribunal. they retrenched 25 employees on 30-9-1986 and on the next day employed 21 persons. He is also very much emphatic that they did not follow the rule "last come first go", in the case of 24 employees. In view of all these things, this Tribunal is unable to understand how the action of the Management can be justified in this matter.

36. On the other hand the learned Advocate for the Workman places strong reliance in Daily Rated Casual Labour Employed Under P and T Department v. Union of India (AIR 1987 S.C. page 2342). Here the daily rated

casual labourers employed under P&T Department approached Supreme Court. The Supreme Court found fault with the classification of employees into regular recruited, casual employees rendering some kind of service and when they are working for more than a year in the Department and some of them have been engaged as casual labourers for nearly ten years. The Supreme Court also directed the Government and other authorities to pay wages to workmen who were employed as casual labourers at the rates equivalent to the minimum pay in the pay scales of regularly employed workers in the corresponding cadres and also directed the authorities to prepare a scheme on a rational basis for absorbing, as far as possible, the casual labourers who have been continuously working for more than one year in the Post and Telegraphs Department."

37. He also placed reliance in U.P. Income Tax Department C.P.S.W. Association v. Union of India (1988 S.C. Page 517). In U.P. Income Tax Department, with regard to contingent paid staff who are working as Class IV, the S.C. gave some direction. In another decision reported at page 519 in connection with the Employees of Delhi Municipal Karamchahi Ekta Union V. P. I. Singh on daily wages for more than 8 years, the Management was directed to prepare a scheme on rational basis.

37. On this aspect, the learned Advocate for the Management placed reliance in R. P. Malhotra v. Chief I. T. Commr Pataala (AIR 1990 page 2054 S.C.). Here some of the employees were working for a long time and when they asked for regularisation, the Management opposed that the petitioners were being contingent on humanitarian grounds. For several years even though there is no work for them they are being paid and hence there is no question of regularising the services and pay regular workers. In fact when they are not doing any work for a long time."

38. Here our position is entirely different. Out of 185 employees as shown by the Management itself Ex. C-1, it cannot be said that all of them are superfluous and not having any work because it is admitted by the Management and was brought categorically in the inspection notes, there is no denial of these facts by the Management even, that there are three contractors namely Bhavan Prasad, Venkateshwar Rao and Mandol and a number of employees were engaged in the sweeping work, looking after water coolers etc. Of course it is not possible, as these contractors are not parties and they are not brought before this Tribunal, to know clearly and precisely how many employees were engaged by each Contractor and what work was being done by them and howmuch they were being paid for the work, and howmuch the Contractor was being paid by the Management for extracting that work from them. But the fact is there is work and that work is being done through Contractors, neglecting the daily rated employees who were already working since the last more than 240 days.

39. Of course the Management itself filed Ex. M-7 giving out a list of 51 employees namely who have completed 240 days and more during the years 1984, 1985 and 1986. It also filed Ex. M-8 as per which some 73 workers were already employed on regular basis from 1984 onwards and out of these appointments from 1988 onwards 40 persons were appointed i.e. during the pendency of this industrial dispute.

40. The action of the Management is really commendable for its attitude. It also marked another list Ex. M-9 who were found fit in the selection process, some 17 employees. Unfortunately all these things cannot exempt the Management and cannot give them a right to violate Section 25-B which defines continuous service of 240 days during a period of 12 calendar months. A person who is in continuous employment shall not be retrenched without following the procedure under Sections 25-G and H of the I. D. Act. Thus all these are evidently violated by the Management in this case.

41. Apart from it a number of documents were filed by the Advocate for the Workman under seven categories A to G in the month of November 9th. Of course it was objected to by the other side as "May be marked subject to proof and relevancy" No body was examined and strictly it cannot be said that they were proved. But a perusal of

these documents indicate all these xerox copies were issued by the authorities of Heavy Water Project (Manuguru) only to the various employees, showing that the person is a skilled worker, semi-skilled, Plumber etc. and some of them are working from 1984 onwards. They also filed a list of Contractors workers. The entire bunch of A, B, C, D, E, G is marked as Ex C-2 at the time of dictating the award.

42. In this list No 'C' pertains to the workers engaged by the Contractors like Bhavani Prasad, Jagannath, Venkateshwar Rao, Radhakrishna Rao, Satyanarayana. A perusal of these lists indicate that nearly more than 100 employees were engaged by these Contractors. Another list 'E' was filed—list of those who joined recently in the place of daily rated employees. Out of a list of 111 employees who joined on regular basis, most of them joined only after July 1988, or in 1989 only four people were regularly employed in 1986. Two lists 'F' and 'G' were filed showing casual workers retrenched on 30-9-86 and workers recruited on 1-10-1986 in the place of those retrenched. Of course the names given in it while WM-1 admitted that fact.

43. Thus all these lists are being mentioned here only to say that there is work for these daily rated employees still in the Project. But now that the work is being extracted through some Contractors, who in their turn employ some casual labourers. Whereas all the members of the Union were there since a long time, definitely for more than 240 days. The endeavour of this Tribunal only is to point out that the latest decision relied upon by the Learned advocate for the Management Satyanarayana Sharma v. National Mineral Development Corporation Ltd. (AIR 1990 S.C. page 2054) is not applicable to the facts of this case and in our matter nobody need be maintained on humanitarian grounds though there is no work.

44. There is work but keeping the daily rated employees like that, that work is being attended by some other employees who are not under the direct employment by the Management but under the employment of the Contractor.

45. No rules and regulations or other enactment or other direction was filed before this Tribunal to say that in view of its discharging the sovereign functions, it is not an industry within the provisions of I. D. Act and not applicable to Heavy Water Project, Manugur.

46. Likewise applying the dominant test principle enunciated by the decision in Bangalore Water Supply and Sewerage v. Rajappa [1978 (II) LIC page 457] case also all these employees will come under the definition of industrial workers only.

47. Before closing, once again this Tribunal hastens to add that these are only skilled, semi-skilled and unskilled workers only, they are not technical Engineers, and Scientists and employing them or providing them employment, will not jeopardise either National interest or the Project or safety of the Project. This Tribunal is very much concerned with the welfare of the Society.

48. In view of all these things, an Award is hereby passed holding that the demands of the Heavy Project Contract Workers and Employees Union (AITUC) Manugur for considering all those temporary daily rated employees who have completed 240 days attendance in their respective jobs for regularisation by the Management of Heavy Water Project, Manugur is justified (1) directing that all the skilled semi-skilled and unskilled daily rated employees who are at present working and should find a place in Ex. C-1 namely 185 employees should be absorbed as regular employees and they should be absorbed in the place of the Contract workers working under contractors like Bhavani Prasad, Venkateshwar Rao, Mandol, Satyanarayana, Radhakrishna, Jagannadha Rao and other contractors, (2) As they have already completed 240 continuous working days and as the Management failed to file any documents to show that they are exempted from this provision of the Industrial Law, they are bound to be absorbed by finding out ways and means by the Management itself and (3) under no circumstances their services should be terminated or they should be retrenched, or removed if necessary, to use the language of the Supreme Court, a scheme must be prepared by the Management to absorb them.

Award passed accordingly

Dictated to the Stenographer transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this 12<sup>th</sup> 3<sup>rd</sup> day of December, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

[No. I-42011/67/87-D II (B)(Pt)]

## APPENDIX OF EVIDENCE

### Witnesses Examined

for the Workman :

WW-1—P. Anilawath.

WW-2—K. Prabhakar Rao,

### Witnesses Examined

for the Management :

MW-1—T. Ramarajam

Documents marked for the Workmen

Ex. W-1—Tender Notice dated 3-3-1989 of the General Manager, Heavy Water Project, Manuguru with regard to cleaning of overhead tanks of individual buildings and sweeping of landings of stair cases, stilted areas and roads, road side terraces and pathways etc at H.W.P. (M) Colony.  
Documents marked for the Management

Ex. M-1—Photostat copy of the Strike Notice dated 24-4-86 issued to the Administrative Officer, Heavy Water Project, Manuguru by K. Prabhakar Rao, General Secretary, Heavy Water Project Contract Workers and Employees Union.

Ex. M-2—Photostat copy of the Minutes of Conciliation Proceedings held on 8th July at Labour Enforcement Officer's Office Kothagudem before Assistant Labour Commissioner, Vijayawada in connection with Strike Notice dated 25-4-86 given by the Heavy Water Project Contract Workers and Employees Union.

Ex. M-3—Photostat copy of the Strike Notice dated 9-7-1987 issued to the Administrative Officer, Heavy Water Project, Manuguru by K. Prabhakar Rao, General Secretary the Heavy Water Project Contract Workers and Employees Union.

Ex. M-4—Photostat copy of the affidavit in W.P. No. 14602/86 on the file of the High Court of Andhra Pradesh filed by K. Prabhakar Rao, General Secretary, Heavy Water Project Contract Workers and Employees Union.

Ex. M-5—Photostat copy of the counter affidavit filed in W.P. No. 14602/86 by the Management on the file of the High Court of Judicature of Andhra Pradesh at Hyderabad.

Ex. M-6—Photostat copy of the High Court's Order in W.P. No. 14602/86 dated 11-4-89

Ex. M-7—Photostat copy of the list of Daily rated Employees who have completed 240 days and more during the years 1984, 1985 and 1986.

Ex. M-8—Photostat copy of the list of Daily rated employees appointed on regular basis

Ex. M-9—Photostat copy of the list of Daily rated employees found fit in Selection Process and likely to be appointed.

Ex. M-10—Photostat copy of Land losers cum-Daily Workers being considered for the post of HACM/Helper 'A'/Helper 'B'.

Ex. M-11—Photostat copy of the advertisement No M-1/89.

Ex. M-12—Photostat copy of the Order No I-42011/67/87-D.II (B), dated 18/12-1988 referred to this



Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi for adjudication.

#### Documents marked by Court

Ex. C-1--Break-up particulars of Casual Labourers.

Ex. C 2--List of documents filed by the workmen with regard to service particulars.

#### K. TARANADH, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1991

का.प्र. 337.- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिंदूस्तान फैक्ट्री जबलपुर के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण, जबलपुर के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-1991 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th January, 1991

S.O. 387.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 9-1-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(116)/1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workman, Shri Xavier, Chargeman Grade II (Tech.) Vehicle Factory, Jabalpur C/o 514, Cantonment, Jabalpur (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman--Shri Rajendra Menon, Advocate.

For Management--Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Vehicle Factory DISTRICT : Jabalpur  
(M.P.)

#### AWARD

Dated, the 31st December, 1990

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-42012/107/86-D-II (B) dated 24th July, 1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur in dismissing the services of Shri Xavier, Chargeman Grade II (Tech.), Vehicle Factory, Jabalpur is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

2. Shri Xavier, Chargeman Grade II (Tech.) was in the employment of Vehicle Factory, Jabalpur, in M.T. Section. He was charge-sheeted as follows :—

#### ARTICLES OF CHARGE/ANNEXURE-I

Statement of article of charge framed against Shri Xavier, Chargeman Grade II (Tech.) M.T. Section/V.F.I.

That the said Shri Xavier while functioning as Chargeman Grade II (Tech.) is alleged to have committed :—

“Gross Misconduct--(1) Attempted theft of government property and (ii) Including excess item in the material Gate pass unauthorisedly and at the gate after signature of the officer on it—Conduct unbecoming of a government servant”.

#### ANNEXURE-II

Statement of imputations of misconduct of misbehaviour in support of the articles of charge framed against Shri Xavier.

That on 1-3-82 at about 1420 hours the said Shri Xavier Chargeman Grade II (Tech.) MT Section/V.F.I brought some materials kept in a truck No. MPK-3523 at Gate No. 3 for taking out to M/s. Nagpur Boring Works, Jabalpur on returnable basis—vide Gate Pass No. AL-504834 dated 1-3-82. It is alleged that on physical check carried out by Shri G. L. Haldkar, Security Asstt. 'B' on duty 4 numbers of Cylinder Head were recovered from the vehicle, which were not included in the gate Pass and was taking out unauthorisedly by Shri Xavier. It is further alleged that when Shri Haldkar caught the above item kept in the vehicle unauthorisedly the said Shri Xavier had included the above item in the material Gate Pass without permission of his superior staff/officer or Security Officer/Foreman, Security.

That on 4-3-1982 at about 1620 hours the said Shri Xavier brought some materials kept in a Truck No. CPK 7376 to Gate No. 3—vide material Gate Pass No. AL 504836 dated 4-3-82 for taking out the materials to M/s. Nagpur Boring Jabalpur. It is alleged that on check by the Security Asstt. Shri G. L. Haldkar on duty Connecting Bearing 1 set of 8 pieces, Main bearing 1 Set of 10 pieces and Piston Ring one set which were not included in the above Gate pass No. AL 504836 were recovered. The above items and material Gate Pass were confiscated by the Security. Shri Xavier in his statement dated 4-3-82 recorded in the presence of Orderly Officer has stated that by mistake the above items could not be mentioned in the Gate Pass and forgotten to check before bringing to the Gate. The above acts on the part of the said Shri Xavier are highly irregular and subversive of discipline, which amount to “Gross Misconduct as mentioned under Annexure-I above”.

3. Departmental enquiry was held against him and he was dismissed from service vide order of the General Manager dated 9-3-1985 with effect from the said date (Ex. M/7). His appeal was also dismissed vide Ex. M/8. The workman has challenged the validity of the departmental enquiry as also its findings on the following grounds :—

- For the first charge he was already given a warning vide letter dated 5-3-1982 and therefore no second enquiry could be held so far the misconduct of the workman dated 1-3-82 is concerned.
- The charge-sheet issued to the applicant workman was vague and was incapable of proper reply.
- The Enquiry Officer did not use his power judicially to put such questions to various officials employed in the operation of the above job to bring out the truth.
- He acted without jurisdiction inasmuch as gave findings without proper evidence on record.
- The other points relate to the facts of the case and appreciation of evidence.

4 In the rejoinder the workman raised the following points :—

- The workman was not given reasonable opportunity to defend himself. Vide his application dated

13-7-1982 he had demanded certain documents but the Enquiry Officer by his letter dated 24-7-1982 had contended that some of the documents are not relevant and therefore they need not be produced. The proceedings dated 26-7-1982 are noteworthy in this regard. These documents were statements of senior officers recorded in connection with this case and therefore they were essential. The report of Shri V. F. Thomas was also not produced. Register in which entries about the issue of material on 1-3-1982 and 4-3-1982 was not made available in the MT Section as requested. These documents were vital documents to show that the alleged property was entered into those registers and if at all it was a case of mere negligence and not attempted theft.

(ii) the defence witnesses were not permitted to be examined as is evident from the proceedings dated 16-2-1982.

(iii) The Enquiry Officer cross examined the workman at length after close of the evidence of witnesses on 14-2-1983. It is contrary to the provisions of C.C.S. (CCA) Rules

(iv) Findings are perverse.

5. The workman has also prayed that the enquiry being illegal be set aside. In any case, the punishment of dismissal is too harsh and is liable to be set aside. The workman be reinstated with all back wages and consequential benefits.

6. In substance the management has denied all the alleged allegations. According to the management, the entire enquiry was held in accordance with law. Proper opportunity was given to the workman to defend his case. The points raised are not true. All the documents were made available to him and he was given opportunity to adduce evidence. The report of the Enquiry Officer is neither perverse nor bad in law. It is based on facts on record. His services have been rightly dismissed. So far the question of the incident dated 1-3-82, the warning was not issued to the workman, but a letter of caution was sent to him it does not amount to punishment. The reference is, therefore, liable to be rejected.

7. The management has also challenged the jurisdiction of this Court stating that the management is not covered under the Industrial Disputes Act and this Court has no jurisdiction to entertain this reference.

8. The following issues were framed by my learned predecessor and arguments were heard on all the issues. My findings are therefore recorded against each of them.

#### ISSUES

1. Whether the domestic/departmental enquiry is proper and legal?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs.

9. Before taking up the issues I must point out that as per the judgment of the Hon'ble Supreme Court in case of Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa (1978) 10 SC 467 it has been very clearly laid down that the defence establishment is very much an 'industry' within the meaning of Section 2(j) of the I.D. Act. The following extract from the said judgement is noteworthy :—

"Items 8, 11, 12, 17 and 18 of the first Schedule read with section 2(n)(vi) of the Industrial Disputes Act render support to this view. These provisions

which were described in Hospital Mazdoor Sabha (AIR 1960 SC 610) as very significant at least show that, conceivably a Defence Establishments, a Mint or a Security Press can be an industry even though these activities are, ought to be and can only be undertaken by the State in the discharge of its constitutional obligations or functions. The State does not trade when it prints a currency note or strikes a coin. And yet, considering the nature of the activity, it is engaged in an industry when it does so."

It has also been held by the M.P. High Court in M.P. No. 69/83 Rajendra Naidu Vs. Union of India and two others that such type of industries are industries within the definition of the I.D. Act and obviously for this reason the Government of India has referred the dispute to this Tribunal. I, therefore, need not go into the details to discuss this point and hold that Vehicle Factory, Jabalpur is an 'industry' within the definition of Section 2(j) of the I.D. Act and the applicant workman is a "workman" under Section 2(s) of the I.D. Act.

10. I may point out at this stage, inter alia, that the management has not raised the point that in case the departmental enquiry is held vitiated it may be permitted to prove the misconduct of the workman before this Tribunal. Hence in view of the judgment of the Supreme Court in case Shambhu Nath Goyal Vs. Bank of Baroda and Ors (AIR 1984 SC 289) no opportunity can be given to the management to lead evidence to prove the misconduct of the workman in case the departmental enquiry is held vitiated. Hence my learned predecessor has observed to decide all the issues together.

11. Any subsequent application to permit the management to lead evidence in case departmental enquiry is held vitiated would not help the management.

#### REASONS FOR MY FINDINGS :

12. Issue Nos. 1 to 5.—I shall take up all these issues together. The D.E. file has not been in dispute and the documents Ex. M/1 to Ex. M/6 have been admitted by the workman concerned. No oral evidence has been led by either party.

13. I have gone through the entire D.E. file and the pleadings of the parties. It may be pointed out that various points challenging the validity of the domestic enquiry have been raised by way of rejoinder and not in the original claim. Nevertheless, we shall certainly look into the averments made by workman to find out whether reasonable opportunity was given to the workman concerned to defend himself.

14. At the outset I must point out that the alleged letter of caution has not been produced before this Tribunal but the enquiry report Ex. M/6 discloses as follows :—

"At Gate No. 3, the matter was discussed by Shri Haldkar with his other senior security personnel Shri G. G. Pandey, Shri Mazumdar etc where he realised certain discrepancies in the procedure followed at the gate for passing out the subject material. Shri Haldkar took the gate pass and went to the DO of MT section Shri Manik Ghosh and got signed. The DO was upset with the incident and gave advice to Shri Xavier that this act was very irregular and such lapses on the part of Shri Xavier is highly irregular and should be avoided in future. Therefore Shri Xavier has not acted as per laid down instructions. This act could also be treated as act of taking out material without proper authority."

This by itself is sufficient to show that the first alleged misconduct dated 1-3-1982 was not taken seriously and therefore the workman was permitted to get the entry of the excess material in the gate pass and the matter was dropped. Thus no second D.E. can be held so far the misconduct of the workman dated 1-3-1982 is concerned.

15. Now coming to the second part of the misconduct we will examine the D.E. proceedings. It is true that D.E.



was belated as pointed out by the workman but that by itself is not sufficient to set aside the departmental enquiry. As I have already pointed out above the charges are very specific and not vague. The points raised that the Enquiry Officer acted without jurisdiction and did not use his powers judiciously to put such questions to various officials employed in the operation of the above job to bring out the truth have no force because the workman had full opportunity to bring out the truth by cross-examining those officials. Thus all these points have no force of law.

16. Proceedings, dated 13-7-1982 and 26-7-1982 (Ex. M/5) disclose that the workman had demanded production of certain documents as per his application dated 13-7-1982 and proceedings dated 26-7-1982 disclose that all those documents were permitted to be examined by the workman as also his A.O. It has, however, been mentioned in the end as follows :—

"Inquiry Officer has examined regarding relevance in this connection. It is found that the register maintained in connection with materials used for MT section as well as others, hence no necessity to exhibit to A.O. Therefore not shown."

These proceedings clearly disclose that the relevant documents were examined by him and his A.O. The documents which were not relevant were not permitted. Obviously the register on which entries about issuance of material on 1-3-1982 and 4-3-1982 was maintained in MT Section was shown to the workman concerned and these were the entries which were relevant for the purpose of this enquiry.

17. The next material question is that the workman was not given an opportunity to lead defence witnesses. Having gone through the enquiry file one can see the proceedings dated 11-2-1983 according to which the workman was first asked whether he wants to examine himself as defence witnesses and he refused to be examined as defence witness. Then again the workman was asked as to whether he wants to examine any other witnesses has been witnesses and the workman stated that Shri R. P. Abuja and Mutu Swamy be examined as defence witnesses. These witnesses were examined as defence witnesses as is evident from the D.E. file.

18. No other material points were raised to challenge the validity of the departmental enquiry. The case of Aail Kumar Vs. Presiding Officer and others (AIR 1985 SC 1121) does not apply to the facts of the case because in this case the Enquiry Officer did not give any reasoning for holding the delinquent guilty. It is not a case here. It is the appellate authority which has not dealt with in details about the evidence for coming to the conclusion and rejecting the appeal as per Ex. M/8.

19. Now coming to the case of Kashinath Dikshita V/s. Union of India and others (AIR 1986 SC p.2118), the following observations have been made :—

"Where the Government refused to its employee who was dismissed, the copies of the statements of the witnesses examined at the state of preliminary inquiry proceeding the commencement of the inquiry and copies of the documents said to have been relied upon by the disciplinary authority in order to establish the charges against the employee and even in this connection the reasonable request of the employee to have the relevant portions of the documents extracted with the help of his stenographer was refused and he was told to himself make such notes as he could, and the Government failed to show that no prejudice was occasioned to the employee on account of non-supply of copies of documents, the order of dismissal rendered by the disciplinary authority against the employee was violative of Art. 311(2) inasmuch as the employee has not been denied reasonable opportunity of defending himself."

Applying these observations in the facts of this case it cannot be said that the workman was prejudiced in any

manner whatsoever. I would like to reproduce the relevant part of the incident which has been brought out by the delinquent workman himself in Ex. M/3. It is as follows :—

"The similar incident happened on 4-3-82 due to paucity of time as there was hardly one hour left for going out from the gate and coming after handing over the materials to the firm. On this day I myself got the items checked and the item (1) connecting bearing 1 Set of 8 spires Pieces (2) Main bearing 1 set of 10 Pieces (3) Piston ring 1 set found on the vehicle but not shown in the gate pass was not hidden/concealed. It can not be denied that some sort of oversight had taken place on my part because of paucity of time but there existed no motivation for attempted theft. Inclusion of material at the spot is sometimes to be done due to non-availability of officer and paucity of time which action is regularised by the officer counter signing next day in the morning."

20. In the case of State of Gujarat and another Vs. Ramesh Chandra Mashruwala (AIR 1977 SC 1619) also the enquiry was held vitiated on the ground that failure to give copies of certain documents demanded by the delinquent deprived him of a reasonable opportunity to defend himself and therefore it is violative of Article 311 of Constitution and the case was remitted back for this purpose.

21. There is nothing of this sort in this case because facts are almost admitted. It was at the first occasion that the workman was cautioned that the property of the management which is sought to be taken out should be in accordance with the gate pass. But thereafter some error was committed and even assuming that those articles which were being carried out were entered in the register and were not entered in the gate pass, it amount to a gross misconduct in the sensitive factories which are connected with defence establishments and after first caution the second error even assuming it was not theft is a gross misconduct which deserve nothing sort but punishment of dismissal. That apart, there is sufficient material to establish the misconduct of the workman and the averments in evidence as pointed out by the workman would not help him. It is not that the findings are perverse. It cannot also be said that it is not based on evidence on record.

22. I, therefore, record my findings as follows :—

1. Domestic/departmental enquiry is proper and legal.
2. Punishment awarded is proper and legal.
3. The question that the management is entitled to lead evidence before this Tribunal does not arise.
4. Termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case.
5. No relief no costs.

23. According by the reference is answered as follows :—

The action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur in dismissing the services of Shri Xavier, Chargeman Grade II (Tech.), Vehicle Factory, Jabalpur, is justified. Workman is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-42012/107/86-D.II(B)(Pt.)]

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991

का. प्र. 388 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 33क के प्रावधानों के अन्तर्गत, साउथ ईस्टर्न रेलवे, कलकत्ता के प्रबन्धन के विरुद्ध श्री स्वप्न कुमार मिश्रा द्वारा दायर एक प्रार्थना पत्र के संबंध में औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पत्राचार को प्रकाशित करती है, जो कि केन्द्रीय सरकार को — प्राप्त हुआ ।



## PARTIES :

Employers in relation to the Management of Dabor Colliery of M/s. E. C. Ltd.

## AND

Their Workman.

## JOINT PETITION OF COMPROMISE

Both the parties above named beg to submit as under :—

- (1) That the above matter is pending before the Hon'ble Tribunal and the matter has not been heard
- (2) That in the meantime both the parties amicably discussed and settled the instant matter on the following terms.

## TERMS OF SETTLEMENT

- (i) Sri Monglu Das, U. G. Loader the workman herein concerned shall be examined by the Apex Medical Board of the Sanctoria Hospital for determination of his age within a month
- (ii) Both the parties will be bound by the result of the Apex Medical Board, Sanctoria as stated in Para-I.
- (iii) That the said result regarding the determined age of the concerned workman will be recorded in all documents and the concerned workman will be superannuated on the basis of the age so determined
- (iv) By this settlement the instant matter stands fully and finally settled.
- (3) Both the parties pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the settlement as fair and proper and may be further pleased to pass an award in terms of this settlement

Dated, this the 19th day of December, 1990.

For and on behalf of

the workman.

For and on behalf of

Employers.

Koyala Mazdoor Congress,  
Gorai Mension, G. T. Road,  
Asansol-713301, Burdwan

S. P. Singh,  
Dy. C. M. E./Agent,  
Dabar (R) Colliery.

का. प्र. 390 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार चिनाकुरी कोलियरी आफ ई. सी. लि. के प्रबन्धन में संबद्ध नियोक्ता और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसूच में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसंसोल के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-1991 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 390—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chinakuri Colliery of M/s. E. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-1-91.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL

Reference No. 40/89

## PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

## PARTIES :

Employers in relation to the Management of Chinakuri Colliery of M/s. E. C. Ltd.

## AND

Their Workman.

## APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. N. Lala, Advocate.

For the Workman—Shri C. D. Dwevedi, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 28th December, 1990

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. 1-22012(22)/89 IR(C-I) dated the 2nd August, 1989.

## SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Chinakuri Colliery of M/s. E. C. Ltd., P.O. Sunderchak, Dist. Burdwan in not making the payment to Sri Lakhari Harijan, UG Loader for the period 1-7-86 to 14-12-86 was justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Sri Lakhari Harijan was an Underground Loader of Chinakuri Colliery under Eastern Coalfields Ltd. He was served with a notice of superannuation w.e.f. 1-7-86. But actually at that time his age was 45 years. He protested against the superannuation notice. On the basis of his representation the management sent him to the Age Determination Committee on 25-6-86. On that date the Committee assessed his age and declared that Lakhari Harijan was 47 years old on 25-6-86. But the management of Chinakuri Colliery stopped his duty from 1-7-86 illegally. Then Sri Lakhari Harijan took the shelter of the union and under the intervention of the union he was allowed to resume his duty from 15-12-86. The action of the management was illegal. Sri Lakhari Harijan is entitled to get full wages for the period from 1-7-86 to 14-12-86.

3. The management has filed written objection contending inter-alia that according to the age recorded in the 'B' Form Register he was superannuated w.e.f. 1-7-86. On the representation of the concerned workman he was sent to Age Determination Committee and after assessment of his age the concerned workman resumed his duty on 15-12-86 and since then he has been working in the colliery. The workman did not do any work for the period from 1-7-86 to 14-12-86. So he is not entitled to get any wages for the said period.

4. Admittedly Sri Lakhari Harijan was an Underground Loader of Chinakuri Colliery and he was served with a notice of superannuation w.e.f. 1-7-86. It is also admitted that he raised objection and on his representation he was sent to Age Determination Committee and that Committee declared that Lakhari Harijan was aged 47 years on 25-6-86. It is also admitted that Lakhari Harijan actually did not do any work w.e.f. 1-7-86 to 14-12-86. I find that the workman had no fault for not working for the said period. The Learned Lawyer for the management has urged before me that due to official formalities it was not possible for the management to allow him to resume his duty before 14-12-86. He has submitted that the management should be exempted from making any payment to the concerned workman.

5. Considering all the facts and circumstances of the present case and the entire background it must be held that the concerned workman had no fault. It must also be taken into account that some time is taken to observe the official formalities to allow a person to resume his duty. Considering that aspect I find that in a case like the present one the period for which Lakhari Harijan could not work shall be treated as half pay leave on half average pay.

6. So I find that the action of the management in not making payment to Sri Lakhari Harijan, Underground Loader

for the period from 1-7-86 to 14-12-86 was not justified. The period of non-employment of Sri Lakhan Harijan from 1-7-86 to 14-12-86 shall be treated as leave on half average pay with continuity of service and with all fringe benefits. The management shall pay the dues within three months from the date of publication of the Award in Official Gazette, failing which the management shall pay 12 per cent interest on the amount from the date of order.

This is my Award.

N. K. SAHA, Presiding Officer

[No. L-22012/22/89-IR (C-II)]

का.प्र. 391 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी कम्पनी लि., एरिया-1 रामगुण्डम डिवीजन, पो गोदवरीखानी, करीमनगर जिला (आ.प्र.) के प्रबन्धन के संवद्ध नियोजकों और उनके बर्मेकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-1991 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 391.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Andhra Pradesh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S. C. Company Ltd., Area-I, Ramagundam Division, P.O. Godavari Khani, Karimnagar Distt. (AP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-1-81.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

#### PRESENT

Sri K. Taranadh, B. Com., B.L., Industrial Tribunal.

Dated, the 21st November, 1990

Industrial Dispute No. 41 of 1989

#### BETWEEN

The Workmen of S.C. Co. Ltd., Area-I,  
Ramagundam Division, P.O. Godavarikhani,  
Distt. Karimnagar, (A.P.).

#### AND

The Management of S.C. Co. Ltd., Area-I,  
Ramagundam Division, P.O. Godavarikhani,  
Distt. Karimnagar, (A.P.).

#### APPEARANCES :

M/s. A. K. Jayaprakash Rao, V. N. Goud and Ch. Lakshminarayana—for the Workmen.

M/s. K. Srinivasa Murthy and G. Sudha, Counsels—for the Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. I-22012(230)/88-D.IVB, dated 7-6-1989 referred the following dispute under Sections 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Singareni Collieries Company Limited, Area-I, Ramagundam Division and their workmen to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Area-I, Ramagundam Divn. P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.) in dismissing Shaik Mohinuddin, Motor Mechanic, Auto Workshop w.e.f. 6-8-1983 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

This reference is registered as Industrial Dispute No. 41 of 1989 and notices were issued to the parties.

2 The Workman has not filed any claim statement in spite of several chances of adjournments given till 27-2-1990. The Management filed their counter on 14-5-1990 and for evidence and documents, the case was posted from time to time and finally on 13-11-1990 the Management examined one witness as M.W.1 and marked Exs. M1 to M5.

3 M.W.1 is the Enquiry Officer Sri N. Sreerama Murthy who conducted the domestic enquiry against the workman in question. He deposed that one Kannuri Rayalingu gave a complaint against the workman in question dt. 23-10-1982 which is marked as Ex. M1. Ex. M2 is the charge sheet issued to the workman dt. 23-10-1982. The Workman participated in the enquiry but did not submit his explanation. Ex. M3 is the enquiry proceedings. Ex. M4 is the Report. The workman admitted his guilt by himself defending in the enquiry. Finally the Management removed the workman from the service under Ex. M5 dt. 4-8-83 on the basis of the report.

4 Since the workman in question did not file his claim statement and also did not take keen interest in prosecuting this case, I find that the workman is not interested in moving the dispute as the workman in question committed the theft of Company's property under Clauses 16(2) and 16(9) of the Standing Orders of the Company, as mentioned in the counter of the Management, and also admitted his guilt in the domestic enquiry conducted by the Management.

5. Hence in view of all these things, this Tribunal finds that the misconduct committed by the workman in question is proved and the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, Area-I, Ramagundam Division, P.O. Godavarikhani District Karimnagar, (A.P.) in dismissing Shaik Mohinuddin Motor Mechanic, Auto Workshop w.e.f. 6-8-1983 is justified and the workman is not entitled to any relief.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 21st day of November, 1990.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

[No. L-22012/230/88-D.IV(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

#### APPENDIX OF EVIDENCE

##### Witnesses Examined

for the Workman :

NIL

Documents marked for the Workman :

—

NIL

Documents marked for the Management :

Ex. M1—Complaint statement dt. 23-10-82 made by Kannuri Rayalingu.

Ex. M2—Charge Sheet dt. 23-10-82 along with acknowledgement.

Ex. M3—Enquiry Proceedings.

Ex. M4—Enquiry Report dt. 4-11-82.

Ex. M5—Dismissal Order dt. 4-8-83 issued to Shaik Mohinuddin by the Additional C.F. (E&M) R.G. Colliery, S. C. Co. Ltd.

K. TARANADH, Industrial Tribunal

का. आ. 418.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ओ. एन. जी. एन. हजिरा से (कृमको बाऊंड्री) आर. पी. एल. कम्प्लेक्स हजिरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन रिलायन्स पेट्रोकेमिकल्स हजिरा द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, हजिरा प्रोजेक्ट 60 मुभाप नगर सोसाईटी घोडदोड रोड सुरत को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

ओ. एन. जी. सी. हजिरा से कृमको बाऊंड्री) आर. पी. एल. कम्प्लेक्स हजिरा तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : सुरत	तालुका : चोरासी			
गांव	सर्वे नंबर	हे.	आरे.	से.	आरे
भाटपोर	556	0	10		00
	556	0	02		20
	556	0	07		20
	556	0	15		60
	556	0	16		00
	556	0	12		00
	373	0	15		60

[सं. ओ-11027/194-ओ. एन. जी.-डी. III  
बी.एस. नागर, सक्षम अधिकारी]

S.O. 418.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from ONGC Hazira to (Kribhco boundry) R.P.L. Complex Hazira in Gujarat State pipeline should be laid by the Reliance Petrochemicals Ltd. Hazira.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Hazira Project, "Prahari", 60 Subhashnagar Society, Ghod-Dod Road, Surat.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from O.N.G.C. Hazira to (Kribhco boundry) R.P.L. Complex Hazira

State : Gujarat District : Surat Taluka : Chorasi

Village	Survey No.	H.	Are.	Centi Are.
Bhatpore	556	0	10	00
	556	0	02	20
	556	0	07	20
	556	0	15	60
	556	0	16	00
	556	0	12	00
	373	0	15	60

[No. O-11027/194/90-ONG.-D. III]

V.S. NAGAR, Competent Authority

का. आ. सं. 419.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ओ. एन. जी. एस. हजिरा से (कृमको बाऊंड्री) आर. पी. एल. कम्प्लेक्स हजिरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन रिलायन्स पेट्रोकेमिकल्स हजिरा द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, हजिरा प्रोजेक्ट 60 मुभाप नगर सोसाईटी घोडदोड रोड, सुरत को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

ओ. एन. जी. एस. हजिरा से (कृमको बाऊंड्री) आर. पी. एल. कम्प्लेक्स हजिरा तक पाईपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : सुरत	तालुका : चोरासी			
गांव	सर्वे नंबर	हे.	आरे.	से.	आरे
कवास	255/ए	0	22		25
	255/बी	0	35		52
कृमको जमीन		2	33		40

[सं. ओ-11027/195/90-ओ. एन. जी.-डी. III]

के विवेकानन्द, डेस्क अधिकारी

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1991

का.ग्रा. 392- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार अधीनस्थ ग्रामीण बैंक, प्रयोगिक के प्रवर्धन में सबूत नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, कानपुर के पचास की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 9th January, 1991

S.O. 392.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Aligarh-Gramin Bank, Aligarh, and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL PANDU NAGAR DEOKI PALACE ROAD, KANPUR.

Industrial Dispute No. 95 of 1989

In the matter of dispute between :

The Deputy General Secretary U.P. Bank Karamchari Mahasangh 6 Pandit Colony Agra Chavni.

AND

The Chairman, Aligarh Gramin Bank, Aligarh.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12011/7/88-D-1(b3 dated nil has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the management of Aligarh Gramin Bank Aligarh was justified in terminating the services of Shri Madan Mohan Gautam w.e.f. 5-10-87 in violation of sec. 25G & H of I.D. Act, 1947 ? If not, what relief the workman was entitled to ?

2. The industrial dispute on behalf of Shri Madan Mohan Gautam workman concerned has been raised by U.P. Bank Karamchari Mahasangh of Agra (hereinafter referred to as Union for the sake of convenience). The admitted fact is that the workman had worked as temporary typist vide copy (photostat) of certificate dt. 5-10-87 Ext. W.I issued by the General Manager during the periods 16-9-85 to 14-12-85, 20-4-87 to 9-7-87 and 13-7-87 to 5-10-87. The Union's case in short is that the workman had put in continuous service of more than 120 days during the period 20-4-87 to 5-10-87 within the meaning of section 25B-(2)-(b)(ii) I.D. Act. According to the Union the services of a temporary workman can be utilised for not more than three months whereafter the bank management must fill up vacancies permanently vide paras 20 7, and 20 8 and 20 12 of the first-bipartite settlement dt. 19-10-66. However, the services of the workman were dispensed with after the close of the banking hours on 5-10-87 without

any order in writing and without giving any reason for it. He was not even given any notice nor paid any retrenchment compensation. Therefore, the action of the management in terminating the services of the workman was illegal being in violation of the mandatory provisions of sec. 25F of I. D. Act. The Union has, therefore, prayed that the order of termination of workman's services should be declared illegal and the workman be reinstated in service with full back wages with all consequential benefits and with continuity of service.

3. In defence the management plead that since the workman had not worked for 240 days in the year preceding the date of termination of his services, the question of violation of the provisions of Sec. 25F did not arise. He was engaged for typing work on temporary basis on daily wages. As such his services came to an automatic end after 5-10-87. The management further plead that Sastri Award and Bipartite Settlements do not governs the service conditions of the Aligarh Gramin Bank. As a matter of fact the recruitment of regular employees is done by the Banking Services Recruitment Board on the basis of indent placed by the bank with them. Lastly, it is pleaded by the management that the workman was self employed as he was running a Typing Institute after 5-10-87.

4. In its rejoinder, the Union alleges that the workman was not appointed on daily wages for doing typing work. He was appointed by the management against a clear vacancy for the post of typist on 16-9-85. The Union further allege, that after recruitment of the workman, the management appointed another typist Shri Yashpal Dixit, thus violating the provisions of sec. 25G & H read with rules 76, 77 and 78 of the I.D. (Central) Rules, 1957.

5. In support of its case, the Union has examined the workman and have filed some documents. On the other hand, in support of their case, the management have examined Shri Gyanendra Kumar Dixit Officer in the Personnel Management Section and Shri Rajesh Kumar Jain, Probationary Junior Clerk-cum-typist. From the facts of the case, there is no dispute about the fact that the workman had worked for 166 days during the period of 12 months preceding the date of termination of his services. Being so, the question of violation of the provisions of sec. 25F of I.D. Act does not arise. Even in the reference order, no where violation of the provisions of Sec. 25F I.D. Act is mentioned. Hence, it is held that the order of termination of workman's services is not hit by the provisions of sec. 25F of I.D. Act

6. I have not been shown by the auth. rep. for the Union/workman that the service conditions of the sub-staff and clerical staff of Aligarh Gramin Bank are governed by Sastri Award and other Bipartite Settlement. The said bank is not a party too in this bipartite settlement.

7. As regards recruitment process it is pleaded by the management in para 7 of the written statement that the recruitment of regular employees is done by Banking Service Recruitment Board on the indent

placed by the bank with them after getting approval of the vacancies from the sponsored bank i.e. National Bank for Agriculture and Rural Development. The fact has been corroborated by M.W. Shri Gyanendra Kumar Dikshit by his affidavit (para 8). There has been no cross examination of the witness on this point. It follows therefore that the permanent vacancies cannot be filled up by the bank management in any other manner. A person employed temporarily to meet the exigencies of work, he cannot claim permanent absorption as an employee until he is selected by the Banking Service Recruitment Board. He will continue as a temporary employee.

8. Now let us see whether there has been any violation of sections 25G and 25H of the Act read with Rules 77 and 78 of the I.D. Central Rules, 1957. Rule 77 of the said Rules refers to maintenance of seniority list of workmen, Rule 78 refers to reemployment of retrenched workman. From Rule 76, it appears that the workmen referred to in both these rules will be those who had been in continuous service for not less than one year within the meaning of section 25B of I.D. Act. Since the present workman had not worked for 240 days or more during the period of 12 months preceding the date of termination of his services, the provisions of sec 25G read with Rule 77 and Sec. 25H read with Rule 78 are not attracted. Hence, the action of the management of Aligarh Gramin Bank in terminating the services of the workman w.e.f. 5-10-87 (a.n.) was not in violation of the provisions of secs. 25G & 25H, I.D. Act. Consequently, the workman is entitled to no relief.

9. In the instant case, evidence has also been led by both the sides on the point whether or not the workman was carrying on his own business of typing. In view of what has been found above, this need no examination. However, it is admitted to the workman that he took a loan of Rs. 25000 from Canara Bank and started running a Typing Institute in the name of Shri Durga Typing Institute Hathras. He had installed one Photostat Machine and had purchased 4 typewriters. According to him his business failed whereas management have led evidence that the workman is still running the said business.

10. The reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer.

[No. L-12011/71/88-D1(B)]

S. C. SHARMA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991

का.प्र. 393—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रांग 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैमर्स सन्ट्रल कोल फील्ड्स की जराकान कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध निराकरणों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम (सं. 1), प्रस्ताव के पक्षों को अकांक्षित करने हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th January, 1991

S.O. 393.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Cent-

ral Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jharakano colliery of M/s. Central Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 8-1-91.

## ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 102 of 1990

### PARTIES

Employers in relation to the management of Jharkhand Colliery of M/s. C. C. Ltd.

### AND

Their Workmen

### PRESENT

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

### APPEARANCES

For the Employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen.—None.

STATE · Bihar

INDUSTRY · Coal.

Dated, the 27th December, 1990

### AWARD

By Order No. L-20012/273/89-I.R. (Coal-I), dated, the 24th April, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Jharkhand Colliery of M/s. C.C.L., P. O. Jharkhand, Dist. Hazaribagh by not promoting S/Shri Mahendra Prasad (2) Binod Kumar Chaudhury, (3) Yogeshwar Bharti (4) Shobhi Lal, (5) Ambika Rajak, (6) Anil Kumar and (7) Rambachan Prasad of Jharkhand Colliery with effect from 29-9-86 and not making payment of their arrear dues is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?”

2. The order of reference for adjudication of the industrial dispute was received in the office of this Tribunal on 2-5-1990. Since the party raising the dispute, Organising Secretary, Indian Coal Mines Engineering Workers' Association, Jharkhand Colliery Branch, P. O. Jharkhand, Dist. Hazaribagh, did not appear, notice was issued directing him to appear and to file statement of claim and supportive documents on 16-8-90. At the same time notice was issued to the employer as well. In response to the notice issued

the management of Jharkhand Colliery of M/s. C. C. Ltd. appeared through its Advocate, Shri R. S. Murthy, but the Organising Secretary of the sponsoring union did not. In the circumstances, notice was again issued to the Organising Secretary, Indian Coal Mines Engineering Workers' Association, Jharkhand Colliery Branch, P. O. Jharkhand, Dist. Hazaribagh, to show cause by 24-9-90 as to why the case shall not be disposed of according to law. The Organising Secretary, this time also, did not appear nor did he take any step. Subsequently, two adjournments were given but the Organising Secretary remained silent. Hence, I have reason to believe that the party raising the dispute is not interested in pursuing the matter.

3. Accordingly, I am constrained to pass a 'no dispute' award in this case.

This is my award.

Sd/-

S. K. MITRA, Presiding Officer.  
[No. L-20012/273/89-IR (Coal-J)]

का.प्र. 394.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की तेलुमारी कोलीयरी के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अत्युच्च में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 394.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tetulmari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen which was received by the Central Government on the 8-1-91.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.  
Reference No. 79 of 1988

#### PARTIES

Employers in relation to the management of Tetulmari Colliery of M/s. B.C.C.L.

#### AND

Their workmen

#### PRESENT

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

#### APPEARANCES

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri J. P. Singh, Advocate.

132 GI/91—22

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated Dhanbad, the 31st December, 1990

#### AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012/51/88-D.III(A), dated, New Delhi, the 5th July, 1988 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

“Whether the action of the management of Tetulmari Colliery of the Area No. IV of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad dismissing Sri Naresh Dome Sweeper from service w.e.f. 1-6-85 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an Award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. (The memorandum of settlement shall form part of the Award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/51/88-D.III(A)] IR. Coal-I]

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

Reference No. 79/88

#### PARTIES

Employers in relation to the management of Tetulmari Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

#### AND

Their workmen

The humble petition of Compromise on behalf of the parties, most respectfully sheweth.

1. That the Central Government by a Notification has referred the instant Industrial dispute for an adjudication U/s. 10(1)(d), (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 to this Hon'ble Tribunal. The schedule of the reference is reproduced below :—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Tetulmari Colliery of the area No. IV of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad dismissing Sri Naresh Dome Sweeper from Service w.e.f. 1-6-85 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. That, the parties discussed the dispute outside the court and have settled the said dispute on the following terms and Conditions.



## Terms and Conditions

1. That, it was agreed that Sri Naresh Dome will be re-instated in service with immediate effect.

2. That for the period of Non-employment, the concerned workman will not be entitled to any wages etc.

3. That the settlement resolves all the dispute between the parties and the workman concerned Sri Naresh Dome shall have no claim whatsoever.

4. That, it was also agreed that Seven copies of this settlement should be filed before the Hon'ble Tribunal and the Hon'ble Tribunal may be requested to give an Award in terms of the settlement.

It is, therefore, prayed that your honour may be graciously pleased to accept the settlement and pass an Award in terms of settlement.

And for this act of kindness the parties shall ever pray.

Representing workman.

(1) Balram Vedrohi

D.M.S.

Secy.

(2) Naresh Dome

Witness :

(1) Rakesh

Legal Inspector

(2)

Part of the Award

Advocate.

S/d. Illegible

Representing employers.

(1) (C. P. Bansal)

Chief General Manager

Silna Area.

(2) R. K. Choudhury

CPM

का.आ. 395.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सेण्ट्रल कोलफील्ड्स की पिन्दरा कोलियरी के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं 1)। धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 395. —In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pindra Colliery of M/s. Central Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-1-91.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)

(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.  
Reference No. 97 of 1989

## PARTIES

Employers in relation to the Management of  
Pindra Colliery of M/s. C.C.L.

AND

Their workmen

## APPEARANCES

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy,  
Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri B. Joshi,  
Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated. Dhanbad, the 31st December, 1990

## AWARD

By Order No. L-20012/35/88-IR (Coal-1), dated, the 28th August, 1989, the Central Government in the Ministry of Labour, has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"I. Whether the dismissal from service of Shri Baldeo Prasad, a piece-rated-workman of Pindra Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. with effect from 1-4-1986 by an order of the management dated 12-11-1986 is legal and justified ?

II. If not, to what relief the workman is entitled ?"

The case of the management of Pindara Colliery of M/s. CCL, details apart is as follows.

The concerned workman, Shri Baldeo Prasad, a piece rated workman of Pindra Colliery was issued with a chargesheet dated 21-3-1986 by the management. The charge against him was that he secured employment in CCL on 5-2-86 in terms of para 9.4.2 of NCWAI in place of Smt. Sanicharia Devi, Ex-piece rated worker of Topa colliery by declaring himself fraudulently as her son-in-law. The said charge attracted S.O. 17 of the Model Standing Orders applicable to establishment in Coal Mines as an act of misconduct. The management decided to hold a domestic enquiry into the charge framed against the workman concerned and by an order issued by the Agent/Project Officer of Pindora Colliery, Shri Shatrughan Singh, Sr. Personnel Officer, Topa Colliery was appointed as an enquiry officer to hold an enquiry into the charge levelled against him. The enquiry officer, after due notice to him held the enquiry. He participated in the enquiry. The witnesses for the management were examined in his presence and he was given opportunity to cross-examine them. He was assisted by co-worker during the enquiry to defend himself. He was given opportunity to make his own statement and also to produce his witness in defence which he did. The enquiry officer on the basis of the enquiry held by him submitted his report and held him guilty of the charge framed against him. The

report of the enquiry officer was considered by the Agent/Project Officer of Pindra Colliery and the General Manager of the Area. They accepted the findings of the Enquiry officer. Having regard to the gravity of the misconduct proved against him they came to the conclusion that this was a fit case for dismissal from service by letter dated 12-11-1986 issued under the signature of the Agent/Project Officer of Pindra Colliery. The domestic enquiry was held in accordance with the principles of natural justice.

The case of the concerned workman, as disclosed in his W. S. is as follows :—

The concerned workman married Smt. Chamani Devi daughter of Sanichariya Devi during her life time. Late Sanichariya Devi was a workman of CCL and died on 21-4-83. After her death, the concerned workman her son-in-law claimed employment as dependent son-in-law of late Sanichariya Devi as per provision of clause 9-4-2 of NCWA. The management insisted on a Court document in support of the claim that he was the son-in-law of late Sanichariya Devi and accordingly the marriage was registered before the Registrar of Marriage at Hazaribagh and a certificate dated 20-12-84 was submitted to the management. A Group photograph of himself and his wife was submitted before the management along with his application for employment. The group photograph also contains the photograph of Shri Baldeo Gope, father of the bride and the photograph was duly attested and certified by the Pramukh of the village Block. The management took considerable time for verification and ultimately issued letter of appointment dated 18-1-86 in his favour. After being fully satisfied with the genuineness of his claim, he was posted as piece rated worker in Pindra Colliery and he joined his duty there on 4-2-86 till he was dismissed from service with effect from 1-4-86. The Project Officer/Agent issued a chargesheet dated 21-3-86 alleging that he entered into the service as son-in-law of Sanichariya Devi fraudulently. The charge was vague. He was suspended from service by letter dated 1-4-86. The departmental enquiry was not held in accordance with the principles of natural justice. No witness was examined by the management to prove the charge that he was not the son-in-law of late Sanichariya Devi. He was asked to prove that he was the son-in-law. In pursuance of this direction he examined himself as witness and produced his father-in-law. He also produced documentary evidence in support of his case. The substantive documentary evidence is the marriage certificate dated 20-12-84 granted by the Registrar of Marriages at Hazaribagh. He produced his marriage certificate and group photograph. These two documents have established that he is the son-in-law of late Sanichariya Devi. The Enquiry officer considered the purported certificate granted by the Asstt. Election Officer showing Chamani Devi as wife of Lal Mohan Saw, the elder brother of the concerned workman. The certificate of B.D.O. produced in the enquiry shows that corrections were made in the electoral roll showing Chamani Devi as his wife. It is a normal occurrence that during hasty preparation of electoral roll several mistakes crop up and in the present case such mistakes crept in but that was corrected. A workman is entitled to get the benefit of LTC to the extent of 4 units. The husband of Sani-

chariya Devi applied for LTC showing the names of 4 members of his family while Sanichariya Devi submitted LTC application showing another set of 4 members of her family. The L.T.C. application of husband and wife do not tally with each other. No witness has been examined to prove the correctness of the L.T.C. before the Enquiry Officer. In the circumstances the workman has stated that the action of the management in dismissing the concerned workman from service is illegal and unjustified.

In the rejoinder to the W.S. of the concerned workman the management has denied that Chamani Devi is the daughter of late Sanichariya Devi. As a matter of fact late Sanichariya Devi did not have any daughter with the name of Chamani Devi. The management has further asserted that Baldeo Prasad is not the son-in-law of late Sanichariya Devi. It has been alleged that the concerned workman has been indulging in fraud in claiming employment as the son-in-law of late Sanichariya Devi. The marriage certificate was obtained from the Registrar of Marriages by misrepresentation and fraud. Shri Baldeo Gope is not the father of Chamani Devi. The enquiry officer has given reason for not accepting the so called marriage certificate and the group photograph as correct. The management has denied that the L.T.C. applications are dealt with by the Officers of the management in casual manner. Under the circumstances, the management has submitted that the order of dismissal from service of the concerned workman is justified.

In the rejoinder to the W. S. of the management the concerned workman has reiterated the facts as disclosed in his W. S.

At the instance of the management the fairness and propriety of the domestic enquiry was considered as a preliminary issue. Shri B. Joshi, the learned Advocate for the workmen conceded that the domestic enquiry was held fairly and properly and accordingly it was held that the domestic enquiry held fairly and properly. Thereafter the matter was heard on merits.

The management has relied on the evidence laid in domestic enquiry, report of the Enquiry Officer and the Enquiry proceeding in order to justify its action. The concerned workman has also relied on the evidence as disclosed in the domestic enquiry.

Admittedly, Sanicharia Devi was a piece rated worker of Topa Colliery under M/s. CCL. She died in harness on 21-4-83. Shri Baldeo Prasad got employment in Windra Colliery of M/s. CCL as a dependant son-in-law of Sanicharia Devi in terms of para 9.4.2 of NCWA-III. The relevant portion of NCWA-III reads as follows :—

9.4.2—Employment of one Dependant of the worker who dies while in Service.

- (1) The dependant for this purpose means the wife/husband as the case may be, unmarried daughter, son and legally adopted son. If no such direct dependant is available for employment, younger brother, widowed daughter, Widowed daughter-in-law or son-in-law or son-in-law residing with the deceased and almost wholly

dependant on the earnings of the deceased may be considered to be the dependant of the deceased.

- (ii) The dependant to be considered for employment should be physically fit and suitable for employment and aged not more than 35 years provided that the age limit shall not apply in the case of spouse.

It is the case of the concerned workman that he submitted an application for employment before the management along with a group photograph of himself and his wife and the father of the bride Baldeo Gope and that the said photograph was duly attested and certified as genuine by the Promukh of the village Block. The application for employment along with the group photograph was produced in the domestic enquiry and marked as exhibit. It appears that the group photograph was attested by the Promukh of the village Block.

In the Written Statement-cum-rejoinder the management has admitted that it introduced the requirement of group photograph with view to facilitate subsequent verification but contended that the group photograph was prepared with fraudulent intention and with the intention to obtain employment fraudulently. Anyway, the fact remains that the concerned workman submitted a group photograph of himself, his wife Chamani Devi and his father-in-law Baldeo Gope along with this application for employment. The management issued him letter of appointment dated 18-1-86 and he joined his duty as piece rated worker in Pindra Colliery on 4-2-86.

It came to the notice of the management that the concerned workman got employment in CCL under para 9.4.2 of NCWA-III in place of his so-called mother-in-law Smt. Sanicharia Devi, ex-piece rated worker of Topa Colliery by declaring himself as her son-in-law fraudulently. It is the firm case of the management that the concerned workman is not the son-in-law of Sanicharia Devi and that Sanicharia Devi did not have any daughter with the name of Chamani Devi. In the circumstances, the management held a domestic enquiry in which the concerned workman and Basdeo Gope deposed and a series of documents such as Office copy of LTC Form-A submitted by Smt. Sanicharia Devi, original letter issued by the Asstt Electoral Officer, Hazaribagh in connection with the electoral roll for the year 1983, group photograph of the concerned workman Shri Baldeo Gope and Chamani Devi and application for employment of the concerned workman with true copy of marriage certificate granted by the Marriage Officer, Hazaribagh and certificate issued by the B.D.O. in connection with the correction of husband's name of Smt. Chamani Devi in Electoral roll were placed on record and admitted in evidence.

The Enquiry Officer, after consideration of evidence on record has come to the conclusion that the concerned workman is not the son-in-law of late Sanicharia Devi and that he got into the employment of the company by fraudulently and by impersonation. In arriving at this conclusion the Enquiry Officer has learned heavily on the LTC Form-A submitted by Sanicharia Devi and LTC Form B submitted by Basdeo Gope and electoral roll. In the process he has

not laid any weight on the evidenciary value of the marriage certificate, and the certificate issued by the B.D.O. correcting the name of the husband of Smt. Chamani Devi in the electoral roll. The management accepted the report of the Enquiry Officer and dismissed the concerned workman with effect from 1-4-86 by order dated 12-1-86.

NCWA-II and III provides that workman working in the Coal Industry are entitled to L.T.C. The maximum number of units that can avail of the benefits will be 4 adult units of the family members of the workmen concerned. It is not obligatory on the part of any workman to disclose all the name of the members of his family. Both Sanicharia Devi and her husband Basdeo Gope disclosed the name of 4 members of their family each in LTCs. In their disclosure in LTC Form only one member of their family is common and that member is Dhaneswari Kumari, their daughter. They have not disclosed the name of their daughter Chamani Devi. Since the couple, Sanicharia Devi and Basdeo Gope had not disclosed the name of their daughter Chamani Devi in the LTC Form submitted by them, the Enquiry Officer has concluded that Chamani Devi was not their daughter. Such sweeping inference is unwarranted because of the fact that in the LTC Form a workman is to declare the name of 4 members of his family who will avail the LTC benefit. Since Chamani Devi did not avail of the L.T.C. benefit either on account of her mother and father, her parents did not disclose her name in the LTC Form.

It appears from the Electoral roll (Ext. EM-2 in the domestic enquiry) that Lal Mohan Sao has been shown to be the husband of Chamani Devi and it appears from the Electoral roll that both Lal Mohan Sao and the concerned workmen are the sons of Madan Sao. The B.D.O., Hazaribagh corrected the electoral roll and certified that the concerned workman is the husband of Chamani Devi and not Lal Mohan Sao (Ext. EA-2 in the domestic enquiry). Thus the evidenciary value of the Electoral roll which militates against the concerned workman is entirely lost.

On the other hand the concerned workman has produced his certificate of registration of marriage. Registration of Hindu marriage is only for the purpose of preserving the record and for facilitating the proof of marriage. This certificate of registration of marriage was produced before the Enquiry Officer and there is no reason for the Enquiry Officer for his rejecting the evidenciary value of this certificate.

Shri Baldeo Gope deposed in the domestic enquiry and asserted that the concerned workman is the son-in-law.

Upon consideration of the evidence on record I come to the conclusion that the management has failed to prove that the concerned workman is not the son-in-law of Sanicharia Devi or that Sanicharia Devi had no daughter with the name of Chamani Devi. On the other hand the evidence on record discloses satisfactorily that the concerned workman is the son-in-law of Sanicharia Devi and husband of Chamani Devi daughter of Sanicharia Devi. This being the position I come to the conclusion that the concerned workman

has not sneaked into the service of Pindra Colliery of M/s. CCL fraudulently. Hence, the action of the management in dismissing him from service on the ground that he got employment in M/s. CCL fraudulently by disclosing himself as the son-in-law of Sanicharia Devi is not justified.

Accordingly the following Award is rendered :—

“The action of the management of Pindra Colliery of M/s. CCL in dismissing the concerned workman from service with effect from 1-4-86 by order dated 12-11-86 is not justified. The management is therefore directed to reinstate him in service with continuity thereof and to pay him 50 per cent of back wages within one month from the date of publication of this Award. The concerned workman is directed to report for duty within the period specified.”

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/35/88-JR. Coal-I]

का.प्र. 396—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार, सैसम भारत कोकिंग कोल लि. की भारोरा कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 396—In exercise of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen which was received by the Central Government on the 8-1-91.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD  
In the matter of a reference under section 10(1)(d)  
of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE NO. 85 OF 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Barora Colliery of M/S. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Sri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 27th December, 1990

132 GI/91—23

#### AWARD

By Order No. L-20012/35/84-D.III(A), dated, the 9th November 1984, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in refusing employment to the Miners, mentioned in the Annexure below from 27-6-1973 is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?”

#### ANNEXURE

- 1 Karamchand Manjhi
- 2 Gulam Rasul Mian
3. Dukhan Mian
4. Ishaque Mian
5. Kattruddin Mian
6. Dukhan Mian No. 2
7. Aziz Mian
8. Sawan Manjhi
9. Hoila Roy
10. Bijoy Manjhi
11. Sukar Manjhi
12. Kanjit Manjhi
13. Lakhman Manjhi
14. Moti Manjhi
15. Suklal Manjhi
16. Kamal Manjhi
17. Lakhiram Manjhi
18. Kaban Manjhi
19. Aziz Mian No. 2
20. Imam Mian No 2
21. Paban Manjhi No. 1
22. Rashid Mian
23. Gvardhan Bhuiya (Trammer)
24. Baro Kamin
25. Zaminadar Paswan
26. Ramu Mian
27. J. Manjhi
28. Washi Ram Mahato

2. The case of the sponsoring union, Bihar Colliery Kamgar Union, as disclosed in the written statement, details apart, is as follow :

Sri Karamchand Manjhi and 27 others were originally appointed by the erstwhile employer as permanent miner/loaders. They had worked for long with unblemished record of service in Barora Colliery which was taken over with effect from 31-1-73 and nationalised with effect from 1-5-73. But the management of Barora colliery did not allow them to resume their duties with effect from 20-7-73 without assigning any reason. The management stopped the concerned workmen from duty without follow-

ing the mandatory provisos of Standing Orders and in violation of the principles of natural justice. The concerned workmen represented their case before the management but without any effect. In the circumstances, the union was constrained to raise the present industrial dispute.

3. The case of the management of Barora Colliery, as appearing in the written statement-cum-rejoinder briefly stated is as follows :

The present reference is not maintainable. The allegation of stoppage of the concerned 28 persons from duty with effect from 27-6-73 is absurd because they would not have waited for ten long years without raising an industrial dispute over the matter. The demand of the union was raised on their behalf for the first time before the Asstt. Labour Commissioner by letter dated 22-10-73 whereupon the management requested the union to submit particulars of employment of the concerned persons with attested photographs for verification. The union failed to submit the details of employment and has been proceeding with the case in the spirit of gambling in litigation with a view to induct some strangers as workmen by impersonation. Anyway, the workman, Dukhan Mian No. 2 (Sl. No. 6), Ramjeet Manjhi (Sl. No. 12) and Iman Mian No. 2 (Sl. No. 20) are working in Muraidih Colliery and Aziz Mian No. 2 (Sl. No. 19) is working in Madhuband Colliery. Barora, Madhuband and Muraidih collieries fall within the same area. The workmen named Aziz Mia (Sl. No. 7) and Raban Manjhi (Sl. No. 18) are dead. The workmen bearing the names of Shri Karamchand Manjhi (Sl. No. 1), Sawan Manjhi (Sl. No. 8), Lakhan Manjhi (Sl. No. 13), Moti Manjhi (Sl. No. 14), Ram Lal Manjhi (Sl. No. 16), Lakhi Ram Manjhi (Sl. No. 17), Gobardhan Bhuia (Sl. No. 15) and Smt. Baro Kamin (Sl. No. 24) were on the roll of private colliery at the time of take over although they were not actually present in the colliery. They did not report for duty for several years after take over of the management of the colliery with effect from 31-1-73. The management considered their cases as abandonment of service. There were no worker as named at serial nos. 2, 3, 5, 9, 10, 11, 15, 21, 22, 26, 27 and 28 on the roll of the colliery at the time of take over of the management. The management has further submitted that the provision of Section 14 of the Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973, has been repealed and so the concerned persons have no right to claim for employment under M/S B.C.C. Ltd.

4. In rejoinder to the written statement of the management, the union has reiterated its position as disclosed in the written statement and alleged that the contentions of the management are false, frivolous, motivated and unsustainable.

5. After the parties arrayed in this dispute submitted their pleading, several adjournments were given at the instance of both the parties and ultimately case was fixed on 20-12-1990. Shri B. Joshi, Advocate, was present on behalf of the employer while Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, was present on behalf of the sponsoring union. Shri D. Mukherjee submitted that he was not interested in pursuing the case further. In the circumstances I am constrained to pass 'no dispute' award in this case.

This is my award.

S. K. MITRA, Presiding Officer.

[No. L-20012/155/84.D.III(A)/IR.Coal-I]

का.आ 397—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मंत्रालय भारत कोविंग कोल लिमिटेड की ओर (साउथ) कोलरी के प्रबन्धन से सम्बन्धित विवाद और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकार (स. 1) धनरा के पत्रपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 397.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra (South) Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen which was received by the Central Government on the 8-1-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD. In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 160 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowra (South) Colliery of M/s. BCCL.

AND

Their workmen.

#### PRESENT :

Shri S. K. Mitra—Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. N. Goswami, Advocate.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 31st December, 1990.

#### AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012/122/88-D-3(A)/D-IV(A), dated, the 29th

November, 1988 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

“Whether the demand of the union for making permanent the 17 badli cleaning mazdoor (enlisted in the list enclosed) by M/s. Bharat Coking Coal Ltd. Bhowra Area No. XI, Bhowra (S) Colliery at & P.O. Bhowra, Distt. Dhanbad is justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled?”

#### ANNEXURE

1. Shri Rupa Hari, S/o. Shri Opa Hari.
2. Shri Mohan Hari, S/o. Shri Jua Hari.
3. Shri Dhatur Hari, S/o. Shri Pachu Hari.
4. Shri Santosh Hari, S/o. Mangru Hari.
5. Shri Bajrangia Hari, S/o. Lila Hari.
6. Smt. Janki Harin, W/o. Khedan Hari.
7. Shri Ramprasad Hari, S/o. Gopi Hari.
8. Shri Subhas Hari, S/o. Girsha Hari.
9. Shri Sanatan Hari, S/o. Pablu Hari.
10. Shri Baldev Hari, S/o. Mangra Hari.
11. Shri Pancham Hari, S/o. Munilal Hari.
12. Smt. Ali Harin, W/o. Paresh Hari.
13. Shri Khaleshwar Hari, S/o. Achambit Hari.
14. Shri Roshan Lal Hari, S/o. Chamu Hari.
15. Smt. Amavati Harin, W/o. Rana Hari.
16. Shri Sujit Hari, S/o. Mangra Hari.
17. Shri Goutam Hari, S/o. Durga Hari.

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an Award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the Award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/122/88.D.III(A)]R.Coal-I]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD.

Reference No. 160/88

Employers in relation to the management of Bhowra (South) Colliery.

AND

Their workmen.

Petition of compromise :

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the above dispute has been amicably settled between the parties on the following terms :—

Terms of Settlement :

- (a) That the management will regularise all the concerned seventeen “Badli” workers as permanent sweepers with effect from 01-08-1990.

- (b) That the concerned workmen or any union on their behalf will not make any claim like wages or benefits in respect of their past services.

- (c) That for the purpose of payment of gratuity their services will be deemed to have continued with effect from 01-08-1990.

2. That in view of the aforesaid settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Workmen :

1. Rupa Hari.
2. Mohan Hari.
3. Chatur Hari.
4. Santosh Hari.
5. Bajrangia Hari.
6. Janki Hari.
7. Ram Prasad Hari.
8. Subhash Hari.
9. Sanatan Hari.
10. Baldev Hari.
11. Pancham Hari.
12. Ali Harin.
13. Khaleshwar Hari.
14. Roshan Lal Hari.
15. Amavati Harin.

For the Employer :

16. Sujit Hari.
17. Goutam Hari.

(S. K. Roy Chaudhury),

Agent

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991

का.आ. 398.—नर्मदारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.ए.आर. 1-2-91 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के विधाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के विधाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पंजाब राज्य के निम्न लिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

केन्द्र का नाम	हद बस्त नं.	तहसील	जिला
गांव कोटला दधेरी	201	खन्ना	लुधियाना

[संख्या एस-38013/4/91-एस.एस.-1]

New Delhi, the 16th January, 1991

S.O. 398.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st February, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and 77, 78, 79, and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Punjab, namely :—

Name of the Centre	Had Bast No.	Tehsil	District
Village			
Kotla Dadheri	201	Khanna	Ludhiana

[No. S-38013/4/91-SS.I]

का.आ. 399.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से सैकड़ों अकबर होटल, नई दिल्ली में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को 28-1-1972 से 6-4-1986 तक जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और वदाधिकार दिखाने जाएंगे।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिनियम द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संपन्न अभिदाओं के आधार पर हकदार हो जाते,
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;

- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की ताथ्य जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसा

विवरणिया ऐसे प्राकग में और ऐसे विनिर्दिष्टो अहित इस जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधिन उक्त अवधि का यावत देता था;

- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम का धारा 15 का उप धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राविष्टन कोर्ष अन्य पदधारी—

- (1) धारा 44 की उप धारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की यावत दी गई किता विवरणों की विनिर्दिष्टों को सत्यापित करने के प्रयोजनाथ;

- (11) यह अभिनविचि करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या ;

- (111) यह अभिनविचि करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गए उन फायदों को, जिनके प्रतिकूल स्वरूप इस अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

- (1V) यह अभिनविचि करने के प्रयोजनाथ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के साथ म अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सममत होगा :—

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है,

- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिनोनाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह अधिनियमों के नियोजन और मजूरी के सदाय में सहधित ऐसे लेखा, बहिगा और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें, जिसे व आवश्यक समझते हैं, या

- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

- (व) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/12/88-एस एस-1]

स्पष्टीकरण जापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के अखेवत पत्र दरी में प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हिस पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 399.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948, (34 of 1948) the Central Government hereby exempts the regular employees of Akbar Hotel, New Delhi—  
 —————from the operation of the said Act for a period with effect from 28-1-1972 upto and inclusive of the 6th April, 1986.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid establishment where in the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding its exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the Said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under Sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
  - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
  - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
  - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/12/88/S.S.I]

#### Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1991

श.स. 400.—कर्मचारी राज्य बीमा (संशोधन) अधिनियम, 1989 (1989 का 29) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (i), (ii) और (iv) (ख), धारा 7 के खण्ड (i), धारा 12 के खण्ड (i), धारा 13 और 14, धारा 17 के खण्ड (ii), धारा 18, 19, 20, 21, 23 और 28, धारा 32 के खण्ड (iii) एवं धारा 46 के उपबंधों को लागू करने की दारीख 1 फरवरी, 1991 निर्धारित करती है।

[संख्या एस 65012/1/89 एस एस-1]

New Delhi, the 18th January, 1991

S.O. 400.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Employees' State Insurance (Amendment) Act, 1989 (29 of 1989), the Central Government hereby appoints the 1st day of February, 1991 as the date on which the provisions of clause (i), (ii) and (iv) (b) of section 3, clause (i) of section 7, clause (i) of section 12, sections 13 and 14, clause (ii) of section 17, sections 18, 19, 20, 21, 23 and 28, clause (iii) of section 32 and section 46 of the said Act shall come into force.

[No. S-65012/1/89-S.S.I]



का.आ. 401.—कार्जारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन.डि.आर. 1-2-91 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रदत्त की जा चुकी हैं) के उपबन्ध बिहार राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

राजस्व ग्राम	राजस्व थाना	जिला
1. महसानवा	316	सीतामढ़ी
2. बरियारपुर	318	सीतामढ़ी
3. कमाला (हदरा)	सोने डायरा इलाका के अन्तर्गत	सीतामढ़ी
4. मोहनपुर	317	सीतामढ़ी
5. थाना रोड	भावदेवपुर ब्लॉक के अन्तर्गत	सीतामढ़ी
6. राजोपट्टी (कोतबाजार)	315	सीतामढ़ी
7. हॉस्पिटल रोड	भावदेवपुर ब्लॉक के अन्तर्गत	सीतामढ़ी
8. सीतामढ़ी	259	सीतामढ़ी
9. सीतामढ़ी नगर पालिका की सीमा के अन्तर्गत सभी क्षेत्र।	---	सीतामढ़ी

[सं. एस-38013/5/91-एस एस 1]

S.O. ....401. In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st February, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of sections 76 and 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Bihar namely:—

Name of the Revenue Villages	Revenue Thana	District
1. Mahasanta	316	Sitamarhi
2. Bariarpur	318	Sitamarhi
3. Kamala (Hadra)	Under Sone Diara Block	Sitamarhi
4. Mohanpur	317	Sitamarhi
5. Thana Road	Under Bhavdeopur Block	Sitamarhi
6. Rajopatti (Kot Bazar)	315	Sitamarhi
7. Hospital Road	Under Bhavdeopur Block	Sitamarhi
8. Sitamarhi	259	Sitamarhi
9. All revenue villages and thanas	within Sitamarhi Municipal Area	Sitamarhi

[No. S-38013/5/91-SS.I]

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1991

का.आ. 402.—उपदान संशोधन (संशोधन) अधिनियम, 1987 (1987 का 22) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त संशोधन अधिनियम की धारा 4 के खण्ड (क) के उपबन्ध को लागू करने की तारीख प्रथम फरवरी, 1991 निर्धारित करती है।

[संख्या एस-42013/1/90-एस एस-II]

ए.के. भट्टारै, सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1991

S.O. 402.—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Payment of Gratuity (Amendment) Act, 1987 (22 of 1987), the Central Government hereby appoints the 1st day of February, 1991 as the date on which the provisions of clause (a) of section 4 of the said Amendment Act, shall come into force.

[No. S-42013/1/90-SS.II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1991

का.आ. 403.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री पी. वुरुप्पा सामी, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 28 दिसम्बर, 1990 से अगला आदेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी, मद्रास के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/90-उत्प्रवास]

New Delhi, the 21st January, 1991

S.O. 403.—In exercise of the powers conferred by section 3 sub-section (1) of the Emigration Act 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri P. Karuppasamy, Section Officer as protector of Emigrants, Madras with effect from 28-12-90 till further orders.

[No. A-22012/1/90-Emig.]

का.आ. 404.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री पी.के. राय, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 2-1-91 से अगला आदेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी, दिल्ली के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/90-उत्प्रवास]

आर.के. गुप्ता, सचिव

S.O. 404.—In exercise of the powers conferred by Section 3 sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri P. K. Roy, Section Officer as Protector of Emigrants-II, Delhi with effect from 2-1-1991 till further orders.

[No. A-22012/1/90-Emig.]

R. K. GUPTA, Under Secy.

## भ्रम संज्ञाप

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1991

का.आ. 405—केन्द्रीय सरकार, शिक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 2 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और केन्द्रीय शिक्षता परिषद से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित विषय क्षेत्रों को, स्नातक और तकनीकी शिक्षाओं के लिए, इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए अधिहित व्यवसाय के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, अर्थात् :—

1. कम्प्यूटर विज्ञान/कम्प्यूटर अनुप्रयोग।
2. बहुलक पौष्टिकी।
3. डेरी इंजीनियरी / प्रौद्योगिकी।
4. खनन मशीनरी इंजीनियरी
5. खनिज इंजीनियरी।

[सं. डी.जी.ई.टी.-23(11)/90-ए.पी.]

शिंगारा सिंह, अवर सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Employment &amp; Training)

New Delhi, the 22nd January, 1991

S.O. 405.—In exercise of powers conferred by clause (c) of section 2 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and after consultation with the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby specifies the following subject-fields as designated trades, for Graduate and Technician Apprentices, for the purpose of the Act, namely :—

1. Computer Science|Computer Applications.
2. Polymer Technology.
3. Dairy Engineering|Technology.
4. Mining Machinery Engineering.
5. Mineral Engineering.

[No. DGET-23(11)|90-AP]

SHINGARA SINGH, Under Secy.

